

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 2, 1985 (कार्तिक 11, 1907)  
No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 2, 1985 (KARTIKA 11, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संसदन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 सितम्बर 1985

सं० ए-32013/1/83-प्रशा०-2--संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एतद द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी इंजीनियर श्री प्रदीप मेहता को आयोग के कार्यालय में 1-9-1985 से 30-11-1985 की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो वरिष्ठ इंजीनियर (ग्रुप क) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर उपर्युक्त अवधि के लिए श्री प्रदीप मेहता की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इससे इनको इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति या वरिष्ठता का कोई हक प्राप्त नहीं होगा।

दिनांक 25 सितम्बर 1985

सं० ए-32014/1/85-प्रशा०-III--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित नियमित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी

आदेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये सहप नियुक्त करते हैं :--

क्र० सं०	नाम	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
मर्च श्री		
1.	बसंत सिंह (अ०जा०)	27-9-85 से 45 दिनों के लिए
2.	एम० एल० वर्मा-1	27-9-85 से 45 दिनों के लिए

दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए-12025(II)/1/84-प्रशा०-III--संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० के० बंसल के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के का० जा० सं० 5/11/85-सी० एस० 1, दिनांक 9-9-1985 द्वारा, पेट्रोलियम मंत्रालय के के० सं० से० संवर्ग में वर्ष 1984 के लिये अनुभाग अधिकारी ग्रेड (वरिष्ठता कोटा) की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु मनोनीत होने



के परिणामस्वरूप उन्हें, 1 अक्टूबर, 1985 के पूर्वार्द्ध से इस कार्यालय के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

एम० पी० जैन  
अवर सचिव (का० प्रशा०)  
सेवा लोक सेवा आयोग

का० और प्रशिक्षण, प्रेशा सु०,  
लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
का० एवं प्रशि० वि०  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

सं० ए-12025/2/79-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो तथा पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्-द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तिथि से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर पुलिस उपाधक्षिक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	शाखा जिसमें तैनात किया गया	पुलिस उपाधिक्षक के रूप में नियुक्ति की तिथि
----------	----------------	----------------------------	---

[सर्वश्री]

1.	एच० सी० बिष्ट	देहरादून	18-4-84
2.	डी० एन० चौधरी	सी०आई०यू० (ए)	3-9-85
3.	एम० बी० गोदबोले	सा०अ०स्कंध/बम्बई	3-9-85
4.	सतीश चन्द्र	सिल्वर	3-9-85
5.	डी० के० चौधरी	सी०आई०यू० (ई०)-I	3-9-85
6.	जी० एन० गुप्त	विशाखापटनम	3-9-85
7.	गौरी प्रभाद	एस०आई० सी०	3-9-85
8.	हरभजन राम	एस०आई० सी०	3-9-85
9.	अल्बर्ट कनेर	सा०अ० स्कंध/बम्बई	3-9-85

दिनांक 9 अक्टूबर 1985

सं० ए-19036/9/77-प्रशा०-5—निवर्तन होने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रति नियुक्ति पर आए श्री जी० एम० अम्बेडकर, पुलिस उपाधिक्षक की सेवाएं 31 अगस्त, 1985 अपराह्न से महाराष्ट्र सरकार को सौंप दी गई थीं।

आर० एस० नागपाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० 18/20/85-प्रशा०-II—श्री ए० एस० संगमेश्वरन, सहायक केन्द्रीय न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला, हैदराबाद को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली में 18 सितम्बर, 1985 (पूर्वार्द्ध) से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान

में तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 अक्टूबर 1985

सं० 13-1-83-प्रशा०-I—श्री पी० आर० के० मूनि, तदर्थ वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक को 17-9-85 से नियमित आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है। वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद का वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 है।

एस० के० मलिक  
महानिदेशक

महा निदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० ई-32015(4) 77/85-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर श्री वीरेन्द्र सिंह ने 30 अगस्त, 1985 के पूर्वार्द्ध से के० औ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-32015(4)/80/85-कामिक-I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर श्री एस० सी० जोशी, ने 2 सितम्बर, 1985 के पूर्वार्द्ध से के० औ० सु० ब० यूनिट, सी० पी० टी० कलकत्ता में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-37015(4)/79/85-कामिक-I—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री ए० सी० दुबे ने 1 सितम्बर, 1985 के पूर्वार्द्ध से के० औ० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी०, रांची, में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

सं० ई० 32015(4)/47/85 कामिक I—राष्ट्रपति, श्री एस० एन० बिस्वास को, प्रोन्नति पर, 29 अगस्त, 1985 के पूर्वार्द्ध से, के० औ० सु० ब० यूनिट, के० सी० सी० खेतड़ी का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई० 32015(4)/78/85-कामिक-I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री भगवान सिंह ने 30 अगस्त, 1985 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट, के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 9 अक्टूबर 1985

सं० ई०-16013(2)/1/81-कामिक-I—राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, श्री गुरचरण सिंह भुल्लर भा० पु० से० (पंजाब : 66) ने 13 सितम्बर, 1985 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।



दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

सं० ई-31013(2)/1/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों (सहायक कमांडेंट-तदर्थ/निरीक्षक/कार्यपालक) को 2-9-1985 से सहायक कमांडेंट, के रैंक में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से अन्य सहायक कमांडेंट तदर्थ/निरीक्षक (कार्यपालक) जिनके सहायक कमांडेंट, के रैंक में नियमन/प्रोन्नति के आदेश अलग से जारी कि ये जा रहे हैं, के दावे पर बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले प्रोन्नत करते हैं। इन अधिकारियों की परस्पर वरिष्ठता के बारे में, आदेश यथा समय जारी किए जायेंगे:—

1. श्री एस० एस० शुक्ला
2. श्री नथूनी राम
3. श्री पी० डी० खुल्लर
4. श्री कृष्ण चन्द्र
5. श्री डी० आर० जांगडा
6. श्री एम० छेत्री
7. श्री आर० एस०, खती।

सं० ई-16013-(2)/1/81-कार्मिक-I—राज्य काडर को प्रोन्नति पर, प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, श्री डी० एस० भुल्लर, भा० पु० से० (पंजाब : 64) को, 8-4-1985 से 14-9-1985 तक स्वीकृत छुट्टी बिताने के पश्चात, 14 सितम्बर, 1985 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब०, यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर के कमांडेंट, के पद का कार्यभार "छोड़ दिया" समझा जाएगा।

दिनांक 11 अक्टूबर, 1985

सं० ई-32015(4)/82/85-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री गुरबचन सिंह ने 23 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, अरिया में, सहायक कमांडेंट, के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-16013(1)/20/85-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री एम० सी० डे, भा० पु० से० (उड़ीसा : 61) ने 10 अक्टूबर, 1985 के पूर्वाह्न से उप महा-निरीक्षक (प्रशासन), के० ओ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया।

डी० एम० मिश्रा  
महानिदेशक/के० ओ० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

सं० 10/4/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय, के श्री ए० पी० गुप्ता, कंसोल

आपरेटर को, उसी कार्यालय में पदोन्नति पर दिनांक 23 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर अस्थायी अवस्था में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुप्ता का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
3. वह दो वर्ष की अवधि के लिये परीवीक्षा अवधि रहेंगे।

वी० एम० वर्मा,  
भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

चलाय पल मुद्रणालय

नासिक रोड दिनांक 19 सितम्बर, 1985

सं० ई० एस० ई०-1-21—महा प्रबन्धक चलाय पल मुद्रणालय, श्री सोहनलाल (अनु० जाति) भंडारी को, भंडार अधिकारी (वर्ग "ख राजपत्रित) के पद पर रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 की वेतन श्रेणी में स्पष्ट रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति प्रारम्भिक रूप में दिनांक 19 सितम्बर, 1985 (अपराह्न) से 6 महीने की अवधि के लिये अथवा नियमित नियुक्ति किये जाने की तारीख तक, जो भी पहले घटित हो तक की जा रही है।

सु० द० इडगुंजी  
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय: निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 अक्टूबर, 1985

सं० प्रशासन 1/का० आ० सं० 268—इस कार्यालय के एक स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी श्री. एम० बी० राभाकृष्णन वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 31 अक्टूबर, 1985 अपराह्न को, भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 5 अक्टूबर, 1927 है।

दिनांक 10 अक्टूबर, 1985

सं० प्रशासन-1 का० आ० सं० 262—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी) को 30-9-1985 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक 840-1200 रु० के वेतन क्रम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम नाम  
सं०

1. श्री सरदारी लाल
2. श्री सी० एल० गुलाटी



दिनांक 11 अक्टूबर, 1985

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश सं० 271—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 इस कार्यालय के श्री ओ० पी० बत्रा स्थायी अनुभाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा, अधिकारी की स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतन क्रम 840-1200 रु० में 8-10-85 पूर्वाह्न से आगे आदेश आने तक नियुक्त करते हैं।

(ह०) अपठनीय

उप निदेशक लेखा परीक्षा, (प्रशासन)

कार्यालय : निदेशक, लेखा परीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर, 1985

सं० प्रशासन-111/11—निदेशक, लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध, इस कार्यालय के निम्नलिखित अस्थाई लेखा परीक्षा, अधिकारियों को 840-1200 रुपयों के वेतनमान में उनके नाम के सामने दर्शायी गई तिथियों से स्थाई पद पर नियुक्त करते हैं।

सर्वे श्री :

1. आर० बी० जौहरी— 1-4-1985
2. आर० के० गुप्ता— 1-7-1985

आर० पी० सिंह

उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्र०)

महालेखाकार लेखा का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद-500 463, दिनांक 1 अक्टूबर, 1985

सं० 120—महा लेखाकार (लेखा एवं ह०) आंध्र प्रदेश, हैदराबाद सहर्ष निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में 840-40-1000-द० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
श्री के० अण्णाराव	1-10-85 पूर्वाह्न

पदोन्नति के लिये दिये गये आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जायेंगे।

(ह०) अठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

महालेखाकार (ले० व०) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम-695 039, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

सं० स्थापना/प्र०/5/9-86/खण्ड 2/188—श्री के० श्रीधरन (सं० 3), अनुभाग अधिकारी को 17-9-1985 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करने को महालेखाकार (ले० व०) संतुष्ट हुए हैं।

यह नियुक्ति सिविल विविध आर्जी सं० ओ० पी० 750/84 के पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा, जो आदेश जारी किया जाए, उसके अधधीन अगले आदेश तक अस्थायी है।

एस० बी० पिल्लै

वरिष्ठ, उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय: महालेखाकार (ले० प०), महाराष्ट्र

बम्बई-400020, दिनांक 1 अक्टूबर, 1985

क्र० सं० प्रशा०-1/ले० प०/सामान्य/ले० प० अ०/1(1)/10—महालेखाकार महोदय, ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा, अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष, लिखी गई तिथियों से प्रभावी पुनः आदेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा, अधिकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है।

क्र० सं०	नाम	ले० प० अ० पद पर नियुक्ति की तिथि
1.	श्री ए० एस० मनोली	5-9-1985 पूर्वाह्न
2.	श्री आर० के० मालाडकर	2-9-1985 पूर्वाह्न

(ह०) अठनीय

व० उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

आयुध निर्माणी बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता-700 001, दिनांक 20 सितम्बर 1985

सं० 8/10/85/ए/ई-1(एन जी)—डी० जी० ओ० एफ० महोदय, श्रीमती रानु दास स्थानापन्न सहायक को स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी (तदर्थ) के पद पर वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभावी दिनांक 31-7-1985 से (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश न होने तक पदोन्नत करते हैं।

2. उक्त पदोन्नतियों में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई अपील के परिणामानुसार पालन किया जाएगा।



3 उपरोक्त अधिकारी ने दिनांक 31-7-1985 (अपराह्न) से ए० एस० श्री० के रूप में उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एस० दास गुप्ता,  
निदेशक, प्रशासन  
कुते महानिदेशक आयुध निर्माणियों

कलकत्ता-700001, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

सं० 09/85-ए/एस—राष्ट्रपति, महोदय, डा० आर० के० शाह सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं को दिनांक 13 सितम्बर, 1985 से उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्थान	दिनांक
1.	डा० आर० के० शाह आयुधनिर्माणी बोर्ड		13-9-85

सी० एम० माथुर  
एडिशनल डी० जी० श्री० एफ०/  
सदस्य/कार्मिक

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र,  
महानिदेशालय

सायन बम्बई-22, दिनांक 11 अक्टूबर, 1985

सं० 17/6/77-स्थापना—अधिवर्षिता आयु पर पहुंचने पर श्री एस० टी० स्वामी, प्रशासनिक अधिकारी, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय, के अधीनस्थ कार्यालय क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र, मद्रास से दिनांक 31 अगस्त, 1985 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति पाई।

एस० बी० हेगडे पाटिल,  
उप महानिदेशक और विभागाध्यक्ष

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

आयात एवं व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 6/1203/77-प्रशा० (राज०)/588—इस कार्यालय के श्री एस० एल० शर्मा, नियन्त्रक, आयात-निर्यात, ने सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, 31 अगस्त, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से अवकाश ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० 6/1212/77-प्रशासन (राज०)/1014—संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, आयात-निर्यात श्री जी० एच० मंधानी सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, 31 जुलाई, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

शंकर चन्द

उप मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात  
कुते मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात

वस्त्र विभाग

कार्यालय संदाय आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1985

सं० 14(16)/85-सी० पी०—श्री विजय कुमार वर्मा, वाणिज्य मंत्रालय, के सी० एस० एस० एस० के ग्रेड "स" के पद भार से मुक्त होने पर, संदाय आयुक्त, कार्यालय में वरिष्ठ व्यक्तिक, सहायक के पद पर 650-1040 रु० के वेतनमान पर 1-8-1986 (पूर्वाह्न) में प्रति नियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया जाता है।

प्रथमतः इनकी नियुक्ति की अवधि एक वर्ष होगी। इस अवधि के दौरान, श्री विजय कुमार वर्मा, को वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय समय पर यथा संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं० एफ 10(24)-ई-III/60, दिनांक 4-5-1961 से निहित आदेशों द्वारा, अभिशामित किया जाएगा।

धरन दास श्रीमा  
संदाय आयुक्त

वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 30 सितम्बर 1985

सं० 10(18)/82-राज०-6—अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर श्री एम० डी० पटेल, निदेशक (पश्चिमो क्षेत्र), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, बम्बई 30 सितम्बर, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

शिरोमणि शर्मा,  
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

सं० 12(428)/64-प्रशा० (राज०) खण्ड-3—राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक, श्री एस० पी० तिव्हा, ग्रेड-2 (धातुकर्म) को दिनांक 6-9-85 (पूर्वाह्न)



से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में निदेशक ग्रेड-1 (धातुर्म्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय,  
उप निदेशक (प्र०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए०-1/1(1206)—राष्ट्रपति, निदेशक पूर्ति कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) श्री पी० बंगरा को 23 अगस्त 1985 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में नियमित आधार पर सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बंगरा, दिनांक 23-8-1985 के पूर्वाह्न से दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

राजबीर सिंह

उप निदेशक (प्रशा०)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

सं० ए०-6/247(537)-II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्री जे० बी० जोईस को छः महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित/वरिष्ठ अधिकारी के कार्यभार संभालने तक इसमें जो भी पहले हो 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपए के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III, ग्रुप "ए०") (अभियांत्रिकी शाखा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री जोईस ने 9 सितम्बर 1983 के पूर्वाह्न से सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी दिन से निदेशक, निरीक्षण बम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी अभियांत्रिकी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० प्र०-6/247(951)/II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री एस० मिश्रा को तदर्थ आधार पर रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में 6 माह की अवधि के लिए अथवा नियमित वरिष्ठ अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III ग्रुप "ए०" (इंजी० शाखा) में सहायक निदेशक, निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० मिश्रा ने निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 9-9-1985 के अपराह्न से सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद का भार छोड़ दिया और उसी तारीख से उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

आर० पी० शाही  
उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

सं० 4699-डी०/ए०-19012(3-जे० पी० एस०)/83-19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री जगदीश प्रसाद शर्मा को 13-2-85 (अपराह्न) से रजाणपत्र पर मुक्त किया गया।

दिनांक 9 अक्टूबर 1985

सं० 9627-बी०/ए०-19012(ए० के० वाई०)/84/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री अशोक कुमार यादव को भंडार अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रु० के वेतनमान के वेतन पर अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 25-7-85 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 9636-बी०/ए०-19012(3-एस० आर० पी०)/85-19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री शांति रंजन पाल को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 22 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्ति कर रहे हैं।

अमित कुशारी  
निदेशक (कामिक)  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० ए०-19011(16)/70-स्था० ए०—श्री सी० पी० एस० नायर, स्थायी क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय खान व्यूरो ने इस विभाग में खान नियंत्रक के पद पर पदोन्नति



होने पर सलाहकार (विज्ञान और तकनीकी) इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा दिनांक 9-9-1985 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक नई दिल्ली में खान नियंत्रक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

पी० पी० वादी  
प्रशासन अधिकारी  
कृते महानियंत्रक  
भारतीय खान ब्यूरो

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

सं० सी०-6270/718-ए०-निम्नलिखित अधिकारी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सी० मि० सेवा ग्रुप "बे०") के पद पर 840-40-1000-३० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम और पदनाम	युनिट/ कार्यालय	तारीख
1.	श्री बी० एम० गाजरे, कार्यालय अधीक्षक (वरिष्ठ वेतमान)	दक्षिण पूर्वी सकिल, भुवनेश्वर।	7-8-85 (पूर्वाह्न)

जी० सी० अग्रवाल  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

#### परमाणु ऊर्जा विभाग

##### नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना

न०प०वि०प० कालोनी, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

क्र० न० प० वि० प० /प्रशा०/4(40)/85/एस०/11742—अधिसूचना सं० न० प० वि० प०/भर्ती/12(2)/84-एस०-7138, दिनांक अगस्त 18, 1984 द्वारा अधिसूचित इस परियोजना के स्थायीकृत सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री विजय पाल सिंह, की सुरक्षा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति अगस्त 12, 1985 के अपराह्न से समाप्त की जाती है।

आर० के० बाली  
अधिरा

#### क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 24 सितम्बर 1985

संदर्भ सं० क्रमनि०/41/16/85-प्रशा०/26583—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी, श्री सी० पोन्नैया, को इसी निदेशालय में दिनांक 14-5-85 (पूर्वाह्न) से 15-6-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार अधिकारी, श्री जी० आर० जी० चौधरी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

दिनांक 3 अक्तूबर 1985

संदर्भ सं० क्रमनि०/2/1(7)/85-प्रशा०/6856—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय विभाग और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने श्री एन० वाय० आरेकर, स्थायी भंडारी, को इसी निदेशालय में दिनांक 13-8-1985 (पूर्वाह्न) से 31-12-1985 (अपराह्न) तक रुपए 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880 40 1000-३० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 8 अक्तूबर 1985

सं० क्रमनि०/41/8/85-प्रशा०/6881—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी, श्री सी० जी० बेबी को इसी निदेशालय में दिनांक 6-5-1985 (पूर्वाह्न) से 7-6-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार अधिकारी श्री आर० एन० प्रभु के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

पी० गोपालन  
प्रशासन अधिकारी

#### न्यूक्लीयर विद्युत् बोर्ड

बम्बई-5, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

सं० एन० पी० बी०/3(40)/76-स्था०/1/9576—निदेशक (अभियांत्रिकी) न्यूक्लीयर विद्युत् बोर्ड, बम्बई एतद्वारा सम्पदा प्रबन्धन निदेशालय के एक सहायक सुरक्षा अधिकारी (एस० जी०) श्री पी० सुरेन्द्र को अस्थायी रूप से इस बोर्ड को सुरक्षा अधिकारी के पद पर अक्तूबर 28, 1985



के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

जी० ए० कौलगुड  
सामान्य प्रशासन अधिकारी  
निदेशक (अभियांत्रिकी)

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1985

सं० ए० 32023/1/85-आर०/429-निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र इस अनुसंधान केन्द्र के एक अस्थायी उप अधिकारी श्री विधान बिहारी रे को उसी केन्द्र में 8-7-85 से 7-12-85 तक की अवधि के लिए स्टेशन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० रायप्पा, स्टेशन अधिकारी के स्थान पर की गई है जो प्रशिक्षण के लिए गए हैं।

दिनांक 12 सितम्बर 1985

सं० आर० आर० सी०/ए० 32014/20/85-आर०/424-निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के उन अधिकारियों को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, 1 फरवरी, 1985 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक के लिए ६० 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000 ६० रो०-40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद
1.	श्री ए० थिरवेंकटसामी	स्थायी वैज्ञानिक सहायक बी० तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "सी०"
2.	श्री एम० गणपति	स्थायी वैज्ञानिक सहायक "बी०" तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "सी०"
3.	श्री डी० कृष्णमूर्ति	स्थायी वैज्ञानिक सहायक "बी०" तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "सी०"
4.	श्री एन० विजयराघवन	स्थानापन्न कारीगर "ग०"
5.	श्री के० शशीकुमार	स्थानापन्न कारीगर "ग०"

कुमारी एस० गोपालकृष्णन्  
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560 017, दिनांक, 30 सितम्बर 1985

सं० 020/1(1584)/85-स्था०-—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर की श्रीमती के० उषा, वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०" से प्राप्त त्याग पत्र को दिनांक 11 अप्रैल 1985 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

एच० एस० रामदास  
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1985

सं० ए० 31013/2/83-स्था०-1-—राष्ट्रपति, श्री आर० पी० सिंह को, जो कि इस समय निदेशक, प्रशिक्षण और अनुज्ञापन के पद पर कार्यरत हैं, दिनांक 1-5-1983 से महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में उप निदेशक विमान सुरक्षा (परिचालन) के पद पर स्थायी क्षमता रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अक्टूबर 1985

सं० ए० 12025/3/83-स्था०-1-—राष्ट्रपति, श्री बिमल कुमार श्रीवास्तव को दिनांक 27 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक, 1100-50-1600 रुपए के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में सहायक निदेशक (मैन्स एव चार्ट) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 अक्टूबर 1985

सं० ए० 32013/12/83-स्था०-1-—इस कार्यालय की दिनांक 26 सितम्बर, 1984 की अधिसूचना सं० ए० 32013/12/83-ई० 1 के क्रम में, राष्ट्रपति, श्री टी० सी० आहलूवालिया की निदेशक उड़न योग्यता के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 26-3-85 से 8-9-85 तक की अवधि के लिए जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं।

दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० ए० 32013/9/84-स्था०-1-—राष्ट्रपति, श्री एस० के० दास, उपनिदेशक, संचार को दिनांक 19 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से, अन्य आदेश होने तक, निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-32013/10/84-स्था०-1-—राष्ट्रपति, सर्वश्री टी० सी० आहलूवालिया और एस० रंजन, तदर्थ निदेश उड़न योग्यता को दिनांक 9-9-1985, से अन्य आदेश



होते तब, इसी ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करने हैं।

जे० सी० गर्ग,  
मंत्र्युक्त निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

सं० ए०-32013/2/81-ई० सी०—इन विभाग की दिनांक 27 अगस्त, 1984 की राजपत्र अधिसूचना सं० ए० 32013/2/81-ई० सी० के तमाम में, राष्ट्रपति श्री डी० कृष्णामूर्ति की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारियों के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि दिनांक 31-7-1984 तक की अवधि के लिए बढ़ाने की मंजूरी प्रदान करते हैं।

2 तकनीकी अधिकारियों के पद पर तदर्थ नियुक्ति की बढ़ाई गई अवधि के फलस्वरूप, श्री डी० कृष्णामूर्ति इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने के हक्कार नहीं होंगे और तदर्थ आधार पर की गई सेवा न तो ग्रेड में बर्गीकरण के प्रयोजन के लिए और न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति का पात्रता के लिए गिनी जाएगी।

बी० जयचन्द्रन  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० ए० 12025/6/84-ई० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की अनुज्ञा पर, महानिदेशक नागर विमानन श्री माट्टासाठी रेड्डी को दिनांक 10-9-85 के पूर्वोक्त और अन्य आदेश होने तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई हवाई अड्डा, बम्बई के कार्यालय में स्थापना क्षमता में भण्डार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश  
उपनिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 7 अक्टूबर 1985

सं० 16/312/78-स्था०—सेवा निवृत्ति की अवधि पूरी हो जाने पर श्री ए० ए० गैहरोट, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान, एवं महाविद्यालय, देहरादून दिनांक 30 सितम्बर, 1985 के अग्रगण्य से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 16/224/72-स्था०-1—सेवा निवृत्ति की अवधि पूरी हो जाने पर श्री पी० एम० पयाल, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, दिनांक 30 सितम्बर, 1985 के अग्रगण्य से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

जे० एन० मकसेना  
कुल सचिव  
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 8 अक्टूबर 1985

सं० ए० 19012/1070/84-स्था०-पाँच—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री चन्द्रेश्वर सिंह पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 31-12-1984 पूर्वोक्त में अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 9 अक्टूबर 1985

सं० ए० 19012/1079/85-स्थापना पाँच—इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17 जून, 1985 का अधिक्रमण करने हुए अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री प्रवीर कुमार बरमन, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 गण के वेतनमान में 8-3-1985 की पूर्वोक्त में एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थाई और तदर्थ आधार पर स्थापना रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19012/1098/85-स्था०-पाँच—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री रामपुकार चाधरी, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 26-4-1985 पूर्वोक्त में अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

मीनाक्षी अग्नेडा  
प्रवर सचिव (समन्वय)  
केन्द्रीय जल आयोग



निर्माण महानिदेशालय				1	2	3	4
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग				2.	पी० पालानी	31-8-85 (अपराह्न)	निर्माण मधेक्षक (सिविल) लो० नि० वि० पश्चिमण्डल-5, दिल्ली प्रशासन, नई दिल्ली।
नई दिल्ली दिनांक 8 अक्टूबर 1985							
सं० 32/3/85-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) श्रेणी-1 के ग्रेड के अधिकारी निवृत्ति की आयु होने पर सरकारी सेवा से उनके आगे दी गई तारीख से सेवा निवृत्त किए जाते हैं।				3.	बी० आर० राव	30-9-85 (अपराह्न)	कार्यपालक अभियंता (मूल्यन) आयकर विभाग, हैदराबाद।
क्र० सं० अधिकारी का निवृत्ति की अंतिम तैनाती का नाम तारीख स्थान और पदनाम				4.	एल० सी० मित्तल	30-9-85 (अपराह्न)	कार्यपालक अभियंता (सिविल) दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल परियोजना, लो० नि० विभाग, दिल्ली प्रशासन, नई दिल्ली।
1	2	2	4				
सर्वश्री							
1.	एस० बी० गोपालकृष्ण	31-8-85	कार्यपालक अभियंता (अपराह्न) (मूल्यन) आयकर विभाग, बंगलौर				के० सी० बेहुरी प्रशासन उप निदेशक कृते निर्माण महानिदेशक



**हस्त लिखित कायदा, 1908**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रेंज—कलकत्ता**

**कलकत्ता, दिनांक 23 मिनम्बर 1985**

निर्देश सं० सी० ए० 145/85-86/51068 आई० ए० सी०/एफवी० रेंज-1/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 216 है तथा जो आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता-27 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० आई० ए० सी० अर्जुन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-2-85

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) यथापूर्वोक्त संपत्ति किसी नाम की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के लिये संपत्ति के संचालन में कमी करने या उक्त संपत्ति में सुधार के लिए; या/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित की द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री आक्षर आलि गगजी,  
श्री हासान आलि गगजी एवं,  
श्री सुनतान आलि गगजी,  
ज्ये मेस्ट कन्सट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

216 आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता-27 में अवस्थित संपत्ति का अंश जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जुन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिविल नं० सी० ए० 145 के अनुसार 25-2-85 में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख : 23-9-  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मल्लिक चन्द्र चाटार्जी,

(अन्तरक)

(2) श्री सतन कुमार दत्त

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-13/रेंज-4/सं०/1985-86--

अतः मुझे, शांति के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिरकी सं० 35 है तथा जो नक्कल के० गिफ्ट है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायित्व आभासाल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 20-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

अमीन 4.31 काटा जमीन का साथ मकान पता-35,  
चक्रवर्ती लेन, आनन्दमोहन दलित सं०-1985 का 1104  
(ए० सी० के० बनर्जी)

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज-4, कलकत्ता)  
54, रफिअरुद्दीन किल्ला रोड  
कलकत्ता-16

तारीख : 3-9-1985

माहुर :



प्रकाश बाबू, टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2/85-86—आ०: मुंबई, अतिल  
कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम साधकालीनों को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आप जिस संपत्ति का मालिक हैं (जो 1745, मालेग  
पेनाड बॉस आर०-3, बंगला, मंगरी, मंगरी (क्षेत्रफल  
728 चौ० फुट) है तथा जो मंगरी में स्थित है (और  
जो उपरोक्त अधिनियम के तहत सूचीबद्ध है),  
रोकट्रीज लिमिटेड के अधीन है, आपका आयुक्त  
निरीक्षण सं० 37ईई/2/85-86—आ०: मुंबई, अतिल  
(1908 का 16) के अधीन जारी है। 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यथापूर्ववत् संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच पूर्व अन्तरण के लिए यह धारा गण्य प्राप्त-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब को बाध्य उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाह्य/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी वन या अन्य आस्तिया  
का, जिनके आस्तिक आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाभ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किण्व जाया जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) मेरी श्री एजेन्सीज,  
237, तागवन पेड,  
पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री रवीशंकर लमय्या शेटी,  
1282, गंतोष गिरा, स्थाना रोड,  
खान बाग, मंगरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पक्षों को उचित की बर्ज के लिए  
कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्ज के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में दया परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीज का 37ईई/2/85-86 जो जून  
85 को आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना  
के दफ्तर में लिखा गया है।

अतिल कुमार

सहायक आयुक्त

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

उक्त अधिनियम के धारा 269-ब के अधिनियम  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 13-9-85

महेश्वर



बन्धन बाई, टी. एन. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2177/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप मेहर अपार्टमेंट में, 615 माचापीर स्ट्रीट, पुना (क्षेत्रफल 500 चौ० फुट) है तथा जो पुना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के अन्तर्गत में कमी करने या उससे बढ़ने से सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भूतलसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार बत, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मसर्स रमेश बिल्डर्स,  
618, माचापीर स्ट्रीट,  
पुना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना सुंदरजी पोपट,  
बी०/14, हरमन पार्क, 30 बन्ड गार्डन रोड  
पुना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2177/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 6-9-85

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/1664/84-85—अन : मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन सर्वे नं० 44-ए, हाउस नं०  
1/1-ए, (पार्ट) अथवा सी० एस० नं० 3090-ए (पार्ट)  
(क्षेत्रफल 17217 चौ० फुट) ई तथा जो कल्याण में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय (बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

(1) मै० अलगुज कन्स्ट्रक्शन एन्ड इस्टेट्स,  
प्रा० लि०,  
219, सार्ई बिहार जिवाजी पैठ, में  
कल्याण

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पटेल ब्रदर्स,  
4 महकार मदन, माकनाल इस्टेट  
एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर  
बम्बई 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वसुन्धरी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/16647/84-85  
जो मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पुना

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-9-85

मोहर :



प्रकाश बाबू, बी. एस. एम.

(1) भ० निवेद्यो इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०  
83 देवा रोड (प्रायः),  
बम्बई ।

(अन्तरक)

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) मैरुम वर्धमान थिल्डर,  
40-41, विधान शांति सेटर,  
सर एस० वी० रोड, अंधेरी (ए)  
बम्बई ।

(अन्तरिनी)

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंड, पुना

पुना, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/16302/84-85—अनः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि सम्पत्ति सम्पत्ति, जिसका उचित आकार  
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 48 जिला व्यापार केंद्र, वासी  
नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई के स्थित है (जो उपरोक्त  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), निम्नलिखित  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी  
निरीक्षण अर्जुन रेंड से निम्नलिखित अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आकार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और जो यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आकार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गत (अंतरित) और  
अंतरिनी (अंतरितियों) के बीच होने अंतरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
कार्यक्रम से कमी करने का अंतर अंतरण से अंतरण  
से निरा; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या का किया जाना चाहिये था, क्रियान्वे में  
प्राप्त के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के अर्थात् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन के अर्थात्, जो भी अर्थात्  
बाव में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
आस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पर्यक्त पक्षों और पक्षों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा निम्नलिखित सं० 37ईई/16302/84-85  
जो मई 85 को सहायक आयकर अधिकारी निरीक्षण अर्जुन  
रेंड, पुना के कार्यालय में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंड, पुना

तारीख : 4-9-1985

मोहर :



प्रारूप अधिनियम टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/1797/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2010 ए० गफार बेग स्ट्रीट, काम्प प्लॉट नं० 8, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग लगा गया प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :—

3-306GI/85

(1) मैमर्स जैन शर्मा बिल्डर्स,  
5/66, मीरा कालोनी, शंकर पैठ रोड,  
पूना 1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना आर० दासबानी  
कृष्णाकुंज प्लॉट नं० 115,  
2393, निमर्या रोड, पूना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० सं० 37ईई/1797/85-86 जो अगस्त 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 2-9-85  
सोहर :



प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/1998/85-86--अन : मुझे, अनिल

कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लॉट नं० 11 सर्वे नं० 686/2 ए०, बिबवेवाडी, पुना (क्षेत्रफल 667 चौ० फुट) है तथा जो पुना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब धाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण व हुई किसी धन की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० श्रीवेक सिम्हरकर एन्ड एसोसिएट्स,  
सर्वे नं० 686/2 ए/1, बिबवेवाडी रोड,  
पुना

(अन्तरक)

(2) रमेश माहती माने,  
बैंक आफ इंडिया, पिलीव ब्रान्च,  
ता० मालगीरस जि० सोलापुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37ईई/1998/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 3-9-85

मोहर :



रजयुक्त. टी. एन. एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाषा संस्करण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/10996/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 3, दूसरा भजला, सब प्लॉट नं० 11 एफ० पी० नं० 85, सी० टी० एम० नं० 56 (क्षेत्रफल 1150 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाका क्या प्रतिफल, विधिविधिपूर्वक उद्घरण से उक्त अन्तरक विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कम्प्यूटिंग से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन यह होने के अन्तरक के अन्तरक से कभी कभी या उक्त करने में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाता था, जिसमें से सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० सुभा इंजीनियरिंग प्रा० लि०,  
"विद्या" 93/2 ए, एरन्डवना  
पूना-4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदू श्रीपाद भोरसकर  
के०/ओ० डा० अरविंद संगमनेरकर,  
नरसिंग होम कालोनी 50-51 लक्ष्मी पार्क  
नवी पेठ पूना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/10996/84-85 जो मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 4-9-1985  
मोहर :



**एक बार, दो एव. एव.**

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

**धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना**

**आयकर**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/533/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-103, पहला मजला, मंगलम नवघट गांव, ता० वसई जिला थाना क्षेत्रफल 660 चौ० फूट है तथा जो थाना में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) का बाज एम् अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक है कि किसी बाज की बाज उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निमित्त;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

(1) मै० महावीर कन्स्ट्रक्शन कंपनी  
लाल गोडामान वसई रोड़ (प०),  
ता० वसई जिला थाना  
(अन्तरक)

(2) श्री एच० आर० मेहता,  
101/ए०, ओम श्रीनाथ को-ऑपरेटिव  
हार्जिसिंग सोसायटी लि०,  
सुभाष लेन एस० एम० रोड़, बांदिबली (वेस्ट)  
बम्बई  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाज में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/533/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-9-1985  
मोहर :



प्रकाश बाई. टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/733/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 4, सर्वे नं० 712/1-6, गंगापुर हाउसिंग कालोनी, कालेज रोड, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम की धारा 20-क में उक्त अधिनियम के अधिनियम में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य मास्तिबों को, जिसमें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० डी० जे० बिल्डर्स,  
1 ऋषिकेश सोसायटी, कालेज रोड,  
नासिक

(अन्तरक)

(2) श्री लोकेश के० शेरडे  
के/ओ सरगम इंडस्ट्रिज,  
एल०-40, सातपुर नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/733/84-85 जो अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 5-9-85  
मोहर



प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/13120/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2, तक मजला लोक सिल्प,  
बसई, प्लॉट नं० 59 सेक्टर नं० 17 डी० डी० सी० बम्बई  
(क्षेत्रफल 565 चौ० फुट) है तथा जो बसई, बम्बई में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारंग  
फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण सं० हुई किसी अन्य की नावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के व्यक्तियों में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जीए/का

(ख) ऐसी किसी नाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या कि या जाना चाहिए या, विधान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललीत सी० गांधी,  
मुख्य प्रमोटर लोक सिल्प को-आपरेटिव  
हाउसिंग सोसायटी लि०,  
14 विशाल शापिंग सेक्टर एम० वी० रोड,  
अंधेरी (ई०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री ओ० पी० भाटिया,  
ए-22, आर० एच० II सेक्टर 6,  
बसई, नई बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त बध्नाय में दिव-  
नवा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/13120/84-85  
जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जुन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 5-9-1985

मोहर :



प्रकृष जार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2184/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या निर्मला अपार्टमेंट्स, 43, भवानी पेठ,  
प्लॉट नं० 7, तीसरा मजले पर, पुना 2 है तथा जो पुना  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
में निहित

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन रेंज—

(1) मैमर्स महवाना कन्स्ट्रक्शन कंपनी  
दिवार्डिन टाराम, 913/914,  
साइनामोंग स्ट्रीट, पुना-1

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीपकुमार अन्तराज ललवानी  
681, शुक्रवार पेठ, पुना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2184/85-86  
जो जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 5-9-1985

मोहर :



प्रकृष बाह्य. टी. एन. एच. च - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2005/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 34, सर्वे नं० 26, कोथरुड गाँव ता० हवेली जि० पूना डहाणुकर कालोनी क्षेत्रफल 6810 चौ० फुट), है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाय अग्रसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके दायित्व में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम में धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अजय्या एस० मदन,  
25, बालचंद टेरास तारवेय रोड,  
बम्बई और अन्य,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० एस० मालगी  
हुले बिल्डिंग 404, शनिवारपेठ,  
पूना 30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्रसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2005/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 6-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

अर्जन रेंज, पूना दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/12444/84-85—अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 129, 1229, गुरुवारपेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अधिनियम में कभी करने या समझने के अधिनियम के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में आवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धारा 269-ग की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भरत केशवलाल शाह,  
ई-90, आदीनाथ सहकारी गृह रचना लि०,  
पूना अतारा रोड, पूना

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गद्रे लिमिटेड एमोसिएट्स  
626, नारायण पेठ, पूना-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तासारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/12444/84-85  
जो मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-9-85  
मोहर :



प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/54/84-85—अतः सुमे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या व्यंकटेश अपार्टमेंट, 163/5, रेलवे लाईन्स,  
सोलापुर है तथा जो सोलापुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एस० गैडा,  
आसरा हाउसिंग सोसायटी, इंडस्ट्रियल स्टेट,  
सोलापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवलिंग तुकाराम कावे,  
पी० एन्ड डी० दुबल दुबई पोस्ट बाक्स नं०  
3627 यू० ए० ई०।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/54/84-85 जो अप्रैल  
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना  
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-9-85  
मोहर :



प्रकरण बाई. टी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/60/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए० 5 पहला मजला, तुकाराम  
अपार्टमेंट, 134, रेलवे लाईन्स, सोलापुर है तथा जो सोलापुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) श्री विवेक तुगाराम कोटा,  
राहुल बिस्डर्स, 134 रेलवे लाईन्स,  
सोलापुर जिला सोलापुर, ।  
(अन्तरक)

(2) श्री विश्वरत्ना आर्य,  
हाउस नं० 134, तुकाराम अपार्टमेंट्स,  
प्लॉट नं० ए-3, रेलवे लाईन्स सोलापुर, ।  
जिला सोलापुर, ।  
(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० - 37ईई/60/84-85 जो अप्रैल  
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना  
के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-9-85  
मोहर :



प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/988/85-86--अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अपार्टमेंट नं० 406, बिल्डिंग नं० 4,  
सर्वे नं० 27/1-बी०, एन्डवना पूना 4 (क्षेत्रफल 1200  
चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तगरीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु  
प्रतिफल से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
रिटी (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स संघवी असोसिएट्स,  
318/19, चतुरखंबी रोड,  
पुना-16

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप ई० गनबोटे और अन्य,  
115 रास्ता पेठ, पुना-11

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायोप :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/988/85-86 जो  
जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पुना के दफतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 16-9-1985

मोहर :-



प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2384/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० सी०-1, पहला मजला  
बिल्डिंग नं० सी० 258 शुक्रवारपेठ पूना-2 (क्षेत्रफल 820  
चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावस  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय का दावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद जो  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी जन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पञ्च-  
कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स उत्कर्ष एन्टरप्राइजेस,  
321/9, महात्मा फुले पेठ, शांतीनगर  
पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्री रामलाल टेकचंद राठीड़,  
54/57, गुरुवार पेठ,  
पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवाएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2384/85-86  
जो जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-9-85  
मोहर :



प्ररूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2385/85-86---अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० सी०-2, सी० 258, शुक्रवार  
पेठ पूना-2 (क्षेत्रफल 845 चौ० फुट) है तथा जो पूना में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स उरकश एन्टरप्राइजेस,  
321/9, महारमा फुले पेठ शांतीनगर,  
पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक वीरचंद पलेशा,  
314/2, रविवार पेठ,  
पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2385/85-86  
जो जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-9-1985

ओड्ड १



प्ररूप भाई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 सितम्बर 1985

निवेश सं० 37ईई/7/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट सं० 19, प्लॉट सं० 250, टो० पी०  
ए० सं०—III, पंचगती है तथा जो पंचगती में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति र—

(1) श्री मोहम्मद इकबाल हुसैन इब्राहिम  
मन्शन पहला मजला, सैफ रोड बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एन० धारिया  
पंचगती महाबलेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/7/84-85 जो फरवरी  
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के  
दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 20-9-85

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/1803/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० निशेगन्ध अपार्टमेंट्स, सर्वे सं० 43/2ए/1ए, पर्वत/पूना-9 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रार/अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन वा अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार करने में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा

(1) मेक्स के० गोभराज आजे कम्पनी  
प्लॉट सं० 23बी गुलटेकडी, लाली भवन पूने  
(अन्तरिती)

(2) आमतः हेमलता दत्तात्रय कस्तुरे  
431/3, माया अपार्टमेंट्स, गुलटेकडी,  
पूना—37 ।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बाब लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रार/अधिकृत क्र० 37ईई/1803/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के खप्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 20-9-85  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/2547/85-86---यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट सं० सा/9 सर्वे सं० 155/1ए/1ए/1/  
1/1/2 मौजे श्रांघ पुना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनूसूचक में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इति अधिनियम  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में,  
रजिस्ट्री इति अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जुलाई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, माधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यतः :—

5-306GI/85

(1) वास्तु सुन्दर सहकार गृह रचना  
संस्था, सूर्यादिन केसर/आफ बालचन्दनगर इण्डस्ट्रिज  
बिल्डिंग 16एम.जी. रोड, पुना ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० बी० लोडे

उक्त सं० 2/4,

मुख्य कालोनी बालचन्दनगर पुना जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री सं० 37ईई/2547/85-86 जो  
जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 13-9-85

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/12046/84-85—यतः भुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 13, सौ० टी० एस० सं० 1144 सदाशिव पेठ पेरुगेट पुलिस चौकी, पूना (क्षेत्रफल 790 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से सबसे अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्थिति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूमिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एस० गठाणः

612-बो/1, नानापेठ लतेश मोहायट: पूना 1  
(अन्तरक)

(2) श्री ह्री० डी० करमरकर

2075, सदाशिवपेठ पूना 30 1

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के विश्व कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोधः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/12046/84-85 जो अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-9-85

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

(1) सने सरदेशमुख एसोसिएट्स

गंगाधर चम्बर्भ 314,

नारायण पेठ पूना-30

(अन्तर्राष्ट्र)

(2) श्री अमृत तुकाराम शिलीकुमार

37/530, नेताजी नगर, बानघडी पूना-42

(अन्तर्राष्ट्र)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/668/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट सं० बी-3 पहला मजला बंशव लक्ष्मी  
अपार्टमेंट, 1466, नवार्णव पेठ पूना 30 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
धर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरी-  
क्षण अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक जून 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र०-37ईई/668/84-85-86  
जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/56/84-85---यतः मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवेदन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लॉट सं० ए-7, पहला संजला तुकाराम अपार्टमेंट, 134, रेलवे लाइन्स सोलापुर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-वर्ती अधिवार के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैजिस्ट्रेट राहुल बिन्दर्स  
134, रेलवे लाइन्स, सोलापुर ।  
(अन्तरक)
- (2) श्री रत्नलाल पुष्पराज जैन  
हाउस सं० 134 तुकाराम अपार्टमेंट फ्लॉट सं० ए-7,  
रेलवे लाइन्स सोलापुर ।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/56/84-85 जो अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 16-9-1985

मोहर :



प्रारूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/122/84-85-यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० ए-10, दूसरा मंजला, तुकाराम  
अनाटमेंट 134 रेलवे लाईन्स सोलापुर में स्थित है (और  
इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
इसके यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स राहुल बिल्डर्स  
134, रेलवे लाईन्स सोलापुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुबोध कृष्णाकुमार श्रीवास्तव  
एच० सं० 134, तुकाराम अनाटमेंट फ्लैट सं०  
ए-10, दूसरा मंजला, रेलवे लाईन्स  
सोलापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचे :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितस्थायी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/122/84-85 जो मई  
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के  
दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

(1) श्री सुभाष मोरेश्वर ठेरे ।

129, कलबा पेठ पूना ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दीपक टी० पुंडे

987, स्वाशिवपेठ पूना 30

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/12169/84-85-यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सी० टी० एस० सं० 129, कलबा  
पेठ पूना में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
अप्रैल, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि से वास्तविक  
प से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से पूर्व किसी काम की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उत्तरावधौ व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रमुख सूचनाओं की सूची का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/12169/84-85 जो  
अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 23-9-85

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 मितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/59/84-85—यन: मुझे, अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट सं० ए-8, पहला मजला, तुकाराम  
अपार्टमेंट 134, रेल्वे लाइन्स मोलापुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाविल्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) मेसर्स राहुल बिल्डर्स  
134, रेल्वे लाइन्स, मोलापुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोदकुमार रत्नलाल जैन  
प्ल० सं० 134, तुकाराम अपार्टमेंट प्लट सं० 8  
रेल्वे लाइन्स मोलापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/59/84-85 जो अप्रैल  
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के  
दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

अतः उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 23-9-85

मोहर



प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/4726/85-86-अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1 00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 9, गांव और ता० पालघर, जि०  
थाना सर्वे सं० 50, हिस्सा सं० 1 से 81/3 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ४ लाख के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
पञ्चमू प्रमाण से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करण या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यता  
को, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

(1) श्री विनय एम० बोरकर  
अंधेरी बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) एम० एन० बोरकर  
द्वारा श्री एम० बोरकर, प्रसाद बेनिफिट ट्रस्ट  
अंधेरी बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

\* जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/4726/85-86 जो  
जुलाई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 24-9-85

मोहर :



इसका आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बनिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- पुना

पुना, दिनांक 24 मितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/508/85-86-यतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वान् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य आधाय मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट सं० 16, बिल्डिंग सं० 4, रामगुण नगर थाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में परिवर्धन करने और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था विधान में मन्विष्ट के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, जिनके नाम

6-306GI/85

(1) वास्तु विकास मंडल  
रास्तूरबा बिल्डिंग संभाजी रोड, विष्णुनगर  
नवपाडा, थाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री विरूप मनोहर गिंगम  
15/228, सरदार नगर  
सं० 4 बाय : कोलीवाडा, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाफेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/508/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 24-9-85

सोहर :



प्रकाशक: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एच्यू०/2/एम०-आर-1/2-

85/816--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० क्वार्टर सं० सी-79 एण्ड 80, है तथा जो  
रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित  
के वास्तविक रूप से काचित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
हाबित्व में कमी करने या उसके बढ़ने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आशङ्कित था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अर्थान्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ब्रिज भूषण भगत पुत्र श्री दर्शन दयाल भगत,  
निवासी—सी-7 डी० एम्०, रमेश नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल दाग आनन्द पुत्र श्री नाथु राम,  
निवासी—जे-4/13, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान् के विश्व  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थान् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डबल स्टोरी क्वार्टर सं० सी-79 एण्ड 80, रमेश नगर,  
नई दिल्ली, दोनों की तादादी—123.66 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-1985

माहिर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०-एक्यू०-2/एस-आर-1/  
2-85/821—अन०, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस सं० 31/3 है तथा जो वेस्ट पटेल  
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस०  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक से  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी नामा बाह्य था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हैरीकिशन लाल,  
निवासी—31/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री चेतन देव एण्ड श्रीमती रामा चौपड़ा,  
निवासी—23/27, वेस्ट पंजाबी बाग, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सर्गणी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युत्पादकरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाउस सं० 31/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-1985  
माहुर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस-आर-1

2-85/822--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० एच/21 है तथा जो कीर्ति नगर, एरिया आफ ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली, स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इसने उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छेपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सोम प्रकाश शारदा पुत्र श्री मुन्शी राम शारदा, निवासी- एच-21, कीर्तिनगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार सचदेवा पुत्र श्री मंगल दास और श्रीमती चन्दन सचदेवा पत्नी श्री अमृतलाल सचदेवा, निवासी--63-सी, एस० एस०-रमेश नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० एच/21, तादादी-200 वर्गगज, कीर्ति नगर, एरिया आफ ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-1985

आहूत ।



संख्या 269-ब (1) के अधीन अधिनियम

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
खण्ड 269-ब (1) के अधीन अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**आयकर अधिनियम**

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०-0/एक्यू०-2/एस-आर-1/2-  
85/823—अतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 22, रोड 7 नं० है तथा जो पंजाबी  
बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थपूर्णतः सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, विम्बनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वितरण  
की कमी करने या उक्त अधिनियम में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए था. किन्तु वे  
सुविधा के लिए;

(1) श्री हरबंश सिंह एण्ड जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री निर्मल सिंह  
निवासी—7/22, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एस/श्री सुन्दर लाल, भीम सेन, शिव कुमार  
पुत्र स्व० श्री ताले राम,  
निवासी—बी-2/95, पश्चिम बिहार,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधापत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमोहस्ताधारी की  
पस निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० (रियर प्रोशन) बना हुआ घर, प्लॉट सं०-22  
रोड सं० 7, तादादी -180.89 वर्ग गज, टोटल एरिया 361.78  
वर्ग गज) पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 16-9-1985  
मोहर :



प्रकृत बाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रज्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस-आर-1/2-  
85/824—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 162, ब्लॉक एफ है तथा जो मान  
सरोवर गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक फरवरी 1985,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र स्व० श्री वीर सिंह,  
निवासी—प्लॉट सं० 131, सत्या नगर,  
न्यू कैपिटल, भुवनेश्वर, जिला पुरी, (उड़ीसा)  
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार सेठी पुत्र श्री ठाकुर दास सेठी  
निवासी—एफ-158, मानसरोवर, गार्डन,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 162, ब्लॉक एफ सादावी-29, बर्गगज, कालोनी  
मान सरोवर गार्डन 4, एरिया आफ ग्राम, बसई दारापुर, दिल्ली  
स्टेट, दिल्ली ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रज्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85  
मोहर :



प्रकरण आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/2-85/  
825—प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-78, है तथा जो मानसरोवर गार्डन, एरिया आफ ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् :—

(1) श्री तरलोचन सिंह पुत्र श्री छत्तर सिंह,  
निवासी-नई-78, मानसरोवर, गार्डन नई दिल्ली,  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री भगवान दाम सलुजा पुत्र श्री राम प्रकाश  
2. श्रीमती चेतन सलुजा पत्नी श्री जोगिन्दर नाथ  
सलुजा 3. श्रीमती रिटा सलुजा पत्नी स्व० श्री  
महेन्द्र नाथ सलुजा,  
निवासी-चूना महा-, जी० टी० रोड, सासाराम  
बिहार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

प्रो० सं० ई-78, तादादी-297.5 वर्ग गज, मानसरोवर  
गार्डन, एरिया आफ ग्राम—बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85

माहुर :



**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस-आर-1/2-4

6—अनंत, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्रो० नं० 1/146 है तथा जो गन्दा नाला, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से कुछ ऐसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उक्त अन्तरण के सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, स्थित करने के लिए

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रिखी चन्द खन्ना,  
निवासी—51/46, नया गंज, कानपुर ।  
(अन्तरक)

(2) मै० सोपो आटो कोरपोरटीओ,  
146, मोरी गेट, दिल्ली ।  
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के अन्वय में कोई भी बावत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1/146, गन्दा नाला, मोरी गेट, दिल्ली ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 मितम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/2 एम-आर-1/2-85

827-प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं० एम-68, कीर्ति नगर, है तथा जो  
एरिया आफ ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

7-306G 1/85

(1) श्री अमर सिंह पुत्र सोहन सिंह,  
एम-68, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री गुर प्रसाद सिंह पुत्र श्री करतार सिंह  
निवासी--28/76, वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि-  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के अर्जन  
बहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सकेगा।

लक्ष्यीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 3-अक्षर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० एम-68, आबादी-200 वर्ग गज, आबादी आफ  
कीर्ति नगर, एरिया आफ ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट,  
दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85

मोहर :



प्रत्यक्ष आर्थिक, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०-आर-1/

2-85/830—अन्तः, मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमीन सं० प्लॉट सं० डी०-14ए/20 है तथा जो माडल  
टाउन, एरिया आफ ग्राम मालीकपुर चाहोनी, दिल्ली में स्थित  
है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
नियमों में प्रावधानों के अधीन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भी व्यक्ति को उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
हाथिपट्टे में कमी लगाने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्री नरबिर इन्दर सिंह, भगवान सिंह,  
नरधीर इन्दर सिंह पुत्र श्री सूबेदार नन्द सिंह,  
निवासी—एफ-14/44, माडल टाउन, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) (1) श्री जय देव महलोत्रा (2) श्री राकेश महलोत्रा,  
(3) श्री मुकेश महलोत्रा  
पुत्र श्री बी० एन० महलोत्रा,  
निवासी-1/3, माडल टाउन, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यकताएं करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तारण के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एम० एम० हाउस आन प्लॉट सं० डी-14ए/20, तादादी-  
455 वर्ग गज, माडल टाउन, एरिया आफ ग्राम, मालीकपुर चाहोनी,  
दिल्ली स्टेट, दिल्ली ।

के० वामुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम-आर-1/2-  
85/831--अंतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस सं० 3 सी०/9 है तथा जो न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पड़ा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्रीमती रमिन्दर कौर सोढ़ा,  
निवासी—3सी/9, न्यू रोहतक रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री अनिल चाधरी (2) श्री संतोष चाधरी  
(3) श्री जनक चाधरी,  
निवासी—892, जोशी रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विंगल स्टोरी हाउस सं० 3सी/9, न्यू रोहतक रोड;  
नई दिल्ली ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85

मोहर :



प्रकरण आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/2-  
85/832-अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बैकेण्ट प्लॉट सं०-7, है तथा जो केवल पार्क,  
एरिया आफ ग्राम आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली से भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कान्ता रानी पत्नी श्री दीलत राम आहूजा  
निवासी—गली सेठ मोहनलाल ककड़, फाजिलका  
जिला पंजाब ।

(अन्तरक)

(2) एस०/श्री विशम्बर दयाल अग्रवाल, जय किशन  
अग्रवाल, पुत्र स्व० श्री नाहुना राम अग्रवाल,  
निवासी—ग्राम-सराय पिपल थला, दिल्ली  
(हाउस सं० 221)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

बैकेण्ट प्लॉट सं०-7, तादादी-300 वर्ग गज, केवल पार्क,  
एरिया आफ ग्राम-आजादपुर, विद बाऊनडिड दिवार ।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85

मोहर ।



## रकम आई.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/2/एस०-आर-1/2-  
85/833-अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, मेटकैफे रोड, है तथा जो 3, शंकराचार्य  
मार्ग, सिविल लाईन, दिल्ली-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँज यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तर्गत  
है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अलोपी प्रसाद बन्सल पुत्र स्व० श्री राम किशोर  
निवासी--सं०-5-जी, विश्वा एपार्टमेंट्स, 3,  
शंकराचार्य मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री डी० एन० सिंगानिया पुत्र टोडर मल,  
2. श्रीमती कुन्ता सिंगानिया,  
पत्नी श्री डी० एन० सिंगानिया,  
निवासी--सं०-70, लेक एवेन्यू,  
कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, ब्लॉक सं०-5, ग्रुप हाउसिंग विश्वा एपार्ट-  
मेंट, 3 मेटकैफ रोड, 3, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाईन,  
दिल्ली, तादादी -210.14 वर्ग मीटर ।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/

2-85/834--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० क्वार्टर सं० 19/3, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध प्रतिसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों का जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि

(1) श्री युधिष्ठिर लाल

निवासी--19/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कुलबीर सिंह 2. अमरीक सिंह भल्ला,

निवासी--23/20, ईस्ट पटेल नगर,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुज्ञा**

क्वार्टर सं० 19/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस-आर०-1/2-85/

837:—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45, ब्लाक 'डी' है, तथा जो  
खसरा नं० 86, 88, 89, 92 से 107, ग्राम-सादोरा कलॉ  
सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
गोप्य रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सौबधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गंगधर पुत्र श्री रघुनाथ प्रसाद,  
निवासी:—ए-सी-आई/145-बी,  
शालीमार बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर कानुनिया चौधरी (माईनर)  
ब्राम पिता श्री सत्या देव चौधरी,  
एन/जी पुत्र श्री महावीर प्रसाद चौधरी,  
निवासी:—49, राजस्थानी उद्योग नगर,  
ज/० ट/० करनाल रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

लादादी-150 वर्ग गज, प्लॉट नं० 45 ब्लाक 'डी' सत्यावती  
नगर, आउट आफ खसरा नं० 86, 88, 89, 92 से 107,  
ग्राम-सादोरा कलॉ, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 16-9-1985

मोहर :



प्रमुख आई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/2-85/838—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्रो० नं० है तथा जो एक-14/12ए, माडल-टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचि में और पूर्ण का 4 वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई-दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उच्च प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत :—

(1) एस० मनमोहन सिंह डिसूजा और श्रमति प्रोती डिसूजा,  
निवासी—गोगिया विला, के० बी० रोड,  
पटना (बिहार)।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द बेरी  
केशव चन्द बेरी,  
और श्री गुरदयाल सिंह बेरी,  
(एच० यु० एक्यू०)  
निवासी—बी० 7/140, बेरी बिल्डिंग, लाकर बाजार,  
लुधियाना (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

प्रो० नं० एक्यू-14/12-ए, माडल टाउन, दिल्ली  
तादातो—233.3 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-9-1985  
मोहर :



प्रकट जाहें.टी.एन.एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू/2/एस-आर-1/2-

85/841—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जो फ्लेट नं० 101 है तथा जो 100 बनारसी दास इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारोख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण में हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सविधा के निम्न जाहें/जा

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—306GI/85

1) श्रीमति सरोज बाबा गुप्ता,  
पति स्व० श्री ओम प्रकाश गुप्ता,  
निवासी—बी-जे-71, शालीमार बाग,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2) श्री किशोर कुमार पुत्र स्व० श्री तीरथ दास,  
निवासी—फ्लेट नं० -101, मैजनिन फ्लोर नं० 100,  
बनारसी दास इस्टेट, तिमारपुर,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 101, मैजनिन फ्लोर, तादादी-963.0246,  
बर्ग फिट, बालकान/ तादादी-103.1875 बर्ग फिट, प्रो०  
कैरिज नं० 100, बनारसी दास, इस्टेट, तिमारपुर,  
दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-9-1985

संहर :



प्रथम भाई. डी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/2/एस-आर-1/2-

85/844—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 182 है तथा जो खसरा नं० 2237,  
ब्लॉक सी, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूजे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
गन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कए होने के अन्तरक के  
बाविल से कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित —

(1) श्रीमति पुष्पा वर्मा पति श्री बाला राम  
निवासी—3268, रनजीत नगर, नई दिल्ली,  
एट परेग्रन्टई-20 मानसरोवर गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कृष्णा गुप्ता पति श्री बाबु लाल गुप्ता,  
निवासी—ए-9, विशाल इन्क्लेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 182, सादादी-220 वर्ग गज, पार्ट आफ़ खसरा  
नं० 2237, ब्लॉक 'मो' मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-9-1985

मोहर :



प्रकृ. आई.पी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक-6 सितम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/2-85/

845—प्रतः मुखे, के० वासुदेवन,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह निवेदन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लेख कमाउ न्यून 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रो० नं०-14/6299 (न्यू) है तथा जो कुसुब-पुरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह निश्चित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के व्यक्ति के कर्तव्य करने या उन्हें करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एन० एन० अरुणाचलम पुत्र  
श्री एम० नारायणा,  
निवासी—153, ग्राम- रोड, मद्रास-34  
(अन्तरक)
- (2) 1. चौ० हरनाम सिंह पुत्र चौ० बुद्ध सिंह,  
निवासी—27/10, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।  
2. चौ० सुरिन्द्र सिंह पुत्र चौ० हरनाम सिंह  
कर्ता आफ चौ० सुरेन्द्र सिंह (एच-यू-एफ)  
एस-37, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।  
3. चौ० जगजीत सिंह पुत्र चौ० हरनाम सिंह,  
27/10, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं०-14/6299 (न्यू) तादासी-600 वर्ग मीटर,  
कुसुब पुरा, दिल्ली ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

विषय सं० नोटिस नं० 46390/85-86--अतः मुझे,

भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है तथा जो कनकपुरा रोड, बसवनगुडि  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
25-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्राप्तफल से, ऐसे  
द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
अर्थात् अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अक्षिप्त  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साक्षित में कभी कभी या उक्त अधिनियम में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) वैसे किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-काय अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गोल्डन लोटस,  
पार्टनरशिप फर्म, इसके प्रतिनिधि  
श्री के० ईश्वरी प्रसाद हैं।  
4503, है पाइन्ट 45, व्यालेस रोड, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स क्रेस्ट डेवलपमेंट और लीसिंग लि०,  
नं० 29, राजाजी साल, मद्रास-1,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सहसुची

(दस्तावेज सं० 4713/85-86 तारीख 25-2-1985)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 39 जो कनकपुरा रोड, बसवन-  
गुडि बंगलूर में स्थित है।

भार० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27-9-1985

मोह :



राज्य नार्. टी. एन. एन. - - - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

राज्य नार्. टी. एन. एन.

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अगस्त, 1985

(1) वेम सेल्म और मर्विसेज प्रा० लि०  
न० 26, महात्मा गांधी रोड,  
बंगलूर-560001

(अन्तरक)

(2) मेसर्स के० रहेजा डिवलपमेंट कारपोरेशन  
न० 28, महात्मा गांधी रोड,  
बंगलूर-560001

(अन्तरिती)

निदेश सं० नोटिस सं० 1602/37ईई—अतः, मुझे,  
आर० भारद्वाज,  
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 26 और 27 पुराना सं० 37 और 37 ए है तथा जो 26, एम० जी० रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कलने या उचित दायित्व में स्विभा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिन्हारे में स्विभा को मिले;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठ्यताकारी को पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

आज्ञा

(दस्तावेज सं० 1362/84-85 तारीख 23-2-1985)  
सम्पत्ति है जिसका नया सं० 26 और 27 (पुराना सं० 37 और 37 ए) स्ट्रक्चर के साथ जो न० 26, महात्मा गांधी रोड, बंगलूर-560001 में स्थित है। जिसका नापना 6286.58 स्केवर मीटर्स (67668.70 स्केवर फीट)।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 1-8-1985  
मोहर :



प्रथम भाग टी. एम. एड.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 1119/85-86—अतः मुझे, एस० बालसुब्रमण्यन  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एल० आर० ए० 132 है तथा जोलेक बीयू  
कालोनी मीरामार पणजी, गोवा में स्थित है (और इससे उपाख्य  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, ईलहास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 21-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच के अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कम निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से पहले किसी नाम की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कतु देने के अंतरक के  
वास्तव में कभी करने या इससे बचने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
की गई उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत :—

(1) श्री ओलम्पिया फर्नीचर और पत्नी  
श्रीमति इडा मारिया, फेलिसिया फर्नीचर  
लेक बियू अपार्टमेंटस मिरामार,  
पणजी, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कुंदा मधुकर सोसाइटी,  
के०एम०एस० हाऊस नं० 51, बाई नं० 8  
पीजीई एनैलो रोड  
पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सूचना के वर्जन के संबंध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के  
पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 156/211 तारीख 21-2-1985)

प्लेट एशिया 48 स्केवर सीटर्स है। ये सम्पत्ति लेक  
बियू अपार्टमेंटस पणजी, गोवा में है।

एस० बालसुब्रमण्यन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 7-10-1985

मोहर : ५



प्रकट बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 20 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 1006/85-86— अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० साईट नं० 9 है तथा जो बाई V नं० के०बी०  
बडावणे दावणगेरे में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 18) के अधीन, तारीख 7159/8-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरोध के  
वाचित्व में कमी करने या उसके देने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरित की द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) श्रीमति निर्मलंबा पति जी० एन० सूर्यनारामणा  
शेट्टि 8वां वार्ड नं०

के० बी० बडावणे दावणगेरे ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० रामकृष्णा शेट्टी पुत्र पी०के० गोविन्द शेट्टी  
सब स्टॉक कारपोरेशन बैंक,  
दावणगेरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 7159 तारीख 8-2-1985)

घर जो दावणगेरे शहर में है । पता 5वां बाई के०बी०  
बडावणे दावणगेरे जगह 600 स्के० फीट और घर कुल मिलाकर  
900 स्के० फीट है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 सितम्बर 1985

निदेश सं० 1007/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 111, है तथा जो रवीन्द्र नगर,  
शिमोगा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1) श्रीमति एन० जी० ममता  
पति एन० बी० शिवराम,  
140 1st मैन रोड, फ्रेंगरी अनुप नगर,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

2) श्री के० एन० नागराज राव  
पिता स्व० फ़ासर वला नाग भूषनराव,  
3 क्राम रवीन्द्र नगर, शिमोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तुविज्ञ सं० 3228 तारीख 15-3-1985)

जमीन और उमारन (घर) जो नाप में 2400 स्के०  
फ़ीट और 1215 स्के० फ़ीट उमारन (घर) जमीन है और  
वह 4थे डिविजन रवीन्द्र नगर, शिमोगा में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-9-1985

मोहर :



प्रमुख बार्ड, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 सितम्बर, 1985

निवेदन सं० 47158/85-86 -- अतः सुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 217 है तथा जो राजमहल विलास एका  
टेशन बंगलूर में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्व विभागाधीन प्राचीन गांधी-  
नगर में राजस्व अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधिन, तारीख 27-4-1985

यदि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरको (अन्तरको) और अन्तरिक  
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति  
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाकतवि  
से अधिक नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या अन्तरिकी  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्याख्या, अधिनियम :-

9 -306GI/85

(1) श्री ए.स. शिवा स्वामी  
मेमर्स ममता एन्टरप्राइजेज  
अवपूर्ण, ग्रान्ड, बंगलूर।

(अन्तरिकी)

(2) डॉक्टर एच. ए. सुन्दरेश और  
मार्फत श्री ए.ए. सं. जवली,  
नं० 61 इन्डियाहाम रोड काम  
बंगलूर।

(अन्तरिकी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 321/85-86 तारीख 27-4-1985)  
सब सम्पत्ति है जिसे सं० 217 जो राजमहल विलास एका  
टेशन, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 20-9-1985 है

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 फरवरी, 1985

निर्देश सं० 46803/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 652 है तथा जो XI सेन रोड एन० एन० एन० II स्टेज इन्दिरा नगर बंगलूर में स्थित है (और इसमें उल्लेख पानुबल में प्रो० पूर्णका में वर्णित है), निम्नलिखित अधिनियम के अन्तर्गत, जिसका नाम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख फरवरी, 85

को एवम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवम्पत्ति के लिए लय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों के लिए, जिसका आधेन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, निम्नलिखित उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० बलरामा,  
सं० 653 सेन एन० एन० एन० II स्टेज  
एकमडेगा, इन्दिरा नगर बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) के० के० म्याथू  
मोडियल पुट्टुवेडु, पट्टानम कियलान,  
केरला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवम्पत्ति व्यक्तियों में या किसी व्यक्तित्व द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 719/84-85 तारीख फरवरी 85)

यह सम्पत्ति है जिसकी सं० 652 जो XI सेन रोड एन० एन० एन० II स्टेज इन्दिरा नगर बंगलूर-38 में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 23-9-1985  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

शिवगंजीनगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री टी० पी० शंकरनारायण, श्रीमती विद्यालक्ष्मी शंकरनारायण नं० 582, एच० ए० एल०— II स्टेज, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० जयलक्ष्मी नं० 17 श्रीकंठा लेआउट है प्राऊन्डेशन बंगलूर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46519/84-85—यतः मुझे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 582 है तथा जो एच० ए० एल०—II स्टेज इंदिरानगर बंगलूर-38 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3652/84-85 दिनांक 28-2-1985)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 582 जो एच० ए० एल०—II इंदिरानगर बंगलूर 38 में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 23-9-1985

मोहर :



प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटीम नं० 46334/84-85-यन: मुझे  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 15, 15ए, 15बी और 15सी पोश्शन है तथा  
जो प्रिमरोज रोड बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :—

(1) श्रीमती वी० आर० नजाम सुल्ताना,  
86ए, अन्तानगर, मद्रास ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० आर० अन्वर भाषा  
विस्तमपेट, बेल्लूर-6 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3449/84-85 ता० फरवरी 1985)  
सम्पत्ति सं० 15, 15ए, 15बी और 15सी पोश्शन जो  
प्रिमरोज रोड, बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 27-9-1985

मोहर :



**वस्तु बाजार अधिनियम, 1961**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46471/85-86—यतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2138 है तथा जो एच० ए० एल०-6 स्टेज, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धारिता में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एन० एस० ए० हवीबुल्ला,  
नं० 78, चर्च रोड बमबनगुडि,  
बंगलूर—4।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेणुका  
नं० 145, कोडीहल्ली एच० ए० एल० पोस्ट,  
बंगलूर—75।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 3454/85-86 तारीख 14-2-85)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 2138 जी एच० ए० एल० VI स्टेज, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 27-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 20 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० डी० आर० 297/37 ई० ई० --यत  
मे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० जी/4वी है तथा जो गवर्नर  
अपार्टमेंट वास्कोडीगामा गोवा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाधिक में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) पूर्णतः किसी बाय या किसी धन या अन्य कारणात्मक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 23) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) मेसर्स कामत रियल एस्टेट डेवलपर्स,  
एफ/1, इन्दिरा अपार्टमेंट्स,  
सिटीजी आनबुकरक रोड,  
पंजिम गोवा।

(अन्तरक)

(2) इंडियन रजिस्टर आफ शिपिंग,  
72, तांकेर टक्करम 'एफ' 7वी फ्लोर  
कुफे परेड, बम्बई-400005

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यकता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो उक्त सम्पत्ति में निहित  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम में अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 297/84-85 ता० 8-3-85)

सम्पत्ति है जो "मन्डोलेम" नाम से परिचित है और  
जिसमें प्लॉट नं० जी 4वी ग्राऊंड फ्लोर गवर्नर अपार्टमेंट्स  
जो वास्कोडीगामा गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 20-9-1985

मोहर :



प्रकरण 184. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० डी-आर०-248/37 ई० ई०/84-

85-यन: मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षों पर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थान पर सम्पत्ति जिसका मूल्य 10,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० ए/2 है तथा जो अग्रीडा हॉलिडे होम्स कान्डोलिस गोवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आर. पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने या मुक्ति के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आलफन रियल एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड,  
बेलहो बिल्डिंग, पतर्जी गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री लयी आलबर्ट राजेल सैयबा बडो दीक्षार,  
इन्हास गोवा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी जारी है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी-158/84-85 ता० 6-2-85)

प्लॉट नं० ए/2, "अग्रीडा हॉलिडे होम्स" जो कान्डोलिस, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 27-9-1985

मोहर :



प्रूप. आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० डी०/आर०-247/37 ई० ई०/

84-85—यतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी-1 है तथा जो अगोडा हालिडे  
होम्स कान्डोलिम, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय दारवाड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 6 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाए था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आलकान रियल एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड  
बेलहो बिल्डिंग, पनजी गोवा ।

(अन्तरक)

(2) सन्ताना केशवियर डाकास्हा सन्तारबाट,  
पियडेड, इलहास गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी में  
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 157/84-85 तारीख 6-2-85)

प्लॉट नं० डी/1, जो अगोडा हालिडे होम्स जो कान्डोलिम,  
गोवा में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 27-9-1985

मोहर :



प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० आर० 1617/37 ई० ई०/84-85-

यतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके बाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अपामेंट्स टी-2 ई तथा जो कार्बी विलेज बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय प्रतिफल के लिए बंटाई की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल से बड़ा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के बावत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भू या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 [1922 का 11] या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

10-306 GI/85

(1) श्री आल्फर्ड आन्तोनी कौटिन्हो,  
कौटिन्हो लाइज, बंगलूर,  
मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कुन्दूर पुदेनवीडु जार्ज नैन्त,  
2. रेचल जार्ज (मैन्त)  
3. कुन्दूर पुदेन वीडु जार्ज (मैन्त)  
नं० 2 और 3 के प्रतिनिधि श्री कुन्दूर पुदेन वीडु  
जार्ज नैन्त प्लॉट नं० 502, सेंट लियो रोड,  
बान्द्रा (वेस्ट), बम्बई-400050।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1398/84-85 ता० 13-3-85)

अपार्टमेंट नं० टी-2 III फ्लोर जिसका नामना 925 स्केवर फीट, जो आर० एन० नं० 68/10 बी और 62/8ए में निर्माण हो रहा है जो कार्बी विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 25-9-1985

माहूर :



प्रारंभिक : टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साथ सहकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46281/84-85—यतः मुझे

आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 91-1बी, टी० एस० नं० 81-1बी है तथा जो अत्तावर विलेज मंगलूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम—

(1) श्री भारद्वाज पुनकैर रामाचंद्रा प्रभु,  
प्रतिनिधि : कारकल पुनकैर जनार्दन प्रभु,  
कनैकटम गेट, बालमट्टा, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री पेरदूर रामराया कामत,  
केयए/प्राफ तारपेरिशन बैंक,  
रिजिजनल आफिस हासन,  
रिसैडिंग एट के० आर० पुरम, हासन।

(अन्तरिती)

(3) श्री पेरदूर सुब्बासाय कामत,  
2. श्रीमती पेरदूर रामा बाई,  
वृन्दावन काम्पाउन्ड, बालमट्टा रोड,  
मंगलूर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1744/84 ता० 6-2-85)

सम्पत्ति है जिसकी सं० आर० एस० 91-1बी, टी० एस० नं० 81-1बी, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर तालुक, में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 4-10-1985

मोहर



प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46562/84-85—यतः सुखे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 500 है तथा जो 9 ब्लॉक, जयानगर बंगलौर में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जयानगर में दिनांक 20 फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नामांकित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में प्रयुक्त के लिए;

(1) श्री के० वी० शंकर,  
नं० 585, 5 ब्लॉक,  
जयानगर, बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती के० एस० जयालक्ष्मी,  
2. श्री राकेश  
3. कुमारी लक्ष्मी (मैटरस),  
नं० 696, 4 'टी' ब्लॉक, 16 मैट  
38 फ़ास, जयानगर, बंगलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

(दस्तावेज सं० 4569/84-85 ता० 20-2-85)

सम्पत्ति जिसकी सं० 500, जो 9 ब्लॉक, जयानगर, बंगलौर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

उक्त जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 3-10-1985

मोहर :



प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46553/84-85—यतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 140/40 है तथा जो 32-सी-क्रास, 4 ब्लॉक  
पूरब, जयानगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदार्थ प्रतिफल से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की राशि, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके दायित्व में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भाव का दायित्व, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके दायित्व में सुविधा के लिए;  
और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री के० टी० पलनिसवामी,  
आर-38, एम० आर० लेन,  
मनवरत्नपेट, बंगलूर-53।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० आर० उषा रानी,  
नं० 283, 2 मैन, 3 फेस,  
ज० पी० नगर, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ कराई गई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4617/84 ता० 25-2-85)

संपत्ति है जिसकी सं० 140/40, (पुराना सं० 149),  
जो 32-सी-क्रास, 4 ब्लॉक पूरब, जयानगर, बंगलूर में स्थित  
है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 3-10-1985  
माहुर ।



प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जमय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46316/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, 9/1, 9/2, 9/3, 9/4 और 9/5 है तथा जो जे० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने के दृष्टि से निम्नलिखित और वा/

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि-

- (1) 1. डाक्टर के० बी० करना
2. श्री रावहिनेया,
3. श्री कारतिक
4. श्रीमती जानकम्मा,
5. श्रीमती वसंता करना

नं० 9/1, जे० सी० रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

- (2) श्री एल० सुरेश
- मेसर्स बालाजी आर्टो टावर ट्रस्ट,
- नं० 20/1, कृष्णा रोड,
- बसवनगुडि, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाहरी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताकारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:-इसमें प्रयुक्त शर्तों और शर्तों को उक्त अधिनियम के अन्ध 20-क में परिभाषित है, वही बर्ण होगा जो उस अन्ध में दिया गया है।

व्यवस्था

(वस्तावेज सं० 4664/84 ता० 15-2-1985)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 9, 9/1, 9/2, 9/3, 9/4 और 9/5, जो जे० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

उदनांक : 3-10-1985

मोहर



प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46563/84-85-—यतः मुझे,

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2156 है तथा जो 9 ब्लाक, जयानगर, बंगलौर  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 20 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूकं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तर का तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० वरदराजन,  
नं० 2, नंजामबा अग्रहारा,  
चामराजपेट, बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एल० गोपालकृष्ण शेट्टि,  
नं० 757, 7वाँ कास,  
हनुमंतनगर, बंगलौर-19

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 4572/84-85 ता० 20-2-1985)  
सम्पत्ति है जिसकी सं० 2156, जो 9 ब्लाक, जयानगर,  
बंगलौर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 3-10-1985  
मोहर :



मोहर :



प्रश्न नम्बर: टी, एन. एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आर० 1546/37 ई० ई०/84-85-यतः मुझे  
आर० भारद्वाज

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का  
कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० ए5 है तथा जो 84, जे० सी० रोड  
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 2 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कायम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जाँचियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का  
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मनिश एंटरप्राइजेज,  
1-2, I फ्लोर श्रृंगार भाषिण सेन्टर,  
80 एम० जी० रोड, बंगलूर-560001।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पापन्ना चेट्टियार और बच्चे,  
श्री पी० तन्गवेलु और श्री पी० कुन्गुमराज नं० 2,  
ए० एम० रोड, बंगलूर-560002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1374/84-85 ता० 2-2-1985)  
शाप प्रिमिस नं० ए 5, मनिश टावर नं० 84, जे० सी०  
रोड में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बंगलूर

दिनांक : 3-10-1985

मोहर :



प्रकल्प बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० आर० 1547/37 ई० ई०-अतः

मुख्य आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० बी० 7 है तथा जो 84 जे० सी० रोड बंगलूर में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में सम्पत्तिक रूप में अधिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, को सूचित करता हूँ —

11—306 GI/85

(1) मेन्स सविश एंटरप्राइजेज,  
1-2, I फ्लोर श्रंगार शापिंग सेंटर,  
80, एम० जी० रोड, बंगलूर-560001।  
(अन्तरिती)

(2) श्री विताल ए० बतीजा  
मुन्दर चाम्पलेश्वर, आरमुगम मोदलियार रोड,  
कलासिपालयम न्यू एज ट्रेडिंग,  
बंगलूर-560002।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्क के कार्यावाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, तथाकथित रूप से या तत्पश्चात् में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1357/81-85 ता० 2-2-1985)

शाप प्रिमिडि नं० बी०-7, मनिश टावर जो नं० 84, जे० सी० रोड, बंगलूर-2 में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

दिनांक : 3-10-1985

साहू :



प्रकाश बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिफिकेशन नं० आर-1585/37 ई० ई०/84-85--

यस: मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच-2 है तथा जो 7 फ्लोर, मनीश टावर,

84, जे० सी० रोड, बंगलूर-2 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-

कारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 ए० 16) के अधीन, दिनांक 21 फरवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक का दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सूचना

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 23) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका अन्तर्गत था दायित्व या बाधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम के अंतर्गत:—

(1) मेमर्स मनीश एंटरप्राइजेस,  
1-2, शृंगार शापिंग सेंटर,  
80, एम० जी० रोड, बंगलूर-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सविता गोबिला,  
केयर/आफ के० एन० राजगारिचा,  
बी-38, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1380/84 ता० 21-2-1985)

सम्पत्ति है जिसकी सं० एच-2, जो 7 फ्लोर, मनीश टावर,  
84 जे० सी० रोड, बंगलूर-2 में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज, बंगलूर

दिनांक: 3-10-1985

मोहोर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० नोटिस नं० आर०-158 6/373इइ/85-86---

अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'यथा अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन मध्यम प्राधिकारों को, यह निदेशन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-2 है, तथा जो मल्लिकार्जुन  
नाद्रि, मंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, तारीख 21-2-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आविर्भाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एम० प्रभाकर रामत और  
श्रीमती जयश्री एम०,  
बिहंड रोज कोटे, निधर बेनदूर वेल,  
एन्धानाडि, मंगलूर-2।

(अन्तरक)

(2) श्री उल्लास नारायण किनि और  
बेनेटराया किनि उल्लास, बि-2,  
कविता अपार्टमेंट्स, मल्लिकार्जुन,  
नाद्रि, मंगलूर-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों और  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

\* सूची

(दस्तावेज सं० 1345/84, तारीख 21-2-1985),  
प्लॉट नं० बी-2, कविता अपार्टमेंट्स, मल्लिकार्जुन,  
मंगलूर-575002, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-10-1985

मोहर :



## प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46239/84-85—अतः, मुझे,

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 73, 25 है, तथा जो अंबलपाडि बिलेज, उडुपि तालुक में स्थित है (और इस से उपाबद्ध-अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. डाक्टर ए० भास्कर राव,  
प्रोफेसर आफ यूरोलॉजी, मुम्बई-सेन्ट,  
अन्तावर, मंगलूर-1।

(अन्तरक)

2. श्री बी० रघुरामा शेट्टी,  
व्यापारी, अंबलपाडि, उडुपि।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री ओदर शेट्टी, डी०नं० 4-1-18, अंबल पाडि उडुपि

(2) श्री के० तरसिहा पै, डी०नं० 4-1-19, अंबलपाडि, उडुपि।

(3) श्री के० गोपाल मारुला,  
डी०नं० 4-1-19ए, अंबलपाडि, उडुपि।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 184/84, तारीख 15-2-1985)  
सम्पत्ति है जिसकी सं० एस०-73, 25, जो अंबल पाडि बिलेज उडुपि तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-9-1985  
मोहर :



प्रकट बाई. टी. एन. एल.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46245/84-85--अतः, मुझे,

आर० भारद्वाज,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
प्रथम पक्षों पर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस०-425/ए, टी०एस०नं० 701/ए  
है, तथा जो तोटा विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इसमें  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 13-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतीक से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सुविधा के लिए;

(1) (i) बी० अहिल्या बाई,  
(ii) श्रीमती यमुना देवी, नं० 110,  
गोल्डस्टेन रोड, मद्रास-23।

(अन्तरक)

(2) श्री सैयद जुबैर शाह,  
एस०एम० शाह के पुत्र,  
आईस काम्पाउण्ड,  
बालार मैन रोड, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1785/84, दिनांक 13/2/85)

संपत्ति है, जिसकी सं० आर० एस० 425/ए, टी०एस०नं०  
701/ए, जो तोटा विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ

तारीख : 6-9-1985

मोहर



**वृत्त बाह्य टी. एन. एस.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46324/84-85—अतः, मुझे,

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1198 है, तथा जो 100 फीट रोड, एच०ए०एल०-II स्टेज एक्सटेंशन, इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स सनाक्स असोसिएट्स,  
प्रतिनिधि : श्रीमती लक्ष्म शशरत और  
कुछ लोग, लावेल्ले हैट्स, लावेल्ले रोड,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रा जे०, हिन्दुजा,  
नं० 211, अपर पैलेस आरवर्ड्स,  
बेल्लारि रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं०-3372/84, तारीख 7-2-1985),  
सम्पत्ति है, जिसकी सं० 1198, जो 100 फीट रोड, एच०ए०एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-9-1985

माहर :



प्रथम भाग—टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 46367/84-85—अतः, मुझे,  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/65 सि है, तथा जो नजरबाद मोहल्ला,  
ललिता महल रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
20-2-85,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मीनाक्षी शेटी,  
प्रतिनिधि : एस० बालकृष्ण शेटी,  
नं० 119, राजमहल विलास एक्सटेंशन,  
बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार मानू,  
"श्री निकत", नं० 11, आलिपोर रोड,  
कलकत्ता-27, प्रतिनिधि : श्री एस० के० कुमार,  
केयर/आफ एशियन केवलस कार्पोरेशन लि०,  
51/ए, रिचमन्ड रोड, बेंगलूर-25।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 6138/84, तारीख 20-2-85)  
सम्पत्ति है, जिसकी सं० 25/65-सि, जो नजरबाद मोहल्ला,  
ललिता महल रोड, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16-9-1985

मोहर :



शुद्ध बाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 46523/84-85—अन०, मुझे,  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-19 है, तथा जो यादवगिरि एक्सटेंशन  
मैसूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के अन्तर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बि० जयाम्मा (2) श्रीमती नलिनी  
रामाचंद्रा, (3) श्री डी० जी० प्रमोद,  
(4) श्री बी० के० आनंदा, नं० 237,  
XII क्रस, होबेरीडानगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० बेंकटेश,  
भागस्त : मेसर्स : साम्भारम कारपोरेशन,  
नं० 28, I मैन रोड, जयामहल  
एक्सटेंशन, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 630/89, तारीख 24-2-1985)  
सम्पत्ति है, जिसकी सं० डी०-19(136), जो यादवगिरि  
एक्सटेंशन, देवराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-9-1985

मोहर :



आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1985

निदेश सं० 46556/84-85—अतः, मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 20/5 है, तथा जो गणितनगर, बंगलूर में स्थित है (और इस में उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्वीकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में, सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सेवा अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कानून बेगम,  
नं० 4/1, सेंट्रल स्ट्रीट,  
अविकानिम्मानहल्लि, बंगलूर-27।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० श्रीनिवासा मूर्ति,  
नं० 1155, 26 मैन रोड,  
IV "टी" ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्ताहवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4640/84, तारीख 27-2-1985)  
खाली जगह है, जिसकी सं० 20/5, जो अविकानिम्मानहल्लि,  
गणितनगर, बंगलूर-27, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख 17-9-1985

मोहर :



प्रारूप बाई. टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## महाराष्ट्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 नवम्बर 1985

निदेश सं० नोटीस नं० 46568/84-85—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1687 है, तथा जो XV सैन, वनशंकर II स्टेज, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जयानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 14-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
अधीन में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मेरे द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) श्री एम०एम० रामाचन्द्रा,  
नं० 358, 37 क्राम, V ब्लॉक,  
जयानगर, बंगलूर-11।

(अन्तरक)

(2) श्री वी०एम० जयाप्रकाश,  
नं० 1692, XV सैन, वनशंकर II स्टेज,  
बंगलूर-70।

(3) प्रतिनिधि : डाक्टर वी०एम० एम० मूर्ति,  
II-1/250, सफदरजंग एनक्लेव,  
न्यू दिल्ली-29।

(वह व्यक्ति जिसके, अधिभाग में  
संपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4510/84, तारीख 14-2-1985),  
खाली जगह है, जिसका सं० 1687, जो XV सैन, वन-  
शंकर II स्टेज, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-9-1985  
मोहर :



प्रमाण आइट. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर अधिकारी**

काबांसलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 19 नवम्बर 1985

निर्देश सं० सीटीए सं० 46566/84-85--अंतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 890 है तथा जो XX मैन, IV 'टी' ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर में स्थित है (और जहाँ उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 13-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रत्यक्ष के लिए अन्तराल को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रत्यक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रत्यक्ष का पकड़ प्रतीति अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रत्यक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बाविल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों या निम्नलिखित भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती टी० के० इंदुमति,  
नं० 1-ए, III क्रान्त नागप्पा ब्लॉक,  
प्यालेन गुट्टाहल्लि, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री हुसैन  
(2) श्रीमती नफीसा,  
(3) श्री फरहद,  
(4) श्री अबिजर,  
केर/आफ मैसर्स एमिपन कारपोरेशन,  
नं० 86, एन० आर० रोड,  
पी० ब० नं० 6760, बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी बाधने :—

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सथापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को वास्तविक में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सबको और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4506/84 ता० 13/2/85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 890, जो XX मैन रोड, IV 'टी' ब्लॉक, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, बेंगलूर

तारीख : 19-9-85

मोहर :



प्रकरण बाई. टी. एम. एम. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46434/84-85—अतः सू०

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 7/15 है तथा जो तन्नेराहल्लि विलेज,  
बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है (और इस से उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
9-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अधिकतम निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
आयलियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० डी० कुदबा,  
डायरेक्टर मै० :— जे भारत मिलन प्रा० लि०  
मिडिकेट हाउस, मतिपाल ।

(अन्तरक)

(2) मै० :— इंडियन क्रेडिट और डेवलपमेंट  
निडीफिट लिमिटेड,  
मैनेजर :— श्री एम० आर० नीलकण्ठन,  
नं० 1-एफ०, संजीवन अपार्टमेंट,  
219, राजमहल विनाम एक्सपोज़न,  
बंगलूर-80 ।

(अन्तरिती)

(3) मैनेजर इंडियन टिक्स्टाइल प्रा० लि०  
मै० 35, चित्तरंजन अविन्यु,  
एल० 12 एम० डी० श्री एन० बी० रामन  
(यह व्यक्ति, जिसके  
अधिभाग में सम्पत्ति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्णी

(दस्तावेज सं० 4873/14 ता० 9-2-85)

सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 7/15, (सी-9), जो  
तन्नेराहल्लि विलेज, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 1-10-85

मोहर :



प्रत्येक भाग में 21 पृष्ठ, जमा 1000 पृष्ठ

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० सीएफ़ी सं० 46631/84-85—प्रतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 286/84 है तथा जो XI क्रम, विलसन गार्डन बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जिसके दृश्यमान प्रतिफल को, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बर्तन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मणदास,

(2) श्री चन्नेरुज (3) श्री माधवादास,

(4) श्री रामाचन्द्र

नं० 17, सिन्धि सोल कालोनी

जयाचाराजेद्रा रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री के० के० मुबारकाल,

(2) श्री गुरुप्रीत सिंह (मैत्र)

रेप्रासेटेंट्स बाई श्री जोगिंदर सिंह,

नं० 27, XI क्रम, विलसन गार्डन,

बंगलूर,

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4708/84 ता० 2/85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 286/84 जो XI, क्रम विलसन गार्डन, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बंगलूर

तारीख

मोहर:



प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46589/84-85---अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पक्षधर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 133/23 है तथा जो रेलवे प्यारालल रोड, नेहरू नगर, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वै० एन० सुरेन्द्र,  
प्लॉट नं० 105, हीमला अपार्टमेंट्स,  
कन्निराहम क्रिस्ट रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री गौतमचंद,  
नं० 2, मारम्मा टेम्पल स्ट्रीट,  
बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3981/84 ता० 28/3/85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 133/23 (भाग), जो रेलवे प्यारालल रोड, नेहरूनगर, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-9-85

माहर :



**इसका भाग टी.एन.ए.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1985

नोटिस नं० 46586/84-85-यन: मुझे, आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 133/23 है तथा जो रेलवे प्यारलल रोड, नेहरू नगर बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-3-85

का एवांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें रचना में सीधे या के द्वारा और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अवधि में द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिखाने में सक्षमता के लिए;

(1) श्री वें० ए० मुनेन्द्र  
नं० 133/23 रेलवे प्यारलल रोड,  
नेहरूनगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर किशोर कुमार,  
रेप्रामेन्टेड बै :—  
श्री अशोक कुमार,  
नं० 4/5 VI क्राम,  
आर० टी० स्ट्रीट,  
बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एवांक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अपूरी**

(इस्ताविज सं० 3947/84 ता० 25-3-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 133/23 (भाग), जो रेलवे प्यारलल रोड, नेहरूनगर, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-9-85

मोहर :



श्रावण आर्टि.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

नोटिस नं० 47196/84-85--यनः मुझे, आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 133/23 है, तथा जो रेलवे प्यारेलाल रोड, नेहरू नगर, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रार्थन, धारा 28-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वी० ए० मुं

प्लॉट नं० 105, राजपत्र प्रकाशक,  
कान्तिगढ़ास रिपोर्ट,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर कुमार (मैतंग),

प्रतिनिधि: श्री चंपालाल,  
नं० 41, नेहरू नगर  
मैन रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3982 ता० 28-3-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 133/23, (भाग) जो रेलवे प्यारेलाल रोड, नेहरू नगर, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 30-9-1985

मोहर:



प्रकृष आर्.टी.एन.एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर, 1985

नोटिस नं० 4634/84-85-यन: मुझे आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 22/3 है, तथा जो हुविन्म रोड, 3 फ़ास,  
बेंगलूर में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 15-2-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखवान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दखवान प्रतिफल से, ऐसे दखवान प्रतिफल का  
बहु प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नीयित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13-306 GI/85

- (1) श्रीमती डाफने बेयसन  
(2) जेनिकर एडवर्ड्स,  
(3) फैंत मरना कारकाजा,  
(4) इ० जी० बेनगर्ग,  
नं० 22/3, हुविन्म रोड 3 फ़ास  
सेंट नामथ टाउन  
बेंगलूर-84

(अन्तरक)

- (2) श्रीनिरमल डी० बी० पवमानी,  
(2) श्रीमती कृपा पवमणि  
नं० 35, हुविन्म रोड, एक्स्पेंशन,  
बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आशेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किष्ट जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(रस्तावेज सं० 3508/84 वा० 15-2-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 22/3, जो हुविन्म रोड, 3 फ़ास,  
बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 30-9-85

मोहर:



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

नोटिस नं० 46578/84-85--यतः मुझे आर०  
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 133/23 है, तथा जो रेलवे पैरालल रोड  
नेहरूनगर, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिनियमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में सम-  
मित रूप से अन्तरित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वाचित्य में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आयतनों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री. सी० ए० सुन्दर,  
प्लॉट नं० 101,

हौबला अपार्टमेंट्स,  
कट्टिगहाम क्रिमेंट रोड,  
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल और श्रीमती आना बाई,  
केयर आफ् शा० मोहनलाल,  
मुखेशकुमार, और क० कपडे व्यापारी,  
ए० एम० लेन, चिकपेट,  
चाम, बंगलूर-53 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3900/84 ता० 20-3-85)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 133/23 (भाग), जो रेलवे  
पैरालल रोड, नेहरूनगर बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-9-85

संकेत :



प्ररूप आई.टी.एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46323/84-85-यन., मुद्रा, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23 और 23/1 तथा 75/1 है, तथा जो  
कमर्शियल स्ट्रीट और डिम्पेन्सरी रोड, बंगलूर में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 6-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एममें  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक  
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण यह है कि किसी आय की जाति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैसर्स वी० सी० फेबरेट शाप,  
नं० 23/1, कमर्शियल स्ट्रीट,  
बेंगलूर।

(1) भागस्त :— श्रीमती पूर्णिमा वाशदेव,

(2) श्री वी० सी० प्रकाश,  
नं० 75/1, डिम्पेन्सरी रोड,

बेंगलूर। (अन्तरक)

2 (1) श्री दयाराम तनूमल चत्तलानि,

(2) श्री मनोहर दयाराम चत्तलानि,

नं० 44, फ्रांस, बीनर रोड,

क्वास टाउन, बेंगलूर

(3) श्रीमति आणादेवी

चेल्लाराम कुपलानी,

(4) बैजू चेल्लाराम कुपलानी,

नं० 9-17, ग्रन्ग हैट्स, 15-ग्रन्ग रोड,

सिंगपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 3370/74 ता 6-2-85)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 23 और 23/1, जो कमर्शियल  
स्ट्रीट और नं० 75/1, जो डिम्पेन्सरी रोड, बेंगलूर, में स्थित  
है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक: 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० 4638 4/84-85—यतः, मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 122/13 और 122/14 है, तथा जो केगेरि  
विलेज, बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (और इस से उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डाक्टर एन० शारदा देवी,  
658/1, सञ्जन राव रोड,  
वी० वी० पुरम,  
बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स :—एलेक्ट्रोहामस प्रा० लि०,  
205, स्टार्क रोड,  
अप्पर प्लेस आरवड,  
बेंगलूर-80।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि दाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 7337/84 तारीख फरवरी 1985)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 122/13 और 122/14, जो  
केगेरि विलेज, बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बेंगलूर

दिनांक : 30-9-85

आदेश



प्ररूप आई. टी. एन. एस. २२२२

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक: 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० 46314/84-85—यतः सुते, आर०, भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० 70-24 है, तथा जो बी०ओसमानखान  
रोड, एन० आर० रोड क्रॉस, बेंगलूर में स्थित है (और इस से  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
14-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संयोजित गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में स्वीकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
स्वीयत्व में कमी करने या उसमें बचन में प्रविष्टि  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगमन  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया गया था या बिना या छिपाने में प्रविष्टि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिदि :—

- 1 (1) श्री मजहर अब्बास भाई कलकत्तावाला,  
(2) फक्रुद्दीन अब्बालि खसमवाला,  
(3) सैफुद्दीन अब्बालि खसमवाला,  
(4) नाजमुद्दीन फक्रुद्दीन रानिवाला,  
(5) सैफुद्दीन इब्राहिम भाई खसमवाला,  
(6) शखूर इब्राहिम भाई मझासवाला,  
नं० 30, राणजि राव रोड,  
महमडन ब्लाक, बेंगलूर-4। (अन्तरक)  
2 श्री सधिक समसुधीन,  
पयोरावाला, नं० 40,  
एन० आर० रोड, बेंगलूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

कार्यवाहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4570/84 तारीख 14-2-85)

सम्पत्ति है जिसकी सं० जी० 70-24, जो बी०ओसमान-  
खान रोड, एन० आर० रोड क्रॉस, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-9-85  
मोहर :



प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

नोटिस नं० 46345/84-85-यन: मुझे आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19 है तथा जो 16 मैन रोड, मल्लेश्वरम,  
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 8-12-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री एम० एच० एच० श्रीमन् सुचित्रा  
तीर्थ स्वामी आफ फार्मि मट संस्थान  
प्रतिनिधि :- श्री एम० जी० अन्नप्पा,  
प्लॉट नं० 38, क्रिसेंट कोर्ट,  
क्रिसेंट रोड, बंगलूर

(अन्तरक)

- (2) ए० एस० मुद्रमणिधन  
नं० 305, 7 मैन,  
विजयानगर, बंगलूर-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 4876/84 तारीख 8-2-85)

संपत्ति है जिसकी सं० 19, जो 16 मैन रोड, मल्लेश्वरम,  
बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, बंगलूर।

तारीख : 1-10-85

मोहर:



अनुसूची

एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 अक्टूबर, 1985

निदेश सं० 46363/84-85-अन. पुणे, आय० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके 48वाँ अनुच्छेद 'नया अधिनियम', कहे गये हैं, की धारा  
269-अ के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और निदेश सं० 630 से 633 है, तथा जो नया निधिसंज्ञा, के०  
आय० पुनम, रोवली, बेंगलूर, दक्षिण तालूक में स्थित है (और इसमें  
अभावक आभूत की प्रत्युक्त की और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
संनिधिसंज्ञा के अन्तर्गत में बेंगलूर, दक्षिण तालूक में  
संनिधिसंज्ञा के अन्तर्गत 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अनुवर्ती 1985

यह सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
का, निम्नलिखित आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधीन, अन्तरण के अन्तर्गत में सुविधा का  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० विष्णुय्या, रेड्डि,  
327, 1 मैन कीम्पल, ले आउट,  
बेंगलूर, ।

(अन्तरक)

2. श्री ल. सारि मेगाजि, पटेल,  
(2) प्रेमजि मेगाजि, पटेल,  
(3) देवासि परासन पटेल,  
(4) हरालाल परासन पटेल,  
(5) परासन मतावजि पटेल,  
(6) मेगाजि मतावजि पटेल,  
इंदिरा नगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताक्षरी के  
पाम निर्मित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 7262/84, दिनांक 23-2-85)

संपत्ति है निदेश सं० 630 से 633, जो नया निधिसंज्ञा,  
के० आय० पुनम, रोवली, बेंगलूर, दक्षिण तालूक में स्थित  
है ।

आय० भारद्वाज

मसम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलूर

दिनांक 1-10-1985

मात्रर :



अध्याय 20, टी. एच. ए. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 46331/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 51/19-ए है, तथा जो ओसबर्न रोड फ़ार्म,  
बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 13-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और इसे यह विकास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उगम उचन में सूचना  
के लिए; और/या

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

1. श्रीमती टी० पदमालोचिनीयम्मा, और  
श्री डब्ल्यू० टी० कुमार,  
नं० 51/19-ए, ओसबर्न रोड,  
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० पी० रामाचन्द्रा, शेट्टि और  
(2) श्री बी० पी० सुरेश, नं० 65  
ज्वैल्स स्ट्रीट, बेंगलूर ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3434/84, दिनांक 13-2-85)  
सम्पत्ति है, जिसका सं० 51/19-ए, जो ओसबर्न रोड,  
बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, बेंगलूर

दिनांक 30-9-1985  
मोहर :



मुख्य बाह्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 46445/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1022 है, तथा जो निधामन्दा, विलेज,  
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो  
पूर्ण का पे वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकार के कार्यालय  
बेंगलूर, दक्षिण तालूका में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधिन दिनांक 4-2-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—306 GJ/85

1. श्रीमती पुष्पा जैन,  
नं० 17/1, अलि आस-र रोड,  
बेंगलूर-52

(अन्तरक)

2. श्री राजेंद्र खन्ना,  
नं० 441/ए, 9, मैन,  
एच० ए० एल० III, स्टेज,  
जे० बी० नगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 6746/84, दिनांक 4-2-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 1022, जो निधामन्दा, विलेज,  
बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजेंन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 30-9-1985

मोहर



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

सं० 46520/84-85—प्रतः मुझे आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसको सं० 7 है, तथा जो वेल्सिंगटन स्ट्रीट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिभार के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शोकेराह खलाली,  
नं० 26/2, स्वर्णि रोड,  
अबशाद ले आउट, बंगलूर-52 ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स वेल्सिंगटन, रिचलेट्स,  
नं० 39, सेंट्रल स्ट्रीट, बंगलूर :  
भागीदार : (1) श्री फरूक महमद,  
बंगलूर (2) श्री अरूक नुर मोहम्मद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 3631/84; दिनांक 2-2-1985)

सम्पत्ति है जिसका सं० 7, जो वेल्सिंगटन, स्ट्रीट, बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक 30-9-1985  
मोहर :



इच्छा प्राप्त की है कि यह एक...

भाषा का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 46743/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज  
भाषा का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग से अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवरण करने का  
कारण है कि स्वयंसेवक इच्छा है, जिसका उचित वास्तव मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।  
श्रीरजिसकी सं० 763(2) है, तथा जो 8, मैन रोड, महा-  
लक्ष्मी, लेआउट, बेंगलूर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाय अनुसूची  
में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-85

को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित वास्तव मूल्य से कम की अवमान  
प्रतिफल को लिए संबंधित की गई है और यहाँ यह किस्म का करने  
करने का कारण है कि यहाँसे सम्पत्ति का उचित वास्तव  
मूल्य, उचित अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का  
प्राप्त प्रतिफल से अधिक है और संबंधित (अच्छा) और बंस्तरीय  
(अस्थिर) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी लाभ की वास्तविक रूप से अधि-  
नियम की अधीन कर देने के अंतरण के बावजूद में  
कभी कभी या उचित वर्णन में सूचना को लिए;  
की/या

(ब) ऐसे किसी लाभ या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्थिरता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या किसी में सूचना  
को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
से अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचना देता हूँ—

1. श्री अ० नारायण रेड्डी,  
नं० 107, 6, मैन रोड,  
5 ब्लॉक, राजाजीनगर,  
बेंगलूर-10

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दिरा मेनन,  
नं० 115, वेस्ट आफ कार्ड रोड, II स्टेज,  
बेंगलूर  
(2) श्रीमती गायत्री देवी, शर्मा,  
नं० 2, गणेश चन्द्रा, एवेन्यू,  
कोलकता-13

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रत्येक सम्पत्ति के वर्णन में निम्न  
कार्यवाहियों कराया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के उपरान्त के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
किसी बात में समाप्त होती हो, को भीतर प्रत्येक  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उपरान्त के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्न-  
वर्णित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सम्बन्धित की  
पाठ निश्चित में किए जा सकेंगे।

सूचना—इसमें प्रकट सभी और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित  
है, कभी वर्ण होता, जो उक्त अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5248/84, दिनांक 12-85)

सम्पत्ति है जिसका सं० 763(2), जो 8, मैन रोड,  
महालक्ष्मी, लेआउट, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 30-9-1985

सहस्र



प्रत्येक वादः टी. एल. एस. = १०० = १०० = १००

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) से मधीन क्षमा

**आपका कर्मकांड**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 19 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46338 84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी दूरी ०.१६ है, तथा जो विक्टोरिया रोड, एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन दिनांक २-८५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा या प्रति-  
 ष्टु विनिर्दिष्ट अवधि से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। -

(क) कर्मचारी हैं हुए किसी काम की वापस उसका कर्म-  
नियम को भीषण कर देने के अन्तर्गत के कर्मचारी में  
कभी कर्मचारी वा कर्मचारी कर्मचारी के इतिहास के विषय  
विषय/वा

(क) कौसी किसी कार्य या किसी पत्र या अन्य वास्तविकता, चिन्ह भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे अधिनियम या वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रशोधनार्थ जनरलरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या हो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध हो सिये;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. यू० एस० चंदाक,  
नं० 11ए 22, कस्मिंहाम रोड,  
बेंगलूर-52 ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ऐशा तसनीय अनवर,  
फैमिली फाउन्डेशन, प्रतिनिधि :  
डाक्टर सैयद अनवर,  
नं० 11/1, चर्च रोड, बसबनगुडि,  
बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

जैसे वह सुचना जारी करके पुराने सभ्यता के धर्म के सिद्ध  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ —

(क) इस सूचना के सारूप में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रों व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संशोधकः—**इसमें प्रयुक्त सबों कीर पर्वो का, जो कर्म  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

1999

(दस्तावेज सं० 3475/84, दिनांक 2-85)

खाली जगह है जिसका सं० 96, जो विस्क्टोरिया रोड, एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

भार० भारद्वाज,  
सखम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
घर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 19-9-1985

माहेर



प्रथम भाग, टी. एन. एस. ---

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

मार्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० 995/85-86—प्रतः मुझे आर० भारद्वाज  
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है,  
और जिसकी सं० 3928 है, तथा जो संकेश्वर में स्थित है  
(और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुक्केरी, में स्थित रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
7-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायजान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायजान प्रतिफल से, एस. दायजान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एस. अन्तरक के लिए जब तक  
नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरक है वह किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके दायित्व में सूचना के लिए;  
नहीं/क

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था दिखावे में  
सूचना के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ट 2—

1. (1) बीजू मासति सुतार  
(2) श्रीमती ताराबाई, विष्णु सुतार  
(3) शकुन्तला, गजानन लोहार,  
(4) श्रीमती द्वारका हुंकर लोहार,  
(5) महादेवी बाप विष्णु सुतार  
(6) नर्मदा बाप विष्णु सुतार,  
नंबर 5 और 6 के लिए मे/गा० बाप० बी० एस०  
सुतार ये सब केयर आफः बी० सी० पट्टन शेटी,  
नमाज मला, संकेश्वर-591313  
(अन्तरक)

2. बसंत राज गंगादर पट्टण शेटी,  
नमाज मला, संकेश्वर-591313  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तालीम से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थापरी की  
बाद विहित में किया या उक्तों।

संकेतः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1262, दिनांक : 7-2-1985)

ये मकान मंगलोर, कबीले में बना हुआ है। नीचे का मकान  
का क्षेत्रफल 1470 स्क्वायर फीट है। और महुषी का क्षेत्र०  
450 वर्ग फीट है। ये मकान 2 गुंठा, जगहों में बना हुआ है।  
और संकेश्वर में है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मार्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 3-9-1985

मोहुरा



प्रकाश नाम: टी. एन. एन. एन. एन. एन. एन.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० 996/85-86—अतः मुझे आर० भारद्वाज

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'संघत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-5 है, तथा जो मरगांव गोवा में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मरगांव गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट है वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उचित रूप से सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती असन्सुदी टी योडीसोदी हरपीतो फर्नान्डीस उर्फ श्री० टी० एस० फर्नान्डीस, और इसकी पत्नी।  
श्रीफीफोनिया इरीडाइसे फर्नान्डीस,  
जी० पी० ए० होल्डर, श्री एस्केमास्टीका मजरेला,  
मरगांव, गोवा और मैसर्स मेजरेसी इंटरप्राइजेज,  
मरगांव, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अल्ला सी० डी० शील्वा  
एम-5 दूसरा फ्लोर मायफेर अपार्टमेंट  
मरगांव गोवा।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्तव्यविधियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिव-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी से प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्ण :—इसमें प्रकट नहीं की गई है, कि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्तर्गत में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 284 दिनांक 23-2-1985)

इस प्लॉट का क्षेत्र 60 वर्ग मीटर है। यह सम्पत्ति मायफेर अपार्टमेंट मरगांव गोवा में है।

आर० भारद्वाज  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज बंगलूर

दिनांक : 3-9-1985

मोहर :



राज्य बाह्य.टी.एच.एच.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
प्राप्त 269-ब (1) के अधीन सूचना

महाराष्ट्र

कार्यालय, महाराष्ट्र बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 997/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्राप्ति  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यम नं० 1 है तथा जो मरगांव गोवा  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मरगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 23-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए बन्दारित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बन्धनपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी  
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब तक  
नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अंतरण विहित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कमी करने या उचित करने के सुविधा  
के लिए; बाह्य/बा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या कि 10 वां वास्तविक धन, क्रियान्वे में सूचिका  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की प्राप्ति 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की प्राप्ति 269-ब की उपप्राप्ति (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बन्धन है—

1. श्री असुन्मुखी टीयोदीशियो सरफीनो फर्नांडीस  
उर्फ ए० टी० एम० फर्नांडीस,  
और उसकी पत्नी,  
येफीफोनीया दरीडाईके फर्नांडीस,  
पी०/ए० होल्डर येस्कोमन्टीका मेजेरीनो,  
मरगांव गोवा और  
मेसर्स मेजेरेलोस एंटरप्राइजेज,  
वेलवीराटा अपार्टमेंट,  
मरगांव, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्रीरिन बेरोस, प्लॉट नं० 8 एम० -1,  
मायफेर अपार्टमेंट, मरगांव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही कराता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बायत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की बायत या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की बायत; जो भी  
बायत बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
पक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अध्यापक

(दस्तावेज सं० 283, दिनांक 23-2-1985)

मायफेर अपार्टमेंट मरगांव गोवा में 60 एकर मीटर्स  
का प्लॉट है। इसका सं० एम० 1 और पुराना संख्या एस०  
12 है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-9-1985  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर,

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 998/85-86—अतः सुमे, आर० भारद्वाज;  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 539/3, 540/0 है, तथा जो लोडुसीम  
ग्राम (गोवा) में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मरगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चित  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
बन्धू प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उल्लंघन करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन का अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
थवा वा वा किया जाना चाहिए था, जिन्हें  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अंतोनियो मोटैरो और इसकी पत्नी  
श्रीमती मारिया अगुस्टा मारता मोटैरो  
के०/आफ व्याकरण, लोडोसीम,  
सलकेट, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश बियाधर देसाई  
संगम ब्रुटल, स्टेशन रोड,  
मरगांव (गोवा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो या  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 301, तारीख 26-2-1985)

ये संपत्ति मंगलूर क्वीलोंका लोडोसीम गोवा में है।  
इसका व्यास 260 स्केयर मीटर्स है। 1875 स्क्वेयर मीटर्स  
जगह में ये मकान बना हुआ है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 3-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० 999/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 71 है, तथा जो सेकोरहीम (गोवा)  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सबदेम से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 26-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निर्मूललिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
दार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—306 GI/85

1. श्री करुनकर वि० मलय,  
के०/आफ वि० यम० मूल्य,  
गंगाधर हाउसिंग कालोनी,  
कुर्शेत, पांडा, (गोवा)।

(अन्तरक)

2. श्री विद्याधर आर० मलय,  
के०/आफ आर० एम० मलय,  
पाजी पोंड,  
मरगांव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायी संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमस्ते

(दस्तावेज सं० 88, तारीख 26-2-1985)

ये खेत की जमीन है। इसका क्षेत्रफल 37,200 स्क्वेयर  
मीटर्स है। ये संपत्ति सानकोरेडम गाँव गोवा में है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 3-9-1985

मोहर :



प्रकृष बाबू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० 1000/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-15 है, तथा जो दोता फौला, तलेगाँव पणजी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलास गोवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-2-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० में अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करीबत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद से करी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मारिया फर्नांडा मार्टिन्स ई० मोन्सगटे,  
(2) मारिया लुसीडा वेगास,  
अटोरनी (जिपियो सटलानियो टीयोपीलो भार-  
टीन्य मोन्सरेह,  
के०/आफ तलेगाँव गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री जेविटा गोजेगा अफोन्सो,  
के०/आफ रेंटो,  
इस्टाजेम, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विश्व कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 163, दिनांक 20-2-1985)

खुला जगह द्रोना-फौला, तलेगाँव पणजी, गोवा में है।  
ये सम्पत्ति का क्षेत्र 504 स्क्वेयर मीटर्स है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 3-9-1985  
मोहर :



**रत्न शर्मा जी.एस.एच.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**प्राप्त करकर्ता**

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूक (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० 1001/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कटुने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 210 है, तथा जो मरगाँव (गोवा) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्वेषण से हुई किसी बात की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एम० ए० पोय, रायतुरकर  
(2) जी० जी० पोय रायतुरकर,  
(3) एच० जी० पेस, रायतुरकर,  
और (4) यटच० यू० एफ०,  
(4) से० जी० पोय रायतुरकर,  
(5) श्रीमती नल्लिनि जी० पोय रायतुरकर,  
(7) श्रीमती भावित्री एम० पोय तुररायतुरकर  
के० आफ मरगाँव, गोवा।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीपाद वी० बोरकर,  
(2) सुतंद वी० बोरकर,  
(3) श्री यू० वी० बोरकर,  
(4) श्री पी० एस० बोरकर,  
(5) श्री ए० एफ० बोरकर,  
(6) श्री अविनाश एस० बोरकर,  
(7) श्री ए० डी० बोरकर,  
(8) श्री पी० डी० बोरकर,  
(9) श्री बी० वी० पी० बोरकर,  
(10) डि० पी० बोरकर,  
अलंकार बंगमो, मरगाँव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 276, दिनांक 22-2-1985)

सात दुकान का "रत्नव्रीप" बंगला राजेन्द्र प्रसाद स्टेडियम का पास है। और इसका क्षेत्र 353 स्क्वेयर मीटर्स है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 3-9-1985

मोहर :



राजपत्र भा. टी. एन. ए. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1002/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1961 है, तथा जो हिडलगा, बेलगाँव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाँव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्नतिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के वास्तविक के वास्तविक के कर देने या उन्हें अपने में सूचना के अधीन और वा/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दृष्टान्तों अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें में सूचना दी जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

- (1) 1. श्री शंकर भीमराव कुलकर्णी,  
2. श्री क्रिष्ण जी भीमराव कुलकर्णी,  
3. श्री मोहन शंकरराव कुलकर्णी,  
4. श्री शरद शंकरराव कुलकर्णी,  
5. श्री अरुण शंकरराव कुलकर्णी,  
के० आफ लक्ष्मी गल्ली, हिडलगा, बेलगाँव।  
(अन्तरक)

- (2) दि चैयरमैन,  
समरत को०आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०,  
हिडलगा, बेलगाँव।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4925, दिनांक 27-3-1985)

क्षेत्र की जमीन हिडलगा बेलगाँव में है। इसका क्षेत्र 3 एकड़ 27 गुंठा और 8 माला है। और इसका नं० 1961।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-9-1985  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1003/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 328/1ए+2बी है, तथा जो  
बैलहोंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बैलहोंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गीकरण में कमी करने या उसके करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वये  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री गुरुशंतप्पा बीरभद्रप्पा यातगेरि,  
2. सिद्रामप्पा उर्फ बाबू गुरुशंतप्पा यातगेरि,  
3. नगराज गुरुशंतप्पा यातगेरि,  
4. महेश्वर गुरुशंतप्पा यातगेरि,  
5. महतिश गुरुशंतप्पा यातगेरि,  
जबलि बाजार, बैलहोंगल,  
जिला, बैलगाँव।

(अन्तरक)

- (2) 1. नसवन्तय्या अडवेय्या हीरेमठ,  
2. बालामाहेब अम्रामाहेब पाटील,  
3. ईश्वर सिद्रामय्या हीरेमठ,  
4. चन्नबसय्या सिद्रामय्या हीरेमठ,  
802, बसवन गली, बैलहोंगल,  
जिला बैलगाँव।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की माँग से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वये में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1714, दिनांक 4-2-1985)

यह संपत्ति खेत की जमीन है। इसका क्षेत्र 3 एकड़  
है और बैलहोंगल में है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-9-1985  
मोहर :



प्राप्त्य माई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पाजिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 11 फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट 1, फ्लोर 2, पुंदमल्ली है रोड़  
है, जो मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पुरुषवाक्कम लेख सं० 158/85 से भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख फरवरी 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
की सिद्धि; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
की सिद्धि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती उषा एस० बजाज

(अन्तरक)

2. श्रीमती फैहाश

(अन्तरिणी)

की यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, फ्लोर 2 और 460/9806 अभिन्न भाग  
भूमि से, पुंदमल्ली है रोड़, मद्रास-84, पुरुषवाक्कम, लेख  
सं० 158/85।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-10-1985

मोहर :-



प्रकृत धारा. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 24/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामूवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि डी० एस० सं० 6/4 और 6/3  
हिस्सा ब्लाक सं० 33 है, जो पुलियूर गांव मद्रास-24  
में स्थित है में (और इससे उपायधन अनुसूची और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम  
लेख सं० 397/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पी० के० टिप्पु सुलतान और अन्यो  
मैनेजर्स रिप्रेजेंटेटिव्स प्राई० माता के० ए०  
शवुड बीवी

(अन्तरक)

(2) श्री एडिडा नागेश्वरराव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि डी० एस० सं० 6/4 और 6/3 हिस्सा ब्लाक सं०  
33, पुलियूर गांव, यूनाइटेड इण्डिया कालोनी, कोडम्बाक्कम  
मद्रास-24 कोडम्बाक्कम लेख सं० 397/85

श्रीमती एम० सामूवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, मद्रास

तारीख: 3-10-85

मोहर :



प्रख. बाई. टी. एन. एन. -----

(1) श्री आर० के० आर० कार्तिकेयन

(अन्तरक)

(2) मैसूर वित्तयराजा और कम्पनी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 32/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या टी० एम० सं० 650/1, यू टी० एम०  
सं० 1/1451 हिस्सा और 1453 हिस्सा है, जो 15.83  
सेन्ट्स-लेख सं० 487/85 की शेड्यूल में दी हुई संपत्ति में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख  
सं० 487/85 में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति शों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान लेख सं० 487/85 की शेड्यूल में दी  
हुई संपत्ति कोयम्बतूर लेख सं० 487/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-10-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० श्रीमान,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० सी० कुंजू मूहमद कुट्टी हाजी  
और दूसरे,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० 36/फरवरी 85—अनः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसको सं० 18/36 टी० एस० सं० 2/1498 1417,  
न्यू टी० एस० सं० 2/2094 है, जो विंग बजार स्ट्रीट  
कोयम्बतूर टाऊन में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध से और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार ऑफिस के कार्यालय,  
कोयम्बतूर लेख सं० 636/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,  
(1908 1908 का 16) के अधिनियम, फरवरी  
85

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

भूमि और मकान कण्णतूर डिस्ट्रिक्ट (केरला) कोयम्बतूर  
विंग बजार स्ट्रीट-18/36 टी० एस० सं० 2/1408,  
1417, न्यू टी० एस० सं० 2/2094 कोयम्बतूर लेख सं०  
636/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-10-1985

मोहर ५



**इसके बाद टी.एच.एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार****आयनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)**

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निवेश सं० 37/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामूवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तितिपालयम कृपि खेती-कोयम्बतूर टी० एस० सं० 14/1 है, जो 15/1, 16/1, 16/2, 17/2 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 562/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आम्नायिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री दण्डवाणि,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पं० राजेश्वरी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**संपूर्ण**

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

कृपि खेती-तितिपालयम टी० एस० सं० 14/1, 15/1, 16/1, 16/2, 17/2—कोयम्बतूर, कोयम्बतूर लेख सं० 562/85

श्रीमती एम० सामूवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 4-10-1985

सोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एस० शिवानंदम और अन्यो,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पलनितेश्वर और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर, 1985

निवेश सं० 49/फरवरी 85 अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कनिपालयम गांव, पोरविपालयम है, जो पीलाचची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोलाचची लेख सं० 371/373/374/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सूचना के लिए और/वा

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्जितार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पोरविपालयम कनिपालयम गांव, पोलाचची तालुक  
पोलाचची लेख सं० 371, 373, 374/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 4-10-85

मोहर



प्रकृष जाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 66/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नैशन थियेटर है, जो नीलगिरीस कोतगिरी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोतगिरी  
लेख सं० 307/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
इससे प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में  
कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० कुण्णन्

(अन्तरक)

(2) डा० आर० नटराजन और अन्यो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—नैशन थियेटर—0.58 एकड़ और सिनेमा  
थियेटर—नीलगिरीस-कोतगिरी कोतगिरी लेख सं० 307/  
85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-10-1985

मोहर :



पञ्च वाई.टी.एन.एच.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० 87/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, कृष्ण अय्यर स्ट्रीट तुंगम्बाक्कम है, जो  
मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, थोसंडलैटस लेख सं० 42/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतनमाल और अन्यो

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एन० साजिदा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-1, कृष्ण अय्यर स्ट्रीट तुंगम्बाक्कम  
थोसंडलैटस लेख सं० 42/85

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-10-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) में बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 100/फरवरी 85--अतः मुझे, श्री०  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1, श्रीनिवास पिल्लै स्ट्रीट पश्चिम  
मामबलम है, जो मद्रास-33 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 511/85  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
6) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० सुब्रमणियन,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० लक्ष्मणि,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-14, श्रीनिवास पिल्लै स्ट्रीट, पश्चिम  
मामबलम, मद्रास-33 कोडम्बाक्कम लेख सं० 511/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 3-10-1985

मोहर :



प्रकट आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

ग्राहक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 186/फरवरी/85— अतः मूल, के० वेणुगोपाल  
सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि खेती पुलियम्बेड गांव, नुम्बाल  
मधुरा, जैदापेट है, जो चेंगलपठ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध इतुरुकी में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुनमल्ली लेख सं०  
710/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तविक अन्तर-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लिये या  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
आई/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्म आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

नोट: धन उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :-

(1) श्री एम० मुहगन

(अन्तरक)

(2) श्री एस० चिद्वि बालुगोर,  
श्री पी० चन्नवर्ती,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि खेती पुलियम्बेड गांव, नुम्बाल मधुरा जैदापेट  
तालूक चेंगलपठ डिस्ट्रिक्ट पुनमल्ली लेख सं० 710/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 3-10-1985

माहिर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए० रमणी और,  
श्री ए० सुधामन्,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शांति त्यागराजन्,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 199/फरवरी 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सख्या 8, हनुमन्तराव स्ट्रीट टी० नगर है,  
जो मद्रास 17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूरा हुआ है), रजिस्ट्रारों की अधिकारी के  
कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 131/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1998 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 85को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।भूमि और मकान-8, हनुमन्तराव स्ट्रीट, टी० नगर  
मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 131/85

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 3-10-1985

माहूर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 192/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 रामनाथम स्ट्रीट टी० नगर है, जो  
मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 176/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-306 G1/85

(1) डा० ए० आर० श्रीनिवासन और अन्यो  
(अन्तरक)

(2) श्री टी० वी० सायनाथ गुप्ता और,  
श्रीमती वैजयन्ती,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-5, रामनाथन स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास  
17 टी० नगर/लेख सं० 176/85

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-10-85

साक्षर :



प्ररूप भाई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 193/फरवरी 85 अतः मू. अ. श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11, हिन्दी चार सभा रोड़ टी० नगर  
है, जो मद्रास 17 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 196/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 16) के अधीन  
फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मू. यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीमें) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में

वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण की दृष्टि से  
कभी करने या उससे बचने में सहायता के लिए  
और/वा

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन के अन्तरण  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० एम० श्रीनिवासन और अन्य

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री सुमन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अमि 12 ए. न्यू नं० 11 हिन्दी प्रचार सभा रोड़  
टी० नगर, मद्रास 17 टी० नगर लेख सं० 196/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-10-85

माहुर :



प्रकरण नम्बर टी. एन. एस.

(1) श्री जे० नटराजन

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० लिंगम्बालराज

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 197/फरवरी 85—अतः मूझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, पार्थशरतिपुरम एक्सटेंशन उत्तर टी० नगर है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 250/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का बराबर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक पाया गया अधि-कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक बिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कट्टे देने के अन्तरक के बाधित में कट्टे करने या उक्त वर्ष में सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिसमें भारतीय बाध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 5, (पुराना सं० 7 बी०)  
पार्थशरतिपुरम एक्सटेंशन उत्तर टी० नगर मद्रास टी० नगर/  
लेख सं० 25/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-10-85

मोहर :



प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 5/फरवरी 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 1 (पुराना सं० 1 ए०) हारलेस रोड  
कोलपाक है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम लेख सं० 357/85 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी 85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ज्यमान प्रतिफल से, ऐसे ज्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कायम नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
वर्षिक में कमी करने या उचित करने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) वही किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जी० प्रभावति और अन्यो

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ए० गाफर अलैयास मुनीर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है,

अनुसूची

भूमि और मकान (पुराना नं० 1 ए०) हारलेस रोड  
कोलपाक मद्रास-10 पुरशवाक्कम लेख सं० 357/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 3-10-85

मोहर



प्रश्न बाह्य.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

निर्देश नं० 8/फरवरी 85--अन : मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन उक्त सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मर्चन्तायकनपालयम है, जो आत्तुघोलाच्ची  
गांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पोलाच्ची लेख नं० 340/85 में भारतीय राजस्त्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी  
85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकी) और  
बन्तरिती (बन्तरिती) के बीच एके बन्तरक के लिए तब  
भास गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त बन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) कब्रण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के  
अधिनियम से कभी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एकी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जब: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० विश्वनाथन और,  
श्री एन० सुंदरराज,

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सुंदरराज और,  
श्री एन० विश्वनाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को मध्य  
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्तासरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि-103/3 ए और 93 आत्तुघोलाच्ची 340/85/  
(2 सं०) पोलाच्ची

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 1-10-85  
मोहर :



इसका बाई. टी. एम. एच. -----

(1) श्रीमती बी० चेल्लाम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० बालसुब्रह्मण्यम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 50/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परिणाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधिनियम सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० /डी० एस० सं० से 149, 150, 151, 152 टी०  
एस० बाई 6 सुब्रह्मण्यस्वामि है, जो श्रीर वेलावर स्ट्रीट मंदिर  
स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पोल्लाच्ची लेख सं० 175/85 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धन फरवरी  
85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मर्यादित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-  
रिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
राशियत में कमी करने या उससे बचने में मरिधा  
से लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मरिधा के लिए;

को सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के विषय  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तारी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रकृत बातों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में लिख  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-टी० एस० सं० 149, 150, 151,  
152 नं० 8 सुब्रह्मण्य स्वामि मंदिर स्ट्रीट और वेलावर  
स्ट्रीट पोल्लाच्ची पोल्लाच्ची लेख सं० 175/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-2, मद्रास

तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-10-1985

मोहर :



प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 59/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० आनैमलै पोल्लाच्ची है, जो एम० सं०  
276 ए निरूपूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, आनैमलै लेख सं० 108/85 और 110/85 ;  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी 85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने  
का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित से  
पम्पनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से  
हाविल से कमी करने व. इसमें उचित से स्थिति  
के लिए; और/वा(ख) जैसे किसी बाय या किसी धन या अन्य कार्मियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अध्याय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किन्तु भारत का अधिनियम, विभागे से स्थिति  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—(1) श्रीमती राजेश्वरी और,  
श्रीमती राजाती

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दलक्ष्मी और,  
श्री के० सुरेशबाबू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधने :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

कारण :—इसमें

की

है, नहीं बंधे होगा या उस अध्याय में दिना  
गया है।

अनुसूची

कृपि खेती—आनैमलै—पोल्लाच्ची आनैमलै लेख सं० 108  
और 110/85श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 1-10-85

माहर :



प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एम० एम० पण्मुगम पुरोहित और,  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री ए० गणेशन  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 65/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० ताठिपालयम गांव 4थी वार्ड सं० 2 है, जो  
तिरुप्पुर टाऊन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, तिरुप्पुर लेख सं० 281/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, के  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 4था वार्ड नं० 2, ताठिपालयम  
तिरुप्पुर टाऊन तिरुप्पुर लेख सं० 281/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 1-10-85

मोहूर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती वैकटुम्माल और अन्यें

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स कारुण्या एजुकेशनल ट्रस्ट,  
ट्रस्टी एम० कुरैस्वामी,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

निदेश सं० 72/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मत्तुवरायपुरम है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताण्डामुत्तूर लेख सं० 222/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिग्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और मकान 306/2, मत्तुवरायपुरम, कोयम्बतूर  
ताण्डामुत्तूर लेख सं० 222/85श्रीमती एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्द्वारा दी गई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-9-85

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री टी० एस० तिरुवेंगडस्वामि श्रीर,  
श्री टी० पापथंसारथी,  
श्री टी० नारायणन,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० 78/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 11/415 प्लॉट सं० 16-

164 ए० 164 बी०, बाध है, जो कोयम्बतूर टाऊन  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गांधीपुरम लेख सं० 507/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वांश संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्नुइ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) श्री एम० रामदास,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में बिना  
गया है।

अनुसूची

भूमि टाटाबाद 11 टी० एस० नं० 11/415 प्लॉट नं०  
16, कोयम्बतूर टाऊन गांधीपुरम लेख सं० 507/85

श्रीमती एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 1-10-85  
मोहर :



प्रथम भाग टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

महायक आयकर

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 85

निवेश सं० 79/फरवरी, 1985—अतः मुझे, एम० सेमुबेल  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या संगनूर गांव है, जो कोयम्बूर तालुक में स्थित  
 है (और इससे, उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख 309/85  
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन, दिनांक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 बहिष्करण से कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
 के लिए; प्रति/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
 को बिना भारतीय भाग-कट अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के अधिनियम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तर्गत  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती डी० भाग्यम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० रामलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवांछ  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना कहा  
 है।

अनुसूची

भूमि और मकान—संगनूर गांव, कोयम्बूर लेख सं० 509/  
 85, गांधीपुरम :

एम० सेमुबेल  
 सक्षम अधिकारी  
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 30-9-85

मोहर :



प्रकाश आर्.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त करवाकर

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 82/फरवरी, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या संगनूर गांव—जी० एम० 35/1, 346/1,  
गांधीपुरम है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 901/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवर्धनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किन्हीं धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० दण्डपाणि

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ रेड्डी

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास,  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

समाप्त

भूमि और मकान—गांधीपुरम, संगनूर गांव, जी० एम० नं०  
345/1, 346/353, 354, 5.50 एकड़ भारतीयनगर एबन्यू.  
से आउट—गांधीपुरम, लेख सं० 901/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 1-10-85

मोहर :



प्रकाशक: टी. डी. एच. एच.

भाषा: हिन्दी, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

सहायक भाषा: हिन्दी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 85

निदेश सं० 105/फरवरी, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

भाषा: हिन्दी, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसमें वरिष्ठ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए० 44-डोर सं० 33-10 एक्ज्यू, अशोक  
नगर है, जो मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कायम्बतूर लेख सं० 551/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नूतन यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से कमी करने या उक्त अन्तरण में सूचना के लिए  
और/वा

(ख) किसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तविक  
को बिना भारतीय भाषा: हिन्दी, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाने चाहिए था, जिसने ने सूचना  
के लिए।

उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
ने, ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) मेसर्स जी० वी० कृष्णन एण्ड कं०

(अन्तरक)

(2) सपकोरठ पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जहाँहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सहायक

भूमि और मकान—ए० 49, डोर सं० 33.10 एक्ज्यू,  
अशोक नगर, मद्रास-83 कायम्बतूर लेख सं० 551/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 1-10-85  
साहूर :



हवन बाट, डी. एच. एच. -----

(1) श्री के० वरदराजन्

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कृष्णन् और अन्य

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1-अक्टूबर-85

निदेश सं० 112/फरवरी, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सेमुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सिंगनालूर गांव, 129/3, 130/3, ए आई-  
155/1 है, जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिंगनालूर लेख  
सं० 416/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब बातें क्या  
अधिक, निम्नलिखित अनुसूची से उपर्युक्त अन्तरक निम्नलिखित  
4 वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन सब बातें के अन्तरक के  
कारण से कभी कभी या उक्त वर्ष में किया  
के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी बात या किसी वर्ष या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, विधान में  
सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के बाध  
निहित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरण—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि—सिंगनालूर गांव, कोयम्बतूर, कोयम्बतूर सिंगनालूर/  
लेख सं० 416/85।

श्रीमती एम० सेमुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 1-10-1985

माहर :



प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

(1) श्री मी० आर० पट्टामिरामन और अन्यो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री डी० पुकराज और श्री प्रकाश बी० मेता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 1 अक्टूबर 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 118/फरवरी 1985—अतः मुझे, एम० सामुवेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 0.72-7/16 आर०एस०नं० 4205/आई०सी तथा जो ऊठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदगम-0 मण्डलम नीलगिरीस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 85

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

भूमि : 0.72-7/16 एकरस आर० एस० नं० 4205 आई० सी० ऊठी उदगमण्डलम-नीलगिरीस। लेख सं० 191/85

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-10-1985

मोहर :



प्रकृष बाह्य. टी. एन. एड.

(1) श्री रामनामि और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कारुण्या एडुकेशनल ट्रस्ट  
ट्रस्टी श्री एस० दुरस्वामी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1985

निवेश सं० 120/फरवरी 85—अतः सुझे, श्रीमति एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मन्तुवरायपुरम है, तथा जो कोयम्बतूर में  
स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय, तोण्डामुतूर लेख सं०  
193/85 से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख फरवरी, 1985,

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमूल्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशिगत में कटौती करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि-मन्तुवरायपुरम कोयम्बतूर/तोण्डामुतूर लेख सं०  
193/85।

श्रीमति एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 1-10-1985.

मोहर :-



प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री पी० एस० गोविन्दराजुलु,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जे० वक्तकत्तुमुलू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1985

निदेश सं० 128/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमति एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जहाँ सं० 19, वेण्टायल मुदली स्ट्रीट, पुरुषवाक्कम  
है, तथा जो मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पुरुषवाक्कम लेख सं० 274/85 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16  
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
को दिया जा रहा है

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—19, वेण्टायल मुदली स्ट्रीट, पुरुष-  
वाक्कम, मद्रास-7 पुरुषवाक्कम लेख सं० 274/85 ।

श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
19-306 GI/85

तारीख : 30-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमति लक्ष्मी कुण्डस्वामी और अन्यें।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री बशीर अहमद और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 66/फरवरी 85--अतः मुझे, श्रीमति एम०  
सामुवेल,अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एफ-209 अन्ता, नगर, मद्रास-102 है तथा जो  
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर,  
द०सं० 244/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाक में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एफ 209, अन्ता नगर, मद्रास-102  
(द०सं० 244/85)।श्रीमति एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रासतारीख : 27-9-1985  
मोहर :



## प्रकरण आई. टी. एन. एच.

(1) श्रीमति एम० आण्डालम्माय ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री के० माटिचन्द दागा ।

2. श्रीमति मोहनो देवी दागा ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अगस्त 1985

निदेश सं० 67 फरवरी 85—अतः मुझे, एम०

के० वेणुगोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० ई प्लॉट सं० 269, पेरियलकूड गाँव, मद्रास है, तथा जो और अभिन्न स्वार्थी भूमि-16 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में अग्ररूप पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर, (दस सं० 304/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बड़े प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्दु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और मकान—प्लॉट सं० ई प्लॉट सं० 269, पेरियलकूड गाँव, मद्रास और अभिन्न स्वार्थी भूमि-16 (एस० आर० के अण्णा नगर—दस सं० 304/85) ।

एम० के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 23-8-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस

(1) श्रीमति पी० बानुमती ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० सुदीन्द्र शेड्डी और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 69 फरवरी 85--अतः मुझे, श्रीमति एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 377, अटिंग्नर अन्ना नगर वेस्टेरन एक्सटेंशन है, तथा जो अन्ना नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर द० सं० 346/85 से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान निर्माण प्लॉट सं० 377, अटिंग्नर, अन्ना-नगर वेस्टेरन एक्सटेंशन, मद्रास (दम० सं० 346/85)

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



**प्रकट नोटिस**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, मद्रास

मद्रास दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 71 फरवरी 1985—अतः भूमि, श्रीमति  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे० 69, अण्ण नगर, मद्रास-40 है, जो  
मद्रास में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्ण नगर  
(दस० सं० 2130/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 8

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भूमि सह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में क्षमता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तिकी  
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
क्षमता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम  
में, में, उक्त अधिनियम की  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों

(1) श्रीमति के० एड गिरी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सम्पत्त कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**अनुसूची**

भूमि और निर्माण— प्लॉट सं० 3505, जे० 69, अण्ण  
नगर, मद्रास-40

एस० आर० अण्ण नगर

(दस० सं० 2130/85)

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज-1, मद्रास

दिनांक: 27-9-1985

र:



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 27 मितम्बर, 1985

निवेश सं० 73/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमति एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० प्लॉट सं० 1917, अटिनर अण्णा नगर,  
मद्रास-40 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अण्णा नगर (दस: सं० 489/85) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठव पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) श्री पी० बी० नारायणन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प० राजाम्पाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण—प्लॉट सं० 1917, जे० ब्लॉक, 4 थी  
स्ट्रीट, अटिनर अण्णा नगर, मद्रास-40 एम० आर० अण्णानगर  
(दस: सं० 489/85)

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री डी० सन्तनायकी।

(अन्तरक)

(2) श्री विल्सन सामुवेल प्रेरराज।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 76/फरवरी/85--अतः मुझे, श्रीमति एम०

सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० टी० एस० सं० 229, ब्लाक 9 ए, अन्ना नगर, मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 फरवरी, 1985 (दस० सं० 574/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का रंग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमी और निर्माण-टी० एस० सं० 229, ब्लाक 9 ए, अन्नानगर, मद्रास।

(दस० सं० 574/85)

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० जी० श्री निवासन।

(अन्तरक)

(2) एम० तिवकु विजया पाडीयन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 77/फरवरी/85--अमः मुझे, श्रीमति एम०

सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 2, साई मुदुगन स्ट्रीट, तिरुमंगलम रोड, बिल्लीवाक्कम, मद्रास-49 में है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णातनगर, (दस० सं० 618/85) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के बाविल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण:—डोर सं० 2, साई मुदुगन स्ट्रीट, तिरुमंगलम रोड, तिल्लीवाक्कम, मद्रास-49 एस०आर०ऊ० अण्णा नगर, (दस० सं० 618/85)

श्रीमति एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 27-9-1985



प्रथम भाग, टी. एन. एच. —————

(1) विमान बर्ड्स मार्शल एफ0बी0ए0 स्कुडर।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेणुगोपालन।

(अन्तरिती)

वायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 78/फरवरी/85 -अतः मुझे, श्रीमति एम०

सामुवेल,

वायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4089 मूलम गांव: मद्रास में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुमोची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णानगर (दस० सं० 627/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लयमात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के लक्ष्य से कमी करने या उसके करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिसे भारतीय वायुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वायुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोटमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

20—306 GI/85

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास निहित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सुखी

भूमि और निर्माण—प्लॉट सं० 4089, पी० 91, अण्णानगर, मद्रास-40

एस० आर० ऊ० : अण्णानगर।

(दस० सं० 627/85)

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

माहूर :



**प्रकट नार्मल टी. एन. एच. —**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

**आयसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 79/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमति एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1570, अण्णा नगर, मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाकृष्ट अनुसूची में अंतर्गुण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा-नगर, (दस० सं० 673/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति दीपिका नन्दनल ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सेवराज और श्रीमति एम० जे० अर्पुनामेरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि और निर्माण—प्लॉट सं० 1570, अण्णा नगर, मद्रास  
एस० आर० ए : अण्णा नगर ।  
(दस० सं० 673/85)

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-I, मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27, सितम्बर 1985

निदेश सं० 80/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमति एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० आर० एम० सं० 1609/2, मार्शल्लस रोड,  
एडमोर, मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पुणेक्ष में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी  
के कार्यालय, पेरीयमेट (दस० सं० 114, 115 और 116/85)  
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति ए० विस्वेस्वरा राउ और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) एम० आनंदन

एम० अमुदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 139 और 140, मार्शल्लस रोड, एडमोर, मद्रास  
एम० आर० अ : पेरीयमेट

(दस० सं० 114, 115, और 116/85 )

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए० विस्वेसरा राज और अन्य ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
 धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

2) जी० अन्नमाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 81/फरवरी/85:—अतः मुझे, श्री/मती  
 एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 139, और 140, मार्शललस रोड, एम्मोर,  
 मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
 सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के  
 कार्यालय, पेरीयमेट (सं० सं० 117/85) में भारतीय रजिस्ट्रि-  
 करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
 16 फरवरी, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिपाद्यता की या अन्य  
 विधि से किए जा सकेंगे ।

सम्बन्धित:-इसमें प्रस्तुत दस्तावेजों और पत्रों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 यही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

प्लॉट सं० 139 और 140, मार्शललस रोड, एम्मोर, मद्रास ।  
 (एस० आर० अ: पेरीयमेट ।

दस सं० 117/85)

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
 को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

एम० सामुवेल  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, मद्रास-6

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्ति :-

तारीख : 27-9-1985  
 मोहर :



प्राप्त बाई.टी.एन.एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
क. धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 82/फरवरी/85—अतः, मुझे, श्रीमति एम०  
सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 139 और 140, मार्शललस रोड, एम्मोर  
मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अन  
सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पेरीयमेट (दस० सं० 118/85) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण विवरण  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी अन्य की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कटु वस्तु के अन्तरक के अन्तरण  
में कमी करने या उक्त वस्तु में सूचना के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी वस्तु या अन्य वस्तुओं  
को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, जिसे में सूचना  
के लिए।

(1) श्री ए० विस्वेस्वरा राऊ और अन्य।

(अन्तरक)

2) जी० शंकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किस् या स्कॉने।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों कीट पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

प्लॉट सं० 139 और 140, मार्शललस रोड, एम्मोर मद्रास  
(एस० आर० ओ पेरीयमेट। (दस० वं० 118/85)।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्रकृष माह. टी. एन. एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 83/फरवरी/85—अतः सूझे, श्रीमति एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 139 और 140, मार्शललस रोड, एम्मोर,  
मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचों  
में और पुनर्मा में वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिहारी के कार्यालय,  
में पेरियमेट (दस० सं० 119/85) में भारतीय रजिस्ट्रारकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख,  
16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1) श्री ए० विस्वेस्वरा राव और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रीर० गोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 139 और 140 मार्शललस रोड, एम्मोर, मद्रास ।  
(एस० आर० ओ: पेरियमेट  
(दस० सं० 119/85) ।

ए० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I मद्रास

दिनांक : 27-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) ए० विस्वेस्वरा राव और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) जी० सेतुमै ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 मितम्बर 1985

निदेश सं० 84/फरवरी/85—अन०, मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 139 और 140, मार्शल्लस रोड, एममोर, मद्रास-8 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरोयमेट (दस० सं० 120/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट सं० 139 और 140, मार्शल्लस रोड, एममोर, मद्रास-8, एम० गार० ओ० (पेरोयमेट दस० सं० 120/85) ।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 (आई/सी), मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री किशोर गोकुलदास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री चन्दर कुमार मलहोत्रा, और अन्यो।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

निवेश सं० 85/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० आर०एस०सं० 91, 92, 93, 94 और 96 है, जो भाग आफ एहमोर गाँव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट द०सं० 123/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्लॉट आर०एस०सं० 91, 92, 93, 94 और 96 एहमोर गाँव का भाग (द०सं० 123/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, (आई/सी), मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री किशोर गोकलदाम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मोहना किशिचंद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 86/फरवरी/85—अनत: मुझे, श्रीमती एम०  
सामुबेलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि अन्तरक (अन्तरक) का मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 17, है, जो अलगप्पा नगर, हालम रोड  
मद्रास 10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पेरियमेट (दस०सं० 124/85) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी,  
1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्त्राज  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
अवधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में हुई किसी बात की बाधा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
प्रतिफल का भी करने या उसमें सूचना में सूचना  
के लिए; और/या(ख) यदि किसी आय या किसी एन या अन्य आयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—306 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या नवम्बर की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट अभिलेख भूमि के इन्स्ट्रुमेंट के सात सं० 17, अलगप्पा  
नगर, हालम रोड, मद्रास-10 एस०आर०ऊ० पेरियमेट  
दस०सं० 124/85 ।श्रीमती एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



**प्रकाशित की गई सूचना**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 89/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसका  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
श्रीरजिस्की सं० 9 है, जो श्रीतापेट रोड, मद्रास-7 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट द० सं०  
139/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को स्थानान्तरण  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल से ऐसे स्वयंमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राप्ता तथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण अधिनियम  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी जाब की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) मेसर्स पद्मावती कन्स्ट्रक्शन्स।  
कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री शम्भू एल० शा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट अभिन्न भूमी के इन्टेस्ट के सात सं० 9, श्रीतापेट  
रोड, मद्रास-7 (द० सं० 139/85)।

एम० सामुवेल  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



सकल जाहें टी. एन. ए. ए.

(1) श्री पद्माती कन्स्ट्रक्शन को०,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महेन्द्र अन्जारीया ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 मिनम्बर 1985

निदेश सं० 90/फरवरी/85--अनः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, अनापेट रोड, मद्रास-7 है, तथा जो मद्रास  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेटीयमेट (दम०  
सं० 140/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 के अधीन 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायवाहिगी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाहोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## प्रत्युत्पी

प्लेट सं० 9, अनापेट रोड, मद्रास-7 एस०आर०ओ०  
पेरीयमेट, दस०सं० 140/85 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 (आई/सी), मद्रास

तारीख : 27-9-85

कोहर



प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 91/फरवरी/85---अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवैल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, है, तथा जो ब्रितापेट रोड, मद्रास-7 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेटीयमेट (दस०  
सं० 141/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पत्मावती कन्दकशन को०,

(अन्तरक)

(2) राजेंस मारडिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 9, ब्रितापेट रोड, मद्रास एस०आर० ऊ०  
पेटीयमेट, दस सं० 141/85 ।

एम० सामुवैल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 (आई/सी), मद्रास

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रकाशक, डी. एन. एस.

(1) श्री पद्माती कन्दुकेशन कॉ.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी मामिषा जे. पटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अक्टूबर 1985

निर्देश सं. 92/फरवरी/85 अतः मुझे, श्रीमती एम. सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. 9, है, जो त्रिनापेट रोड, मद्रास-7 में स्थित है (श्रीर द्वारा उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेटीचमेट (दस. सं. 142/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अमान्य प्रतिफल का पक्ष प्रतिकूल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

समाप्त

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण में कमी करने या उचित करने के अधिनियम के लिए; और/या

प्लॉट सं. 9, त्रिनापेट रोड, मद्रास-7, एस.आर.ऊ. पेटीचमेट, दस. सं. 142/85।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राधान्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिन्हें में सूचना के लिए।

एम. सामुवेल  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-1, (आई/सी) मद्रास-6

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रश्न आई.टी.एच.एस.-----

(1) श्री चेलन इश्वर राव ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सुकन्या ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक 27 नवम्बर 1985

निदेश सं० 94/फरवरी/85- - अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुबैल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस०सं० 108/3(68/2) एम्भोर  
गांव मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीदारी अधिकारी  
कार्यालय, पेरियमेट द०सं० 177/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति बास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहे या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट आर०एस०सं० 68/3(68/2) एम्भोर गांव,  
मद्रास (द०सं० 177/85) ।

एम० सामुबैल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, (आई/सी)  
मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रकाशित, टी. ए. ए. ए.-----

(1) श्रीमती चारु आलबटगटेईलर।

2. श्रीमती एलन एडमंस, 3. श्रीमती तिरेशा मिटचल। (अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए. महम्मद आमीन।

(अन्तरिती)

भाइत वडका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 मद्रास

को यह सूचना जारी करके प्रभावशाली संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 68, उत्कृष्टान स्ट्रीट  
पेरियमेट, मद्रास-3, दम० सं 179/85 ए० आर०ओ० पेरियमेट

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एम० मामूबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 (गार्डी/पी) मद्रास-6

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
में निर्दिष्ट व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री यूनिवर्सल मेडिकल इन्स्टीट्यूट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी.वी. जानकी अम्मल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-1 मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कराए हों।

मद्रास दिनांक 27 सितम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

निर्देश सं० 100/फरवरी/85 - अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह निवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 167, है, जो सैडम्स रोड, पेटीयमेट, मद्रास-3 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेटीयमेट (दस० सं० 204/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण डोर सं० 167, सैडम्स रोड, पेटीयमेट, मद्रास-3, एम०आर०अ० पेटीयमेट, दस० सं० : 204/85।

एम० सामुवेल  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 (आई/ना), मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० विजयलक्ष्मी

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अरुणा इन्टरनेशनल (पी) लिमिटेड।

(अन्तरिनी)

नारायण सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1985

निदेश सं० 102/फरवरी/85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, है, जो 14 अवेन्यु, हाटीटन रोड, चेटपेट, मद्रास-31 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय, पेटरायमेट (दस० सं० 210/85 में भारतीय रजि-स्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिनी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों से 92 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-सं० 10, 14 अवेन्यु, हाटीटन रोड, चेटपेट, मद्रास-31, एच०आर०ए० : पेटीयमेट, दस० सं०-210/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, (आई/सी), मद्रास-6)

तारीख : 25-9-1985

मोहर :



प्रकाशक, डॉ. एम. एस. ...

(1) श्री विष्णु चन्द्रावाम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन

(2) श्रीमती ए. राधेश्वरी।  
कुमारी ए. श्रीदेवी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 103/फरवरी/85 ---अतः प्रो. श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 484, है, तथा जो पेन्तीचन रोड,  
एम्पोर, मद्रास-8 में स्थित है (अतः इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के  
कार्यालय परीयमेट (दफ० सं० 220/85) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 16 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अध्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दायमान प्रतिफल से, जो दायमान प्रतिफल का पन्तुह  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी धर्म की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उक्त बचने में सविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी धर्म या किसी धर्म या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, लिखने में सविधा  
में लिखें;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 484, पेन्तीचन रोड,  
एम्पोर, मद्रास-8, एम० एम्प० अ० परीयमेट, दफ० सं०  
220/85।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, (आई/सी),

मद्रास-6

तारीख : 25-9-1985

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जी० राजगोपालन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ई० विजयलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1985

निदेश सं० 105/फरवरी/85---प्रतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 32, नावल हास्पिटल राड  
पेरियमेट है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयरी प्राधिकारी के  
कार्यालय, पेरियमेट द० सं० 237/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 16  
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गन्दा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण डोर सं० 32, नावल हास्पिटल  
राड, पेरियमेट, मद्रास मु० सं० 32 और पेरियमेट, द० सं०-  
237/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, (आई/सी), मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्रमुख भाग: टी. एन. एच. -----

(1) श्रीमती पदमम मन्नी तायर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मिरा एम० रामचन्द्रानी  
और अन्यें।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 गिनम्बर 1985

निदेश सं० 107/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० ए-77, "एम" स्ट्रीट, के० जी०  
कालनी है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवासी के  
कार्यालय, द०सं० 250/85 में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

कई वर्ष सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के विषय  
कार्यवाहिमा करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि धारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

भूमि और निर्माण प्लॉट सं० ए-77, "एम" स्ट्रीट,  
के०जी० कालनी, मद्रास-10, (द०सं० 250/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, (आई०सी०), मद्रास-6

तारीख: 27-9-1985

मोहर:



प्रकरण आई. टी. एन. एच.-----

(1) श्री विवेकानन्दा शिक्षा भवनधी समाज,  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती सुशीला आई जेडन  
(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।निर्देश सं० 108/2 फरवरी/85—अनः मुझे, श्रीमती  
एम० सामूवेलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 40, तम्मालवाट स्ट्रीट, जार्ज टाउन,  
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्तर्गामी में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय,  
सौकरपेट (दम०सं० 58/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी,  
1985।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरिनीयों) के बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में अभिहित नहीं किया गया है :-स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा  
के लिए; और/याभूमि सं० 40, तम्मालवाट स्ट्रीट, जार्ज टाउन मद्रास-79;  
एम०आर०ए० सौकरपेट, दम०सं० 59/85।(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची में किसी दायित्व प्रकाश नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;श्रीमती एम० सामूवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 (आई/सी), मद्रास-6अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रत्येक भाग में दो पृष्ठ

(1) श्री एल० रविकुमार और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती स्वर्णमाला।

(अन्तरिती)

## सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निदेश सं० 10/ फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी का। यह विषयाम करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24, वेन्कटराम अय्यर स्ट्रीट, कोन्डितोप  
है, जो मद्रास-79 में स्थित है और इससे उपावद्ध में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सोकारपेट द०सं० 66/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; नाई/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 24, वेन्कटराम अय्यर स्ट्रीट,  
कोन्डिलोय, मद्रास-79 (द०सं० 66/85)।

एम० सामुवेल

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) वी.आफीणियल ट्रस्टी ऑफ मद्रास,  
हाई कोर्ट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) मेसर्स एम.जी.एम.,  
ट्रान्सपोर्ट्स (रजिस्टर्ड)।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 2 सितम्बर 1985

निदेश सं० 111/फरवरी/85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० डोर सं० 92, वालटाक्स रोड, मद्रास-3 है, जो में स्थित है (और इससे उपायुक्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, सौकार-पेट द०स० 70/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के 'अवमान' प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त अवमान प्रतिफल में, ऐसे अवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अवश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**कृपया**

(क) ध्यान से हूँ कि किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वापस में कभी करने या उक्त करने में अधिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की आधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और निर्माण डोर सं० 97, वाटाक्स रोड, मद्रास-3 (द०स० 70/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I (आई/सी), मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

संकेत



प्रमुख कार्य, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**सामुच्च**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक 2 सितम्बर 1985

निदेश सं० 118/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 47, वेंकटाचल मुदली स्ट्रीट,  
मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सौकार पेड (दस०सं० (102/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम फरवरी,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिमियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विन रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
एन. जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० कण्णप्प चेट्टीयार ।

(अन्तरक)

(2) श्री वीपेन्द्र कुमार अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 47, वेंकटाचल मुदली स्ट्रीट,  
मद्रास-3, एस०आर०अ० सौकारपेट, दस०सं० 102/85 ।

एम० सामुवेल  
प्रथम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 (आई०/सी०), मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985  
मोहर



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती एस० कलावती और दूसरे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ताहीरा बेगम।

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 23 सितम्बर 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 121/फरवरी/85—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल  
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 4, प्रकाश अक्व्यू, पेपर मिल्स रोड, है,  
जो सेम्बियम, मद्रास-II में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सेम्बियम (दस०सं० 298/85) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल होने पर कर देने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

**अनुसूची**

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि और मकान सं० 4, प्रकाश अक्व्यू, पेपर मिल्स  
रोड, सेम्बियम, मद्रास-II (एस०आर०ओ० सेम्बियम-  
दस०सं० 298/85)।

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज-1 (ग्राई/सी), मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 23-9-85  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री पी० कण्णप्प मुदलियार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कुमारी पी० सुब्रमणियम और श्रीमती एस० हम्सबल्ली ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास]

मद्रास दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 130/फरवरी/85--अन: मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, कोल है, जो मेरचन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दस०सं० 422/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 58, कोल मेरचन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1, एस०आर०ऊ० मद्रास, उत्तर, दस०सं० 422/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, (आई/सी), मद्रास-6

तारीख: 27-9-1985

मोहर:



प्रथम भाग, टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 131/फरवरी/85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 9, केन्ट लेन, एम्मोर, मद्रास 8 है, जो में स्थित है (और इसी उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास दस०सं० 457/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16) फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाए; और/वा

(ख) ऐसे किसी बाप या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० एस० रत्ना बाई और अन्य (अन्तरक)

(2) मेमर्स हाट्टिन होटल, (प्रा०) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण डोर सं० 9, केन्ट लेन, एम्मोर, मद्रास-8 (द०सं० 457/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, (आईसी), मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वे० वेकटेस्वरु श्रीर

(अन्तरक)

(2) श्री पडमचंद जेईन श्रीर ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1985

निदेश सं० 134/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० 112, बरादामुत्तीयप्पन स्ट्रीट, जो मद्रास-1  
में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर  
(दस० सं० 612/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16 के अधीन 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एतत् किसी आय या किसी भन अन्य वास्तविक  
यदि किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 112, बरादामुत्तीयप्पन,  
स्ट्रीट, मद्रास-1, एस०आर०अ० मद्रास अन्तर, दस० सं०—  
612/85।

एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, (आई/सी), मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 137/फरवरी/85—अतः मुझे, श्रीमती एम.

सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2, प्लाग स्टाफ रोड, है, जो रायपुरम, मद्रास-13 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिभारी के कार्यालय, रायपुरम सं० 183/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स स्टार कॉलड स्टोरेज,  
(प्राइवेट लिमिटेड)।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सान्को वाटहौसिंग,  
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधिन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण सं० 2, प्लाग स्टाफ रोड, रायपुरम, मद्रास-13 (सं० 83/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 (आई/सी), मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्रमुख आई.टी.एन.एन.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक: 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 139/फरवरी/85--अतः मुझे, श्रीमती ए०  
सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 7, ग्राम टोड, नयी वापरमेन  
पेट मद्रास-81 है, जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
वेकार्यालय, रायपुरम द० सं० 299/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शासक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जयति :-

(1) मेमस लोटस इन्सजट्रीस लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० बानुमती और अन्यो।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 7, ग्राम टोड, नयी वापर  
मेनपेट, मद्रास-81 (द० सं० 299/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

तारीख : 27-9-1985

मोहर :



प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 143/फरवरी/85—अनः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मेदारी सं० 100, है, जो हाटिंगटन रोड, चेटपेट  
मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पेरियमेट द० सं० 167/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल में, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
व्यवहार प्रविष्टत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
गोपनीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सापेक्ष में करी कराने या उसमें बचने में मौवबा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भव या अन्य वास्तिको  
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में  
द्विधा के लिए।

(1) श्रीमती विजयवर्मा सानिडा और अन्यो।

(अन्तरक)

(2) श्री सानिमवामगम और अन्यो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अवसर्ग

प्लेट सं० 100, हाटिंगटन रोड, चेटपेट, मद्रास 31  
(द० सं० 167/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, (आई/सी),  
मद्रास-6

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रमुख आई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंजन, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 नवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3847--अतः मुझे, जी० के०  
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल जमीन तथा रोड जेतपुर में है तथा  
जो सर्वे नं० 35 चैफी प्लॉट नं० 9 और 10 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-2-1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच दूरे अन्तरक के लिए तब बाका बचा प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरण के  
साथीक में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति का  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्गत अन्तरित होने का प्रयत्न करने के लिए  
किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
दे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मा. र्म आर्वा. डाईग एण्ड प्रिंटिंग वर्क,  
भागोदार-श्री विनाय कुमार खीवंशराय संघाई  
राम चम्बर के पीछे, जेतपुर,  
जिला-राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स फ्लायनटाइम प्रिन्ट  
भागोदार-श्री विनाय भाई बेचुर भाई बाममीया  
और अन्य ।  
चादनी चौक, जेतपुर,  
जिला-राजकोट ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न  
45 दिन की अवधि या उत्पन्न की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सूचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-ब में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल जमीन जेतपुर में सर्वे नं० 35 फी प्लॉट नं०  
9 और 10 क्षेत्रफल 825 और 1089 वर्ग मीटर और इन्ड-  
स्ट्रियल रोड आदि म्युनिमपल सीमीट बाड़े जेतपुर, गुजरात  
हाईवे रजिस्ट्रेशन नं० 37/85/4-2-85 ।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंजन-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-9-1985  
मोहर :



अध्यक्ष 'टी. एन. एच.' -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3848/84-85—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार में  
100,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, 6ठीं मंजिल, बिल्डिंग है, तथा  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय, 37ईई फाल फीया  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
24—306GI/85

(1) मेसर्स जे० एस० कारपोरेशन,  
48, एन्ड नारायण रोड,  
शान्ताकुज, वेस्ट, बम्बई-54

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कुमुद बेन जयवंतभाई उदानी  
21, प्रह्लाद प्लोट पुरानी निवास,  
राजकोट-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 601, 6ठीं मंजिल, रेल कॉम्प्लेक्स क्रिमिन्ट आफ  
बिल्डिंग क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट राजकोट 37ईई दिनांक  
4-2-1985 को फाल फीया।

जी० के० पंडया

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1985

मोहर :



प्ररूप भार्. टी. एन. एस.

(1) मयमं जे० एम० कारपारेशन,

48, उन्ड नारायन रोड,

आन्ता कुज, वेमट, बम्बई-54

(अन्तरा)

(2) श्री मुरंज वन्दर मुलजी भार् फारीया,

के०/ आफ फेज एन्ड फेरी क्रिमेन्ट बी बिल्डिंग

रेम कोर्म, राजकोट,

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 नितम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3849--अतः मुने, जी० के०  
पंडया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, मेकेड फ्लोर क्रिमेन्ट बी  
बिल्डिंग है तथा जो रेम कोर्म क्षेत्रफल 1125 वर्ग यार्ड राज-  
कोट में स्थित है (और इससे उधावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय, 37ईई  
फाराल फीया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एकद्विगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए दय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाँर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अधिः :--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 201, मेकेड फ्लोर क्रिमेन्ट बी बिल्डिंग राजकोट  
रेम कोर्म क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट 37ईई दिनांक 4-2-1985  
फाराल फीया।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 9-2-1985

माहिर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3850--अतः मुझे, जी० के

पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० नं० राजकोट में सर्वे नं० 123  
है तथा जो क्षेत्रफल 180 वर्ग यार्ड प्लॉट नं० 42 में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्री उती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
28-2-1985

को पूर्णविक्रय संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्ववर्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या  
बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री आसुडामा भवानदाग प्रौर अन्य  
कल्याण चाकई, रेंस फोर्स  
राजकोट।

(अन्तरक)

श्री हममुखलाल परसोतम फीचडिया,  
श्री डीमनलाल परसोतम फीचडीया  
शंकर डारंग वाली शेरी  
सर्वे नं० 123,  
बेडीयण, राजकोट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

एच० पी० राजकोट में शंकर डारंगवाली शेरी  
प्लॉट नं० 42 पर सर्वे नं० 123 क्षेत्रफल 180 वर्ग यार्ड  
बेडीयण राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 1455/85 दिनांक 28-2-85

०० बे० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 9-9-1985]

मोहर:



प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

वास्तविक रूप से

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3851 अतः मुझे,

जी० के० पंड्या,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में प्लॉट नं० 24, गवर्नमेंट सर्जन है तथा जो को० अपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी जमीन 305 वर्ग याड + मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रांगण रूप से वर्णित), रजिस्ट्री-कर्ता अधिवारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अर्धन तारीख 2-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुए किसी काम की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के सावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाला जाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री उपेन्द्र हर्ष वन्त राय घोलविया,  
प्लॉट नं० ए-1,  
मुरेजा अपार्टमेंट नवरंगपुरा,  
अहमदाबाद-9 ।  
श्री शरदचन्द्र हर्षवन्त राय घोलविया,  
पंचवटी सोसाइटी बेड़ी बन्दर रोड,  
जामनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार उम्मेद लाल शाह,  
काबा गांधी की शेरी,  
गांधी चौक, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बर्तन :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाठुस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० पी० राजकोट में गवर्नमेंट सर्वेन्ट को० अपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी रेस कोर्स प्लॉट नं० 24 जमीन क्षेत्रफल 305-7-0 वर्ग यार्ड + मकान 56 वर्ग मीटर 67 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 1143/85 14-2-85 ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1985

मोहर :



अन्तर्गत टी. एन. एल. एल.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मिनम्बर 1985

निदेशन सं. पी० आर० नं० 3852-अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शापन० 5, 6, 7 ग्राउन्ड फ्लोर पर क्षेत्रफल 846 वर्ग फीट है तथा जो जन० चेम्बर्स गीरतार भिनेमा के सामने, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सूचित करने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जनक एण्ड कम्पनी,  
भागीदार : श्रीमती भारतीबेन नवीनचन्द्र  
पटेल और अन्य,  
रेस कोर्स को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
रेस कोर्स के सामने, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर कुमार डहाया लाल कोटेचा,  
बंगड़ी बाजार, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 43 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शापन० 5, 6, 7 ग्राउन्ड फ्लोर क्षेत्रफल 846 वर्ग फीट जनक चेम्बर्स गीरतार भिनेमा के सामने, राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 530 फरवरी, 1985 ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1985

मोहर ।



**अन्तर्गत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**राजपत्र**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3853--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2283/बी-2 तलाजा रोड पर है तथा जो कृष्ण नगर भावनगर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्री देशवल्लभ दलपत राम जोशी और अन्य,  
9, पारसी बाजार, स्ट्रीट,  
फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर सिंह अमर सिंह जाडेजा,  
कृष्ण नगर हिल इाहव,  
शांति नगर, सोसाइटी  
प्लॉट नं० 2273/4, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 2283 बी-2, तलाजा रोड, कृष्ण नगर,  
भावनगर।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-9-1985

मोहर :



प्रकरण आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० सं० 3854—अनः मुझे जी० के०  
पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 260 सब प्लॉट न० 66  
है तथा जो लावण्य को० ओ० हा० सोमायटी बंगला न० 66  
में स्थित है (और इसके उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फार्म  
न० 37 ईई कारलकीय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) अधीन 16-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) अजीतभाई प्रेमचन्द शाह  
66, लावण्य को० ओ० हा० सोमायटी लिमिटेड,  
न्यू विकासगृह रोड, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुमबेन भाईलाल शाह  
श्री भाईलाल हरीलाल शाह  
66, लावण्य को० ओ० हा० सोमायटी लिमिटेड  
न्यू विकासगृह रोड, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में प्रकट किया गया।

व्याख्या:—उपरोक्त पञ्चम शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनसूची

बंगला न० 66, लावण्य को० ओ० हा० सोमायटी लिमिटेड  
न्यू विकासगृह रोड अहमदाबाद

जी० के० पंडया  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

दिनांक 20 9 1985  
मोहर



प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मिनम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3855-अतः मुझे जी० के०  
पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में सर्वे नं०  
444 जमीन है। तथा जो क्षेत्रफल 301 वर्ग गार्ड/मकान  
एस० पी० नं० 19 बी राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण धिनियम 1908  
(1908 का 16) अधीन दिनांक 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अर्जन रेंज-II में अर्ज करने पर यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या उससे बचने में त्रुटि का कारण लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जा सकता था, छिपाने में  
त्रुटि का कारण लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती मीना ऐ० कुलकर्णी  
के० आ० ए० बी० राजध्यक्ष  
उपा किरन अपार्टमेन्ट  
जे० यात्रिक रोड, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री एन० जे० कोटक  
19-बी-2 हरीहर सोसायटी राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० पी० राजकोट में सर्वे नं० 443/444 एस० पी०  
नं० 19 जमीन क्षेत्रफल 301 वर्ग गार्ड + मकान रजिस्ट्रेशन नं०  
नं० 696/फरवरी 1985

जे० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 13-11-1985  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एड.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3856/23-I/85-86—प्रतः

मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट अमीन अपार्टमेंट में है तथा जो  
क्षेत्रफल 1725 वर्ग फीट, राजकोट में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिये  
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त प्रतिफल के लिये उचित प्रतिफल का  
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच लगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक की बाबत में  
कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए  
मोहर/वा

(1) मैसर्स महावीर कंस्ट्रक्शन कंपनी  
वैभव अपार्टमेंट  
रामकृष्ण नगर, शेरी नं० 2,  
राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ताबेन चतुर्भुज पटेल  
और अन्य  
प्लैट नं० 6, अमीन अपार्टमेंट अमीन मार्ग,  
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बायोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः बाब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
25—306GI/85

प्लैट राजकोट, अमीन अपार्टमेंट में क्षेत्रफल 1725 वर्ग  
फीट अमीन मार्ग, राजकोट, रजिस्ट्रेशन नं० 1034/85/फरवरी  
1985

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 23-9-85  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एच.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मिनम्बर 1985

निर्देश सं० नं० पी० आर० नं० 3857/23-1/85-86--  
अतः, मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में न्यू जागनाथ प्लाट  
शेरी नं० 25 है तथा जो युनियन को शा० हा० सोसायटी, राजकोट  
में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्त्स यह क्रियान्वित  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट है  
आवधिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती कुसुमदेवी चनापराय थोरा  
4-युनियन सोसायटी,  
25-न्यू जागनाथ प्लाट, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे० रंजनाबेन दीनेशचन्द्र  
25, न्यू जागनाथ प्लाट, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अंतर्गत किसी दायरा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहता था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

एच० पी० राजकोट में न्यू जागनाथ प्लाट, शेरी नं० 25,  
युनियन सोसायटी सर्वे नं० 626 जमीन क्षेत्रफल 250 वर्ग  
गार्ड + मकान रजिस्ट्रेशन नं० 501/1985/ फरवरी 1985

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
धारा 269-ब के अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्रवाही, सम्पन्न :—

दिनांक : 23-9-1985

मोहर :



सहायक आयकर प्राधिकृत (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर प्राधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक: 27 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० पी० आर० 3859—अतः मुझे जी० के०  
पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका मूल्य बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन राजकोट में सर्वे नं० 429—436  
पंचवटी सोसायटी है। तथा जो क्षेत्रफल 433-3 वर्ग यार्ड  
प्लॉट नं० 56-ए में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के  
कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 8 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्तमान प्रतिफल से अधिक है और अंतर (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राप्ति प्राप्त  
किस निम्नलिखित उपाखण्ड से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी धन की वास्तविक  
कीर्तिकाय को अधीन कर देने के अंतरक प्राधिकृत  
को कही करने या उक्त करने के सुविधा के लिए;  
कोर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किता जाना चाहिए था, लिपि में सुविधा  
के लिए;

कतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राजेशकुमार लक्ष्मणराय शेठ परेशकुमार अग्रताराय  
शेठ के/वी० बी० शेठ एण्ड कंपनी इन्कमटैक्स  
प्रिज्विकेट टाउन हेल के मामले, डेवर चौक, राजकोट 1  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मनीरमात्रेन विनोदराय धानक  
के/ओ० डी० पी० ज्वेलर्स मताज चेम्बर्स, सोनी बजार,  
राजकोट 1

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन से लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 43.3 वर्ग यार्ड प्लॉट नं० 56-ए पंचवटी  
सोसायटी राजकोट सर्वे नं० 423-436-456 प्लॉट नं० 9-  
56-ए, रजिस्ट्रेशन, 983/8-2-85।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 27-9-1985

मोहर:



प्रकृष जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## साहित्य दस्तावेज

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27-सितम्बर, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3858/23 I/85-86-अतः

मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजपुतपरा मुख्य रोड, है तथा जो शेरी नं० 8, क्षेत्रफल 500 वर्ग यार्ड + मकान, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या कि या कि या जाना चाहिए या, जिनसे अन्तरण के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमनीकलाल अंबाशंकर व्यास, और अन्य प्लोट नं० 315, सैक्टर नं० 22 गांधीनगर-22।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लोटस कार्पोरेशन ट्रेड सेंटर सरदारनगर मुख्य रोड, राजकोट

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के 4 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० पी० राजपुतपरा में मुख्य रोड, शेरी नं० 8 जमीन क्षेत्रफल 500 वर्ग यार्ड + मकान रजिस्ट्रेशन नं० 1199/18-2-85

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 27-9-85

मोहर :



प्रमुख भाग: टी. एन. एच. :—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3860—अतः मुझे जी० के०  
पंड्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में मावडीं रास्ता पर सर्वे  
नं० 374/2 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 708 वर्ग यार्ड +  
मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री अर्थात् अधिकारी के कार्यालय राजकोट  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक  
में कमी करने या उक्त दृश्यमान में सूचना के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स कोटक एण्ड आगाज परा बजार राजकोट-  
360001।

(अन्तरक)

2. खादी ग्रामोद्योग संघ, मावडीं प्लॉट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एच० राजकोट में सर्वे नं० 37/42 पैककीं जमीन  
क्षेत्रफल 708 वर्ग यार्ड मकान राजकोट रजिस्ट्रेशन नं०  
848/85/फरवरी 1985।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 27-9-1985

मोहर:



प्रकृष्य आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3861—अतः मुझे, जी० के०  
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मेदार सं० रजिस्ट्रार मीलकत एफ० पी० नं० 827 पार्ट  
टी० पी० ए० नं० 3 है। तथा जो क्षेत्रफल 736 वर्ग यार्ड  
कोवरब में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्ति में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भारतन्द्रराय गंगाशंकर शास्त्री और सात अन्य  
प्रीतिमनगर फर्स्ट ब्लॉक नजदीक अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री बाबूभाई अलीमाई शेख और श्रीमती फातमा  
बीबी बाबूभाई शेख गायकवाड़ी हवेली के सामने  
डील्लीवाला ब्लॉक रायखंड अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार मीलकत एफ० पी० नं० 828 पार्ट-2 टी०  
पी० ए० नं० 3 क्षेत्रफल 736 वर्ग यार्ड कोवरब में अहमदा-  
बाद।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 27-9-1985  
मोहर :



प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3862--अम., मुझे, जी० के०  
पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० एन० नं० 3614, 152 प्रयोजन बिल्डिंग  
में चीनू भारीयार है। तथा जो नारायण मिनेमा के मामले  
आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय 37 आई आई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अहमदाबाद दिनांक 13-2-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसगुना  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसगुना प्रतिफल से, ऐसे दसगुना प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अंत-  
रिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विहित में  
से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य सम्पत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अचिनाथ एस्टेट ऑफर्स एसोसिएशन  
की ओर से मैगरे हथमुखेश्वर कन्दुवणन,  
फर्स्ट फ्लोर,  
चीनुभाई सेंट्रल आश्रम रोड,  
अहमदाबाद-7

(अन्तरक)

(2) श्री चैन कुंज कुमार गुलाटी  
तत्परीत कुंजकुमार गुलाटी  
ओरन्ट अनुयकुमार गुलाटी  
मानव अनुयकुमार गुलाटी  
के/ओ गोपानदाम गुलाटी

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी कार्रवाई :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

आप नं० 36, 151 और 152 प्रयोजन बिल्डिंग चीनुभाई  
शापर' नटशन मिनेमा के मामले, आश्रम रोड अहमदाबाद

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 27-9-85

मोहर :



प्रकृष्य आई. टी. एन. एच. :-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेशनं० पी० आर० नं० 3863--अतः, मुझे, जी० के०  
पंडया

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गायल सर्वे नं० 293-1, 2-3 पैकी ब्लाक  
नं० 378, 379, 380 है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 10725  
वर्ग मीटर 12870 वर्ग गार्ड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के  
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908) का 6 के अधीन अहमदाबाद दिनांक 15-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विकास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त कोई कर देने या कर देने करने में बाधा  
को लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी बाव या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
को लिए ?

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघुभाई चतुरभाई पटेल  
श्रीमती बबबेन इश्वरभाई चतुरभाई पटेल पत्नी  
शंकरभाई इश्वरभाई माता और मैनजर  
धमेन्द्रनाथ शंकरभाई पटेल  
एन० आर० प्रणान शंकरभाई पटेल  
और 10 अन्य (अन्तरक)
- (2) श्री जयंतीलाल भीखाभाई मोठ  
चेयरमैन---प्रयोजन समूह को० ओ० ह्या० सोमायटी  
और 26 मेम्बर्स  
जोधपुर टेकरा, सेटेलायट रोड,  
अहमदाबाद (अन्तरिती)
- (3) श्री प्रेमकुमार गुप्ता, केशीयार  
जोधपुर टेकरा,  
सेटेलायट रोड, अहमदाबाद  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री डी० बी० रमनलाल  
जोधपुर टेकरा, सेटेलायट रोड,  
अहमदाबाद  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

गायल सर्वे नं० 2913-1-2-3 पैकी ब्लाक नं० 378,  
379, 380 जमीन क्षेत्रफल 19725 वर्ग मीटर-12870  
वर्ग गार्ड

(जी० के० पंडया)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85

मोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3864--अतः मुझे जी० के०

पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 936 ए० बी० सी० डी० 2 क्षेत्र-  
फल 1852.55 वर्ग यार्ड है तथा जो कृष्ण नगर ऐरोडम  
रोड पर भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिधारी के कार्यालय  
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 22-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिव्यता  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाला चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
26--306G1/85

(1) मैमर्स मक्कर मन्त्रालय कम्पनी

भागीदार—प्रवीनचन्द्र हरजिबनदाम मक्कर

ऑल्ड मानसवाडी, प्लॉट नं० 136

पंचामृत, भावनगर

(अन्तरक)

(2) श्री जयजलाराम को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड

भावनगर

चेयरमैन—श्री भरतकुमार जयजीलाल उक्कर

720, छेरी रोड, भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 936 ए०, 936 बी०, 936 सी०, 936 डी०, 936 ई०  
क्षेत्रफल 1852.55 वर्ग यार्ड भावनगर कृष्णनगर ऐरोडम  
रोड

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 1, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85

मोहोर :



प्रथम भाग.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश पी० आर० नं० 3865—अतः मुझे जी० के० पंड्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टेनामेंट नं० 19 तुलसीवन को० ओ० हा०  
मोमायटी लिमिटेड में है। तथा जो जीवराज पार्क बेजालपुर रोड,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकार अधिकांश के कार्यालय अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन  
28-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कान्तीलाल बिठलदास मिस्त्री

1, अमृतबाग सोमायटी  
जीवराज पार्क, बेजालपुर रोड,  
अहमदाबाद-51

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजुबेन, बजाजी मरसीडजीकी पुत्री

19, तुलसीवन को० ओ० हा० मोमायटी लिमिटेड  
जीवराज पार्क,  
बेजालपुर रोड, अहमदाबाद-15

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

टेनामेंट नं० 19 तुलसीवन को० ओ० हा० मोमायटी लिमिटेड  
जीवराज पार्क बेजालपुर रोड, अहमदाबाद

जी० के० पंड्या  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज 1, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85

माहुर :



(अन्तरक)

(2) रामदेवप्रकाश को० आ० हा०  
मोसायटी लिमिटेड  
चेयरमैन—श्री अरविन्दभाई भगवानदास पटेल  
नानी खडकी रखीयाल,  
अहमदाबाद-4

(अन्तरितीं)

माहुर :



**प्रश्न क्रमांक : टी. एच. एच. -२०-१९७५**

भायकर मीथीनवन, 1961 (1961 का 43) को  
पाठ 269-ब (1) से सुधीन सुधना

**मातृसु सुखमाय**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० ३८६७—अतः मुझे जी० के०  
पंड्या

नाबकर गणिनिगम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसके पश्चात् 'उत्त गणिनिगम' कहा गया है, की भाग 269-ब के गणिन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेखपुर स्थानपुर एस टी० पी० एस० नं० 3 एस० पी० नं० 161/1/1 पहले मंजला आफिस नं० ए० 1295 वर्ग फिट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 12-2-85

अने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरही (अन्तरहीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित की आवश्यक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी काम की बाबत, उसका अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) इसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती धनलबेन लक्ष्मीदास पटेल  
कृष्णा निवास,  
गुजरात विधायी के तजदीक  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) नूतन नागरिक को० ओ० बैंक लिमिटेड  
ब्रिक्स्टोरिया जुबली अस्पताल के सामने,  
पाँचकुवा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां कराई हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि जब में समाप्त होती हो, के भीतर पत्राचार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्यायविस्तार के पात्र विधित में किन्हीं जा सकते हैं।

**समाजीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों की पक्षों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अथ यथावत्**

शेखपुर खानपुर सीम टी० पी० एस० नं० ३ एस० पी० नं०  
161/1/1, फर्स्ट फ्लोर ग्राफिस नं० ए० क्षेत्रफल 1295 वर्ग  
फिट ।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85  
मोहिर :



प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देशन नं० पी० आर० नं० 3868—अतः मुझे, जी० के  
पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० राजपुर शोरपुर सीम टी० पी० एम० 2, एफ०  
पी० नं० 45, शाप नं० 31 है। तथा जो नूतन गुजरात को० ओ०  
शाप एन्ड वेर हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड में स्थित है (और  
इसके उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री हजारीमः गमनानी शाह  
गीना निवास,  
पानी की टंकी के सामने  
साबरमती, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री पवनकुमार रामबिलास अग्रवाल  
बी-1 नवनीत अपार्टमेंट  
गुलबाई टेकरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रायपुर-हीरपुर सीम टी० पी० एम० नं० 2 एफ० पी० नं०  
45 शाप नं० 31, नूतन गुजरात को० ओ० शाप एन्ड वेर  
हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड अहमदाबाद।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 30-9-85  
मोहर :



प्रमुख आई.टी.ए.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### आवक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3869----अतः सुझे, जी० के०  
पंड्या,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 14-2 सीटी तालुका नरोडा टीपीएम 1  
एफ० पी० नं० 704, टेनामेंट है तथा जो नं० सी० पी० 60  
क्षेत्रफल कंस्ट्रक्शन एरिया 108 वर्ग यार्ड, इन्दिराबाग सोसायटी  
नरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
5-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंडाभाई पटेल  
15, प्रमाणिक सोसायटी  
समीप अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री देवकरन कानजी कर्वथा  
टेनामेंट नं० सी० बी० 1-60  
नरोडा प्रांतीय हाईवे  
इन्दिराबाग सोसायटी नरोडा,  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचने के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उसके पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि के पश्चात् संपत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरों के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 14-2 सीटी तालुका नरोडा टी० पी० एम० 1  
एफ० पी० 704 टेनामेंट नं० सी० बी० 1-60 क्षेत्रफल  
कंस्ट्रक्शन एरिया 104 वर्ग यार्ड इन्दिराबाग सोसायटी नरोडा  
प्रांतीय हाईवे

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-85  
मोहर :



प्रकृष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3870—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शॉप नं० 141, अपर प्लाजा पर चीन्-  
भाई टावर में है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने,  
आश्रम रोड़, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, 37-ईई० फाइल किया में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 1-2-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स अविनाश एस्टेट ओतर्स एसोसियेशन  
की ओर से मैसर्स हममुख शाह एन्टरप्राइज,  
फर्स्ट फ्लोर, चीन्-भाई मेन्टर,  
आश्रम रोड़,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

1. मै० काशीबेन नागायणदाम पटेल,  
के०/आफ एन० राजाराम,  
रतनपॉल,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शॉप नं० 141 अपर प्लाजा पर चीन्-भाई टावर में  
नटराज सिनेमा के सामने आश्रम रोड़, अहमदाबाद।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3871—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ओफिस नं० "सी० सेकन्ड फ्लोर "शालीन"  
बिल्डिंग है तथा जो आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37-ईई० फाइल  
क्रिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 13-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० चिमनलाल एस्टेट ग्रोनर्स एसोमियेशन  
की ओर से मेमर्स हममुख शाह एन्ड एसोमियेट,  
फर्स्ट फ्लोर,  
चीनूभाई सेन्टर,  
आश्रम रोड,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मै० गुजरात कक्षर लेबोरेटरीज,  
क्यू०-14, टी० बी० इन्डस्ट्रियल एस्टेट,  
बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ओफिस नं० "सी०" सेकन्ड फ्लोर "शालीन" बिल्डिंग  
आश्रम रोड, अहमदाबाद।

जी० के० पंड्या

गक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1985

मोहर :



प्रमुख भाई, टी. एन. एल. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3872—अतः मुझे, जी०  
के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शोप नं० 153, फर्स्ट फ्लोर पर चीनूभाई  
टावर से है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने आश्रम रोड़,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, 37-ईई०, फाइन सं० में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-2-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांति उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27—306GI/85

1. मेमर्स हुसमुख शाह एन्टरप्राइज,  
फर्स्ट फ्लोर,  
चीनूभाई सेंटर,  
आश्रम रोड़,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रचना कुंजकुमार गुलाटी,  
के०/आफ गोपालदास गुलाटी,  
कोमर्स कोलेज,  
फाल्गुन सोमायटी के सामने,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सच्चा  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शोप नं० 153 फर्स्ट फ्लोर पर चीनूभाई टावर में  
नटराज सिनेमा के सामने आश्रम रोड़, अहमदाबाद।

जी० के० पंडया  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1985  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3873--अतः मुझे, जी०

के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचित करने का अवसर है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिम नं० 1 सेकंड फ्लोर पर चीनूभाई टावर में है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37-ईई०, फाइन क्रिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरक की गई है और मुझे यह विवेचित करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कभी करण या उक्त बचप में शेष का के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या जिनमें से परिभाषा की है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. मैजर्स हसमुख शाह एन्टरप्राइज,  
फर्स्ट फ्लोर,  
चीनूभाई सेन्टर,  
आश्रम रोड,  
अहमदाबाद-380009।

(अन्तरक)

2. मै० हुजोडवाला शरजिंग और  
टर्नेन्स प्राइवेट लिमिटेड,  
212, तुलसीभाई चैम्बर्स,  
नरीमन प्वाइन्ट,  
बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिम नं० 1, सेकंड फ्लोर पर "ए०" टावर, चीनूभाई टावर में, नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० 3874—अतः मुझे, जी०

के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शीत नं० 141 अपर प्लाजा पर चीनूभाई  
टावर में है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने आश्रम  
रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची  
से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी  
के कार्यालय, 37-ईई० फाईल किया में रजिस्ट्रार  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
भियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० अविनाश एस्टेट ओनर्स एसोसियेशन,  
की ओर से मेसर्स हनुमुख शाह एन्टरप्राइज,  
फर्स्ट फ्लोर,  
चीनूभाई सेंटर,  
आश्रम रोड,  
अहमदाबाद-880009।

(अन्तरक)

2. काशीबेन नारायणदास पटेल;  
के०/आ० एन० राजाराम,  
रतनपोल,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शीत नं० 141, अपर प्लाजा पर चीनूभाई टावर में  
नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1985

माहुर :



प्रकट बाई टी. एन. एच. ....

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आज्ञा सूचना

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3875—अतः मुझे, जी०  
के० पंडया,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शीप नं० 39 लोवर प्लाजा पर चीनूभाई  
टावर में, है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने आश्रम रोड,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के  
कार्यालय, 37-ईई० फाईल किया, में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24-1-1985

का पूर्वोक्त सर्पित के उचित बाजार मूल्य के कम के सम्मान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके सम्मान प्रतिफल से, ऐसे सम्मान प्रतिफल का  
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (मन्तरक) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस  
प्राप्त गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धि में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की प्राप्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उसके एवरे में सुविधा  
के लिए; गड़/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
का, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया  
गया बाध्य या डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स हनुमुख शाह एन्टरप्राइज,  
फस्टे फ्लोर,  
चीनूभाई सेंटर,  
आश्रम रोड,  
अहमदाबाद-380009।

(अन्तरक)

2. श्री जयकुमार नमचंद जैन,  
2465, मनेक चौक,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष ....

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शीप नं० 39, लोवर प्लाजा पर "चीनूभाई टावर में"  
नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-10-1985

महेश



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3876—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 83, लोवर प्लाजा पर चीनू-  
भाई टावर में है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, 37-ईई० में फाइल किया, में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
11-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सै० अविनाश एस्टेट ओनर्स एसोसिएशन,  
की ओर से मेमर्स रसमुख शाह एन्टरप्राइज,  
फर्स्ट फ्लोर,  
चीनूभाई सेन्टर,  
आश्रम रोड,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. पारी मगनलाल हीरालाल,  
मानिक चीक,  
अहमदाबाद-1।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पं० नं० 83, लोवर प्लाजा पर "चीनूभाई टावर"  
नटराज सिनेमा के सामने, अहमदाबाद।

जी० के० पंड्या

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-10-1985

माहुर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3877—अतः मुझे, जी०

के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शोप नं० 63 लोवर प्लाजा पर चीनूभाई टावर में है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने आश्रम रोड़, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37-ईई०, फाईल किया, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख-5-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स हसमुख शाह एन्टरप्राइज,  
चीनूभाई टावर,  
नटराज सिनेमा के सामने,  
आश्रम रोड़,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री वसंत गौडालाल सोनी,  
प्रीतम नगर,  
फर्स्ट फ्लोर,  
अंबालाल हीराचंद चाल,  
अहमदाबाद-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोप नं० 63, लोवर प्लाजा पर चीनूभाई टावर में,  
नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड़, अहमदाबाद

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 3-10-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मातृगत सरकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3878—अतः मुझे, जी० के०  
पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी नं० 1/2 ब्रीना विभाजित भोयर जमीन जमा  
मकान में क्षेत्रफल 508/5 वर्ग मीटर है तथा जो जमीन के  
बाहर टी० पी० एम० -3 एफ० पी० नं० 674/1 क्षेत्रफल-  
1017 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
जिन्होंने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारिख में कमी करने या उससे बचने में संधिधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जा सकता था, छिपाने में संधिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम:—

(1) श्री दिनेश चन्द्र अम्बा लाल चौकसी,  
के 'आफ मेन्चुरी बाजार अम्बावाडी ओवर्नस,  
को०आपरेटिव सोसाइटी (प्रोपोजड),  
2, हरिसिद्धि चैम्बर्स,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) प्रोपोजड मेन्चुरी बाजार अम्बावाडी,  
ओवर्नस को०आपरेटिव सोसाइटी,  
प्रोमोटर : श्री हरकिशन हेमराज,  
2 हरिपद चैम्बर्स,  
ई० वी०, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवाधक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछनाकारी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 बिन विभाजित किए भोर जमीन और मकान में  
क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी० पी० एम-3  
एफ पी० नं० 674/1 क्षेत्रफल 1017 वर्ग यार्ड

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-10-1985

माहूर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3879—अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 ब्रिन बहेणी किये गये जमीन + मकान के क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर है तथा जो जमीन के बाहर टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 674/1, 10/7 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिनेश चन्द्र श्रम्बालाल चौकसी, केयर आफ हेवी होम श्रम्बावाड़ी ओनर्स, को० आपरेटिव सोसाइटी प्रपोज्ड बेल्यू कम्पाउन्ड गान्धी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) प्रपोज्ड हेवी होम श्रम्बावाड़ी, ओनर्स को० आपरेटिव सोसाइटी, प्रमोटर—बंसीधर पुरोहित, बेल्यू कम्पाउन्ड, गान्धी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 ब्रिन बहेणी किये गये जमीन मय मकान 508.5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 674/1 क्षेत्रफल 1017 वर्ग यार्ड ।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-10-1985

मोहर :



प्रारूप भाई टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3880—अनः मुझे,

जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 1/2 बिन बहेचणी किए शेर जमीन + मकान में क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर है तथा जो जमीन के बाहर टी० पी० एन० सं० 3, एक० पी० नं० 674/1 1017 वर्ग याई में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे करने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बात का किसी धन या अन्य वास्तविकता, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित हूँ—

28—306GI/85

(1) श्री हरेंद्र श्रमवा नाल चौकसी,  
के०/आफ सेंचुरी बाजार श्रमवावाड़ी ओनर्स,  
को० आपरेटिव सोसाइटी प्रोजेक्ट,  
2 हरिसिन्धु चेम्बर्स,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(2) प्रोजेक्ट सेंचुरी बाजार,  
श्रमवावाड़ी ओनर्स को० आपरेटिव सोसाइटी,  
प्रमोटर हरकिशन हेमराज,  
2 हरिसिन्धु चेम्बर्स,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाईयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में सभाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के वास्तविकता में किए जा सकेंगे।

संकीर्ण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 बिन बहेचणी किए शेर जमीन + मकान में क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी० पी० एन० 3, एक० पी० नं० 674/1, क्षेत्रफल 1017 वर्ग याई

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-10-1985

मोहर



प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3881—अनः मूझे, जी० के०  
 पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 बहेचणी किए शेर जमीन + मकान  
 में क्षेत्रफल 508.5 है तथा जो वर्ग मीटर जमीन टी०  
 पी० एम० 3 पर एफ० पी० नं० 674/1 क्षेत्रफल 1017 वर्ग गार्ड  
 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद  
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत  
 से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
 तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
 से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब के अनुसार  
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपभाग (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्री हरेन्द्र शम्भालाल चौकसी,  
 के/आफ हेची होम शम्भावाड़ी ओनर्स,  
 को० ओ० हा० सोमाइटी प्रपोज्ड,  
 बेलोप्यु कम्पाउन्ड,  
 गांधी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने,  
 एलिसब्रिज, अहमदाबाद ।

(2) श्री प्रपोज्ड हेची होम शम्भावाड़ी  
 ओनर्स का० ओ० सोमाइटी  
 प्रमोटर : प्रमोद बंसीधर पुरोहित,  
 बेलोप्यु कम्पाउन्ड,  
 गांधी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने,  
 एलिसब्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

अनुसूची

1/2 ब्रीन बहेचणी किए शेर जमीन मकान में  
 क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी०  
 पी० एम० 3, एफ० पी० नं० 674/1, क्षेत्रफल 1017  
 वर्ग मीटर ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-10-1985

गोहर :



रूप आई. टी. एन. एन. ....

- (1) हेनराम हरगोदनदास,  
हनुमान गली, बम्बई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

- (2) खंडुभाई छीनुभाई पटेल,  
श्रीनिकेतन सोसाइटी, सूरत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी०आर० नं० 3782/II/85-86-- अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमती सं० दुकान नं० एन. 8 बाम्बे मार्केट है तथा जो  
उमरवाड़ा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 25-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के  
प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथात्तः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उत्तम्बनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
बराबर बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

दुकान जो सूरत में स्थित है सब रजिस्ट्रार, सूरत में  
1800 नं० पर दिनांक 25-2-1985 में रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-9-1985

मोहर :



प्रकरण जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3783/II/85-86— अतः

मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० एल-3 अम्बई मार्केट है तथा जो उमरवाड़ा सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विनियम भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिनिर्णय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बाब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रोयल सिल्क मिल्स,  
प्रो० ईकबाल हाजी इस्माईल,  
गोपीपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) हरीण टेक्सटाईल्स,  
अमृत लाल नानालाल,  
सलतन्त पुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान जो उमरवाड़ा, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 1898 नं० पर दिनांक 26-2-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-9-1985

हरमो :



प्रूप माई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3784/II/85-86— अतः  
मुझे; जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, रिंग रोड, सूरत में है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, तारीख 18-1-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या लिखत में सुविधा के लिए;

धारा 43, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स संजीव प्रसाईजेस को-आप० सोसाइटी,  
किन्नरी मिन्मा,  
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश  
कृष्ण क्लॉथ मार्केट  
चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो सूरत में स्थित है। फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय में दिनांक 18-1-1985 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-9-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3785/II/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० जे० 408, इण्डिया टैक्सटाइल्स मार्केट  
है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन  
तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिस्थितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिम्मेदार  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स सजीव प्रमाइसेज को०-आप० सोसाइटी  
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार,  
मार्फत सवेरा मोतीलाल,  
बिहार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37 ईई पर कार्यालय में दिनांक 18-1-1985  
को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर :



प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3786/II/85-86---अतः  
मुझे, जी० के० पंडया

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 703, रिंग रोड है तथा जो  
मुरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन  
तारीख 31 जनवरी, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मै० मंजीव प्रमाईसेन को०  
आपरेटिव सोसाइटी, रिंग रोड,  
मुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री राज गोपाल सीता राम चौधरी,  
मार्फत चिरंजी लाल सीताराम,  
कम्पकता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

37 ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 31-1-  
1985 को पेश किया गया है ।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :

तारीख : 6-9-1985

अर्जन :



प्रकृष्ट वादः टी. एन. ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3787/IJ/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे-604 है तथा जो रिंग रोड,  
मूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन  
तारीख 31 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंदहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-  
कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मं० संजीव प्रमिसेस को०  
आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
नजदीक किन्नरी सिनेमा  
मूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुधीर परपोत्तम खेतान,  
कवि अपार्टमेंट्स,  
वर्ला, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 31 जनवरी,  
1985 को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-9-1985

मोहर



प्रारूप. अधि. टी. एन. एस्., - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3788/II/85-86—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० जे-308, दण्डिया टेक्सटाइल मार्केट  
है तथा जो रिंग रोड, मुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
37-ईई के अधीन तारीख 30 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित तद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) वस्तुतः से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में ग्राहक  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
से, बिना भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से  
वर्षा की विधि।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29-306GI/85

(1) श्री संजीव प्रमिसस को० प्रापरेटिव  
हाउसिंग सोसाइटी, रिंग रोड,  
मुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री बिहारी लाल परमराम,  
वर्धा रोड, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी  
व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37-ईई पर कार्यालय में 31 जनवरी,  
1985 में पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3789/II/85-86---अतः  
मझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे०:407 है तथा जो रिंग रोड है तथा जो मूरत  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्री-धनी अधिबारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन तारीख 18-1-  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, पकड़ने में सविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० संजीव प्रिमिस्टा को०  
आपरेटिव साभाइटी,  
मूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता देवी,  
मार्फत स्वरा मांती हिल,  
मुजफ्फरपुर, बिहार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

37 ईई० का फॉर्म यह कार्यालय में दिनांक 8-1-85  
को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1985

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3790/11/85-86— अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे० 307, रिंग रोड, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इगम उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37ईई के अधीन, तारीख 30-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसमें दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की भाव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की दायित्व में कमी करने या उल्लेख करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन है :—

(1) संजीव प्रिमाईजेस को०-आप० 2 सोसाइटी,  
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री विहारी लाल परमराम पुरीआ,  
17/18, रविराज वर्धा रोड,  
नागपुर-12

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई फार्म पर कार्यालय में दिनांक 30-1-1985 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1985

मोहर :



प्रकृष बाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3791/11/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 444, रिंग रोड है तथा जो मुरत  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन तारीख 28-1-1985  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उक्त करने से सुविधा की लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारा 2—

(1) मेसर्स शांति बिल्डर्स

अजन्ता शापिंग और टेक्सटाईल,  
रिंग रोड, सुरत

(अन्तरक)

(2) श्री श्यामसुन्दर लडीया,

डेडी थोड अगियारी,  
बम्बई-2

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

37ईई फार्म पर कार्यालय में दिनांक 28-1-1985 में पेश  
किया गया है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1985

मोहर :



प्रकाश माह' टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

द्वारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1985

(1) मेसर्स शांति बिल्डर्स,  
रिंग रोड, सूरत

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एम० टी० गांधी एण्ड क०  
सूरत टेक्सटाईल मार्केट,  
रिंग रोड, सूरत

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवर्गी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के शेष  
व्यक्तियों में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निदेश सं० पी० आर० नं० 3792/11/85-86—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 638, अजन्ता शापिंग सेन्टर,  
इतथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावृत्त  
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के  
अधीन, तारीख 28-1-1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का बहुत  
अतिरिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
अतिरिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रेषित  
ने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कर्तव्य है कि किसी व्यक्ति का नाम जो वास्तविक रूप  
से अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

प्रनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

कार्य नं० 37ईई पर कार्यालय में दिनांक 28-1-1985  
को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत :

तारीख : 9-9-1985

मोहर :



प्रकृष बाई.टी.एन.एल.-----

बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3793/85-86— अतः  
मुझे, जी० के० पंडया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फार्म नं० 203, वर क्यूईन विल्डिंग है, तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, तारीख 28-1-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह गतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
शायी गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी या किसी बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हायिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियां  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अध०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बोनी इन्टरप्राइजेज  
402, केशव चेंबर्स,  
लालेट, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री सननभाई ए० सक्वरो,  
54 आशुतोष, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में 28-1-1985 में पेश किया  
गया है।

जी० के० पंडया  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1985  
मोहर :



प्रभु भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3794/II/85-86--- अन्तः  
मुख्य, जी० के० पंढ्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 602, रोडर खोल है तथा जो  
आध्या लाईन्स, सूत में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची  
में और पूर्णरूप में वर्णित है) गजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में गजिस्ट्रीयती अधिनियम 37ईई के अधीन तारीख  
28-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कार्यवाही में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, निपटारे में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मि० दिवीय सी० आर०,  
7-डी. विभा आर्टिस्ट,  
गोपीपुरा, सूत।

(अन्तरक)

(2) सी० इन्दरप्राईसीज,  
402, केशव चैम्बर,  
नालगेट, सूत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

37ईई का काम पर कार्यालय में 28-1-1985 में पेश किया  
गया है।

जी० के० पंढ्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-9-1985  
माहूर :



प्रकृष माह.टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3795/11/85-85—अतः

मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1533, 715 चौ० मी० फतेहगंज, बड़ौदा,  
है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा  
16) के अधीन तारीख 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भविष्य  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 8—

(1) केटी अमन्युअन डी कुज,  
रणछोड़ सोसाइटी (अन्तरक)  
टरभी रोड, बड़ौदा।

(2) श्री सरदारमिह गुरुदीन विह आनंद,  
'आनंद महल', प्रतापगंज,  
बड़ौदा

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभाहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 1456 नंबर पर दिनांक  
4-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 9-9-85

मोहर:



रक्षक. बाई. टी. एन. ए. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 85

निदेश नं० पी० आर० नं० 3796/2/85-86—अतः  
मुख्य, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 62-63, अनुभाग होम० मंटर, बड़ोदा-5  
है तथा जो बड़ोदा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के  
कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 19-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
एक प्रविष्टत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थित है  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने के दृष्टि  
से किए; जाते/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
दृष्टि से किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

30-306GI/85

(1) मै० आलोक एसोसिएट्स,  
बेधन अपार्टमेंट, सुभानपुरा,  
बड़ोदा-7

(अन्तरक)

(2) ननुभाई पटेल फॅमिली ट्रस्ट,  
अरुणादेय सोमायटी, बड़ोदा-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

महना जो बड़ोदा में स्थित है जिसकी कुल कीमत  
4,15,950/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ोदा में 1540  
नंबर पर दिनांक 19-2-85 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3797/2/85-86--अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 7 जोनपुर, बड़ोदा है तथा  
जो बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारियों के  
कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 28-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक में है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री शांतासरन राव भाई पटेल और,  
श्री शशीभाई उमेदभाई,  
बड़ोदा

(अन्तर 5)

(2) श्री रमासरन श्रवण कुमार गुप्ता  
88, संपतराय कालोनी  
बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जोनपुर, बड़ोदा में स्थित है। यह रजिस्ट्रार,  
बड़ोदा में 1782 नंबर पर दिनांक 28-2-85 में रजिस्टर्ड  
की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-85

मोहर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3798/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान-114, 102, चौ० वार, महेसाणा  
है तथा जो महेसाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, महेसाणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकर्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
दत्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) इसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री कान्तीलाल त्रिलोचनलाल और अन्य,  
महेसाणा

(अन्तरक)

(2) मै० दर्शन कारपोरेशन  
महेसाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो महेसाणा में स्थित है जिसका कुल मूल्य  
2,55,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार, महेसाणा में रजिस्टर्ड  
की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-85

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3799/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर० एस० नं० 427, जेतलपुर,  
बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शान्तिबाल भोगीलाल शाह  
तिरुपति अपार्टमेंट,  
बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) श्री नितिन कुमार रणछोड़भाई पटेल  
जुना पादरा रोड़,  
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्लॉट जो जेतलपुर बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल  
मूल्य 71890/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 1771  
नंबर पर दिनांक 27-2-85 में रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 23-9-85  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

(1) श्री शान्तिनाथ भोगीलाल शाह,  
तिरुपति अपार्टमेंट,  
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री अनीलकुमार जीवनभाई पटेल  
टागोरनगर, बड़ौदा

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी०आर० नं० 38/00/2/85-86—अतः

रू०, जी० के० पड़या,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 242 चौ० मी० नं० 45 है तथा  
जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 27-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से लिए अंतरित की गई है और इसके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के नियम तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नीयित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बावकर के द्वारा किसी नाम की बावक, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उचित करने के द्वारा  
नहीं किया; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बावकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्य नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, विधान में  
अधिनियम के लिए;

तब जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीयित व्यक्ति को, बर्खास्त:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
मिळित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**बदला**

प्लॉट जो जैतलपुर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा  
में 27-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पड़या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 23-9-85

साहू:



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हरेषाभाई ईश्वरभाई शाह  
रेसकोर्स रोड, बड़ौदा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) कमला पार्क अपार्टमेंट,  
निर्मलासरन हीमेलाल पोपट  
विट्टल सोसायटी नवापुरा,  
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3801/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लॉट 908, वी० सी० आर० एस०  
नं० 539 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो रेसकोर्स, बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार  
बड़ौदा में 1314 नंबर पर दिनांक 7-2-85 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबादतारीख : 23-9-85  
माहूर :



**इसके बाद 'डी.एन.ए.' के अनुसार**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज, अहमदाबाद**

**अहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 85**

निदेश नं० पी० आर० नं० 3802/2/85-86—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 581, आर० सी० रोड,  
बड़ोदा है तथा जो बड़ोदा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7-2-85

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वहापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्यमान  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया  
दृष्टिकोण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

**(क) वहापूर्व से पूर्व किसी भी समय की दृष्टि से, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के दृष्टिकोण से वास्तविक  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
की/वा**

**(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;**

(1) श्री हर्षदभाई दीश्वरभाई गेठ और अन्य  
रेमकोसे, बड़ोदा

(अन्तरक)

(2) कमलापाके अपार्टमेंट,  
श्रीमती निर्मलासरन हिमनलाल पोपट  
नवापुरा, बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**संक्षेपीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट जो बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य  
2,06,481/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में 114  
नंबर पर दिनांक 7-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया  
है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

नोट: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
अ, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जन :—

तारीख : 23-9-85  
मोहर :



प्रकाशक 41 एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## प्राप्त सूचना

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3803/2/85-86--अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट 10177 चौ० मी० इटोला है  
तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 27-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को कार्यालय  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भूय या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विपीनचंद्र प्रभाकर गुप्ता,  
प्राण-इटोला, जि० बड़ीदा

(अन्तरक)

(2) परमधाम को० ओ० हा० सोमायटी,  
इटोला, बड़ीदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के निम्न  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो इटोला, जि० बड़ीदा में स्थित है। सब रजि-  
स्ट्रार, बड़ीदा में 1762 नंबर पर दिनांक 27-2-85  
को रजिस्टर किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 23-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3804/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० टी० नं० 215, 463 चौ० मी०, चिखोदरा है तथा जो ता० गोधरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोधरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का संदृष्ट प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31—306GI/85

(1) श्री सुलेमान हाजी अब्दुलरेहमान और अन्य  
भाहेमदी मोहल्ला,  
गोधरा

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मोडर्न सीमेंट कुं०  
चिखोदरा ता० गोधरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोड जो चिखोदरा ता० गोधरा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, गोधरा में, दिनांक 23-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 24-9-85

माहूर :



मूल्य आदि. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3805/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नदेवाल भरुच, आर० एस० नं० 62/1 है तथा जो 62/3 भरुच में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरेन्द्रसिंह प्रभातसिंह यादव,  
निर्मलावहन हरेन्द्रसिंह  
नंदाव ता० कासेबाँ,  
जि० सुरत

(अन्तरक)

(2) नवजीवन को० ओ० हा० सोसायटी  
(1) किर्तकान्त शिवलाल शाह,  
(2) अमृतलाल केशवलाल मोदी  
नर्मदनगर टाऊनशिप,  
जि० भरुच

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो नंदेलाव में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, भरुच में 53 नंबर पर दिनांक 15-2-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 23-9-85  
मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3806/2---अतः मुझे,

जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० उमरवाडा, नं० 8 प्लॉट नं० 7 है तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के  
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 20-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री द्रोपदिसरन नारणवास,  
लक्ष्मी निवास, खार  
समाई

(अन्तरक)

(2) मै० तिरुपति विल्डर्स,  
हरेकृष्ण भवन, महात्मावाडी  
सलसतपुरा, सूरत

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 7 जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार  
सूरत में, 1595 नंबर पर दिनांक 10-2-85 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-85

मोहर :



हृदय बाई, टी. ए. एस. एल.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3807/2—अतः मुझे,

जी० के० पंड्या,

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, शाप नं० 1502 से 1503  
है तथा जो नानपुरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(1) श्री श्रीराम जटांगीरमी वसुता,  
केयर/आफ पटेल कार्पोरेशन,  
नानपुरा, सुरत

(अन्तरक)

(2) मं० पटेल कार्पोरेशन,  
नानपुरा, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए;  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिसमें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें  
सूचना के लिए;

जमीन जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सुरत में  
1445 नं० पर दिनांक 15-2-85 को रजिस्टर्ड किया  
गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नं०, मं० उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-9-85

मोहर :



प्रकट नम्बर: टी. एन. प्रकट-111111

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आहत सूचना

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3808/2/85-86-अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि आधार संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 4 सी०, रविताज अपार्टमेंट,  
है तथा जो आहवा लाईन्स, सुरत में स्थित है (प्रौर इससे  
उपाय अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 37ईई का 16 के अधीन 10-1-85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्राधान्यार्थ अंतरित होना प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सुविधा के लिए;

(1) मं० रवि एन्टरप्राइ  
राजेप्रवर अपार्टमेंट,  
अहमदाबाद, सुरत

(अंतरक)

(2) श्री कृष्णकुमार एस० बजाज  
केयर/आफ बजाज मिन्थेटिक्स,  
सुरत टेक्सटाइल्स, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बायोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में जनवरी 85 में पेश  
किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्याय :-

दिनांक : 27-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० अर० नं० 3809/2/85-86 अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० टी० 21, बोम्बे टेक्स्टाईल मार्केट, है तथा जो उमरवाडा, सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूँ में यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचित द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का मंग्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० सचबी शाह एन्ड कं०  
46, छिपा चाल, मुलामी साईपर,  
बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री शांतिलाल जीवराज,  
हीरा मोती अपार्टमेंट,  
नामावर मुख्य मार्ग,  
सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

दुकान नं० 21-टी०, जो बोम्बे मार्केट, सुरत में स्थित है सब रजिस्ट्रार सुरत में 8771 नंबर पर दिनांक 27-9-84 जो फरवरी 85 में प्राप्त किया है, रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 27-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) जोगली ब्रिडिंग ट्रस्ट,  
ट्रस्टी-दाबर कावरपी मोझी,  
नानपुरा, सूरत

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मै० किशोरकुमार भामभाई देसाई एण्ड कुं०  
सम्राट अर्पाटसैंट,  
सूरत

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3810/2/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नानपुरा नोंध नं० 533,  
534 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-2-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

मिलकत जो नानपुरा सूरत में 1687 नंबर पर दिनांक  
22-2-85 को रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-9-85  
मोहर :



### व्यापार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

व्यापार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3811/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन, अम्बा लार्न्स, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तिबो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रमोद जे. रामभाई देसाई,  
अम्बा लार्न्स,  
सूरत।

(अन्तरक)

(2) मै० त्रिपर्ण को० ओ० हा० सोसायटी,  
प्रयोजक जयासरन प्रकाशकुमार स्वामी,  
सेंसर होल नजदीक,  
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो अम्बा लार्न्स सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 1919 नंबर पर दिनांक 27-2-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 27-9-85

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3812/II/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी नं० फ्लैट नं० 6-ई, रविछाया अपार्टमेंट है तथा तथा जो अम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37EE का 16) के अधीन तारीख 9-1-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32—306GI/85

(1) मै० रवि एन्टरप्राइजेस,  
राजेश्वर अपार्टमेंट,  
अम्बा स्ट्रीट, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री मयंकभाई जे० मेहता,  
904, राजेश्वर अपार्टमेंट,  
अम्बा स्ट्रीट, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6-ई है, रविछाया अपार्टमेंट, सूरत में स्थित है। 37ईई का फार्म पर कार्यालय में 9-1-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 27-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3813/2/85-86—अनः

मुझे, जी० के० पंड्या,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजूरा वार्ड, प्लॉट नं० 54, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक स्थित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बावजूद भी कभी करने या उसके करने में विवश न लिए और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भू या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाष्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रत्येकवर्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विवश न लिए;

(1) श्री रणजीतसिंह उमरावसिंह ठाकुर  
नानपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) टिमसन इंडस्ट्रियल सिगमिक्स प्रा० लि०  
श्री पद्मालाल हीरालाल,  
लाल दरवाजा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्चन के संबंध में कोई भी आपेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो मजूरा, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 1330 नंबर पर दिनांक 12-2-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, भू-अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-9-85

मोहर :



प्रकृत बाई.टी.एन.एस. 4/2/85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयसि, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० नं० आ० नं० 3/4/2/85-86

—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजूरवाड, सं० नं० 478, प्लॉट नं० 54  
है तथा जो मुरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मर्यादित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उल्टे करने से स्विधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रणजीतसिंह उमरावसिंह ठाकुर,  
नानपुरा, मुरत ।

(अन्तरक)

(2) हिमसन टैकनो सर्विस प्रा० लि०  
पन्नालाल हीरालाल,  
गुंदीशेरी, मुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविकता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताधारी के बाद  
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

महसूली

मकान जो मजूरगेट, मुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार  
मुरत में 1331 नंबर पर दिनांक 12-2-85 को रजिस्टर्ड  
किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-1985

मोहर :



प्रकृष जाई. टी. एन्. एन्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3815/II/85-86 अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नंदवोल सं० नं० 41/2 है तथा जो ता० भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता के जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञापन में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बयान :-

(1) श्री नीलिनकुमार ठाकुरलाल चौकसी,  
सिविल लाईन, भरुच

(अन्तरक)

(2) मै० यूनाइटेड कंस्ट्रक्शन कं०  
मेडोव स्ट्रीट, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

37ईई धा फार्म यह कार्यालय में दिनांक 11-1-85 को पेश किया गया है ।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85

मोहर :



(1) श्री बसंतलाल सहायकुमार धोलासाई,  
मजूर, महाजन,  
नवसारी

(अन्तरक)

(2) श्री गजेन्द्रकुमार गोर्धनभाई  
शांतिनिकेतन सोसायटी,  
सरत

(अन्तरितो)

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सि-  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात को जानने, उससे निर्धारणयम को बर्धन कर देने के अन्तरण से सम्बन्ध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

मकान नं० 111 जां शांतिनिकेतन मोंसायटी सुरत में स्थित है। 1284 नंबर पर दिनांक 11-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का हिस्सा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्देशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था, छिपाने में सहिष्णुता के लिए;

जी० के० पंड्या  
मक्षम प्राधिकारी  
महायज आयाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-२, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-9-85  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 85

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3817/2/85-86-अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० मकान नं० 23 नूतन को० आ० सोसायटी प्लॉट नं० 23 है तथा जो नपमारी में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नपमारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेन मनुभाई देसाई  
नूतन को० आ० हा० सोसायटी  
नपमारी

(अन्तरक)

(2) श्री मंगनभाई बल्लभभाई पटेल और अन्य  
नूतन सोसायटी  
नपमारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो नूतन को० आ० हा० सोसायटी नपमारी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार नपमारी में 274 नंबर पर दिनांक 1-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85

मोहर :



प्रकरण : आई. टी. एन. एन. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मितम्बर 85

निदेश नं० पी० आर० नं० 3818/85-86-अतः

मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० प्लॉट नं० ए० 6 आर० सी० दनरोड़  
बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
37ईई का 16) के अधीन 28/2/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वांछित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मै० विनोद बिन्दर्स,  
दालमेल हाउस,  
बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दनबहन चुनिनाल शाह,  
बड़ौदावाला मार्ग,  
बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्साम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37ईई यह कार्यालय में दिनांक 27-2-85  
को पेश किया गया है।

(जी० के० पंड्या)

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 30-9-85

आह्वान 2



प्रमुख सचिव, टी. एन. एड.-----

(1) मै० जडेमान प्रा० लि०  
बम्बई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3819/2/85-86---अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदवाक्य 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी पं० 61 हरिभक्ति कालोनी, पादरा रोड है  
तथा जो बड़ौदा में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन फरवरी-85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
हय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या किया जाना चाहिए या लिपिबद्ध हो सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) श्रीमती रुनुदाम गुप्ता,  
हरिभक्ति कालोनी,  
बड़ौदा

(प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो हरिभक्ति कालोनी बड़ौदा में स्थित है।  
सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में फरवरी 85 को रजिस्टर्ड किया  
गया है जिसकी 2,25,000/- रुपये मूल्य है।

(जी० के० पंड्या)

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3820/2/85-86—अतः

भुक्त, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 44 प्लॉट नं० 78 सूरत में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का उन्मूल्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब क अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्नात :—

33-306GI/85

(1) श्री यान्तीलाल मोरारजी देसाई  
श्री योगेश चम्पलाल  
बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री मनीश डाह्यालाल चौक्सी  
दसेमुख मार्ग,  
बम्बई

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अवधि

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 1944 नंबर पर दिनांक 27-2-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85  
मोहर :



प्रकट वार्ड. टी. एन. एच.

(1) मै० ईस्टमैन फ्रिम्पर्स लि०  
डा० ऐनीब्रमन्ट मार्ग,  
बम्बई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मितम्बर 1985

निवेदन नं० पी० आर० नं० 3825/2/85-86-अतः  
मुझे जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
हस्ताक्षरों के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 107 और 108 है तथा जो  
मीनवसा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मीनवसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 11-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विचार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
वर्षा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस  
बाब गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कथित न  
कही करने या उससे पहले के सूचना के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-  
गार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था स्थानों में सविधान के  
लिए;

(2) मै० विनोद कुमार एन्ड कुं०  
दालमेल टावर नारायण पार्सिस्ट,  
बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक .

(क) इस सूचना के पक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के पक्ष में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकथितकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों की वही व्याख्या, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्त होगी, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो मिनवसा में स्थित है। यह रजिस्ट्रार मिनवसा  
में 31 नंबर पर दिनांक 11-2-85 को रजिस्टर्ड किया  
गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

वचन: कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धित :-

तारीख: 30-9-85  
मोहर:



रूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3822/2/85-86-अतः

मुझे जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
, और जिसकी सं० नं० 1973 के० पैकी माटर रोज, सूरत  
है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 15-2-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
अंतरितीयों के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावए, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावए  
में कमी करने या सबसे कम से मूल्य का लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्नुलाल मोतीलाल खोडपाला  
नानपुरा, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल खेचरदास  
किरम अपार्टमेंट,  
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध के समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में  
15-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-9-85

मोहर :



## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1986

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर, 1985

क्र० को० 7/4/85-प०-1(ख)—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के बल सेना, नौसेना तथा वायुसेना स्कांधों में प्रवेश हेतु, जनवरी, 1987 से आरम्भ होने वाले 77वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 15 मई, 1986 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होगी।

**विशेष ध्यान—**उम्मीदवार को आवेदन पत्र के कालम 7 में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं के लिए बरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी बरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी बरीयताओं पर पूरी सति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं सेवाओं पर उनकी नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा जिन के लिए वे अपनी बरीयता व्यक्त करते हैं अन्य सेवा या सेवाओं पर नहीं। उम्मीदवार द्वारा अपने प्रपत्र में पहले निविष्ट बरीयता में वृद्धि/परिवर्तन के अनुरोध को आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

आयोग द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यक्रमों, (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट 1, 2 और 3 में विस्तार से समझाया गया है।

**टिप्पणी :—**परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए छपया परिशिष्ट 5 में “उम्मीदवारों को सूचनायें विवरणिका” देख लें।

2. परीक्षा के केन्द्र : अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिबश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (नीचे पैरा 11) देखिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बन्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उक्त केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा

आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा। किन्तु 15 अप्रैल, 1986 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार या तो—

1. भारत का नागरिक हो, या
2. भूटान की प्रजा हो; या
3. नेपाल की प्रजा हो; या वह
4. भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो; या
5. भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार); जाम्बिया, मलावी जेरे तथा इथोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग 3, 4 और 5 के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

(ख) आयु सीमायें, लिंग और वैवाहिक स्थिति : केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म, 2 जुलाई, 1968 से पहले का हुआ पहली जनवरी, 1971 के बाद का न हो।

**टिप्पणी :—**जन्म की तारीख केवल बही मास्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सैकण्ड्री या समकक्ष परीक्षा प्रभाग पात्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यतायें : राज्य शिक्षा बोर्ड या मास्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की हायर सैकण्डरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्हें अभी हायर सैकण्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 26 दिसम्बर, 1986, तक अपने मैट्रिकुलेशन एवम् या हायर सैकण्डरी या समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल रूप में सेना-मुख्यालय रिक्रूटिंग 6 (एस.पी.) (ए.) बेस्ट ब्लॉक, 3 आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करते पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी। ऐसे मामलों में जहाँ बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा, अभी तक प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा, दिए गए मूल-प्रमाण पत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियाँ/फोटोस्टेट, प्रतियाँ स्वीकार नहीं की जायेंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियमों निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर, भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएँ हों आयोग के विचार से जिनका स्तर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहरता हो।

**टिप्पणी 1 :—**वे उम्मीदवार जिन्हें हायर सैकण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी तक अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर



लें, कि उनको दी गयी यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय, परीक्षा के वेर से आयोजित किये जाने, परिणाम घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बन्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

**टिप्पणी 2 :—**जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ वेब शुल्क :—रु० 28.00 (अट्वाइस रुपये)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

5. शुल्क से छूट :—(1) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रजनन कर आया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, भारत प्रजनन कर चुका था या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) घल सेना के जूनियर कमीशन अफसरों, नान कमीशन अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और घलसेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन अफसर, भूतपूर्व नान-कमीशन अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तें पूरी कर देते हैं, अर्थात् :—

- (1) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से ज्ञात) / सैनिक स्कूल, सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (2) उनके आवेदन सम्बन्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा, इस अनुशंसा के साथ अग्रेषित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

**टिप्पणी :—**मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा, अग्रेषित आवेदन-पत्रों की संवीक्षा आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जायेगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त, नोटिस के पैरा, 5 (2) के अन्तर्गत शुल्क से छूट के हकदार है। किन्तु मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल के विद्यार्थियों के आवेदन-पत्र आयोग को अग्रेषित करने के पहले संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों के कृताकृतों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

6. आवेदन कैसे किया जाए :—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा मई, 1986 के लिये निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिए जायेंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011।

को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं :—

1. संघलोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपये मनीआर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर दाय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा ;
2. दो रुपये तक देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर ;
3. निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिट्री एरिया/सब-एरिया मुख्यालय/वायु सैनिक चयन केन्द्रों, एन० सी० सी० एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों से निशुल्क।

आवेदन-पत्र तथा पाठ्यता काई उम्मीदवार अपने हाथ से ही स्याही या बालपैन से भरे सभी प्रविष्टियां शब्दों में होने चाहिए रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय ग्रंथों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3 आदि) का ही प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी ग्रंथों में लिखी हो तो भी उम्मीदवार यह धुनिश्चित कर लें कि वह जो आवेदन-पत्र प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय ग्रंथों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग करे। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों, यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र यादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में वेर से पहुंचे तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। भले ही वह नियोक्ता की साखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

लोक उन्नयनों में सेवारत व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग/अध्यक्ष को लिखित रूप में सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि यदि आयोग को उम्मीदवारों के नियोक्ताओं से कोई पत्र उम्मीदवारों की परीक्षा हेतु आवेदन करने/प्रविष्टि होने से रोकने के लिए प्राप्त होता है तो ऐसी स्थिति में उनके आवेदन-पत्र को अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवारत हैं, उन्हें अपने आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग ऑफिसर को प्रस्तुत करने चाहिए जो पृष्ठांकित (आवेदन-पत्र के भाग "ख" के अनुसार) का पूरा करके आयोग को अग्रेषित करेंगे।

**टिप्पणी :—**भारतीय नौसेना के नाविक (बाल या कारीगर प्रशिक्षु सहित) पहला तरजीह भारतीय नौ सेना को है उनके आवेदन पर तभी विचार होगा जब वे कमान ऑफसर द्वारा विधिवत् अनुशासित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से ज्ञात) बेहराबून के कैंडेटों, मिलिट्री स्कूल (पहले किंग जार्ज के स्कूल के नाम से ज्ञात) तथा सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालेज स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से; अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।



7. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 30 दिसम्बर, 1985 (30 दिसम्बर, 1985) से पहले किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उपमंडल, अजमात और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले और जिसके आवेदन-पत्र उपर्युक्त में से किसी भी क्षेत्र से आवश्यक प्रलेखों सहित डाकू द्वारा प्राप्त होते हैं उन उम्मीदवारों के मामलों में 13 जनवरी, 1986) तक या उससे पहले डाक द्वारा भवश्यक भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउण्टर पर धाकर जमा कर दिया जाए। निर्रित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंबा जिले के पांगी उपमंडल, अजमात और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहता है इस बात कालिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 30 दिसम्बर, 1985 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उपमंडल, अजमात और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी 1:-- जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु प्रतिरिक्त समय के हकदार हैं। उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पते में प्रतिरिक्त समय के हकदार हलके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप में निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें प्रतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार को गलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउण्टर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

8. प्रलेख जो आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत किए जाएं:--

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:--

1. रु० 28.00 (अट्टाईस रुपये) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिए भेजा जाए।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

टिप्पणी 1:-- उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की गिछली और भिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर की गिछली और इन प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के प्रागन के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि

जैसे भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस अनुरोध के साथ जमा करे जिसे वह "051 संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेज दे।

2. आयु का प्रमाण-पत्र:--आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो।

उम्मीदवार पूर्वोक्त मैट्रिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण-पत्र की द्वाया प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तुत करें। किन्तु जिस उम्मीदवार ने हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह हायर-सैकेण्डरी परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की दो अनप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत कर सकते हैं।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मपंजी, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिन्सिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म तारीख वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथानिर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन प्रपत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बन्ध प्रबिष्टि वाले पृष्ठ को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3. उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. शैक्षिक योग्यता के प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां:-- उम्मीदवार को इस आशय के प्रमाण-पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए



कि उसके पास वैरा 3 (ग) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा उसके इस प्रकार अर्जित करने की सम्भावना है कि वैरा (ग) में विहित तारीख तक इसकी उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए वह सही हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्राप्ति/प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत नहीं की जाती हैं तो उम्मीदवार को उनके प्रस्तुत न करने की बजाय बतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इससे पर्याप्त मामले के लिए बाध्य नहीं होगा।

(4) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।

5. उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी तीन प्रतियाँ जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

6. लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे, जिन पर प्राप्त का पता लिखा हुआ हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा :—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में जहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिशिष्ट में (क) पर दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि।

जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करता है तथा जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अन्य किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रजनन कर चुका है उसे अपने दावे के समर्थन में परिशिष्ट IV में (ख) पर निर्दिष्ट प्रपत्र में प्रमाण-पत्र की अनुप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी है।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

(1) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्राप्ति/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान विस्थापित व्यक्ति :

(1) वणिकारण परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

अथवा

(2) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

(3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(4) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब डिवीजन की सीमा तक।

अथवा

(5) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :—

श्रीलंका में भारत का उच्चायोग।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय राजदूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह रह रहा हो।

(घ) तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति

(1) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केंद्रों या राहत शिविरों के शिविर कमांडेंट।

अथवा

(2) जिस इलाके का वह फिलहाल निवासी है वहाँ का जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(3) अपने जिले में शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(4) अपने प्रभार के अंतर्गत सब-डिवीजन के अंदर सब-डिवीजनल अफसर।

अथवा

(5) उप-शरणार्थी—पुनर्वास—आयुक्त।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे आवेदन-पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण पत्रों की अनुप्राप्ति/प्रमाणित प्रतियाँ पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।

9. शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को प्रेषित किया गया शुल्क वापस करने की किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता है और न वह किसी दूसरी परीक्षा या व्यय के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है :—

(1) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (पंद्रह रुपए) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर मैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ या हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा, तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(2) जो उम्मीदवार मई, 1985 अथवा दिसम्बर, 1985 में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी, भागों के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28.00 (अठ्ठाईस



रूप) का शल्क वापस किया जा सकता है, पर वह जरूरी है कि मई, 1986 की राष्ट्रीय रक्षा अध्यावसी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 29 अगस्त, 1986 या उससे पहले पहुँच जाए।

10. आवेदन-पत्र की पावती—आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र की जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र सम्मिलित है, पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन-पत्र पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार की उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अंदर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य को कि उम्मीदवार का आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह दर्शा नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार से पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. आवेदन का परिणाम—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश—किसी उम्मीदवार की पावता या प्रत्युत्पत्ता के संबंध में तब तक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम हीगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छपाएं। उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गए/जाली प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दोष या अधिक प्रलेखों में या उनको अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई भ्रष्टाचार या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कदाचार का बोधी बोधित होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्थग प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रत्यस्त करना; या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (5) भ्रष्टाचार या असत्य वस्तुस्थिति देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या भ्रष्टाचार लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (7) परीक्षा के समय भ्रष्टाचार तरीके अपनाना; या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो प्रश्नोत्तर भाषा या अक्षर आशय की हों; या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना; या

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाना; या

(11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना; या

(12) उपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना।

यह अपने को वृद्ध-अभियोजन का शिकार बनाने के प्रतिरक्षित :—

(क) आयोग की परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

अथवा

(ख) (1) आयोग द्वारा अपनी किसी भी परीक्षा या तयन के लिए;

(2) केंद्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्त के लिए स्थायी रूप से या कुछ निविष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर से० ब० बोर्ड के साक्षात्कार में प्रवेश प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें साक्षात्कार के तुरंत बाद अपनी प्राथमिकता योग्यताओं प्राप्ति के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्र मुख्यालय, द्वार० टी० जी०-6 (ए० पी०), (ए०) मेट्रॉपॉलिटन द्वार० के० पुरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे।

15. आवेदन के सम्बन्ध में पत्र-व्यवहार—आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, सब लोक सेवा आयोग, बोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना
- (3) आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
- (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

विशेष ध्यान :— (1) जिन पत्रों में ऊपर का अधीन नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

(2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है या इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमिक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र प्राप्ति आवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिए जाएं। पत्रों में जो भी परिवर्तन हों उसे ऊपर के पैरा 16 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथासंभव सूचित कर देना चाहिए।



सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए प्रायोग द्वारा अनुशासित उम्मीदवारों ने प्रगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिज्यूटिंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3 विंग-1 रामा-कृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन धनुषों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के बारे से बंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस सम्बन्ध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेवारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पुछताछ :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुसूचित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पुछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिज्यूटिंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को देजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुँचना है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिज्यूटिंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को वे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार सम्भालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेवारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा :—योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार—अंतिम परिणामों की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश :—संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में प्रायोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार भौतिक तथा व्यक्तिगत परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हजरि होंगे जहाँ पक्ष सेना-नीसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायु सेना के उम्मीदवारों का पाइलट एंटीक्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हजरि होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके पक्षस्वरूप प्रगर उनको कोई चोट पहुँचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हक्कार नहीं होंगे बावजूद कि किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के भाता-पिता या अभिभावकों को इस प्रणाली के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु पक्ष सेना/नीसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा तथा (2) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में प्रलग-प्रलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि प्रायोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जायेंगे और वायुसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा, (2) अधिकारी क्षमता परीक्षण, (3) पायलट एंटीक्यूट

परीक्षण में प्रलग-प्रलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि प्रायोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेंगे। इन बातों पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम तम में दो प्रलग-प्रलग सूचियों में—एक पक्ष सेना तथा नीसेना के लिए और दूसरी वायु सेना के लिये—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा के सभी अंगों के लिये अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पक्ष सेना तथा नीसेना के विंगों में प्रवेश के लिए अंतिम चयन पक्ष सेना तथा नीसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा और वायुसेना विंग में प्रवेश के लिए अंतिम चयन वायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जायेगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से चुन लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

विशेष ध्यान :—वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एंटीक्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त प्रेक्ष वायु सेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट एंटीक्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायु सेना विंग या जनरल इयूटीज (पायलट) ब्रांच या नेवल एयर आर्म में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० अकादमी कोर्स में पायलट एंटीक्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायु सेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

प्रलग-प्रलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जायें इस बात के निर्णय प्रायोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पक्ष-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अनर्हताएँ :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश या चुके थे पर अधिकारी सुलभ विशेषताओं के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने—अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्त पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबन्ध :—उमीदवारों को इस बात का ध्यान देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बावशादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा। बावजूद उस परीक्षा में या अगली किसी



परीक्षा में भले ही सकल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में भागी कर लेगा उसे वापिस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो बैसा खर्च किया है वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21. संघ लोक सेवा आयोग ने 'संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका' शीर्षक से एक समूह्य पुस्तिका छपी है इसका यह उद्देश्य है कि इससे सं० लो० से० आ० की परीक्षाओं या जयनों के भागी उम्मीदवारों की सहायता मिल सके।

उक्त पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इसे वहां से सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर लिया जा सकता है। यह पुस्तिका केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिचोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी ब्लॉक, बाबा खड्क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 पर प्रकाशन शाखा के बिन्की काउण्टर और (3) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० ए० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी मिल सकती है। उक्त मैनुअल (विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ़्तसिल शहरों में स्थित एजेंटों के पास भी उपलब्ध है।

एम० बालकृष्णन, उप सचिव

#### परिशिष्ट-1

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

#### (क) परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

विषय	समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी . . . . .	2 घंटे	250
2. गणित प्रश्न-पत्र 1 . . . . .	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र 2 . . . . .	2 घंटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र 1 (विज्ञान) . . . . .	2 घंटे	200
प्रश्न-पत्र 2 (सामाजिक अध्ययन भूगोल तथा सामयिक मामले) . . . . .	2 घंटे	200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट-5 में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देख लें। प्रश्न-पत्र (परीक्षा पुस्तिका) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।

3. प्रश्न-पत्र में जहां भी आवश्यक होगा, केवल, तोल और माप की मीटरी पद्धति से सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जायगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हाथ में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

6. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (प्रश्न पुस्तिकाओं) के उत्तर लिखने के लिए केलकुलेटर प्रयोग में लाने की अनुमति नहीं है। अतः उन्हें केलकुलेटर परीक्षा भवन में नहीं लाने चाहिए।

#### (ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

अंग्रेजी:—अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके। पाठ्यक्रम में विभिन्न पहलू समाहित हैं जैसे व्याकरण और प्रयोग-विधि, शब्दावली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परख हेतु विस्तारित परिच्छेद की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता।

गणित

प्रश्न-पत्र-1

#### अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ—अनपूर्ण संख्यांक, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएँ, मूल संक्रिया—जोड़, घटाना, गुणा और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता—साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज, में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और मरानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्याएँ सिद्धांत—विभाजन की कलन विधि अभाज्य, और भाज्य संख्याएँ, 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन, गुणन/खण्डन, प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, युक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघुगुणकीय सारणियों का प्रयोग।

#### बीज गणित

आधारभूत प्रक्रियाएँ:—साधारण गुणनखण्ड 1 शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य, द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाय) दो अज्ञात राशियों में युग्मत समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युग्मत रैखिक समीकरण बनते हैं या एक चार में द्विघात समीकरण तथा उनके हल समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय, अयंजक तथा प्रतिबिम्ब तत्समक धातांक नियम।

#### त्रिकोणमिति

ज्या  $\times$ , कोटिज्या  $\times$ , स्पर्श रेखा जब  $—\times 0^\circ \leq \times \leq 90^\circ$ ।

ज्या  $\times$ , कोटिज्या  $\times$ , स्पर्श रेखा का मान क्योंकि  $—\times 0^\circ 30', 45^\circ 60',$  और  $90^\circ$ , सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

अंशाद्यों और दूरियों के सरल कोण।

प्रश्न-पत्र—2

#### ज्यामिति

रेखा और कोण, समान और समतल आकृति। निम्नलिखित पर प्रमेय:—

- (1) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण-धर्म।
- (2) समानान्तर रेखाएँ।
- (3) किसी त्रिभुज की भुजाएँ और कोण।
- (4) त्रिभुजों की सर्वांगसमता।
- (5) समरूप त्रिभुज।
- (6) माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन।
- (7) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म।
- (8) वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल है।
- (9) स्थानिक संयक।



**विस्तार कलन**

घनों, आयतों, समांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल उन प्राकृतियों के क्षेत्रफल जो इन प्राकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवाही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब, वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

**सांख्यिकी**

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। प्रासंगिकी निरूपण वारम्भारता बहुभुज, आयत चित्र, शलाकाचार्ट, पाई चार्ट आदि। अपरिष्कृत और सामूहिक आंकड़ों का परिकलन माध्य।

**सामान्य ज्ञान**

दो प्रश्न-पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र (1)—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होगा; और

प्रश्न-पत्र (2)—इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेधा और ज्ञान का पता चलता चाहिए।

**प्रश्न-पत्र—I****विज्ञान**

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र 1 में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा :—

(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियाँ। संहति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। आर्कमिडीज का नियम, दाब, वायुदाब मापी।

बिज की गति। वेग और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेगों। बल समांतर चतुर्भुज। पिंड का स्थायित्व और संतुलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

ऊष्मा का प्रभाव। तापमान का नाम और ऊष्मा। स्थित परिवर्तन और गुप्त ऊष्मा। ऊष्मा अभिगमन विधियाँ।

ध्वनि तरंगें और उनके गुण धर्म। सरल बाध यंत्र।

प्रकाश का ऋतुरेखीय चरण। परावर्तन और अपवर्तन गोलीय दर्पण और लेन्स, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत। बालक और अचालक। ओम नियम—I, साधारण विद्युत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। विद्युत शक्ति के माप। प्राथमिक और गौण सेल। एम्स-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांत।

सरल लोलक। सरल चिरन्ती। साइकल, उत्तोलक, गुब्बारा, पंप। हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मल फ्लास्क, ग्रामोफोन-टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलिस्कोप, माइक्रोस्कोप, नार्सिक विकसूचक तणित बालक सुरक्षा प्युज।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तत्त्व। मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीत सन्न और सरण रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण-धर्म।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन-डाई-आक्साइड की रचना और गुण धर्म। आक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल, क्षारक और लवण।

कार्बन—भिन्न रूप।

उर्बरक—प्राकृतिक और कृत्रिम।

साबुन, कांच, स्थाही, कागज, सीमेन्ट, पेंट, दियासलाई और गम पाउडर, जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु मुख्यमान और अणुभार अनुभाग संयोग-जकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव और ऊतकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और उसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान।

सामान्य महामारियाँ उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खाद्य—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाद्य का संघटन।

संतुलित आहार।

सौर परिवार। उल्का और धूमकेतु। ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ।

टिप्पणी :—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क),

(ख) और (ग) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

**प्रश्न-पत्र II**

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले)

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा :—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे-तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्र आन्दोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूबान सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व को प्रमाणित करने वाली शक्तियाँ, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमरीका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, रूसी क्रांति, समाज पर विज्ञान और औद्योगिक का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोकतंत्र समाजवाद, साम्यवाद वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसका प्राकृति और आकार, अक्षांश और रेखांश। समय। संकल्पना। अंतर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियाँ और उसके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भाव—चट्टानों और उनका वर्गीकरण।

अपक्षव—रासायनिक और भौतिक। भूबाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएं और ज्वार भाटे।

वायुमंडल और इसका संघटन। तापमान और वायुमंडलीय दाब, भू-मंडलीय पवन, चक्रवात और प्रतिचक्रवात आर्द्रता। द्रव्य और वर्षण जल-वायु के प्रकार।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।



भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक, वनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण। महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य वस्तुएँ।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विषय घटनाएँ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल-कूद से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।  
टिप्पणी :—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

#### बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवार की बुनियादी बुद्धि की जाँच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निदिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जाँच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जाँच के लिए हैं अपितु इनसे उसको सामाजिक विशेषताओं तथा सामायिक घटनाओं के प्रति विलंबस्वी का भी पता चलेगा।

#### परिशिष्ट-II

राष्ट्रीय रक्षा भकावमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक

मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जाँच करा लें।

सेवा खयम बोर्ड द्वारा अनुसूचित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। भकावमी या प्रशिक्षणशाला में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जायगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बना दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए सारणी रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है।

(क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी अशक्तता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।

(ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/बहिष्क बोध या वजन की कमी नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० (नौसेना के लिए 157 सें० मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें० मी०) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल तथा कुमायूँ के व्यक्तियों का

5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं।

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	15-16 वर्ष	16-17 वर्ष	17-18 वर्ष
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43.5	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.5	60.0	63.0
183	61.0	62.5	65.0

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नौसेना के लिए 6 कि० ग्रा० कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्तर माना जाएगा। किन्तु भारी हड्डियों वाले लंबे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अत्यधिक स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1 :—ऐसे मामलों में जहाँ चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर अपेक्षित मानक तक हो सकता है कद में 2.5 सें० मी० की छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—वायु सेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई, जंघा की लंबाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी :—

	न्यूनतम	अधिकतम
टांग की लम्बाई	99.00	12 00 सें० मी०
जंघा की लम्बाई	—	64.00 सें० मी०
बैठे हुए लम्बाई	81.50	96.00 सें० मी०

राष्ट्रीय रक्षा भकावमी के उम्मीदवारों की कम उम्र के कारण 5.0 सें० मी० तक ऊँचाई में 2.5 सें० मी० (न्यूनतम) तक टांग की लम्बाई में और 1.0 सें० मी० (न्यूनतम) तक बैठे हुए ऊँचाई में गुंजाइश दी जा सकती है बशर्त कि चिकित्सा बोर्ड ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीदवार में बढ़ोत्तरी हो सकती है और राष्ट्रीय रक्षा भकावमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक यह अपेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।

(घ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगा कर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने बूचक से लगा रहे और फीते का ऊपर का भाग पीछे स्कंध फलक



(शोल्डर स्लेड) के निम्न कोण (लोवर एंगल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है इससे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती को कोई रोग हो नहीं।

(क) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए। उम्मीदवारों की गीढ़ की हड्डी का एक्स-रे नेमी तौर पर नहीं किया जायगा। किन्तु मैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषज्ञ की सलाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।

#### बायु सेना के लिए मेरुदण्ड की हालत :—

(क) नीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत्त बायु सेना के लिए अयोग्य ठहराने वाला है :

(1) मेरुदण्ड या तिरछे जोड़ों की ऐसी बीमारी चाहे उसके वास्तविक लक्षण हों या न हों—जिसकी वजह से उम्मीदवार शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन सफलतापूर्वक न बिता सकता हो।

(2) प्रोलैप्स अंतराक शेरक बिज तथा उस घबस्था के लिए शल्य चिकित्सा।

(छ) मेरुदण्ड की पूरी मैदानिक जांच की जानी है जिसमें उसकी आकृति, स्थानिक कोमलता, यदि कोई है, मेरुदण्ड की हरकत आदि शामिल है। केवल हवाई कर्मी के कार्य के वास्ते उम्मीदवारों के लिए फिटडिंक केशरक का एक्स-रे (ए० पी०) तथा पाशिवक वृष्यता किया जाता है।

(ज) हल्का काईफोसिस या लोडोसिस जहाँ विरूपता मृषिकल से विचार्य देती है जहाँ दर्द की वह हरकत में रुकावट की शिकायत नहीं है, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।

(झ) विचार्य पड़ने वाले स्कोलिओसिस के या अन्य किसी तरह की असामान्यता या मेरुदण्ड की विरूपता का जो मामूली से अधिक हो—संदेह होने पर मेरुदण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाता है और परीक्षार्थी को विशेषज्ञ की सलाह हेतु प्रस्तुत करना है।

(ञ) एक्स-रे परीक्षा के बाद पाई गई निम्नलिखित अवस्थाओं में बायु सेना में प्रवेश हेतु अयोग्यता का कारण मानी जाएगी :—

1. मेरुदण्ड की ट्रिन्गलोसेटस बीमारी
2. आर्थराइटिस/स्पोन्डिलोसिस
3. काबपद्धति से यथामापित स्कोलिओसिस जो 15°, से अधिक हो।
4. मामूली से ज्यादा काईफोसिस/लोडोसिस।
5. स्पोन्डिलोसथेसिस/स्पोन्डिलिसिस।
6. ट्रानिएटिड (ग्युक्सिप्रपलपोसिस)
7. केशरक का संपीडन विभंग।
8. प्रवरमेन की बीमारी।
9. प्रवर्तनीय तंतकीय या परिसंचारी अघाव के साथ ग्रेव पर्युका।
10. मेरुदण्ड संबंधी अन्य असामान्यता यदि विशेषज्ञ का ऐसा मत हो।

(ट) उम्मीदवार मानसिक विरूपता या बोरे पड़ने का पिछला रोगी नहीं होना चाहिए।

(ठ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक काम से 610 सें० सी० की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सके। कर्णनासिका की पिछली या अबकी बीमार का कोई प्रमाण न हो।

बायु सेवा के लिये श्रव्यतामैतिक परीक्षण किए जाएंगे। 250 एच० जेड० 400 एच० जेड० के बीच की आतियों में श्रव्यतामैतिक कमी + 10 डेसिबल से अधिक नहीं हो।

(ड) हृदय या रक्त वाहिकाओं से संबंध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।

(इ) उदरपेशियां सुचिकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ण) यदि किसी उम्मीदवार को हूँनिया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हूँनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो और वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जखम भी पूरी तरह ठीक हो चुका है।

(त) हाइड्रोसिस, बैरिकोसिस या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।

(थ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमानता मिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।

(द) अशक्तता खाने या आकृति बिगाड़ने वाले चर्म रोग के होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत किया जाएगा।

(घ) उम्मीदवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना नौसेना के लिए ऐनक बिना 6/6, 6/9 और बायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 डी० तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी० (एस्टिमेटिज्म सहित) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा और येलमेस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी० पी० स्थल सेना के लिए सी० पी० 111 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नौसेना उम्मीदवारों के लिए एम० एल० टी० द्वारा सी० पी० तथा रात्रि दृष्टि की तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस आशय का प्रमाण-पत्र देना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रतौंधी आने का रोग नहीं हुआ है।

नौ सेना के उम्मीदवारों का दृष्टि मानक :—

दूर की दृष्टि—6/6, 6/6 तक शोध्य 6/9,

पास की दृष्टि—प्रत्येक आंख एन०-5,

वर्ण दृष्टि—एम० एल० टी० द्वारा सी० पी० 1।

अपेक्षाकृत अच्छी आंख में मायोपिया 0.5 डायोप्ट्रेस से बढ़े नहीं और हाइपर मेट्रोपिया 1.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और अपेक्षाकृत खराब आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

दृष्टि संबंधी पेशी संतुलन—मेडास रोड टैस्ट के साथ हेडोफोरिया निम्न से अधिक बिल्कुल न हो :—

(1) 6 मीटर पर—एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस।

(2) 30 सें० मी० पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस।

बायु सेना के लिए निम्नलिखित मानकदण्ड हैं :

दूर की दृष्टि	6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9
पास की दृष्टि	प्रत्येक आंख की एन०-1
वर्ण दृष्टि	सी० पी० (एम० टी० एल०)
ममीफैस्ट हाइपरमेट्रोपिया	2.00 डी० से अधिक नहीं
मायोपिया	000 कुछ नहीं
स्टिमेटिज्म	00+0.75 डी०



पेशी सम्मिलित :—

गेडडीक्स रोड टैस्ट के साथ हेटरोफोरिया निम्नलिखित में अधि हो :—

(1) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपर/हाइपो-फोरिया	1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
(2) 33 से० भी० पर	
एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपर/हाइपो-फोरिया	1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
द्विनेत्री दृष्टि	अच्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है (क्यूजल तथा स्वर-मोप्सिस) तथा साध में अच्छा आनाम व गहनता

(न) (3) उम्मीदवार के पर्याप्त सख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं।

उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(ट) आयुसेता के उम्मीदवारों के लिए स्टीन ई० सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में होने जरूरी है।

### परिशिष्ट-III

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्न-लिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे :—

(क) इस आशय का प्रमाण-पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई थोटा लग जाये या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आपरेशन या संवेचनाहरक दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस आशय का वैध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके निबंधन में समझी जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए बेंतन और भत्ते की कुल राशि या उसकी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, बर्दी, बोडिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे धुन बर्बाद करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 75.00 रुपए से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्बाद करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए रु० 75.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए रु० 80.00 और बल सेना/ती/बामु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे बशिष्ट के प्रशिक्षण रु० 90.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय रु० 500.00 या इससे अधिक होवे इससे वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अच्छल सम्पत्तियां और सभी साधनों से होने वाली आम का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक सरकार से किसी प्रकार वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने वृद्ध संरक्षित

के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे बिना मजिस्ट्रेट अपनी अनुमति संहिता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, पुणे (411023) के कमांडेंट को अवैधित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए, उम्मीदवारों को जाने पर कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा होगी :—

	रु०	प०
(क) प्रतिमास 75.00 रु० के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	375.00	
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मवों के लिए	650.00	
(ग) 1 सेमिस्टर के दौरान प्रासंगिक व्यय	150.00	
योग	1175.00	

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

	रु०	प०
(क) 75.00 रु० प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	375.00	
(ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मवों के लिए लगभग	475.00	

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) बरछुराम पात्र पदबंधन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से रु० 350.00 तथा रु० 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए यह प्राप्त होगी किन्तु मर्त यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसकी माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी—

(2) कर्नल केडिल फ्रेक मेमोरियल छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कौर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्तियां उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिनमें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतर स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु० प्रति मास की हो तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, देहरादून तथा वायु सेना फ्लाईंग कालिज तथा नौसेना अकादमी, कोचीन में जहां कैडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु० प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता पिता की आय पर ध्यान दिये बिना प्रदान की जायेगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदाय नहीं की जाएगी।



(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ:—दो छात्रवृत्तियाँ 30.00 रु० प्रति मास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैडेटों को तीन छात्रवृत्तियाँ मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति:—पूरे वर्ष के लिए 480 रु० की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा० अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिए केरल राज्य द्वारा उन कैडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा० र० अकादमी हेतु अभिन भारतीय सं० शौ० से० आ० प्रत्येक प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैडेट के पिता संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंदाकिमी पुरस्कार:—यह 500.00 रुपए का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है, आवेदन प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियाँ:—तीन छात्रवृत्तियाँ—एक घल सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियाँ कैडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय रु० 5,000 प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियाँ:—निम्नलिखित वर्गों को छात्रवृत्तियाँ पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं:—

(क) वर्ग 1:—ये छात्रवृत्तियाँ—(घल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपए प्रति वर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी के तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण सत्रों में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रु० तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति। यह उन कैडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2:—तीन छात्रवृत्तियाँ 100 रुपए प्रति वर्ष एक मुश्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पायलट अफसर गुरमीत सिंह बेदी मेमोरियल छात्रवृत्ति:—रु० 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैडेटों के चौथे सत्र के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी। पाँचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ता रेकीगड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर चला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ:—हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियाँ 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपए प्रति मास से कम होगी। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति:—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 रु० प्रति मास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400 रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक संरक्षक की मासिक आय 500 रु० से अधिक न हो। पात्र कैडेट अपना आवेदन कमांडेंट राष्ट्रीय अकादमी वहाँ पहुँचाने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियाँ:—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियाँ—9 जनवरी, से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए कर्नाटक राज्य के उन कैडेटों को दी है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालिज, बेहराडूर में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राशि 480.00 रुपए प्रति वर्ष है।

रु० 480.00 प्रति वर्ष की चार (4) और छात्रवृत्तियाँ (दो प्रतिवर्ष) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई हैं जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालिज, बेहराडूर के अलावा अन्य संस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।

(14) एसबटं एक्का छात्रवृत्ति:—बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 50/- रु० प्रतिमास की 25 योग्यता छात्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में छः समयावधियों के पूरे समय के वास्ते एक बार और 650/- रु० वस्त्र तथा उपस्कार के वास्ते देना शुरू किया है। जिस कैडेट को उपर्युक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पात्र कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमांडेंट को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय अकादमी, बड़कवासला, पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं।

5. चने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाव तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।

- (क) अंग्रेजी
- (ख) गणित
- (ग) विज्ञान
- (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्व-विद्यालय या हायर सेकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेण्डरी परीक्षा के स्तर से ऊँचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जाँचा जायेगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिए उदासीन न हो जाएँ।

#### प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थात् घल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए चने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले षड्विंश वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा बी० एस० सी०/बी० ए० डिग्री प्रदान की जाएगी।



7 राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पाम होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, देहरादून, में नौसेना कैडेट/कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट, ई० एफ० एस० विचार जायेंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्टलमेन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है। ताकि वे इम्पेटी के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफल हो तो पूरा करने के बाद जेंटलमेन कैडेटों को उनके शेप (Shape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेकेण्ड लफ्टिनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

9. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना का कार्यपालक इंजीनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए चुना जाता है; उन्हें छः महीने के लिए कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिड-शिपमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। सम्बद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनन्तित रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है। उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाहृत कर दिया जाता है।

सेवा की शर्तें

#### 11. थल सेना अधिकारी

##### (1) वेतन

रैंक	वेतनमान
	रुपए
सेकिण्ड लैफ्टिनेन्ट	760-790
लेफ्टिनेन्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (चयन ग्रेड)	1800-50-1900
लैफ्टिनेन्ट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेन्ट कर्नल (चयन ग्रेड वेतन)	2000-50-2100
लैफ्टिनेन्ट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125-2750
लैफ्टिनेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास
लेफ्टिनेन्ट जनरल (सेना कमांडर)	3250 प्रतिमास

##### (2) योग्यता वेतन और अनुदान

लैफ्टिनेन्ट कर्नल और उसके नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० अथवा 6000/- रु० के एक मुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- रु० दर पर योग्यता वेतन अधिकारी होंगे।

##### (3) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :-

(क) मित्रविलयन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते दिए जाते हैं।

(ख) रु० 75/- प्रतिमास की दर से किट अनुदान भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भर्तों की तबन्कूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक होगा।

(घ) वियुक्ति भत्ता : जहाँ विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 140 रु० प्रतिमास दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता : प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 2100 प्रथम कमीशन की तारीख से रु० 1800/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्ज के बाबे का पुनर्गणना किया जा सकता है।

(च) थल सेना में ब्रिगेडियर स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

#### तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

##### (v) पदोन्नतियाँ

##### (क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :-

(i) समय वेतनमान से	न्यूनतम सेवा सीमा
लेफ्टिनेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लैफ्टिनेन्ट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
(ii) चयन द्वारा	न्यूनतम सेवा सीमा
लैफ्टिनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैफ्टिनेन्ट कर्नल जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

##### (ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर अफसर, उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए तैयार होंगे बशर्ते कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों :

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेन्ट कर्नल	6½ वर्ष
कर्नल	8½ वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लैफ्टिनेन्ट जनरल	25 वर्ष



## 12. नौसेना अफसर

## (1) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौसेना विमानन और पनडुब्बी
	रु०	रु०
विश्वसिपमैन	560	580
कार्यकारी सबलैफ्टिनेन्ट	750	825
सब लैफ्टिनेन्ट	830-870	910-950
लैफ्टिनेन्ट	1100-1450	1200-1550
लैफ्टिनेन्ट कमांडर	1450-1800	1450-1800
लैफ्टिनेन्ट कमांडर (चयन ग्रेड)	1800-1900	1800-1900
कमांडर	1750-1950	1750-1950
कमांडर (समय वेतनमान)	1900 (नियत)	1900 (नियत)
कमांडर (चयन ग्रेड)	2000-2100	2000-2100
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कोमोडोर को बड़ी वेतन मिलता है जिसका वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के अनुसार हकदार है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000 प्रतिमास	
वाइस एडमिरल (बी० सी० एन० एस०/एफ० ओ० सी० इन सी०)	3250 प्रतिमास	

योग्यता वेतन/अनुदान भी निम्नलिखित को शास्त्र है :—

कुछ निश्चित योग्यतायें रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अफसर की अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 2500/- रु० या 6000/- रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। फ्लाईंग इन्स्पेक्टर नेवीगैटर श्रेणी क और छ क्रमशः 100 रुपए और 70 रुपए प्रतिमास के अर्हक वेतन के हकदार।

## (2) शर्तें

- (क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता, महंगाई भत्ता और अंतरिम सहायता उसी दर और उन्हीं शर्तों पर प्राप्ति है जो समय-समय पर सिविलियन राजपत्रित अधिकारियों पर लागू है।
- (ख) किट अनुरक्षण भत्ता 75 रु० प्रति मास की दर पर।
- (ग) जब भारत से बाहर सभ्य सट पर या कुछ देशांतरीय और अक्षांशीय सीमाओं के पार जहाज पर हों तो निर्वासन भत्ता। वरें रैंक के अनुसार 50 रुपये प्र० मा० से लेकर 250 रुपए प्रति मास तक अलग अलग है।
- (घ) जहाज पर सेवारत विवाहित अधिकारियों की उनके जहाज के मूल बंदरगाह से दूर होने की अवधि के दौरान 140 रुपए प्र० मा० की दर पर वियुक्ति भत्ता।
- (ङ) पहली बार कमीशन मिलने पर 2400/- रुपए परिसंज्ञा भत्ता और प्रभावी सेवा के प्रत्येक सात वर्ष के बाद 2100/- रुपये मवीकरण परिसंज्ञा भत्ता।
- (च) नौसेना में कमांडर स्तर तक मुक्त राशन दिया जाता है।
- (छ) वार्षिक श्रवण जो नहीं लिया गया उसका तकद भुगतान नियमन आयु पर अधिकतम 180 दिनों का 30 दिन प्रति वर्ष की दर से किया जाएगा।

नौ सेना विमानन अधिकारियों मासिक दर पर उड़ान वेतन के हकदार हैं तथा एडमिरल रैंक की लागू शर्तों के अधीन वायु सेना अधिकारियों

एवं इंडोचिनिया अधिकारियों तथा उद्भूत शाखाओं के लिए रु० 875/- से लेकर रु० 150/- तक प्रति माह तकनीकी वेतन प्राप्त करने के हकदार हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त नौसेना अधिकारी कुछ विशेष न्यायनों के भी हकदार हैं जो उनके गाय लगी पत्तों पूरी कर देने पर ही जाएंगी जैसे हाइलाइंग मनी, सभमेराइन एलाउन्स मखमेराइन पे, डाइविंग पे और सर्व बाउण्टी।

## (3) पदोन्नतियां

## (क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियों के लिए निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

सब लैफ्टिनेन्ट

लैफ्टिनेन्ट

लैफ्टिनेन्ट कमांडर

कमांडर

चयन द्वारा

कमांडर कार्यपालक शाखा

कमांडर इंजीनियर शाखा

कमांडर विद्युत शाखा

कैप्टन

रियर एडमिरल

वाइस एडमिरल

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर को लैफ्टिनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए नौसेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिए कोई सेवा सीमा नहीं है।

## 13. वायु सेना अफसर

## (i) वेतन

रैंक	वेतनमान
	रुपयें
पाइलट अफसर	825-865
पलाटग अफसर	910-1030
फ्लाईंग लैफ्टिनेन्ट	1300-1550
स्क्वाड्रन लीडर	1650-1800
विंग कमांडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	1950 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
एयर कमांडर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	2500-2750
एयर मार्शल	3000
एयर मार्शल [(बी० सी० ए० एम० और ए० सी० ए० सी० ए० सी०)]	3250
एयर चीफ मार्शल (सी० ए० एम०)	4000



## (ii) वर

(क) उड़ान वेतन :—उड़ान शाखा के अधिकारी (पाइलट तथा नेविगेटर) निम्नलिखित दर पर उड़ान वेतन पाने के पात्र हैं :—

पाइलट अफसर से विंग कमांडर तक	₹० प्र० म० 750.00
ग्रुप कैप्टन से एयर कोमोडोर तक	666.00
एयर वाइस मार्शल तथा इससे ऊपर	600.00

(ख) उड़ान शाखा के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी निम्नलिखित दर पर योग्यता वेतन अनुदान के पात्र हैं :—

योग्यता वेतन	₹० प्र० मा० 100/-
	अथवा 70/-
योग्यता अनुदान	6000/-
	अथवा 4500/-
	2400/-
	अथवा 1600/-

(ग) फिट अनुरक्षण भत्ता 75/- रुपये प्रतिमास की दर पर मिलता है।

(घ) निवर्तन भत्ता :—किसी देश में जहाँ पायु सेवा अधिकारियों के लिए ट्रूप के ग्रंग के रूप में जाना अपेक्षित हो, सेवा कर रहे एकल तृतीय, सचिव/द्वितीय सचिव/प्रथम सचिव/काउन्सिलर को घाहा विदेश भत्ते का 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत तक (धारित रैंक के अनुसार)।

(ङ.) नियुक्ति भत्ता :—एयर वाइस मार्शल और इससे ऊपर के रैंक वाले जिन विवाहित अधिकारियों की तैनाती उन यूनिटों/कार्पोरेशनों में की जाती है जो भारत सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए धारित्वारिक रूप में अधिसूचित स्टेशन/क्षेत्रों में स्थित हैं तथा जहाँ परिवार को साथ ले जाने की अनुमति नहीं है वहाँ पर नियुक्त होने पर उन्हें 140 ₹० प्रतिमास नियुक्ति भत्ता मिलेगा।

(च) परिसञ्जा भत्ता :—अधिकारी को जो बर्षी/उपस्कर अपने पास रखने पड़ते हैं उनकी लागत के लिए शुरू में 2100/- रुपये (समय-समय पर यथा आशोधित) और हर सात वर्ष के बाद उनके नवीकरण के वास्ते 1800/- रुपये।

(छ) वायु सेवा में एयर कमांडोर स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

## (3) पदोन्नतियाँ

(क) मूल पदोन्नति :—

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सोमाए हैं :—

## समय वेतनमान द्वारा

फ्लाईंग अफसर	4 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
फ्लाईंग अफसर	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्क्वाड्रन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
विंग कमांडर	नदि प्रथम द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली है।

## वयन द्वारा

विंग कमा	18 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।
ग्रुप कैप्टन	22 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।

एयर कमांडर

24 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।

एयर वाइस मार्शल

26 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।

एयर मार्शल

28 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।\*

## (6) कार्यकारी पदोन्नति

अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिये अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है :—

फ्लाईंग लेफ्टिनेंट	2 वर्ष
स्क्वाड्रन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्क्वाड्रन लीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर कोमोडोर	11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर और ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर वाइस मार्शल	15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन और एयर कोमोडोर के रैंकों में 5 वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर मार्शल	23 वर्ष

\*अतिरिक्त अवधियों को शामिल करके।

## 14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेंशन, उपदान और प्रेय्यटी प्रवाह समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

## 15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार होगी।

## परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फॉर्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री

जो गांव/कस्बा\* जिला/मंडल\*  
राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र जाति/जन जाति\* के/की\* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति\* के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950@।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950@।

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951@।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951@।

[(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आशोधन) आदेश, 1956, दम्कई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जनजातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा-संशोधित]।

संविधान (जम्मु और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956@।



संविधान (अहमदनगर और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियाँ  
 प्रादेश, 1956@ अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश,  
 (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित\*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश,  
 1962@।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश,  
 1962@।

संविधान (पाण्डिचेरी) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1964@।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश), प्रादेश, 1967।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश,  
 1968@।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियाँ प्रादेश,  
 1968@।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश, 1970@।

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जातियाँ प्रादेश, 1978@।

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजातियाँ प्रादेश, 1978@।

%2. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के ऐसे व्यक्तियों के  
 मामले में लागू हैं जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन से प्रजनन कर  
 चुके हैं।

यह प्रमाण-पत्र श्री/श्रीमती/कुमारी\* —————ग्राम/  
 कस्बा\* —————जिला/मंडल\* —————  
 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* —————जो —————  
 जाति/जनजाति\* में संबद्ध है जिसे —————  
 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति\* के  
 रूप में मान्यताप्राप्त है के पिता/माता\* श्री/श्रीमती\* —————  
 को जारी प्रमाण-पत्र के आधार पर जारी किया जाता है।  
 के द्वारा जारी।

दिनांक: —————

%3. श्री/श्रीमती/कुमारी\* —————  
 और/या\* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा\* —————  
 जिला/मंडल\* राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* —————राज्य  
 क्षेत्र\* —————) में रहता/रहती है।

हस्ताक्षर —————

\*पदनाम —————

(कार्यालय की मोहर सहित)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

स्थान —————

तारीख —————

\* (जो शब्द लागू न हो, उन्हें कृपया काट दें)।

@ कृपया राष्ट्रपति का विशिष्ट आदेश उद्धृत करें।

% जो पैरा लागू नहीं है उसे कृपया काट दें।

टिप्पणी:—यहाँ प्रयुक्त “आमतौर से रहते/रहती है” का अर्थ वहाँ  
 होगा जो “रिप्रेजेंटेशन आफ दि पिपुल ऐक्ट, 1950” की धारा 20 में  
 है।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सशक्त प्राधिकारियों  
 की सूची।

- (1) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी  
 कमिश्नर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी  
 का म्हादेवरी मैजिस्ट्रेट/मिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल  
 मैजिस्ट्रेट/तालुका मैजिस्ट्रेट/एकजीम्पुटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा  
 असिस्टेंट कमिश्नर।

† (प्रथम श्रेणी के म्हादेवरी मैजिस्ट्रेट से कम आदर  
 का नहीं।)

- (2) सीक प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल सीक प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/  
 प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (3) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार  
 और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर,  
 “लक्षद्वीप”।

#### परिशिष्ट V

#### उम्मीदवारों की सूचनाएं विवरणिका

##### (क) वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह “वस्तुपरक परीक्षण” होगा।  
 इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे।  
 प्रत्येक प्रश्न (प्रश्नों आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई मुद्राएँ  
 गए उत्तर जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें  
 से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको हम परीक्षा के बार में कुछ  
 जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के  
 कारण आपको कोई हानि न हो।

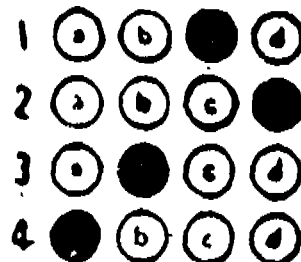
##### (ख) परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न-पत्र “प्रश्न पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम  
 संख्या 1, 2, 3—आदि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे  
 a, b, c, d, चिह्न के साथ मुद्राएँ गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका  
 काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो  
 इनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिये नमूने के  
 प्रश्नांश देख लें) किन्ती भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको  
 एक ही सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक  
 चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

##### (ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जायेगा।  
 जिसकी एक नमूना प्रति आपको अपने प्रवेश-पत्र के साथ भेजी जायेगी।  
 आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। प्रश्न पुस्तिका  
 में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर  
 नहीं माने जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 180 तक चार अंकों  
 से छोपी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, चिह्न वाले  
 बुलाकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश की पढ़ लेने  
 और यह निर्णय कर लेने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम  
 है आपको इस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले बुल को वेंसिल से पूरी तरह काला  
 बना कर उसे अंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर दशमि के  
 लिये) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के बुल को काला बनाने के  
 लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।



यह जरूरी है कि:—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की एप० की०  
 वैसिल (वैसिल) ही लागू और उन्हीं का प्रयोग करें।



2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसा असावधानी न हो जिससे वह फट जायें या उसमें मोड़ व सिनवट आदि पड़ जायें या वह गिराव हो जायें।

#### ब. कुछ महत्वपूर्ण विनियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान हूण करना होगा।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा में छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक अधीक्षक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।

5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण आपकी उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कूटबद्ध भी करना हो इसके बारे में अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजे जायेंगे।

6. प्रश्न पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांक के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग की आरम्भ या समाप्त करने का कहे तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लायें, आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्थायी वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हाई बोर्ड या कांडे बोर्ड भी लायें जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खासी कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखन उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। रात में परीक्षा काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कच्चा काम शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने-अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापिस कर दें।

#### ग. विशेष अनुदेश

परीक्षण भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद अधीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर प्रेषित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद अधीक्षक आपको प्रश्न पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका खोलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है या अगुआ, उसे बदलवा लें। प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिख दें आपको प्रश्न पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहे।

#### घ. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा श्रद्धा को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का उचित उपयोग कर लें। सम्बुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अवश्य कठिन मानें

पढ़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तर के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

#### छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहे, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक अधीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं न ले जायें और आपको छोड़ने की अनुमति न दें। आपको प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

#### नमूने के प्रश्नांक (प्रश्न)

(नोट:—सही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करना है)

#### 1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊँचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्राव होता है?

(a) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से कम होता है।

\*(b) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से अधिक होता है।

(c) रक्त बहिर्काओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।

(d) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब के अनुरूप घटता-बढ़ता है।

#### 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *records* turnout of voter at the municipal elections

(a) exactly known

(b) only those registered

(c) very large

\*(d) largest so far

#### 3. कृषि

अरहर के फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

\*(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव

(b) दूर-दूर पीछे लगाना

(c) सही ऋतु में पीछे लगाना।

(d) थोड़े-थोड़े फासले पर पीछे लगाना

#### 4. रसायन विज्ञान

$H_3VO_4$  का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

(a)  $V_2O_3$

(b)  $V_2O_4$

(c)  $V_2O_5$

\*(d)  $V_2O_5$

#### 5. अर्थशास्त्र

धन का एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

\*(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।

(b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दोनों बराबर हों।

(c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद में अधिक है।

(d) मजदूरी सीमान्त मूल्य उत्पाद के बराबर हो।



## 6. वीद्युत इन्जीनियरी

एक समझ रेखा को आपेक्षिक परावैद्युतांक 9 के परावैद्युत से सम्पूर्ण किया गया है। यदि C मुक्त अंतराल में संवर्ण बेग दर्शाता तो लाइन में संवर्ण का बेग क्या होगा ?

(a)  $3C$ (b)  $C$ \*(c)  $C/3$ (d)  $C/9$ 

## 7. भू-विज्ञान

वसाहट में प्लेजिओक्लेस क्या होता है ?

(a) आलियाक्लस

\*(b) सेनोडोराइट

(c) एस्वाइट

(d) एनाथार्ड

## 8. गणित

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और  $\frac{d^2y}{dy^2} = 0$  समीकरण

को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निविष्ट है ?

(a)  $y = ax + b$ (b)  $y = ax$ (c)  $y = aex + be - x$ \*(d)  $y + aex = a$ 

## 9. भौतिकी

एक आदर्श ऊष्मा इंजन  $400^\circ$  के और  $300^\circ$  K के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

(a)  $3/4$ \*(b)  $(3-4)/4$ (c)  $4/(3+4)$ (d)  $3/(3+4)$ 

## 10. सांख्यिकी

यदि द्विपद विश्व का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

(a)  $4^2$ 

\*(b) 3

(c)  $\infty$ (d)  $-6$ 

## 11. भूगोल

बर्मा के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

(a) यहाँ पर खनिज साधनों का विपुल भण्डार है।

(b) बर्मा की अधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।

(c) यहाँ श्रेष्ठ धन सम्पदा है।

(d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

## 12. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

\*(a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।

(b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडम्बर से पूर्ण धर्म था।

(c) ब्राह्मणवाद के अभ्युदय के साथ, ब्रह्म सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्त्व कम हो गया।

(d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशाओं का प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निश्चित थे।

## 13. दर्शन

निम्नलिखित में से निरोधरवादी दर्शन-समूह कौन सा है ?

\*(a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा

(b) न्याय, वशपिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक

(c) अद्वैत, वेदान्त, सांख्य, चार्वाक, योग

(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

## 14. राजनीति विज्ञान

“वृत्तिगत प्रतिनिधित्व” का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

(a) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।

(b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का संमर्पन।

(c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।

(d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

## 15. मनोविज्ञान

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है ?

\*(a) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि।

(b) अन्तर्नीय अवस्था में न्यूनता।

(c) व्यावहारिक अधिगम।

(d) पक्षपात पूर्ण अधिगम।

## 16. समाजशास्त्र

भारत में पंचायती राज संस्थानों की देन निम्न में से कौन सी है ?

(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।

(b) छुआछूत कम हुई है।

(c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।

(d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नों (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिये दिये गये हैं यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुरूप हों।



## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

The 9th October 1985

New Delhi, the 19th September 1985

No. A. 32013/1/83-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Pradeep Mehta, a permanent Engineer in the office of Union Public Service Commission as Senior Engineer (Group 'A') in the Commission's office on ad-hoc basis for a period from 1-9-1985 to 30-11-1985 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Pradeep Mehta as Senior Engineer for the above said period is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

The 25th September 1985,

No. A 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following regular Assistants of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Period of ad-hoc apptt.
1.	Shri Basant Singh (SC)	45 days w.e.f. 27-9-1985
2.	Shri M.L. Verma-I	45 days w.e.f. 27-9-1985

The 27th September 1985

No. A. 12025 (ii)/1/84-Admn. III.—Consequent on his nomination by the Department of Personnel and Training vide their O. M. No. 5/11/85-CS. I, dated 9-9-1985, for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1984 (seniority quota) in the CSS cadre of the Ministry of Petroleum, Shri S. K. Bansal, officiating as Section Officer in the CSS cadre of the Union Public Service Commission is relieved of his duties in this office on the forenoon of the 1st October, 1985.

M. P. JAIN

Under Secretary (Per. Admn.)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG. ADMN. REFORMS,  
PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; TRAINING

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi-110003, the 8th October 1985

No. A/12025/2/79-AD.V.—The Director/CBI and Inspector General of Police/SPc hereby appoints the following as Dy. Supdts. of Police from the date mentioned against each on regular basis until further orders:—

S. No.	Name of the officer	Branch in which posted	Date from which appointed as DSP
1.	Shri H.C. Bisht	Dahradun	18-4-1984
2.	Shri D.N. Choudhury	CIU(A)	3-9-1985
3.	Shri M.B. Godbole	GOW/ Bombay	3-9-1985
4.	Shri Satish Chander	Silchar	3-9-1985
5.	Shri D.K. Chaudhury	CIU(E) I	3-9-1985
6.	Shri G.N. Gupta	Visakha- patnam	3-9-1985
7.	Shri Gauri Prasad	SIC	3-9-1985
8.	Shri Harbhajan Ram	SIC	3-9-1985
9.	Shri Albert Kanarc	GOW/ Bombay	3-9-1985

No. A/19036/9/77-AD. V.—The services of Shri G. M. Ambedkar, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were placed at the disposal of Government of Maharashtra with effect from 31st August, 1985 afternoon on superannuation.

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer (E)  
CBI

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## BUREAU OF POLICE RESEARCH &amp; DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 7th October 1985

No. 18/20/85-Adm. II.—Shri A. S. Sangameswaran, Assistant, Central Forensic Science Laboratory, Hyderabad is appointed as Section Officer on promotion in the Bureau of Police Research & Development, New Delhi on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th September, 1985 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

The 11th October 1985

No. 13/1/83-Adm. I.—Shri P. R. K. Murty, ad-hoc Senior Personal Assistant is appointed to officiate as Senior Personal Assistant on regular basis with effect from 17-9-85. The post of Senior Personal Assistant is in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040.

S. K. MALLIK  
Director General

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 7th October 1985

No. E-32015 (4)/77/85-Pers. I.—On transfer on deputation Shri Virender Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit ASP Durgapur with effect from the forenoon of 30th August, 1985.

No. E. 32015 (4)/80/85-Pers. I.—On transfer on deputation Shri S. C. Joshi, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit CPT, Calcutta with effect from the forenoon of 2nd September, 1985.

No. E-37015 (4)/79/85-Pers. I.—On appointment on deputation Shri A. C. Dubey, assumed charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, HEC Ranchi with effect from the forenoon of 1st September 1985.

The 8th October 1985

No. E. 32015 (4)/47/85-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri S. N. Biswas on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit KCC Khetri with effect from the forenoon of 29th August, 1985.

No. E. 32015 (4)/78/85-Pers. I.—On transfer on deputation Shri Bhagwan Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 30th August, 1985.

The 9th October 1985

No. E-16013 (2)/1/81-Pers. I.—Consequent upon his repatriation to State cadre, Shri Gurcharan Singh Bhullar, IPS (PB : 66) relinquished charge of the post of Commandant



CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 13th September, 1985.

No. E-31013 (2)/1/85-PERS. I.—The President is pleased to promote the following officers (Assistant Commandant—ad hoc/Inspector/Exe) to officiate in the rank of Asstt Commandant on regular basis w.e.f. 2-9-85 without prejudice to the claim of other Asstt Commandant ad-hoc/Inspector (Executive) whose orders of regularisation/promotion to the rank of Asstt Commandant are being issued separately. Orders regarding inter-se-seniority of these officers will be issued in due course :—

1. Shri S. S. Shukla
2. Shri Nathuni Ram
3. Shri P. D. Khullar
4. Shri Krishna Chandra
5. Shri D. R. Jangada
6. Shri M. Chhetri
7. Shri R. S. Khatri

The 10th October 1985

No. E-16013(2)/1/81-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to State cadre on promotion, Shri D. S. Bhullar, IPS (PB : 64) will be deemed to have relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the afternoon of 14th September, 1985 after availing leave sanctioned to the officer from 8-4-85 to 14-9-85.

The 11th October 1985

No. E-32015(4)/82/85-Pers.I.—On transfer on deputation Shri Gurbachan Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit BCCI Jharia with effect from the forenoon of 23rd September, 1985.

No. E-16013(1)/20/85-Pers.I.—On transfer on deputation, Shri S. C. De, IPS (OR : 61) has assumed the charge of the post of Dy. Inspector General (ADM) CISF Hqrs., New Delhi w.e.f. the forenoon of 10th October, 1985.

D. M. MISRA,  
Dir. Genl./CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 10th October 1985

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri A. P. Gupta, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 23rd September, 1985, until further orders.

2. The headquarters of Shri Gupta will be at New Delhi.
3. He will be on probation for two years.

V. S. VERMA,  
Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

#### CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 19th September 1985

No. ESC-1-21.—General Manager, Currency Note Press is pleased to appoint Shri Sohanlal (SC) Store-Keeper as Stores Officer (Group B Gazetted) in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 purely on ad hoc basis initially for a period of six months with effect from 19th September 1985 (F.N.) or till the regular appointment is made whichever is earlier

S. D. IDGUNJI,  
General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 9th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 268.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri M. V. Ramakrishnan, a Permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st October, 1985. His date of birth is 5th October 1927.

The 10th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 262.—The Director of Audit, Central Revenues-I hereby appoints the following permanent Section Officers (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 30-9-1985 until further orders :—

S. No. & Name

1. Shri Sardari Lal.
2. Shri C. L. Gulati.

The 11th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 271.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri O. P. Batra a Permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 8th October 1985 until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE  
Dy. Director of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 8th October 1985

No. O. O. No. Admn. III/39.—The Director of Audit, Commerce Works & Misc, New Delhi hereby appoints the following officiating Audit Officers of this office in a substantive capacity as Audit Officers in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the dates shown against them :—

S.No.	Name	Date of Confirmation
1.	Shri R.B. Jauhari	1-4-1985
2.	Shri R.K. Gupta	1-7-1985

R.P. SINGH  
Dy. Dir. (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500463, the 1st October 1985

No. 120.—The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against his name until further orders :—

Name & Date of assumption of charge

Shri K. Appa Rao—01-10-1985 F.N.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, if any, and also subject to the result of the writ petitions pending in the Andhra Pradesh High Court/Supreme Court.

Sd/- ILLEGIBLE  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)



OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)  
KERALA

Trivandrum-695 039, the 30th September 1985

No. Estt./A/V/9-86/Vol II/188.—The Accountant General (A&E) Kerala is pleased to appoint Shri K. Sreedharam (No. 3) Section Officer to officiate as Accounts Officer with effect from 17-9-1985 Forenoon, until orders.

The appointment is provisional and subject to further orders as may be issued by the Hon'ble High Court of Kerala in Civil Miscellaneous Petition No. 1749/84-K in O. P. No. 750/84 K.

S. B. PILLAY

Senior Deputy Accounts Officer

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
(AUDIT) I MAHARASHTRA

Bombay-20, the 1st October 1985

No. Admn. I Audit/Genl/AO/1(1)/10.—The Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

Sl. No.	Name	Date of appointment	Audit Officer
1.	Shri A.S. Manoli	5-9-1985	F.N.
2.	Shri R.K. Maladkar	2-9-1985	F.N.

H. SUBHALAKSHMI

Sr. Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FY. BOARD

D. G. O. F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 20th September 1985

No. 10/85/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Smt. Ranu Das, Offg. Asstt. Staff Officer (ad-hoc) in an existing vacancy without effect on seniority w.e.f. 31-7-85 (FN) until further orders.

2. The above promotion shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.

3. The above officer assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 31-7-85 (FN).

S. DASGUPTA

Director/Admin

for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700001, the 3rd October 1985

No. 09/85/A/M.—The President is pleased to appoint the following Asstt. Director of Health Services as Deputy Director of Health Services with effect from the date mentioned against each until further orders:

Sl. No.	Name	Posted at	Date
1.	Dr. R.K. Shah	Ordnance Factory Board.	13-9-1985

C. M. MATHUR

Addl. DGOF/Member (Personnel)

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE  
AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 11th October 1985

No. 17/6/77-Estt(.).—On attaining the age of superannuation, Shri S. T. Swami, Administrative Officer, Regional Labour Institute Madras under this Directorate General retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August 1985.

S. B. HEGDE PATIL

Dy. Director General

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi-110 011, the 10th September 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1203/77-Admn.(G)/588.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Sharma Controller of Imports and Exports in this Office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 31st August, 1985.

The 7th October 1985

No. 6/1212/77-ADMN(G)/1014.—On attaining the age of superannuation Shri G. H. Manghani, Controller of Imports & Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports Bombay retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st July, 1985.

SENKER CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
For Chief Controller of Imports & Exports

(DEPTT. OF TEXTILES)

OFFICE OF COMMISSIONER OF PAYMENTS

New Delhi-110001, the 19th August 1985

F. No. 14(16)/85-CP.—On transfer from the Ministry of Commerce, Department of Textiles, Shri Vijay Kumar Verma, Stenographer Grade 'C' of CSSS in the Ministry of Commerce, has been appointed as Senior Personal Assistant in the office of Commissioner of Payments in the scale of Rs. 650-1040 with effect from the forenoon of 1st August, 1985 on deputation basis.

The period of his deputation will be one year in the first instance. During this period Shri Vijay Kumar Verma will be governed by the orders contained in the Ministry of Finance, Deptt. of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

C. D. CHEFMA

Commissioner of Payments

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(HANDICRAFTS)

New Delhi, the 30th September 1985

No. 10(18)/82-Admn.VI.—On attaining the age of superannuation, Shri M. D. Patel, Director (Western Region), Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Bombay, retired from Government service, with effect from the afternoon of 30th September, 1985.

SHIROMANJ SHARMA

Development Commissioner (Handicrafts)



## MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 8th October 1985

No. 12(428)/64-Admn.(G) Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Sinha, Director (Gr. II) (Metallurgy), Regional Testing Centre, Calcutta as Director (Gr. I) (Metallurgy) at the same station with effect from the forenoon of 6-9-1985 until further orders.

C. C. ROY  
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 27th September 1985

No. A-1/1(1206).—The President has been pleased to appoint Shri P. Bhengra, Assistant Director, (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Inspection, Calcutta, to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. I) on regular basis in the same office with effect from the forenoon of 23rd August, 1985.

Shri Bhengra will be on probation for two years with effect from 23-8-1985 (FN).

RAJBIR SINGH  
Deputy Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

## (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 9th October 1985

No. A-6/247(537)II.—The President is pleased to appoint Shri J. V. Jois, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asstt. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular officers/seniors report for duty whichever is earlier.

2. Shri Jois relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the forenoon of 9th September, 1985 and has assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) on the same day in the office of Director of Inspection, Bombay.

No. A-6/247(551) IV.—The President is pleased to appoint Shri S. Mishra, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asstt. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular officers/seniors report for duty whichever is earlier.

2. Shri S. Mishra relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the afternoon of 9th September, 1985 in the office of Director of Inspection, Bombay and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in that office on the same day.

R. P. SHAHI  
Dy. Director (Admn.)

## ISPAT KHAN AUR KOILA MANTRAIRAYA

(KHAN VIBHAG)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st October 1985

No. 4699D/A-19012(3-JPS)/83-19B.—Shri Jagdish Prasad Sharma, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 13-2-85 (AN). 36—306GI/85

The 9th October 1985

No. 9627B/A-19012(AKY)/84/19A.—Shri Ashok Kumar Yadav is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Stores Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25-7-85, until further orders.

No. 9636B/A-19012(3-SRP)/85-19B.—Shri Santi Ranjan Pal, Senior Tech. Asstt. (Chemical), GSI, has been appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd August, 1985, until further orders.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)  
Geological Survey of India

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th October 1985

No. A-19011(16)/70-Estt.A.—Shri C. P. S. Nair, permanent Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, on his promotion to the post of Controller of Mines in Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the post of Adviser (Science and Technology) Ministry of Steel Mines & Coal, New Delhi and assumed the charge of the post of Controller of Mines at New Delhi, with effect from afternoon of 9-9-85 until further order.

P. P. WADHI  
Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

## SURVEY OF INDIA

Dehra Dun-248001, the 7th October 1985

No. C-6270/718-A.—The undermentioned officer is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 840.—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date as shown against him, on regular basis :—

Sl. No.	Name & Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri V.M. Gajre Office Superintendent (Sr. Scale)	South Eastern Circle office Bhubaneswar	7-8-85 (F/N)

G.C. AGARWAL,  
Major General  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township-202389, the 11th October 1985

No. NAPP/Adm/4(40)/85/S/11742.—Officiating appointment on ad hoc basis of Shri Vijay Pal Singh, a Quasi-permanent Assistant Security Officer in this Project, as Security Officer, notified vide notification No. NAPP/Rectt./12(2)/84-S/7138 dated August 18, 1984, stands terminated with effect from the afternoon of August 13, 1985.

R. K. BAJI  
Administrative Officer



## DIRECTORATE OF PURCHASE &amp; STORES

Bombay-400 001, the 24th September 1985

Ref. No. DPS/41/16-85-Adm./26583.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. Ponniah, a permanent Jr. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 14-5-85 (FN) to 15-6-85 (AN) in the same Directorate *vice* Shri G. R. G. Choudhary, Asstt. Stores Officer granted leave.

The 3rd October 1985

Ref. No. DPS/2/1(7)/85-Adm./26736.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. Y. Arekar, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 13-8-1985 (FN) to 31-12-1985 (AN) in the same Directorate.

The 8th October 1985

Ref. No. DPS/41/8/85-Adm./6881.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. G. Baby, a permanent Jr. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-5-85 (FN) to 7-6-85 (AN) in the same Directorate *vice* Shri R. N. Prabhu, Asstt. Stores Officer granted leave.

P. GOPALAN  
Administrative Officer

## NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 3rd October 1985

No. NPB/3(40)/76-Estt. I.—Director (Engineering), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri P. Surendran, a permanent Assistant Security Officer and Officiating ASO (SG) in DFM as Security Officer in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 26, 1985 until further orders.

G. A. KAULGUD  
General Administrative Officer  
for Director (Engg.)

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 3rd September 1985

No. A. 32023/1/85-R/429.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Bidhan Bihari Ray, a temporary Sub Officer of this Research Centre as Station Officer in the same Centre for the period from 8-7-85 to 7-12-85 in an officiating capacity on an ad-hoc basis *vice* Shri S. Royappa, Station Officer proceeded on training.

The 7th September 1985

No. RRC/A 32014/20/85-R/424.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this centre as Temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from February 1, 1985.

Sl. No.	Name	Present	Status
1.	Shri A. Thiravengadasami	Permanent	SA 'B' and Officiating Scientific Assistant 'C'
2.	Shri M. Ganapathy	Permanent	SA 'B' and Officiating Assistant 'C'
3.	Shri D. Krishnamoorthy	Permanent	SA 'B' and Officiating Assistant 'C'
4.	Shri N. Vijayaraghavan		Officiating Tradesman 'C'
5.	Shri K. Sasikumar		Officiating Tradesman 'C'

KUM. S. GOPALAKRISHNAN  
Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 30th September 1985

No. 020 1/(15.4)/85-Estt.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Smt. K. Usha from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, with effect from the afternoon of April 11, 1985.

H. S. RAMADÁS  
Administrative Officer-II

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th September 1985

No. A. 31013/2/83-E. I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh at present officiating as Director of Training and Licensing to the grade of Deputy Director of Air Safety (Operations) in substantive capacity in the Office of the Director General of Civil Aviation with effect from 1-5-1983.

The 1st October 1985

No. A. 12025/3/83-EI.—The President is pleased to appoint Shri Bimal Kumar Shrivastava to the post of Assistant Director (Maps & Charts) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600, in an officiating capacity w.e.f. 27th Sept., 1985 (forenoon) and until further orders.

The 4th October 1985

No. A. 32013/12/83-EI.—In continuation of this Office Notification No. A. 32013/12/83-EI, dated the 26th Sept., 1984, the President is pleased to continue the adhoc appointment of Shri T. C. Ahluwalia in the grade of Director of Airworthiness for the period from 26-3-1985 to 8-9-1985.

The 7th October 1985

No. A. 32013/9/84-EI.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Deputy Director of Communication to the grade of Director of Communication on a regular basis with effect from 19th Sept., 1985 (forenoon) until further orders.

No. A. 32013/10/84-EI.—The President is pleased to appoint S/Shri T. C. Ahluwalia & S. Ranjan adhoc Director of Airworthiness on a regular basis in the same grade w.e.f. 9-9-1985 until further orders.

J. C. GARG  
Joint Director of Administration

The 12th September 1985

No. A.32013/2/81-EC().—In continuation of this Department's Gazette Notification No. A.32013/2/81-EC dated the 27th August, 1984, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri D. Krishnamoorthy, in the post of Technical Officer in the Civil Aviation Department for the period upto 31-7-1984.

2. The extension of period of ad-hoc appointment of Shri D. Krishnamoorthy in the post of Technical Officer will not bestow on him any claim for regular appointment in the grade and the service rendered on ad-hoc basis would count neither for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

V. JAYACHANDRAN  
Deputy Director of Administration



New Delhi, the 7th October 1985

No. A.12025/6/84-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Mattaparti Reddi as Store Officer in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay in an officiating capacity with effect from 10-9-85 (P.N.) and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

VED PARKASH  
Dy. Director of Administration

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

New Forest (Dehra Dun), the 7th October 1985

No. 16/312/78-Est-I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation Shri H. S. Gahlot, Research Officer, Wood Preservation Branch, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is retired from the service with effect from the afternoon of 30-9-1985.

No. 16/245/79-Est-I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri P. S. Paval, Research Officer, Forest Influences Branch, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is retired from the service with effect from the afternoon of 30-9-1985.

J. N. SAXENA  
Registrar  
Forest Research Institute & Colleges

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 8th October 1985

No. A-19012/1070/84-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Chandeshwar Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-12-1984.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

The 9th October 1985

No. A-19012/1079/85-Estt.V.—In supersession of this Commission's Notification No. A-19012/1079/85-Estt.V dated 17th June, 1985, Chairman, Central Water Commission appoints Shri Prabir Kumar Burman, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a

purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-EB-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 8-3-1985.

No. A-19012/1098/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Rani Pukar Chaudhary, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 26-4-1985.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA  
Under Secretary  
Central Water Commission

#### DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th October 1985

No. 32/3/85-ECIL.—The following officers in the grade of EE (Civil) in CES Group 'A', CPWD retired from Govt. Service on attaining the age of superannuation on the dates noted against each:—

Sl. No.	Name of the Officer	Date of Superannuation	Last posting as
	S/Shri		
1.	S.B. Gopalakrishna	31-8-85 (AN)	EE (Val.), Income Tax Department, Bangalore.
2.	P. Patni	31-8-85 (AN)	SW (Civil) PWD Circle V(DA), New Delhi.
3.	B. R. Rao	30-9-85 (AN)	EE (Val.), I. T. Department, Hyderabad.
4.	S. C. Mittal	30-9-85 (AN)	EE (C) DDU Hospital Project PWD (Delhi Admn.), New Delhi.

K. C. DEHURY  
Dy. Dir. of Administration  
For Dir. Genl. (Works)



## FORM ITNS

(1) Shri Salil Chandra Chakravorty,  
Chakravorty Lane, Budha, Asansole.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunat Kumar Dutta,  
Dustson Avon Stove,  
9, Thana Road, Asansole.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd September 1985

Ref. No. AC-13/Acqn. R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 35 situated at Chakravorty Lane, Asansole (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Asansole on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : 4.31 Cottahs with building. Address : 35, Chakravorty Lane, Budha, Asansole. Deed No. : 1104 of 1985.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 3-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. Shree Agencies,  
237 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Raviraj Nemayya Shetty,  
1282-Santosh Niwas, Risala Road, Khan Bhag,  
Sangli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE PUNE  
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 13th September 1985

Ref. No. IAC AC&/CA-5/2/1985-86/37-EE.—Whereas, I,  
ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. C.T.S. No. 1745 (Extension) Malge Plot, Zone R-3,  
Garpeer Sangli, Sangli situated at Sangli  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the  
Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune in June, 1985

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1745 (Extension) Malge Plot Zone R-3, Gar-  
peer Sangli, Sangli. (Area 728 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 2/1985-86 in the month of June, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 13-9-1985

Seal :



## FORM IINS

(1) M/s. Ramesh Builders,  
618, Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Mina Sunderji Popat,  
B/14, Hermes Park, 30 Bund Garden Road,  
Pune-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE PUNE  
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2177/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 615 Sachapir Street Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop with Mazanine in Meher Apartment situated at 615 Sachapir Street, Pune-1. (Area 500 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2177/1985-86 in the month of July, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-9-1985  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE PUNE  
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1**

Pune, the 5th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/16649/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 and bearing S. No. 44-A, H. No. 1/1-A (Part) or C.S. No. 3090-A (Part) Kalyan situated at Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Alguj Constructions and Estates (P) Ltd.  
219 Sai-Vihar, Shivaji path, Kalyan.  
(Transferor)
- (2) M/s. Patel Builders,  
4-Sahakar Sadan, Mancklal Estate,  
L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land bearing S. No. 44-A, H. No. 1/1-A (Part) or C.S. No. 3090-A (Part).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16649/1984-85 in the month of May, 1985).

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 5-9-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Liberty Investments Pvt. Ltd.,  
83, Jail Road (South),  
Bombay

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vardhaman Builders,  
40-41, Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[37EE/16302/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 48 in District Business Centre, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Camp, Pune-I situated at Pune at IAC, Acqn. Range, Pune in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 48 in District Business Centre, Vashim, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16302/1984-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, PUNE  
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 2nd September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1797/1985-86.—Whereas,  
I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. Flat No. 7, on 5th floor 2010 A Gafar Beg Street,  
Camp, Pune-1 situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

37—306 GI/85

(1) M/s. Jain Sharma Builders,  
5/66-Mita Colony, Shankershet Road, Pune.  
(Transferor)

(2) Mrs. Bina R. Daswani,  
Krishnakunj Flat No. 115,  
2393-Thimayya Road, Pune.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2010 A Gafar Beg Street, Camp, Pune-1. Flat No. 7 on  
5th Floor.

Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 1797/1985-86 in the month of August, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 2-9-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE  
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Calcutta, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1998/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11 at S. No. 686/2-A Bibawewadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acn. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Vivek Sinnarkar & Associates,  
S. No. 686/2A/1 Bibawewadi Road,  
Pune.

(Transferor)

(2) Ramesh Maruti Mane,  
Bank of India,  
Pilib Branch, Tal. Malghiras, Dist. Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11 at S. No. 686/2A Bibawewadi, Pune. (Area 667 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1998/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 3-9-1985  
Seal :



## FORM FIVE

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE-1

Pune-1, the 4th September 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/10996/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 2nd floor in the building under construction on sub-plot No. 11, F. P. No. 85, C.T.S. No. 56 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Mar 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Suma Engineering Pvt. Ltd.  
"Vidya" 93/2A Erandwana,  
Pune-4.

(Transferor)

- (2) Smt. Indu Shripad Bhoraskar, C/o Dr. Arvind Sangamnekar, Nursing Home Colony, 50-51  
Laxmi Park, Navi Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, on the 2nd floor in the building under construction on sub-plot No. 11, F.P. 85, C.T.S. No. 56. (Area 1150 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10996/1984-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Pune.

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 2nd September 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/533/1985-86.

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-103 on the first floor of Mangalam situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 265C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Mahavir Construction Co. a partnership firm having their office at Lal Godown, Vasai Road, West, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

- (2) H. R. Mehta, 101/A Omshreenath Cooperative Housing Society Ltd.  
Subhash Lane, S. M. Road, Kandivli West, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-103 on the first floor of Mangalam situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 533/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune.

Date : 6-9-1985  
Seal :



## FORM IIS

(1) D. J. Builders,  
1 Rishikesh Society,  
College Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Lokesh K. Sherade,  
C/o Sargam Industries,  
F-40, Satpur Nasik.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/107, KOREGAON PARK  
PUNE-1

Pune-1, the 5th September 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1984-85/733.-

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 4, S. No. 712/1-6 Gangapur Housing Colony, College Road, Nasik situated at Nasik. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or real moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4, S. No. 712/1-6 Gangapur Housing Colony, College Road, Nasik. (Area 500 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 733/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune.

Date : 5-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
106/107, KOREGAON PARK  
PUNE-1

Pune-1, the 5th September 1985

Ref. No. IAC. ACQ/AC-5/37EE/13120/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, on ground floor in building Lok Shilp at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, Bombay situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Lalit C. Gandhi,  
Chief Promoter,  
Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd.  
14 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road,  
Andheri (E).

(Transferor)

(2) Mr. O. P. Bhatia,  
A-22, RH II  
Sector 6, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on Ground floor in building Lok Shilp at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13120/1984-85 in the month of Feb. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune.

Date : 5-9-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106/107, KOREGAON PARK  
PUNE-1

Pune-1, the 5th September 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2184/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nirmala Apartments, 43 Bhavani Peth, Pune-2, Flat No. 7 at 11th floor situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Makwana Construction Co.  
Divine Terrace, 913/914 Synagogue Street, Poona-1  
(Transferor)

(2) Dilipkumar Anraj Lalwani,  
681 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nirmala Apartments, 43 Bhavani Peth, Pune-2, Flat No. 7 at 11th floor. (Area 870 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2184/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune.

Date : 5-9-1985

Seal :

[Signature]



## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 6th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2005/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. 34, S. No. 26, Village Kothrud, Tal. Haveli Dist.  
Pune (Dahanukar Colony) situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ajayya M. Madan,  
25 Walchand Terrace, Tardeo Road,  
Bombay  
and  
2. Shri Dilip P. Upalekar,  
3rd floor, Sadguru Mansion,  
444 Manmala Tank Road, Mahim,  
Bombay.  
(Transferor)
- (2) 1. Mrs. R. S. Malgi,  
Hule Building, 404 Shaniwar Peth,  
Pune-30.  
2. Shri V. R. Kulkarni,  
160 Sahakarnagar No. 2, Shobhanagar Society,  
Pune-9.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 34, S. No. 26, Village Kothrud, Tal. Haveli, Dist.  
Pune (Dahanukar Colony).  
(Area 6810 sq. ft.).  
(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under  
document No. 2005/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 6-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/12444/1984-85.—  
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Plot No. 129, 1229 Shukrawar Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC, Acqn. Range, Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bharat Keshavlal Shah,  
E-90 Adinath Sahakar Griharachana Ltd.,  
Pune—Satara Road,  
Pune. (Transferor)
- (2) M/s. Cadre Limaye & Associates,  
626 Narayan Peth, Pune-30.  
Partners :  
1. Shri Gadre Ravi Madan,  
2. Limaye Pandurang Govind. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 129, 1229 Shukrawar Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12444/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 16-9-1985

Seal



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/54/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Venkatesh Apartment, Solapur 163/5 Railway Lines, solapur situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M. S. Gauda,  
Asra Housing Society,  
Near Industrial Estate,  
Solapur.

(Transferor)

(2) Shivaling Tukaram Katarc,  
Opp. P & D Dubal Post Box. No. 3627.  
U.A.R.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Venkatesh Apartment 163/5 Railway Lines, Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 54/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 20-9-1985  
Seal :



## FORM JTNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/60/84-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One Flat No. A-5, first floor, in Tukaram Apartment, at 134 Railway Lines, Solapur situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC, Acqn. Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vivek Tukaram Kota,  
Rahul Builders,  
134, Railway Lines, Solapur,  
Dist. Solapur. (Transferor)
- (2) Shri Vishwaratna Aryu,  
House No. 134, Tukaram Apartments,  
Flat No. A-3, Railway Lines, Solapur,  
Dist. Solapur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Flat No. A-5, First floor, In Tukaram Apartment, at 134, Railway Lines, Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 60/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 20-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/988/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. 406 Building No. 4 S. No. 27/1-B Erandwana, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely :—

(1) M/s. V. Sanghavi Associates,  
318/19 Chatusringi Road,  
Pune-16.

(Transferor)

(2) Dilip E Ganbote &  
Ashok N Ganbote,  
115 Rasta Peth,  
Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. 406 Building No. 4 S. No. 27/1-B Erandwana, Pune-4.  
(Area 1200 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 988/1985-86 in the month of July, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Pune

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS-

(1) M/s. Utkarsh Enterprises,  
321/9 Mahatma Phule Peth, Shantinagar,  
Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Ramtal Lekchand Rathod,  
54/57 Guruwar Peth,  
Pune-2.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2384/1985-86. —  
re:cas, I, ANIL KUMAR,

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-1, First floor in proposed building No. C at 258 Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flat No. C-1, first floor in proposed building No. C at 258 Shukrawar Peth, Pune-2.  
(Area 820 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2384/1985-86 in the month of July, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 16-9-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2385/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing  
Flat No. C-2, First floor in proposed building No. "C" at  
258 Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) M/s. Utkarsh Enterprises,  
321/9 Mahatma Phule Peth, Shantinagar,  
Pune-2. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Veerchand Palesha,  
314/2 Raviwar Peth,  
Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-2, first floor in proposed building No. C at  
258 Shukrawar Peth, Pune-2.  
(Area 845 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under  
document No. 2385/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Mohmed Iqbal Husein Ebrahim,  
Mansion, 1st floor, Shepherd Road,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. A. N. Dharia,  
Panchagani, Mahabaleshwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 19, Plot No. 250, TPS-III, Panchagani situated at

Panchagani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 19, Plot No. 250, T.P.S.-III Panchganj.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 7/1984-85 in the month of Feb, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 20-9-1985  
Seal



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1803/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Nishigandh Apartments, S. No. 43/2A/1A, Parvati, Near  
Shivdarshan Rikshaw Stand, Pune-30 situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) M/s. K. Gomraj & Co.,  
Plot No. 23B Gultekadi, Lali Bhavan,  
Pune.  
(Transferor)
- (2) Smt. Hemlata Dattatraya Kasture,  
C/o D. S. Kasture,  
431/3 Maya Apartments, Gultekadi,  
Pune-37.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

"Nishigandh Apartments" S. No. 43/2A/1A Parvati, Near  
Shivdarshan Rikshaw Stand, Pune-30.

(Property, as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 1803/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Pune

Date : 20-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2547/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. C/9 in Survey No. 155/1A/1A/1/1/1/2 of Mouje  
Aundh, Pune situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

39---306 GI/85

(1) Vastu Sundar Sahakari Griha Rachana Sanstha  
Maryadit,  
C/o Walchandnagar Industries Ltd.  
16, M. G. Road, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. P. B. Londhe,  
W-2/4, Main Colony, Walchandnagar,  
Pune District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C/9 in Survey No. 155/1A/1A/1/1/1/2 of  
Mouje, Aundh, Pune.

(Area 550 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 2547/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona

Date : 13-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12046/1984-85.—

Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, in Building A at C.T.S. No. 1144 Sadashiv Peth, Near Perugate Police Chowky, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri S. M. Gathani,  
Partner,  
M/s. Gathani Enterprises,  
612-B/1 Nanav Peth, Latesh Society,  
Pune.

(Transferor)

(2) Shri V. D. Karmarkar,  
2075 Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13 in Building A at C.T.S. No. 1144 Sadashiv Peth, Near Perugate Police Chowky, Pune-30.  
(Area 690 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12046/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Pooona

Date : 16-9-1985  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/668/1985-86.—

Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-3 on first floor of Keshav Laxmi Apartments at 1466 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sane Sardeshmukh Associates,  
Gangadhar Chambers,  
314 Narayan Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Amrut Tukaram Shilimkar,  
37/530 Netaji Nagar, Wanawadi,  
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. B-3 on first floor of Keshav Laxmi Apartments at 1466 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 668/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poon

Date : 16-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/56/84-85.—

Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One Flat No. A-7, 1st Floor in "Tukaram Apartments" at 134 Railway Lines, Solapur situated at Solapur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Rahul Builders,  
134 Railway Lines,  
Solapur-1,

(Transferor)

- (2) Shri Ratanlal Pushraj Jain,  
House No. 134, Tukaram Apartment,  
Flat No. A-7, 1st Floor, Railway Road,  
Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Flat No. A-7, 1st floor in "Tukaram Apartments" at 134 Railway Lines, Solapur-1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 56/1984-85 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Pune

Date : 16-9-1985

Seal:



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/122/1984-85.—

Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-10, Second floor, in 'Tukaram' Apartment, 134 Railway Lines, Solapur situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Rahul Builders,  
134 Railway Lines,  
Solapur.

(Transferor)

- (2) Mrs. Subodh Krishnakumar Shrivastav,  
House No. 134, Tukaram Apartment,  
Flat No. A-10, 2nd floor,  
Railway Lines,  
Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One Flat No. A-10, Second floor in "Tukaram Apartment" 134 Railway Lines, Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 122/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Pune

Date: 16-9-1985  
Sd/-



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
106/107, KOREGAON PARK,  
PUNE-1

Pune-1, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12129/1984-85.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Land with delapidated structure thereon bearing C.T.S. No.  
129, Kasba Peth, Pune situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
Seal :

(1) Shri Suhas Moreshwar Dhere,  
129 Kasba Peth,  
Pune.

(Transferor)

(2) Shri Deepak T Punde,  
987 Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with delapidated structure thereon bearing C.T.S.  
No. 129 Kasba Peth, Pune-11.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 12129/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Pune

Date : 23-9-1985  
Seal :



FROM I.T.N.S.—

(1) M/s Rahul Builders, Partner,  
134 Railway Lines, Solapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vinodkumar Ratanlal Jain,  
House No. 134, Tukaram Apartment,  
Flat No. 8, 1st Floor, Railway Lines, Solapur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
106, 107, KOREGAON PARK  
PUNE

Pune-1, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/59/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One Flat No. A-8, First floor, in Tukaram Apartment at 134 Railway Lines, Solapur, situated at Solapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

One flat No. A-8, First floor, in Tukaram Apartment, at 134 Railway Lines, Solapur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 59/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
106, 107, KORFGAON PARK  
PUNE

Pune-1, the 24th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4726/1985-86.—

Whereas, I,  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 9 out of Plot No. 7, 8 & 9 situated at Veoor Village, Tal. Palghar, Dist. Thane and bearing Survey No. 50/1 & Hissa No. 1 to 81/3, situated at Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Vinay M Borkar,  
Prasad Benefit Trust, At Andheri,  
Bombay.

(Transferor)

(2) M. N. Borkar,  
C/o V. M. Borkar, Prasad Benefit  
Trust, At Andheri, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 9 out of Plot No. 7, 8 & 9 situated at Veoor Village, Tal. Palghar, Dist. Thane and bearing Survey No. 50/1 & Hissa No. 1 to 81/3.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 476/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1985

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE  
106, 107, KOREGAON PARK  
PUNE

Pune-1, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EF/508/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, Building No. 4, Ramkrishna Nagar Highway, Thane, situated at Thane, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

40—306 GI85

(1) Vastu Vikas Mandali, Koustubha Building,  
Sambhaji Road, Vishnunagar, Naupada, Thane.  
(Transferor)

(2) Shri Shirish Manohar Nikam,  
15/228 Sardar Nagar No. 4, Sion,  
Koliwada, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 16, Building No. 4, Ramkrishna Nagar, Highway, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 508/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 24-9-1985

Seal :



## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/2-85/816.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-79 & 80, Ramesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Brij Bhushan Bhagat  
S/o Shri Darshan Dayal Bhagat R/o C-79,  
D. S. Ramesh Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Dass Anand S/o  
Shri Nathu Ram R/o J-4/13, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double Storeyed Qr. No. C-79 & 80 at Ramesh Nagar, New Delhi both mg. 123.66 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC Acq.II/SRI/2-85/821.—Whereas, 1, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H N, 31/3, West Patel Nagar situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harkishan Lal R/o  
31/3, West Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chetan Dev & Smt Rama Chora  
R o 23/27, West Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

H.N. 31/3, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/2-85/822.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. H/21 Kirti Nagar Vill. Bassai  
situated at Darapur Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of  
1961) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in February 1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Som Tarkash Sharda S/o  
Shri Munshi Ram Sharda R/o H-21, Kirti Nagar  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Sachdeva S/o  
Shri Mangal Dass & Smt. Chandan Sachdeva,  
W/o Shri Amrit Lal Sachdeva R/o 63-C,  
S.S. Ramesh Nagar,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Plot No. H/21 mg. 200 sq. yds. situated at Kirti  
Nagar area of Vill Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/2-85/823.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. Punjabi Bagh 22 on Road No. 7 situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Harbans Singh and  
Joginder Singh sons of Shri Nirmal Singh,  
residents of 7/22 Punjabi Bagh  
New Delhi.

(Transferor)

(2) S Shri Sunder Lal, Bhim Sain  
Shiv Kumar, Sons of Late Shri Tale Ram  
R/o 82/99, Pachhim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold property (Rear portion) of house built on plot No. 22 Road No. 7 meas. 180.89 sq. yds. (half of the total area of 361.78 sq. yds.) situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. II-SRI-2-85/824.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 162, Block F Mansrover Garden Vill. Bassai Darapur, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surjit Singh of (late) Shri Vir Singh  
R/o Plot No. 131, Satya Nagar,  
New Capital, Bhumbaneswar,  
Dist. Puri (Orissa). (Transferor)
- (2) Sh. Suresh Kumar Sethi s/o Sh. Thakur Dass Sethi,  
R/o F-158, Mansarover Garden,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 162, in Block F, measuring 297 Sq. Yds. situated in the colony known as Mansrover Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/2-85/825.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Prop. No. E-78, Mansrover Garden situated at Vill. Bassari Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Tarlochan Singh S/o S. Chattar Singh,  
R/o E-78, Mansrover Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Bhagwan Dass Saluja, S/o Sh. Ram Parkash,  
Smt. Chetan Saluja, s/o Shri Joginder Math Saluja,  
Smt. Rita Saluja W/o Late Sh. Kahender Nath  
Saluja all R/o Chuna-Bhatta, G. T. Road,  
Sasaram (Bihar).

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-78, mg. 297.5 sq. yds. situated at Mansrover Garden, area of Vill. Bassari Darapur, Delhi State, Ihi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



FORM ITNS

(1) Shri Richi Chand Khanna,  
R/o 51/46 Naya Ganj, Kanpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Geepee Auto Corporation,  
146, Morti Gate, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/2-85/826.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. 1/146 Ganda Nalla Mori Gate, situated at Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1961 (16 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

## THE SCHEDULE

Property No. 1/146, Ganda Nalla, Morti Gate, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985

Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/2-85, 827.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. M-68, Kirti Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

41—306 GI/85

- (1) Shri Amar Singh S/o Shri Sohan Singh R/o M-68, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)  
(2) Shri Gm Parashad Singh s/o Shri Kartar Singh R/o 28/76 West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. M-68, measuring 200 Sq. yds. situated in the abadi of Kirti Nagar, area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/2-85/838.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-14A/20 Model Town, Vill. Malikpur, situated at Chhaoni, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narbir Inder Singh, Bhagwan & Nandhir Inder Singh Sons of Sh. Sudedar Nand Singh R/o F-14/44, Model Town, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Jai Dex Malhotra, (2) Sh. Rakesh Malhotra Shri Mukesh Malhotra, Son of Sh. B. N. Malhotra R/o F-1/3, Model Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S.S. House on plot No. D-14A/20, mg. 455 sq. yds. situated at Model Town area of Vill. Malikpur, Chhaoni, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/2-85/831.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3C/9, New Rohtak Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raminder Kaur Sodhi,  
R/o 3C/9, New Rohtak Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Anil Chaudhary; 2. Santosh Chaudhary; 3.  
Janak Chaudhary R/o 892, Joshi Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Single Storey H.N. 3C/9, New Rohtak Road, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal .



## FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II-SR.I/2-85/832.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 7, Kewal Park, Azadpur, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair value which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kanta Rani w/o Sh. Daulat Ram Ahuja R/o Gali Seth Mohan Lal Kakar, Fazilka Distt. Punjab.

(Transferor)

(2) S/Shri Bishamer Dayal Aggarwal, Jai Kishan Aggarwal, Sons of late Shri Nahana Ram Aggarwal R/o Vill. Sarai Pipal Thalla, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 7, measuring 300 Sq. Yds. at Kewal Park area of Vill. Azadpur, with bounded walls.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR.I/2-85/833. —Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vishwa Apartments situated at Metcalf Road, 3, Shankaracharya Marg, Civil Line, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Alop Pershad Bansal S/o Late Shri Ram Kishore R/o No. 5-G, Vishwa Apartments, 3, Shankaracharya Road, Delhi-54.

(Transferor)

(2) J. Shri D. N. Singhania S/o Toder Mal; 2. Smt Kunta Singhania w/o Sh. D. N. Singhania, R/o No. 70, Lack Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor on Block No. 5, in Group Housing Scheme known as Vishwa Apartments situated at 3, Metcalf Road, known as 3, Shankaracharya Marg, Civil Line, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date 16-9-1985  
Seal



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/2-85/334—Whereas, 1.  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing Qr. No. 19/3, West Patel Nagar situated at  
New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

(1) Shri Yudhisther Lal R/o 19/3, West Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kulbhir Singh; 2. Shri Amrik Singh Bhalla,  
R/o 23/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Qr. No. 19/3, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-85/837.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 45, Block 'D' in Vill. Sadhora Kalan, Delhi situated at Satyawati Nagar (and more fully described in the Schedule annexed I, etc), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ganga Dhar Sharma S/o Sh. Raghunath Pershad R/o A-CI/145-B, Shalimar Bagh, Delhi.  
(Transferor)

(2) Master Kautilya Chaudhary (minor) through his father Sh. Satya De Chaudhary as natural guardian son of Shri Mahabir Pershad Chaudhary R/o 49, Rajasthani Udyog Nagar, G. T. Karnal Road, Delhi-33.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 150 sq. yds. plot No. 45, Block 'D' in Satyawati Nagar out of Kh. Nos. 86, 88, 89, 92 to 107 in Vill. Sadhora Kalan.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-85/83/0838.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-14/12A, Model Town, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. Manmohan Singh Dessooza and 2. Smt. Priti Desooza both of Gogia Villa Priti Desooza, K. B. Road, Patna (Bihar).  
(Transferor)

- (2) 1. Sh. Gurn Chand Bery, Keshav Chander Bery and 2. Gurdial Singh Bery (HUF) all of B-7/140, Bery Building, Lakar Bazar, Ludhiana, Punjab.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. F-14/12A Model Town, Delhi measuring 233.3 square yards in area.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal,



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CK BUILDING, 1P, ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/2-85/841.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101 situated at 100 Banarsi Dass Estate Timarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
42—306 GI/85

- (1) Smt. Saroj Bala Gupta  
W/o late Shri Om Prakash Gupta  
R/o BJ-71, Shalimar Bagh,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Kishore Kumar  
S/o Late Shri Tirath Dass  
R/o Flat No. 101 Mezzanine Floor No. 100,  
Banarsi Dass Estate, Timarpur,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101 on mezzanine Floor, measuring 963. Sq. ft. approx. covered area and Balcony of 103.1875 sq. ft. in part property bearing No. 100, at Banarsi Dass Estate, Timarpur, Delhi-7.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/2-85/844.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

182 Khasra No. 2237 Block C situated at Mansarovar Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Anna Nagar (Doc. No. 224/85), New Delhi in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpa Wati  
w/o Sh. Bala Ram  
R/o 3268, Ranjit Nagar, N. Delhi-12  
at present E-20 Mansarovar Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Gupta  
w/o Shri Babu Lal Gupta  
R/o A-9 Vishal Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 182, measuring 220 sq. yds. part of Khasra No. 2237, situated at Block C, Mansarovar Garden, New Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/2-35/845.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. No. XIV/6299 (New) situated at Qasabpura Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1901 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons—

- (1) Sh. M. N. Arunachalam  
S/o Sh. M. Narayanan  
R/o 153, Village Road, Madras-34.  
(Transferor)
- (2) Ch. Harnam Singh  
S/o Ch. Budh Singh  
R/o 27/10 East Patel Nagar, New Delhi  
2. Ch. Surinder Singh  
of Ch. Harnam Singh for self and as Karta  
of Ch. Surinder Singh HUF S-37 Greater Kailash-I,  
New Delhi  
(Transferee)
3. Ch. Jagit Singh  
S/o Ch. Harnam Singh  
27/10 East Patel Nagar,  
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P. No. XIV/6299 (new), measuring 600 sq. mtrs. at Qasabpura, Delhi.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Delhi/New Delhi

Date : 16-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46390/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

39 situated at Kanakapura Road, Basavangudi Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Basavangudi under document No. 4743/84-85 on 25-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Golden Lotus  
Partnership firm represented by  
Partner Sri K. Eswary prasad  
4503 High point,  
45, Palace Road, Bangalore-560001.  
(Transferor)
- (2) M/s Krest Development &  
Leasing Ltd. No. 29  
Rajaji Salai, Madras-1.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4743/84-85 Dated 25-2-85]  
All the property bearing No. 39 situated at Kanakapura  
Road, Basavangudi, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-9-85  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st August 1985

C.R. No. 62/R-1602/37EB/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 26 & 27 (Old No. 37 & 37A) situated at 26 M. G. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 23-2-1985 (Under Registration No. 1362/84-85) on 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Webbs Sales and Services (P) Ltd.,  
26, Mahatma Gandhi Road,  
Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) M/s K. Kaheja Development Corporation.,  
28, Mahatma Gandhi Road,  
Bangalore-560 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1362/84-85 Dated 23-2-85]  
Property bearing New Plot Nos. 26 & 27 (Old No. 37 & 37A) together with the structures standing thereon-26, Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560001. Total area 6,286.58 sq. mts. (i.e. 67,668.70 Sq. ft.).

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-8-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th October 1985

C.R. No. 62/Notice No. 1119/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing L. R. No. 152 situated at Lake View Colony Miramar Panaji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhat in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Olimpio Fernandes and his wife  
Smt. Ida Maria Felicia Fernandes Lake View  
Apartments Miramar Panaji-Goa. (Transferor)
- (2) Smt. Anand Madhukar Shetye  
K. M. S. House No. 51, Ward No. 8 Pde  
Agordo Road, Panaji-Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 156/211 Dated 21-2-85]  
Flat at Lake View Apartments Miramar Panaji measuring 48 Sq. mts. The Flat in R.C.C. Structure with all modern amenities.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 20th September 1985

Notice No. 10006/1985-86.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Site No. 9 Door No. 929/3 situated at Ward V, K. B. Extension Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere under document No. 7159/dated 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Narmalamba  
W/o B. N. Suryanarayana Shetty,  
5th Ward, K. B. Extension Davanagere (Transferor)

(2) Shri G. Ramakrishna Shetty  
S/o B. N. Suryanarayana Shetty  
Sub-staff Corporation Bank,  
Panna Bangalore Road, Davanagere, City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7159 Dated 8-2-1985]  
and property situated at Davanagere city 5th Ward, K. B. Extension measuring plot 600 sq. ft. and building 900 sq. ft.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS-1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 20th September 1985

Notice No. 1007.85-86. -Whereas, I,  
R. BHARDWAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Site No. 111 situated at Ravindra Nagar, 3rd Cross Shimoga  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Shimoga under document No. 3228/15-3-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :-

- (1) Smt. C. Manappa  
W/o. H. B. Shivaram,  
143 1st Main Road,  
Kengeri Nagar, Bangalore Tal Bangalore.  
(Transferor)
- (2) Shri K. N. Nagaraj Rao,  
57/1 Late Kesavaiah Nagabhushan Rao  
3rd Cross Ravindra Nagar, Shimoga.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 3228 dated 15-3-1985].  
Land and building measuring 2400 sq. ft. and 1215 Sq  
respectively situated at 4th Cr. Ravindra Nagar, Shimoga.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

- (1) Shri S. Shivaswamy,  
M/s Mamatha Enterprises,  
"Annapurna" High grounds,  
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Dr. H. P. Sundaresh & Other  
C/o Mr. S. C. Javali No. 61,  
Cunningham Road Cross,  
Bangalore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 20th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C. R. No. 62/47158/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 217, situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 321/85-86 on 27-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 321/85-86 Dated 27-4-85).

All that property bearing No. 217 situated at Rajmahal Vilas Extension Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—306 G/85

Date : 20-9-1985

Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd September 1985

C. R. No. 62/46803/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 652, situated at 11th Main Road, HAL II stage, Indiranagar, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 719/84-85 in Feb., 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri M. Batchappa  
No. 653, 11th Main, HAL II Stage Extension,  
Indiranagar, Bangalore.  
(Transferor)

(2) K. K. Mathew  
Thodiyil Puttuvedu Pattathunam,  
Quilon, Kerala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 719/84-85 Dated February 85).

All that property bearing No. 652, situated at 11th Main Road, HAL II stage, Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 23th September 1985

C.R. No. 62/46519/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 582 situated at HAL II Stage Indiranagar Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3652/84-85 on 28-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T. P. Sankaranarayan Smt. Vishalakshi  
Shankaranagayan No. 582, HAL II stage  
Bangalore. (Transferor)
- (2) N. Jayalakshmi  
No. 17, Srikantha Layout  
High Grounds, Bangalore-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3652/84-85 dated 28-2-85]

All that property bearing No. 582 situated at HAL II Stage Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-9-85  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. R. Najam Saltana  
86A, Annanagar  
Madras.

(Transferor)

(2) Anwar, Basha Virathamuct,  
Vellore-6.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September 1985

C.R. No. 62/46334/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15, 15A, 15B & 15C (portion) situated at Primrose Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Shivajinagar under document No. 3449/85-86 on Feb. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3449/84-85 dated Feb. 85)

All that portion of property bearing Nos. 15, 15A, 15B & 15C situated at primrose road Bangalore.

R. BHARDWAJ,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-9-85  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September 1985

C.R. No. 62/46471/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2138 situated at HAL, III Stage Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3454/84-85 on 14-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) K. N. S. A. Habeebulla  
78, Church Road,  
Basavanagudi Bangalore-4.

(Transferor)

- (2) Renuka 145, Kodihalli,  
HAL Post, Bangalore-75.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered document No. 3454/85-86 dated 14th Feb 85)  
All that property bearing No. 2138 situated at HAL III Stage Bangalore.

R. BHARDWAJ,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-9-85

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September, 1985

C.R. No. 62/D/R-247/37EE/84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D/1 situated at Aguada Holiday Homes, Candolim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwar under Registration No. 157/84-85 Dt. 6-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd.  
Velho Building, Panaji, Goa. (Transferor)
- (2) Santana Xavier, D'Costa,  
Santarbatt, Piedadi, Ilhas, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered document No. 157/84-85 dated 6-2-85)

Flat No. D/1 at Aguada Holiday Homes situated at Candolim, Goa.

R. BHARDWAJ,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-9-85

Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September 1985

C.R. No. 62/D-R-248/37FF/84-85/ACQIB.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/2 'Aguda Holiday Homes' situated at Candolim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dharwar under Document No. D.158/84-85 Dt. 6-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd.,  
Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Rui Albert Rangel,  
Saika Vaddo, Diwar, Illas Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered document No. D.158/84-85 dated 6-2-85)  
Flat No. A/2, 'Aguda Holiday Homes' at Candolim, Goa.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-9-85

Seal:



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 20th September 1985

C.R. No. 62/D/R-297/37EE/8-8/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. G/4B situated at Gabmar Apartments Vasco-dagama (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dharwar under Registration No. 297/84-85 Dt 8-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Kamat Real Estate Developers,  
F/1 India Apartments, Caetano Albuquerque  
Road, Panjim Goa, (Transferor)  
(2) Indian Register of Shipping,  
72, Naker Towers,  
'F' 7th floor, Cuffe Parade,  
Bombay-400005.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 297/84-85 dated 8-3-85).

Flat, No. G/4B on the Ground floor at Gabmar Apartments on the property known as Mandalem situated at Vasco-da-Gama.

R. BHARDWAJ,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-9-85  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th September 1985

C.R. No. 62/R-1617/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. T-2 situated at Kadri Village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1398/84-85 Dt. 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44—306GI/85

- (1) Alfred Antomy Continho,  
Continho Lodge,  
Belcor,  
Mangalore. (Transferor)
- (2) 1. Kondoor Puthen Veedu George Ninan  
2. Rachel George (Minor)  
3. Kondoor Puthen Veedu George (Minor)  
Sl. No. 2 and 3 Represented by Guerdan Kondoor  
Puthen veeadu Georg: Ninan all are resident of  
Flat No. 507 St Leo Road, Bandra (West)  
Bangalore-400 050. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1398 84-85 dated 13-3-1985]  
Apartment No. E-2 on the 3rd floor measuring about 825 sq. ft. to be constructed on Land situated at R. S. No. 68/10B and 62/8A of Kadri Village, Mangalore City.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-9-1985

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore, the 4th October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46281/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No. Rs. 91—1B, TS. No. 81—1B, situated at Attavar Village, M'lore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at M'lore on 6-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Karkal Pu'keri Ramachandra Prabhu, P. A. holder Karkal Pu'keri Janardhan Prabhu, Collector's Gate, Balmatta, M'lore.

(Transferor)

(2) Perdoor Ramasaya Kamath  
C/o. Corporation Bank, Regional office, Harsan, residing at K. R. Puram, Hassan.  
2. Shri Perdoor Subraya Kamath  
M's. Perdoor Rama Bai,  
Brindavan Compound,  
Bamatta Road, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1744/84-85 dated 6-2-1985]

Property bearing No. RS. 91-1B, TS. No. 81—1B, Attavar Village Mangalore Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-10-1985

Seal :



FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore the 3rd October 1985

Ref. C.R. No. 62/46562/84 85/ACQ, 8—, Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 500 situated at IX Block, Jayanagar, Blore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. V. Shankar,  
No. 585, V Block,  
Jayanagar,  
Blore.

(Transferor)

(2) 1. K. S. Jayalakshmi,  
2. Rakesh,  
3. Lakshmi, (Minor)  
No. 696, IV 'T' block,  
XVI Main, 38th Cross, Jayanagar, Blore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of his notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4569/84-85 dated 20-2-1985]  
Property No. 500, IX Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM TNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd. October 1985

C.R. No. 62/46553/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 140/40(149), situated at 32nd-C-Cross, IV Block East, Jayanagar, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 25-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (47 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. T. Palaniswamy,  
R-38, M.R. Lane,  
Manavarthapet,  
B'lore-53.

(Transferor)

(2) Shrimati P. R. Usha Rani,  
No. 293, II Main, III Phase,  
J. P. Nagar,  
B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4617/84-85 dated 25-2-85).

Property bearing No. 140/40, (old No. 149), at 32nd-C-Cross, IV Block East, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 3-10-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C.R. No. 62/46316/84-85/ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, 9/1, 9/2, 9/3, 9/4 & 9/5, situated at J. C. Road, B'lore Basavanagudi on 15-2-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 15th February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dr. K. V. Karna,  
2. Sri Rauhineya,  
3. Sri Karthik,  
4. Smt. Janakamma,  
5. Mrs. Vasantha Karna,  
No. 9/1, J.C. Road,  
B'lore-2.

(Transferor)

- (2) Shri L. Suresh,  
Managing Trustee,  
M/s. Balaji Auto Tower Trust,  
No. 20/1, Krishna Road, Basavanagudi,  
B'lore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4664/84-85 dated 15-2-85).

Property Nos. 9, 9/1, 9/2, 9/3, 9/4 and 9/5 at J. C. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 3-10-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C.R. No. 62/46563/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 2156, situated at IX Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 20-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Varadarajan,  
No. 2, Naujamba Agrahara,  
Chamarajpet,  
B'lore,

(Transferor)

(2) Shri K. L. Gopalakrishna Setty,  
No. 757, VII Cross,  
Hanumanthanagar,  
B'lore-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4572/84-85 dattd 20-2-85).

Property No. 2156, IX Block, Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 3-10-1985.  
Seal



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th October 1985

C.R. No. 62/46397/84-85/ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000/- and bearing No. Sv. 22, 23, 23/1 & 24, situated at Block No. 11, College Road, Madikeri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Mercara on 11-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. K. Ganpamma Muthana, w/o Kambayanda Muthana (decd).  
Mrs. P. Accayya Annappa w/o Pattamada Annappa (decd).  
Mrs. P. Sathamma Ganapathy w/o Polecanda Ganapathy.  
P. Benanna Subaya and P. Annappa Subaya (Minor ss/o Dr. P. N. Subaya by Dr. P. N. Subaya as Guardian of Minor C. Shiv Jairam and C. Sannita Jairam minor sons and daughter resply of Codanda Jairam C. Jairam as Guardian. All residing at Nakoor Estate, Suntikoppa Post.  
Mrs. K. Chimmu Kuttaya w/o Kuttaya w/o Konnanda Kuttaya  
Cottamara Estate, Polibetta Post, Soudh Kodagu.  
Mrs. P. Kirtu Devayya w/o Pandikuthira Devaya Pattikod Estate, Hatti Post, Suntikoppa, Nad.  
All by their duly appointed attorney Dr. P. N. Subaya s/o Pandanda Nanjappa (decd) Nakoor Estate, Suntikoppa Post, N. Kodagu.

(Transferors)

- (2) S. A. Haleem s/o Siddique Buhaddin,  
S. B. Qasuddin s/o S. Siddique Bahuddin.  
Niza uddin Siddique s/o S. A. Haleem.  
K. M. Muzzamil s/o K. Mohideen.  
Begum Naseema Quayyum w/o S. A. Quayyum (decd).  
Hajira Infran w/o S. M. Infran (decd).  
S. M. Faisal s/o S. A. Quayyum (decd).  
Aneesa Nazir w/o Syed Nazir.  
Saira Quayyum daughter of S. A. Quayyum (decd).  
All reside at Sandakkad Estate by their duly appointed attorney Nizamuddin Siddique above-named.

(Transferees)

- (3) 1. Ambica Electronics, Prop. A. A. Tahmmaya.  
2. M. A. Hassinar and Company.  
3. M. S. Pai and Company.  
4. P. C. Achayya, Philipps Radio Showroom.  
5. Chitra Engineering : Prop. B. C. Ganapathy.  
6. K. C. Poovanna and Company, Chartered Accountants.  
7. Kannada Pinnappa Accounts Practitioners.  
8. New Paris Hotel.  
9. B. Muthappa Pooiary and sons.  
10. Sridhar and Mohan Rammanna's Garage.  
11. Selwell Traders.  
12. Popular Authom bikes spares dealers.  
13. Shanthy Coffee Powder dealers.  
14. Umbai Fruit merchants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1075/84-85 dated 11-2-85).

Property bearing Sy Nos. 22, 23, 23/1 &amp; 24, at Block-II, College Road, Madikeri, Coorg.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 4-10-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd October 1985

C R. No. 62/R-1546/37EE/84-85/ACQ/B.—Wheacas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. A-5, situated at 84 J. C. Road Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1374/84-85 dated 2-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A. I. in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Manish Enterprise,  
1-2, 1st floor,  
Shrungar Shopping Centre,  
80, M. G. Road,  
Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) M/s. Pannanna Chettiar and Sons.  
Mr. P. Thangavelu and  
Mr. P. Kuncumraj  
No. 2, A. N. Road,  
Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1374/84-85 dated 2-2-85].  
Shop premises No. A. S. Manish Tower, 84, J. C. Road,  
Bangalore-560002.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd October 1985

C. R. No. 62/R-1547/37EE/84 85/ACO/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. B-7, situated at 84 J. C. Road, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1357/84-85 dated 2-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
45—306GI/85

(1) M/s. Manish Enterprise,  
1-2, 1st floor,  
Shrungar Shopping Centre,  
80, M. G. Road,  
Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. Vihal S. Bhatija  
Sunde Complex  
Armagam Mudaliar Road,  
Kilaspalayam New Extension,  
Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1357/84-85 dated 2-2-1985].

Shop premises No. B-7 Manish Tower situated at No. 84 J. C. Road, Bangalore-560002.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 3-10-1985  
Seal



## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGLORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd October 1985

C. R. No. 62/R-1585 37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. H-2, situated at 84 J. C. Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1380/84-85 Dt. 2-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Manish Enterprise,  
1-2, 1st floor,  
Sruangar Shopping Centre,  
80, M. G. Road,  
Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitha Goenka,  
C/o K. L. Raigharia,  
B-38 Greater Kailash,  
New Delhi-110048.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1380/84-85 dated 21-2-85].

Office premises No. H-2 in 7th floor in Manish Tower at 84 J. C. Road, Bangalore-2.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M. M. Prabhakar Kamath and Mrs. Jayashree M. Prabhakar Rose Cove near Bendore Well, Kankanaady, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) Ullal Narayan Kini and Venkataraya Kini Ullal B-2, Kavitha Apartments, Mallikatta, Kadri, Mangalore-575002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C. R. No. 62/R-1586/37EE/84-85.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-2

situated at Mallikatta, Kadri, Mangalore-575002

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 1345/84-85 dated 21-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be given by the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1345/84-85 dated 21-2-85).  
Flat No. B-2, Kavitha Apartments, Mallikatta, Kadri, Mangalore-575002.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 3-10-85  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 6th September 1985

No. C.R. No. 62/46239/84-85]—Whereas, I R BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. 73, 25 situated at Ambalpadi village, Udupi Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Udupi on 15-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,—

- (1) Dr. A. Bhaskar Rao, Prof. of Urology, 'Sunny-Side', Attavar, M.lore-1. (Transferor)
- (2) Shri B. Raghuram Shetty, Businessman, Ambalpady, Udupi. (Transferee)
- (3) Shri Sridhar Shetty D. No. 4-1-18, Ambalpady, Udupi. 2. Mr. K. Narasimha Pai, D. No. 4-1-19, Ambalpady, Udupi. 3. Mr. K. Gopal Marakala, D. No. 4-1-19A, Ambalpady, Udupi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons ~~whichever period expires later~~;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1840/84-85 dated 15-2-85)  
Property bearing No. S. 73,25, Ambalpadi Village, Udupi Tq.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-9-85  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

- (1) Shrimathi B. Ahalya Bai, 2. Mrs. Yamuna Devi,  
No. 110, Constable Road, Madras-23.

(Transferee)

- (2) Syed Zuzeer Shah, S/o S. M. Shah,  
Kayee's Compound, Bolar Man Road,  
M'lore.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 10th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46245/84-85.—Whereas, I, R.

BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. RS-425/A, TS. No. 701/A,

situated at Thota village, M'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at M'lore on 13-2-1985

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1785/84-85 dated 13-2-85)  
Property No. RS-425/A, TS. No. 701/A, Thota village,  
Mangalore City.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 6-9-85  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46324/84-85.—Whereas, I R.  
BHARDWAJbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. 1198 situated at 100 feet Road, H.A.L. II Stage Extn.  
B'lore(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the Office of the Registering Office at  
Shivajinagar on 7-2-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. Sanax Associates, repd. by Mrs. Lavam  
Sankaran & others, Lavelle Heights, Lavelle Road,  
B'lore.

(Transferee)

- (2) Shri Rajendra J. Hinduja, No. 211, Upper Palace  
Orchards, Bellary Road, B'lore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3372/84-85 dated 7-2-85)

Property No 1198 100 feet Road, H.A.L. II Stage  
Extension, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-9-1985  
Seal .



## FORM ITTS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 16th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/4636/84-85.—Whereas, I R.  
BHARADWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25/65C, situated at Naranbad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Mysore on 20-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Meenakshi Shetty by P.A. Holder  
Mr. S. Balakrishna Shetty, No. 119, Rajmahal  
Vilas Extn. B'lore. . (Transferor)
- (2) Shri Vinay Kumar Maloo, "Shree Niket",  
No. 11, Alipore Road, Calcutta-27.  
P.A. Holder: Mr. M. Krishna Kumar,  
C/o Asian Cables Corp. Ltd., 51/A, Richmond  
Road, B'lore-25. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6138/84-85 dated 20-2-85)  
Property No. 25/65C Situated at Naranbad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-9-1985  
Seal :



## FORM 11NS

(1) Shrimati B. Jayama, 2. Mrs. Nalini Ramachandra,  
3. Mr. D. G. Promod, 4. Mr. B. K. Ananda,  
No 237, XII Cross, Hombegowdanagar, B'lore.  
(Transferee)

(2) R. Venkatesh, Pr. M/s. Sambhram Corpn.,  
No. 28, I Main Road, Jayamahat Extn., B'lore.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46523/84-85/ACQ/B.—Whereas, I.  
R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. D-19(136)

situated at Yadavagiri Extn., Opp. to Dasaprakash Paradise,  
Devaraj Mohalla, Mysore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908), in the Office of the Registering Office at  
Mysore on 24-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6308/84-85 dated 24-2-85)

Property bearing No. D-19, (136), Yadavagiri Extension,  
Opp. to Dasaprakash Paradise, Devaraj Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-9-85  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shrimathi Khatoon Begum, No. 4/1, Central Street, Akkithinnanahally, B'lore-27.

(Transferor)

(2) Shri V. Srinivasamurthy, No. 1155, 26 Main road, IV 'T' Block, Jayanagar, B'lore

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 17th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46556/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20/5, situated at Akkithimannahally, Shanthinagar, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Jayanagar on 27-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

46—306 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4640/84-85 dated 27-2-1985)

Site No. 20/5, Akkithinnanahally, Shanthinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 17th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46568/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1687 situated at XV Main, Banashankari II Stage, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at [with the competent authority under Section 269AB, in his office at Jayanagar on-14-2-1985] for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri H. N. Ramachandra,  
No. 358, 37th Cross, V block,  
Jayanagar, B'lore-II.

(Transferor)

(2) Shri V. S. Jayaprakash,  
No. 1692, XV Main, Banashankari II Stage,  
B'lore-70, repd. by Mr. V. N. S. Murthy,  
A/250, Safdarjung Enclave, New Delhi-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4510/84-85 dated 14-2-85)

Site No 1687, XV Main, Banashankari II Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Bangalore

Date: 17-9-85  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 19th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46566/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 890 situated at IV 'T' Block, 20th Main Road, Jayanagar Extn., Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Jayanagar on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati T. K. Indumathi, No. 1-A, III Cross, Nagappa Block, Palace Guttahalli, B'lore.  
(Transferor)

(2) Shri Hussaini, 2. Smt. Nafisa, 3. Mr. Farhad, 4. Mr. Abizer C/o M/s. Asit Corporation, No. 86, Narasimharaja Road, P.B. No. 6760, B'lore-2.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4506/84-85 dated 13-2-85)

Property No. 890, 20th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-9-85  
Seal :



## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46434/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. 7/15 (Shed No. C-9), situated at Thaunernahalli Village, B'lore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at B'lore North Taluk on 9-2-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. D. Kudua, Director, M/s. Jai Bharath Mills P. Ltd., Syndicate House, Manipal.  
2. M/s. Industrial Credit & Devpt. Syndicate Ltd., Manager Sri M. R. Neelakantan, No. 1F, Sanjeevan Apartments, 219, Rajmahal Vilas Extn., B'lore-80.  
(Transferor)

(2) M/s. Indian Twist Drills P. Ltd.,  
No. 35, Chittaranjan Avenue, Calcutta-12.  
M.D.:—Mr. N. V. Raman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4873/84-85 dated 9-2-85)

Property bearing Sy. No. 7/15, (Shed No. C-9), Thaunernahalli Village, B'lore North Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-10-85  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Lachmandas, (2) Mr. Chaterbhuj, (3) Mr. Mahavadas, (4) Mr. Ramachand, No. 17, Sindhi Gol Colony, Jayachanarajandra Road, Bangalore.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri K. K. Subinawar, (2) Gurupreet Singh (minor), repd. by father :—Joginder Singh, No. 27, XI Cross, Wilson Garden, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C.R. No. 62/46631/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 286/48, situated at XI Cross, Wilson Garden, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Jayanagar on Feb. 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 4708/84-85 dated Feb. 85).  
Property No. 286/48, XI Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 3-10-85.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—



## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46589/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 133/23, situated at Railway Parallel Road, Nehru Nagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Gandhinagar on 28-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Y. S. Surender,  
Flat No. 105, Hoyasala Apartments,  
Cunningham Crescent Road,  
Bangalore.

(Transferor)

(1) Shri Gowthamchand,  
No. 2, Maramma Temple Street,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3981/84-85 dated 28-3-85).

Property bearing No. 133/23 (portion), Railway Parallel Road, Nehru Nagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 30-9-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46586/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 133/23, situated at Railway Parallal Road, Nehru Nagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Gandhinagar on 25-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Y. S. Surender,  
No 133/23, Railway Parallal Road,  
Nehru Nagar,  
Bangalore. (Transferor)
- (2) Master Kishore Kumar,  
repd. by Mr. Ashok Kumar,  
No. 4/5, VI Cross, Rangaswamy Temple Street,  
Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3947/84-85 dated 25-3-85).

Property bearing No. 133/23 (portion). Railway Parallal Road, Nehru Nagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 30-9-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/47196/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 133/23, situated at Railway Parallal Road, Nthru Nagar,  
Bangalore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Gandhinagar on 28-3-1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely:—

(1) Shri Y. S. Surender,  
Flat No. 105, Hoyasala Apartments,  
Cunningham Crescent,  
Bangalore,

(Transferor)

(2) Manohar Kumar (Minor) by father Champalal,  
No. 41, Nehru Nagar Main Road,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3982/84-85 dated 28-3-85).  
Property bearing No. 133/23, (portion), Railway Parallal  
Road, Nehru Nagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date: 30-9-1985  
Secy



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46349/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 22/3, situated at Hutchins Road III Cross, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Shivajinagar on 15-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
47—306G1/85

- (1) Mrs. Daphne Bestion, (2) Mrs. Jeniffer Edwards, (3) Mrs. Faith Lerna Karkada, (4) E. G. Bengers, No. 22/3, Hutchins Road, III Cross, St. Thomas Town, Bangalore-84.

(Transferor)

- (2) Shri Nirmal D. B. Pavamani, (2) Mrs. Krupa Pavamani, No. 35, Hutchins Road Extn., Bangalore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3508/84-85 dated 15-2-85).  
Property No. 22/3, Hutchins Road, III Cross, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 30-9-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C. R. No. 62/46578/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 133/23, situated at Railway Parallel Road, Nehru Nagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Gandhinagar on 20-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Y. S. Surender,  
Flat No. 101, Hoyasala Apartments,  
Cunningham Crescent Road,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal & Smt. Shantha Bai,  
Clo Shah Mohanlal Mukheshkumar & Co.,  
Cloth Merchants, A. M. Lane, Chickpet Cross,  
Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3900/84-85 dated 20-3-85).  
Premises No. 133/23 (portion) Railway Parallel Road,  
Nehru Nagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 30-9-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46323/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 23 & 3/1, & 75/1, situated at Commercial Street & Dispensary Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 6-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. V.C.'s Favourite Shop,  
No. 23/1, Commercial Street,  
Bangalore.  
(1) Prs:—Mrs. Poornima Vashdev, (2) Mr. V. C. Prakash, No. 75/1, Dispensary Road,  
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Dayaram Tanoomal Chatlani, (2) Mr. Manohar Dayaram Chatlani No. 44, III Cross, Wheeler Road, CoxTown, Bangalore, (3) Mrs. Ashadevi Chellaram Kripalani, (4) Baiju Chellaram Kripalani, No. 9-17, Grauge Heights, 15 Grauge Road, Singapore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3370/84-85 dated 6-2-85).  
Property bearing No. 23 & 23/1, Commercial Street & No. 75/1, Dispensary Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date: 30-9-1985.

Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46384/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. 122/13 & 122/14, situated at Kengeri Village, Bangalore South Tq., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Feb 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Mrs. N. Sarada Devi,  
658/1, Sajjan Rao Road,  
V. V. Puram,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Electronics Pvt. Lt.  
205, Sankey Road,  
Upper Palace Orchard,  
Bangalore-80.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7337/84-85 dated Feb. 85).  
Property No. 122/13 & 122/14, Kengeri Village, Bangalore South Tq.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 30-9-1985  
Sd/-



## FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46314/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing G. 70-24, situated at B-Osmakharu Road, N. R. Road, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 14-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mazher Abbasbhoy Calcuttawalla,  
(2) Fakruddin Akberaly Khasamwala,  
(3) Saifuddin Akberaly Khasamwala,  
(4) Naymuddin Fakruddin Ranywala,  
(5) Saifuddin Ebrahimbhoy Khasamwala,  
(6) Shakoor Ebrahimbhoy Madhaswala,  
No. 30, Ranaji Rao Road,  
Mahanandan Block,  
Bangalore-4.

(Transferor)

- (1) Sadiq Samsuddin Pachorawala,  
No. 40, N. R. Road,  
Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4570/84-85 dated 14-2-85).  
Property No. G. 70-24, B-Osmankhan Road, N.R. Road  
Cross, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 30-9-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46345/84-85/ACQ/B.—Whereas, I  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. 19(40)  
situated at 16th Main Road, Malleswaram B'lore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Rajajinagar on 8-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri S. H. H. Srimat Suchindra Thirtha Swamy of  
Kashi Mutt Samasthan, repd. by Sri M. G. Anantha  
Pai, Flat No. 38, Crescent Court, Crescent Road,  
B'lore-1. (Transferor)
- (2) Shri A. S. Subramanian,  
No. 305, VII Main, Vijayanagar, B'lore-H.O. (Transferee)
- (2) Shri Rama Shanker Tripathi  
S/o Late Shri Budhsen Tripathi,  
R/o Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4876/84-85 dated 8-2-85)  
Property bearing No. 19, 16th Main Road Malleswaram,  
Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-10-85  
Seal: :



## FORM ITNS

- (1) Shri A. Thimmaiah Reddy,  
327, I Main, Crimbridge  
Layout, B'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Lakhamasi Megaji Patel, 2. Premaji Megaji  
Patel, 3. Devasi Karasan Patel, 4. Hiralal Karasan  
Patel, 5. Karasan Mathavaji Patel, 6. Megaji  
Mathavaji Patel, Indiranagar, B'lore.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C.R. No. 62/46363/84-85/ACQ/B.—Whereas, I  
R. BHARDWAJ  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000- and bearing No.

630 to 633  
situated at New Thippasandra, K. R. Puram Hobli, B'lore  
South Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
at B'lore South Taluk on 23-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7262/84-85 dated 23-2-85)

Property No. 630 to 633, New Thippasandra, K. R. Puram  
Hobli, B'lore South Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Dt: 1-10-85

Seal :



FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46331/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 51/19-A, situated at Osborne Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 13-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimathi T. Padmalochiniammal & Sri W. T. Kumar, No. 51/19-A, Osborne Road, B'lore. (Transferor)  
(2) Shri B. P. Ramachandra Shetty & 2. B. P. Suresh, No. 65, Jewellers Street, B'lore. (Transferee)  
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3434/84-85 dated 13-2-1985)  
Property No. 51/19-A, Osborne Road Cross, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-9-85

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shrimati Pushpa Jain, No. 17/1, Ali Askar Road,  
B'lore-52.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).(2) Shri Rajiv Khanna, No. 441/A,  
1st Main, HAL III Stage, J.B. Nagar,  
B'lore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore 560 001, the 30th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. C.R. No. 62/46445/84-85/ACQ/D. -Whereas,  
R. BHARDWAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 1022,

situated at Thippasandra Village, H.A. Sanitary Board, B'lore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
B'lore South Taluk on 4-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6746/84-85 dated 4-2-85)

Property bearing Khata No. 1022, H.A. Sanitary Board,  
Thippasandra Village, B'lore.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

48-306 GI/85

Date : 30-9-85

Sd/- :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46520/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, situated at Wellington Street, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 2-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimathi Shakerah Khaleeli,  
No. 26/2, Sankey Road,  
Abshot Layout, Bangalore-52. (Transferor)
- (2) M.'s Wellington Realtors,  
39, Central Street, Bangalore,  
Partners : Mr. Farook Mahmood,  
2. Mr. Farook Noor Mohd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3631/84-85 dated 2-2-1985)  
Property No. 7, Wellington Street, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46743/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 763 (2), situated at VIII Main Road,  
Mahalaxmi Layout, Bangalore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Rajajinagar in February 1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri A. Narayana Reddy,  
No. 107, VI Main Road,  
V Block, Rajajinagar, Bangalore-10. (Transferor)  
(2) Shrimathi Indira Menon, No. 115, West of  
Chord Road II Stage, Bangalore.  
2. Smt. Gayathri Deva Sharma,  
No. 2, Ganesh Chandra Avenue,  
Calcutta-13. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5248/84-85 in Feb. 1985)  
Property No. 763 (2), VII Main Road, Mahalakshmi Lay-  
out, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th September 1985

C.R. No. 62/46338/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 96, situated at Victoria Road Extn., Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri U. S. Chandok,  
No. 11A/22, Cunningham,  
Road, Bangalore-52.

(Transferor)

(2) Shrimathi Ayesha Tasneem Anwar  
Family Foundation,  
Repd. by its Managing,  
Trustee Dr. Syed Anwar,  
No. 11/1, Church Road,  
Basanangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3475/84-85 in Feb 1985)

Vacant Site No. 96, Victoria Road Extension, Bangalore.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

C.R. No. 62, 995, 85-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CTS No. 3928 situated at Sankeshwar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoskote under document No. 1362 dated 7-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269D(1) of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Vishnu Maruti Sutar  
2. Smt. Tarabai Vishnu Sutar  
3. Smt. Shakuntala Gajanan Lohar  
4. Smt. M. L. Lohar Lohar  
5. M. Padavi S/o Vishnu Sutar M/G by V. M. Sutar  
6. Narmada B/o Vishnu Sutar Sutar  
All C/o M. L. Pattanashetti, Nanaji Mala, Opp. College Canteen, Sankeshwar-591313, Dist. Belgaum.  
(Transferor)
- (2) Basavaraj Gengadhar Pattanashetti, Nanaji Mala Opp. College Canteen, Sankeshwar-591313, Dist. Belgaum.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1262 dated 7-2-1985)  
A house with Mangalore Tiles measuring ground floor 1470 sq. ft. and first floor 450 sq. ft. on the plot 08 2 gunthas situated at Sankeshwar.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1985  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

Notice No. 996/8586.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing Flat No. 55 situated Myfair Apartments Margao, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao Goa under document No. 284/dt. 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Assunsao Teodosia Seratino Fernandes, alias ATS Fernandes and his wife Mrs. Ephitonia Euridyke Fernandes, For both GPA Sri Escojastico Marercio, Meregolo Enterprises, Shop No. 4, Belavista Apartments, Margao, Goa and M/s. Mararcio's Enterprises, Margao, Goa,

(Transferor)

- (2) Mrs. Ella C. D'Silva, S-5, Second floor, Myfair Apartments, Margao, Goa,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 284 Dated 23-2-1985]  
This is flat measuring 60 sq. mts. situated at Myfair Apartments, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-9-1985  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

Ref. No. 997/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. S-1 (originally S-12) situated at Myfair Apartments Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Margao Goa under document No. 283/dt. 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Mr. Assunsao Teodosio Serhino Fernandes, alias ATS Fernandes and vis. wife, Mrs. Ephitania Euridyke Fernandes, P.A. oldes, Sri Escolustico Marereco, Belavista Apartments, Margao, Goa, M/s. Marerclo's Enterprises, Belavista Apartments, Margao, Goa. (Transferor)
- (2) Mrs. Irene Barros, Flat No. S-1, Myfair Apartments, Margao (Goa). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 283, Dated 23-2-1985]  
Flat No. S-1 (originally S-12) situated at Myfair Apartments, Margao Goa measuring 60 s. metres.  
Page No. 249—254

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-9-1985  
Seal :



FORM FINS —

(1) Shri Antonio Monteiro and his wife  
Smt. Maria Augusta Mastha Monteiro,  
12, Avenim, Fontolim, Salcete,  
Goa.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Vithayadhar Desai,  
Sangera Hotel, Station Road,  
Margao (Goa)-403601.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd September 1985

Notice No. 985/85-86.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value [proceedings Rs. 1,00,000]— and bearing No. 539/3 and 540/0 situated at Loutlim Village Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao Goa under document No. 301 dated 26-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 301 Dated 26-2-1985)  
The house with a mangalore tile measuring 260 sq. mts., on a plot area 1875 sq. mts. situated at Loutlim (Goa),

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 3-9-1985  
Place :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd September 1985

Notice No. 999/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. 7, situated at Sancordem Village, Sanguem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanguem under document No. 88/dt. 26-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanguem under Document No. 88 dated 26-2-1985, CRef.F.1x(2), [hi .h..fl.1 vbgk cmfw shrdl shrd shrdm

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karunakal V. Mallya  
C/o V. S. Mallya  
Ganganagar Housing Colony,  
Curti, Ponda—Goa.

(Transferor)

(2) Shri Vidyadhar R. Mallya,  
C/o R S Mallya,  
Paji-Pond, Margao,  
Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 88 Dated 26-2-1985)  
This is an Agricultural Land situated at Sancordem Village Sanguem Taluka Goa and measuring 37.200 sq. mts.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 3-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

C.R. No. 62/1000/85 86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. B. 15 situated at Dona Paula, Taleigad Panaji Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas Goa under document No. 163 dated 20-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Maria Fernanda Martine E. Monserate,  
2. Maria Lucinda Viagas,  
Attorney Skl Atanasio Teofilo Martine Monserate  
R/o Taleigao Goa, (Transferor)
- (2) Shri Jovito Gonzaga Afonso  
R/of, Santo Estevam, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 163 dated 20-2-1985)

This is an open Plot measuring 504 sq. mts. situated at Dona Paula Taleisoa Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-9-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

C.R. No. 62/1001/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 to 12 No. 210 "Ratnadeep" situated at Margao, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salcete Goa under document No. 276 dated 22-2-1985, for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sanjaya Atchut Poy Raiturcar
2. Govind Gopal Poy Raiturcar (HUF)
3. Mahadev Gopal Poy Raiturcar (HUF)
4. Anand Gopal Poy Raiturcar
5. Smt. Subhada and Subhada Achut Poy Raiturcar
6. Smt. Nani Govind Poy Raiturcar
7. Smt. Sati Mahadev Poy Raiturcar

(Transferor)

- (2) 1. Shripad Vishwanath Borkar
2. Sunand Vishwanath Borkar
3. Uttamarao Vishwanath Borkar
4. Rakash Sadanand Borkar
5. Vinayak Sadanand Borkar
6. Avinash Sadanand Borkar
7. Anil Damodar Borkar
8. Promod Damodar Borkar
9. Vinaya Pr. Borkar Borkar
10. Deepak Prabhakar Borkar.

"Alankar building" Margao, Goa.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 276 dated 22-2-1985)  
"Patnadeep" building consisting of 7 shops situated at near Rajendra Prasad Stadium Margao measuring 353 sq. m.r.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

C.R. No. 62/1002/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 196/1 situated at Hindalaga Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 4925/dated 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shankar Bhimarao Kulkarni,  
2. Shri Krishnaji Bhimarao Kulkarni,  
3. Shri Mohan Shankarao Kulkarni,  
4. Shri Sharad Shankarao Kulkarni,  
5. Shri Anun Shankarao Kulkarni,  
R/o Laxmi Gadi Hindalaga Belgaum.  
(Transferor)

- (2) The Chairman,  
Samarth Co-operative Housing Society Ltd.,  
Hindalaga Belgaum.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4925 dated 27-3-1985)  
An agricultural land situated at Hindalaga Belgaum measuring 3 Acres 27 Guntas & Aarnas under R.S. No. 196/1.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd, September 1985

C.R. No. 62/1003/85-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 328 1A plus 2B situated at Bailahongal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bailahongal under document No. 1714 dated 4-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gurushantappa Veerabhadrappa Yatageri,  
2. Sh. dramappa alias Babu } Sons of  
3. Nagaraj, } Gurushantha na  
4. Maheshwar. } Yatageri  
5. Manatesh.

R/o Jawali Bazar Bailahongal Dist, Belgaum.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Basanvanneyya Adavayya Hiretmath  
2. Basasahb Annasaneb Padi  
3. Shekharayya Sidrammayya Hiremath  
4. Chenabasayya Sidramayya Hiremath  
802, Basavan Galli, Bailahongal, Dist. Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1714 dated 4-2-1985)  
This is an agricultural land situated at Bailahongal measuring 3 Acres.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 11/Feb.85/R.II.—Whereas, I, **MRS. M. SAMUEL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat 1st floor bearing Door No. 2, situated at part of 460/9806 undivided share of land in Poonamallee High Road, Ms. 84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 158/85 in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Usha S. Bajaj,  
9/5, Richmond Road, Bangalore-25. (Transferor)
- (2) Smt. Faihara,  
No. 1045, Krishna Apartments,  
G. Block Poonamallee High Road,  
Madras-84. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat 1st floor bearing Door No. 2, Forming part of 460/9806 undivided share of land and situate in Poonamallee High Road, Madras-84.

Purasawalkam/Doc. No. 158/85.

**MRS. M. SAMUEL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 3-10-1985

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 24/Feb.85/R.II.—Whereas, I, **MRS. M. SAMUEL**, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000 and bearing No. 1872 sq. ft. in Kodambakkam situated at T.S. No. 6/4 and 6/3, part Block No. 33 in Puliur village, Madras-24 Kodambakkam D.C. No. 397/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) to the said transferee, the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 397/85, on 10.10.1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. K. Tippu Sultan and Others, and Minor represented by their mother and guardian K. A. Dawood Divi, West St., Pandavavadai, Thanjavur Dist. (Transferor)
- (2) Edida Nagesara Rao, 13, Kamdar Nagar, Nungambakkam, Madras-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land of 1 ground 1872 sq. ft. in T.S. No. 6/4, and 6/3 part, Block No. 33, in Puliur village, United Madras District, Madras-24, Kodambakkam/Doc. No. 397/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 32/Feb.85.—Whereas, 1,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs 100 000 and bearing No.  
Old T.S. No. 650/1, situated at New T.S. No. 1/1451 part  
and 1453 part—15.83 cents with bldg.—as per schedule  
to doc No. 487/85  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore/Doc. No. 487/85  
on Feb., 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Sri R. K. R. Karthykesan,  
S/o late R. K. Ramakrishna Chettiar,  
8128 Race Course Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. V'jayaraja and Co.,  
120, Sen Gupta Road,  
Ramnagar,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Property as specified in schedule to  
Doc. No. 487/85.  
Coimbatore/Doc. No. 487/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 36/Feb.85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Door No. 18/36, Old T.S. No. 2/1408, 1417, situated at New  
T. S. No. 2/2094—Big Bazaar St., Coimbatore Town  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
Coimbatore/Doc. No. 636/85  
on Feb., 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

50—306G1/85

(1) Sri K. Sriman,  
S/o C. Kunju Raman,  
Ismail Rowther St.,  
Coimbatore,

(Transferor)

(2) Sri A. C. Kunju Mohammed Kutty Haji,  
Shri K. K. Abdul Kader,  
Thirupangattu Amson,  
Kadavathur Thesam,  
Tellichery Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and Building : Channanore District (Kerala) :  
Coimbatore Town, Big Bazaar St., D. No. 18/36, Old T. S.  
No. 2/1408, 1417, New T. S. No. 2/2094,  
Coimbatore/Doc. No. 636/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 4-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 37/Feb.85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Thithipalayam—Agri. land at Coimbatore—T. S. No. 14/1,  
15/1, 16/1, 16/2, 17/2  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore/Doc. No. 562/85  
on Feb., 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Sri Dhandapani,  
S/o N. Nataraja Nadar,  
Petur Main Road,  
Komarapalayam.

(Transferor)

(2) Smt. P. Rajeswari,  
W/o Ponnusamy,  
Sri S. Sivakumar,  
S/o Sivanmalaiappagounder,  
11/61, N. S. K. Veedhi,  
Komarapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land : Thithipalayam : T. S. No. 14/1, 15/1,  
16/1, 16/2, 17/2, Coimbatore.  
Coimbatore/Doc. No. 562/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 4-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 49/Feb.85.--Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Kanipalayam village : Poravipalayam situated at Pollachi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Pollachi/Doc. No. 371/373/374/85 on Feb., 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of Section 269D of the Said Act to the following persons,  
namely :—

(1) Sri S. Sivanadam,  
Sri T. Masilamani,  
Sivaganesan, 19,  
Sarojini St.,  
M. L. Puram,  
Pollachi,  
Sri S. Thirumalaisamy,  
S/o Subbarayachettiar,  
19, Sarojini St.,  
Mahalingapuram,  
Pollachi.

(Transferor)

(2) Palanithevar,  
S/o Karupathevar,  
Mariammal,  
Krishnammal,  
Veluchammy,  
Panchalingam,  
Aruohamy,  
all sons of Palanithevar,  
25/2, Servakanpalayam,  
Majaranagoor,  
Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of  
forty five days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of thirty  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within forty five days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Poravipalayam, Kanipalayam village, Pollachi  
Taluk,  
Pollachi/Doc. No. 371, 373, 374/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 4-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 66/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Niton Theatre situated at Nilgiris Kotagiris (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri Doc. No. 307/85 on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Krishnan,  
S/o B. Kakki Gowder,  
Sackatha,  
Aranemu Post,  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Dr. R. Natarajan and others,  
S/o R. K. Ramasamy Chettiar,  
Niton Estate,  
Kotagiri,  
Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Niton Theatre : 0.58 acres & the cinema theatre at Kotagiri, Nilgiris.  
Kotagiri/Doc. No. 307/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 3-10-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 87/Feb.85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Krishna Iyer, St., Nungambakkam situated at Madras-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Thousandlights/Doc. No. 42/85 on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ratanammal and others,  
No. 1, Krishna Iyer St.,  
Nungambakkam,  
Madras-34.

(Transferor)

(2) Smt. S. N. Sajidha,  
W/o M. Authad,  
No. 7, 5th St.,  
Dr. Thirumoorthy Nagar,  
Nungambakkam,  
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building : Door No. 1, Krishna Iyer St.,  
Nungambakkam, Madras-34.  
Thousandlights/Doc No. 42/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

D. te : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 100/Feb.85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14, Srinivasa Pillai St., West Mambalam, Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kodambakkam/Doc. No. 511/85 on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri K. Subramanian,  
20, Kukthavatsalam St.,  
West Mambalam,  
Madras-33.

(Transferor)

(2) Smt. R. Rukmani,  
No. 25, Luz Church Road,  
Mylapore,  
Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: Premises No. 14, Srinivasa Pillai St., West Mambalam, Madras-33.  
Kodambakkam/Doc. No. 511/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-10-1985  
Seal:



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 186/Feb.85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri. lands in Puliyaibedu village situated at Numbal Madura, Saidapet Tk. Chingleput Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee/Doc. No. 710/85 on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Murugan,  
340-B, Gandhi Road,  
Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Sri S. Chittibabu & P. Chakravathi,  
3/3, Perumalagaram Village,  
Madras-600 077.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands in puliyambedu village, Numbal Madura Saidapet Tk., Chingleput Dist.  
Poonamallee/Doc. No. 710/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 189/Feb.85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 8, Hanumantha Rao St., Thiagarayanagar situated at Madras-17

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar/Doc. No. 131/85 on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri A. Ramani and A. Sudhaman,  
8, Hanumantha Rao St., Thiagarayanagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. Shanthi Thiagarajan,  
20, Rajamanna St., Thiagarayanagar,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 8, Hanumantha Rao St., T. Nagar,  
Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 131/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

MADRAS-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 192/Feb.85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 5 (Old 1/13), Ramanathan St., situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 176/85 on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

51—306GI/85

(1) Dr. A. R. Sreenivasan,  
Miss S. Sadhana,  
Miss A. Rajini,  
No. 31, Rangan St.,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) 1. Sri D. V. Sainath Gupta,  
2. Mrs. Vyjayanthi,  
No. 45, Clemens Road,  
Vepery,  
Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground Door No. 5, Ramanathan St., T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 176/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
MADRAS-600 006

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 193/Feb.85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11, Hindi Prachar Sabha Road, situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 196/85 on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. S. Srinivasan,  
Vikram Srinivasan,  
Ajai Srinivasan,  
No. 11, Sir C. V. Raman Road,  
Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri Suman,  
No. 23, Model House Road,  
CIT Nagar,  
Madras-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Old No. 12A, New No. 11, Hindi Prachar Sabha Road, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 196/85 .

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 3-10-1985

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 197/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, Parthasarathipuram Extension, situated at North T. Nagar, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 250/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. J. Natarajan s/o Jagadeesa Iyer,  
5, Parthasarathipuram Extension,  
T. Nagar, Madras-17. (Transferor)
- (2) Mr. R. K. Lingambalraj,  
Mrs. K. Muthammal, 8th St.,  
Dr. Radhakrishnan Road,  
Mylapore, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: No. 5, (Old No. 7B) Parthasarathipuram Extension North T. Nagar, Madras.

T. Nagar/Doc. No. 250/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date: 3-10-85  
Seal:



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 1/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, (Old No. 1-A) Harleys Road, situated at Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 357/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. G. Prabhavathi,  
Mr. G. Rup Kumar,  
Rep. by her registered Power of Attorney,  
Mr. B. Surender, 8, Manikeswari Road,  
Madras-10. (Transferor)
- (2) Mr. S. A. Gaffar Alias Muneer,  
9, Anderson Road, Nungambakkam,  
Madras-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : 1 (Old No. 1-A) Harleys Road,  
Kilpauk, Madras-10.

Purasawalkam/Doc. No. 357/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 48/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Marchnaickenpalayam situated at Athuppollachi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Pollachi/Doc. No. 340/85 (2 nos.) on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri L. Viswanathan,  
s/o Lakshmana Narayanasamy gounder,  
Athur, Pollachi (P.O.) Pollachi,  
Sri L. Sundararaj,  
s/o Lakshmana Narayanasamy gounder,  
Athur Pollachi, Athupollachi (PO)  
Pollachi.

(Transferor)

- (2) Sri L. Sundaraj,  
s/o Lakshmana Narayanasamy gounder,  
Athupollachi (PO), Pollachi Taluk,  
Sri L. Viswanathan,  
s/o Lakshmana Narayanasamy gounder,  
Athupollachi (PO), Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: No. 103/3A and 93—Athupollachi.  
(2 nos.) 340/85/Pollachi.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date: 1-10-85  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 50/Feb./85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. Nos. 149, 150, 151, 152 situated at T.S. Ward 6, Subramania Swami Pollachi Koil St., and Velalar St., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Pollachi/Doc. No. 175/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. V. Chellammal Smt. V. Chandra,  
w/o Dr. R. Muthukumar and another,  
8, Velalar St., Pollachi. (Transferor)
- (2) Sri V. Balasubramaniam, B.E., M.B.A.,  
s/o P. A. Velliangiri,  
110, Coimbatore Road, Pollachi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: T.S. Nos. 149, 150, 151, 152, Door No. 8, in Subramania Swamy Koil St., and Velalar St., Pollachi.

Pollachi/Doc. No. 175/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date: 1-10-85  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 59/Feb. 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Anaimalai, Pollachi situated at Thiruppur S. No. 276A (and more fully described in the Schedule annexed hereto) of 1908) in the Office of the Registering Officer at has been transferred under the Registration Act 1908 (16 Anaimalai/Doc. No. 108/85 and 110/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajeswari,  
d/o C. Moraraja,  
Veterinary Hospital Road,  
Pollachi.
2. Smt. Rajathi alias Pushpavalli,  
w/o T. Dhandapani,  
Main Road, Kottur,  
Pollachi.

(Transferor)

- (2) Smt. Dhanalakshmi,  
mother and guardian of minor son,  
Sri Kailasagounder,  
Namakkal, Penakkurichi,  
(Now) Mahalakshmi Nilayam,  
Edins Road,  
Ooty.
2. Sri K. Sureshbabu  
s/o Kailasagounder Mahalakshminilayan,  
Edins Road, Ooty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land : at Anaimalai, Pollachi.  
Anaimalai/Doc. No. 108 and 110/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II.  
Madras-600 006

Date : 1-10-85  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 65/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thottipalayam village, 4th ward, situated at door No. 2, Tiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur/Doc. No. 281/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. M. Shanmugam,  
(2) Senthil Kumaresh,  
Saravananarajendran,  
S/o Mookanchettiar,  
Bethichettipuram,  
Tiruppur.

(Transferor)

- (2) Sri A. Ganesan,  
s/o Sri Alagirisamy,  
Ramnagar, 4th ward,  
Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : 4th ward, Door No. 2, Thottipalayam, Tiruppur Town.

Tiruppur/Doc. No. 281/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 1-10-85  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 72/Feb. 85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Mathuvarapapuram situated at Coimbatore Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thondamuthur/Doc. No. 222/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52—306GI/85

- (1) Smt. Venkittammal,  
w/o Karumalchettiar and  
Rajappan, Krishnan, Rajendran, Krishnamurthy,  
Puluvapatti village  
Majara Chirya goundanpalayam,  
No. 4/9, Puluvapatti village,  
Coimbatore Taluk.

(Transferor)

- (2) Karunya Educational Trust,  
Trustee, S. Durasamy,  
16, Greenways Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: No. 306/2, Mathuvarapapuram,  
Coimbatore Taluk.  
Thondamuthur/Doc. No. 222/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date: 30-9-85.  
Seal:



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 78/Feb. 85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 11/415, Plot No. 16 situated at 164A, 164B, Tatabad, Coimbatore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Gandhipuram/Doc. No. 507/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri T. S. Thiruvengadasamy,  
s/o Srinivasulu Naidu,  
Idigarai, Coimbatore.
2. Sri T. Parthasarathi and T. Narayanan,  
sons of Thiruvengadasamy,  
Idigarai, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Sri M. Ramdoss,  
s/o R. Muthia,  
22, Sornambiga Lay out,  
Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land : Tatabad, Ward No. 11, T.S. No. 11/415, Plot No. 16, Coimbatore Town.

Gandhipuram/Doc. No. 507/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 1-10-85  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 79/Feb. 85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sanganoor village, situated at Coimbatore taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 509/85 on Feb. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. T. Baghyam,  
w/o Devarajan,  
100A, Brindavan St., Kavarinagar,  
Kumbakonar Pudur, Coimbatore-38. (Transferor)
- (2) Smt. G. Ramathal,  
w/o M. Govindasamy Chettiar,  
Thondamuthur Village,  
Coimbatore Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : Sanganoor Village, Coimbatore Taluk.  
Doc. No. 509/85/Gandhipuram.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 30-9-85.  
Seal:



FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 82/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sanganoor village, G.S. Nos. 345|1, 346|1, 353, 354 situated at Gandhipuram, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 901/85 on Feb. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri T. Dhandapani,  
s/o Thillaimuthu Pillai,  
33, Bharathi Park Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Jagannath Chetty,  
s/o Neemu Chetty,  
2. Sumithra Chetty,  
w/o Jagannath Chetty,  
129, C. K. Colony,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : Gandhipuram, Sanganoor village, G.S. Nos. 345|1, 346|1, 353, 354, Dry acres—5.50 in Bharathi Avenue Lay out.

Gandhipuram/Dec. No. 901/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 1-10-85

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 105/Feb. 85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A.44, Door No. 33, 10th Avenue Ashok Nagar, situated at Madras-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 551/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. G. V. Krishnan and Co.,  
No. 33, Mahadevan St., West Mambalam,  
Madras-33. (Transferor)
- (2) M/s. Rockfort Publications Pvt. Ltd.,  
No. 33, 10th Avenue, Ashok Nagar,  
Madras-600 083. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : No. A.44, Door No. 33, 10th Avenue,  
Ashok Nagar, Madras-83.  
Kodambakkam/Doc. No. 551/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006

Date : 1-10-85  
Seal :



## FORM ITS

(1) Sri K. Varadarajan,  
s/o Krishnammanaidu,  
Kulathuthottam, Singanallur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 112/Feb. 85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Singanallur Village, 129/3, 130/3 A1, situated at 155/1, Coimbatore taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur/Doc. No. 416/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri M. Krishnan,  
s/o Marimuthu Naicker and others,  
45, Adappakadu, Onnapudur, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Singanallur village, Onnapudur, Coimbatore.  
Singanallur/Doc. No. 416/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madrass-600 006

Date : 1-10-85  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 118 /Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 0.72—7/16 acre in R. S. No. 4205/1C situated at OOTY, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uthagamandalas (Nilgiris) Doc. 191/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by, the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri C. R. Pattabiraman  
S/o Late C. P. Ramasamy Iyer,  
2. Smt. Sakuntala Jagannathan,  
3. Sri A. T. Krishnakumar,  
4. Lakshmi Subramanian,  
5. Smt. Padmini Balagopal,  
by P.A. Agent : C. R. Pattabiraman. (Transferor)
- (2) Sri D. Puckraj  
S/o Shri Dhanraj,  
Gulecha  
Coonoor,  
Sri Prakash B. Mehta  
S/o C. Bhawarlal,  
Ooty. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : 0.72 7/16 acre in R. S. No. 4205/1C Ooty.  
Uthagamandalam/Nilgiris/Doc. No. 191/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras

Dates :-1-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 120/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mathuvarayapuram situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thondamuthur/Doc. No. 193/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ramasamy and others sons of Sri Ayyakkounder, Smt. Devakiammal, Sri Kondasamy, Shanmugam, Majara Alandurai Village, Alandurai Village, Coimbatore taluk.

(Transferor)

- (2) M/s. Karunya Educational Trust, Trustee, Sri S. Duraisamy, 16 Greenways Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Mathuvarayapuram, Coimbatore.  
Thondamuthur/Doc. No. 193/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras

Date: 1-10-1985  
Seal:



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 128/Feb.85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing  
No. 19, Venkatachala Mudali St., situated at Purasawalkam,  
Madras-7(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer  
at Purasawalkam/Doc. No. 274/85 in Feb. 85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Amendment  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

53—306GI/85

- (1) Sri P. S. Govindarajulu,  
41, 7th Cross St.,  
West Shenoy Nagar,  
Madras-90.

(Transferor)

- (2) Sri J. Bhakthavatsalu,  
No. 6, Letangs Road,  
Purasawalkam,  
Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : No. 19, Venkatachala Mudali St.,  
Purasawalkam, Madras-7.

Purasawalkam/Doc. No. 274/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 66/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F. 209, Anna Nagar, situated at Madras-102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anna Nagar (Doct. No. 244/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. Lakshmi Krishnaswami  
2. Dr. P. N. Krishnaswami,  
No. 292/A, 11 Main Road,  
Jaya Nagar,  
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Mr. Basheer Ahmed & Other,  
2, Cassim Sahib Street,  
Royapettah,  
Madras-600 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. F. 209, Anna Nagar, Madras-102.

S.R.O. Nana Nagar Doct. No. 244/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 23rd August 1985

Ref. No. F. No. 67/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 'E', Plot No. 269, Periakudal Village, Madras and undivided 1/6 interest in the land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 304/85) in February, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. M. Andalammal  
W/o Shri L. K. Markandeyan,  
'F'-77, Anna Nagar,  
Madras-102.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. Motichand Daga  
2. Smt. Mohini Devi Daga,  
W/o Shri K. Motichand Daga,  
'F'-17, Second Main Road,  
Anna Nagar,  
Madras-600 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building : Flat No. 'E', Plot No. 269, Periakudal Village, Madras with undivided interest 1/6 in the land.

(S.R.O. Anna Nagar—Doc. No. 304/85).

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons namely :

Date : 23-8-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 69/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 377, Arignar Anna Nagar Western Extension (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 346/85) in February, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mrs. P. Banumathy  
W/o Mr. K. C. Nair,  
Plot No. 3805, Anna Nagar,  
Madras-600 040.

(Transferor)

(2) Sri K. Sudeendra Shetty,  
Mrs. Ashritha Shetty,  
'C' Block, No. 59, Anna Nagar,  
Madras-600102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 377, Arignar Anna Nagar Western Extension, Madras.  
S.R.O. Anna Nagar, Doct. No. 346/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Date : 27-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 71/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J. 69, Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2130/85) in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D, of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. K. Edugiri,  
W/o Shri S. Krishnamurthy,  
AC. 102, Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri S. Sampathkumar,  
Plot No. 3505, J-69,  
Anna Nagar,  
Madras-102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 3505, J-69, Anna Nagar, Madras-40.  
S.R.O. Anna Nagar Doct. No. 2130/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 73/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1917, Atinar Anna Nagar situated at Madras-40 (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Anna Nagar (Doct. No. 489/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri P. V. Narayanan  
S/o Sri P. R. Viswanatha Iyer,  
Plot No. 1917, 'J' Block,  
4th Street, Arignar Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

(2) Smt. P. Rajambal  
S/o Shri P. Periyaswamy Pillai,  
No. 226/2, Rohini Flats,  
Anna Nagar (West),  
Madras-600 101.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1917, 'J' Block, 4th Street  
Atinar Anna Nagar, Madras-40.  
S.R.O. Anna Nagar Doct. No. 489/85.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 76/Feb.85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
T. S. No. 229, Block 9A, Anna Nagar situated at Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering  
Officer  
at Anna Nagar (Doct. No. 574/85) in February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri D. Santhanayaki,  
30, Perumal Mudali Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Mr. Wilson Samuel Prayraj,  
25 S Block, Anna Nagar,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building in T.S. No. 229, Block 9A, Anna Nagar,  
Madras.

S.R.O. Anna Nagar Doct. No. 574/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 77/Feb.85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 2, Sai Murugan Street, Thirumangalam Road, Villivak-  
kam, Madras-49  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Anna Nagar (Doct. No. 618/85) in February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Sri T. G. Srinivasan  
S/o Shri T. G. Gopal,  
No. 2, Sayee Murugan Street,  
Thirumangalam Road,  
Villivakkam,  
Madras-600 049.

(Transferor)

(2) M. Thikku Vijaya Pandian, M.S.C.  
S/o Shri Murugesu Nadar,  
No. 38, Reddy Street,  
Villivakkam,  
Madras-600 049.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 2, Sai Murugan Street,  
Thirumangalam Road, Villivakkam, Madras-600 049.

S.R.O. Anna Nagar Doct. No. 618/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM ITNS-----

(1) Air Vice Marshal F.V.A. Scudder,  
Block T 91, Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri K. Venugopalan,  
Represented by Attorney  
Mr. Y. C. Ullal,  
318A, Pilkington Road,  
Madras-600 023.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 78/Feb 85. --Whereas I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 4089, Mullam Village situated at  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Anna Nagar (Doct. No. 627/85) in February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer is agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
as defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the avoidance or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have to be disclosed or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 4089, T 91, Anna Nagar,  
Madras-40.

G.R.O. Anna Nagar Doct. No. 627/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269C of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
54—306G1/85

27-9-1985  
Seal



FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 79/Feb.85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Plot No. 1570, Anna Nagar situated at Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Anna Nagar (Doct. No. 673/85) in February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Deepika Nandlal,  
No. 41, Hall's Road,  
Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri S. N. Selvaraj and  
Smt. M. J. Arputhamary,  
Nallama Naickenpatti Post,  
Dindigal-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have same meaning as given  
in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1570, Anna Nagar, Madras.  
S.R.O., Anna Nagar, Doct. No. 673/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras

Date : 27-9-1985  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 80/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 1609/2 situated at Marshalls Road, Egmore, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. Nos. 114, 115 and 116/85) on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others,  
No. 140, Marshalls Road, Egmore,  
Madras-8. (Transferor)

(2) M. Anandan,  
M. Amudha,  
No. 4, First Link Street,  
C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras.,  
S.R.O. Periamet (Doct. Nos. 114, 115, 116/85).

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM ITN-1

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 81/Feb/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 117/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) A. Visweswara Rao and 3 Others,  
No. 140, Marshalls Road, Egmore,  
Madras-8.

(Transferor)

- (2) G. Annammal,  
19, Lotus Ramaswamy Street,  
Koyapet, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 139 &amp; 140, Marshalls Road, Egmore, Madras.

S.R.O. Periamet Doct. No. 117/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i)  
Madras-600 006.

Date : 27-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 82/Feb/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Periamet (Doct. No. 118/85) on February 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others,  
No. 140, Marshalls Road, Egmore,  
Madras-8.

Acquisition Range-I

(2) G. Sekhar,  
No. 6-C, Sreeman Srinivasa Iyengar Road,  
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 118/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006.

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM ITNS.— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 83/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 119/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others,  
140, Marshalls Road, Egmore,  
Madras-8.

(Transferor)

(2) R. Gopal,  
6C, S. S. Iyengar Road,  
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 119/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006.

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others,  
140, Marshalls Road, Egmore,  
Madras-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006(2) G. Senthamarai,  
39, Mannarswami, Koil Street,  
Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 84/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 139 &amp; 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 120/85) in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 120/85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 85/Feb/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. Nos. 91, 92, 93, 94 & 96 part of Egmore village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 123/85) in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kishore Gokaldas,  
4, Hanumantharayan Koil Lane,  
Madras-3. (Transferor)
- (2) 1. Chanderkumar Malhotra,  
2. Sureshkumar Malhotra,  
3. Hareshkumar Malhotra,  
No. 23, Raghunayakula Street,  
Madras-600 003. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat in R. S. Nos. 91, 92, 93, 94 & 96 part of Egmore Village  
S.R.O., Periamet Doct. No. 123/85.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal ;



## FORM ITNS

(1) Kishore Gokaldas,  
4, Hanumantharayan Koil Lane,  
Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. Mohana Kishinchand,  
44, Marshalls Road, 7th Street,  
Madras-8.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 86/Feb-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, Alagappa Nagar, Halls Road, situated at Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 124/85) in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flat with undivided interest in the land at No. 17, Alagappa Nagar, Halls Road, Madras-10.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 124/85.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
55—306GI/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 89/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

9, Briethapet Road, Madras-7, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 139/85) in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Padmavathi Construction Company,  
7, Briethapet Road,  
Madras-7.

(Transferor)

(2) Sri Sharad L. Shah,  
149/1, Broadway,  
Madras-600 108.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat with undivided interest in the land at No. 9, Briethapet, Madras-7.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 139/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 90/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Briethapet Road, Madras-7 situated at Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 140/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Padmavathi Construction Company,  
7, Briethapet Road,  
Madras-7.

(Transferor)

- (2) Mr. Mahendra Anjaria,  
102, Marshalls Road,  
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at No. 9, Briethapet Road, Madras-7.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 140/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
MADRAS-600 006.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 91/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at No. 9, Briethapet Road, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 141/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Padmavathi Construction Company,  
7, Briethapet Road,  
Madras-7.

(Transferor)

- (2) Rajesh Mardia,  
25, Kalathi Pillai Street,  
Madras-600 079.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at No. 9, Briethapet Road, Madras-7.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 141/85.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 92/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Briethapet Road, Madras-7 situated at Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 142/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Padmavathi Construction Company,  
7, Briethapet Road,  
Madras-7.

(Transferor)

- (2) Samiksha J. Patel,  
7, Brietha Road,  
Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at No. 9, Briethapet Road, Madras-7.  
S.R.O., Periamet Doct. No. 142/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
MADRAS-600 006.

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM TNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 94/Fcb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 68/3(68/2) of Egmore Village situated at Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 177/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Challa Eswara Rao,  
No. 77, New Avadi Road,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. M. Sukanya,  
6, Razak arden Street,  
N. S. K. Nagar, Aminjikarai,  
Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat in R. S. No. 68/3 (62/2) of Egmore Village, Madras S.R.O., Periamet Doct. No. 177/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

- (1) 1. Charles Albert Taylor,  
2. Mrs. Elaine Edmonds,  
3. Mrs. Theresa Mitchell  
All are residing at No. 23,  
Foxen Street, Perambur,  
Madras-11.

(Transferor)

- (2) Mr. A. Mohammed Ameen,  
S/o Mr. A. Habeebur Rahman Sahib,  
No. 51, Thalayatham Bazar,  
Santhapet,  
Gudiyattam-632 602.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. 95/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
68, Woothucottan Street, Periamet, Madras-3,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Periamet (Doct. No. 179/85) on February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
~~and/or~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 68, Woothucottan Street,  
Periamet, Madras-3.  
S. R. O., Periamet Doct. No. 179/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 100/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 167, Sydenhams Road, Periamet, Madras-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 204/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Universal Chemical Industries,  
167, Sydenhams Road, Choolai,  
Madras. (Transferor)
- (2) Mrs. P. V. Janaki Ammal,  
W/o Mr. U. Krishnan Nair,  
No. 13/A, Ormes Road,  
Kilpauk, Madras-10. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Building at Door No. 167, Sydenhams Road,  
Periamet, Madras-3.  
S. R. O. Periamet Doct. No. 204/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 102/Feb./85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUFI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, 14th Avenue, Harrington Road, Chetpet, Madras-31. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 210/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Sivaramakrishnan alias M. Sivaram,  
No. 10, 14th Avenue, Harrington Road,  
Chetpet,  
Madras-31. (Transferor)
- (2) M/s. Aruna International (P) Ltd.,  
represented by its Director,  
Sri G. Venkateswaran,  
No. 27, Wallace Garden III Street,  
Madras-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building No. 10, 14th Avenue, Harrington Road,  
Chetpet, Madras-31.  
(S. R. O. Periamet—Doc. No. 210/85).

MRS. M. SAMUFI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 25-9-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 103/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No 484, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 220/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C. K. Chandrakanthammal,  
484, Pantheon Road,  
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Smt. A. Rajeshwari,  
Kum. A. Sreedevi,  
No. 1, Bishop Wallers Avenue,  
South C. I. T. Colony,  
Madras-4.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No 484, Pantheon Road,  
Egmore, Madras-8.  
S. R. O., Periamet Doct. No. 220/85.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I (i.e.)  
Madras-600 006

Date : 25-9-1985  
Seal :



## FORM FIVE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 105/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 32, Naval Hospital Road, situated at Periamet, Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 237/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri G. Rajagopalan,  
25, Siganna Chetty Street,  
Chintadripet,  
Madras-2. (Transferor)
- (2) Smt. E. Vijayaalakshmi,  
7, Palani Andavar Street,  
Chintadripet,  
Madras-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lund and Building at Door No. 32, Naval Hospital Road,  
Periamet, Madras.  
S. R. O., Periamet Doct. No. 237/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Mrs. Padmam Mannadi Nayar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 107/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot A-77 'M' Street, K. G. Colony, Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 250/85) on February, 1985 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Mrs. Mira M. Ramchandani,  
Mr. Naresh M. Ramchandani,  
No. 5, 11 Cross Street,  
Sterling Road,  
Madras-600 034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. A-77, 'M' Street, K. G. Colony, Madras-10.  
S. R. O., Periamet Doct. No. 250/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 108/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
40, Nammalwar Street, George Town,  
situated at Madras-1,(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Sowcarpet (Doct. No. 59/85) on February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Vivakananda Educational Society,  
Represented by its Secretary  
Mr. B. Govindaraj,  
66, Vadivelu Mudali Street,  
Perambur, Madras-11.

(Transferor)

(2) Smt. Susheelabai Jain,  
Smt. Anjankumari Jain,  
13, Kalathipillai Street,  
Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at No. 40, Nammalwar Street, George Town,  
Madras-79.  
S. R. O., Sowcarpet Doct. No. 59/85.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 109, Feb./85.—Whereas,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-, and bearing No. 24, Venkatarama Iyer Street, Kondithope, Madras-79, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sawcarpet (Doct. No. 66/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) L. Ravikumar (alias)  
L. Surendran,  
L. Ravindran,  
Sons of Lalaswami,  
No. 24, Venkatarama Iyer Street,  
Kondithope, Madras-79.

(Transferor)

- (2) Mrs. Swainammal,  
W/o Thirunavukkarasu Mudaliar,  
24, Najaniappa Naicken 3rd Lane,  
Old Washermenpet,  
Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 24, Venkatarama Iyer Street,  
Kondithope, Madras-79.  
S. R. O., Sowcarpet Doct. No. 66/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 111/Feb./85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 92, Wallax Road,

situated at Madras-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sowcarpet (Doct. No. 70/85) on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) The Official Trustee of  
Madras High Court,  
Madras-6000104.

(Transferor)

- 2) M/s. M. G. M. Transports (Regd.),  
14, Block-II, Corporation Buildings,  
Kannappan Thidal,  
Madras-600 003.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- Land and Building at Door No. 92, Wallax Road, Madras-3.  
S. R. O., Sowcarpet Doct. No. 70/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 118/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
47, Venkatachala Mudali Street,  
situated at Madras-3,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Sowcarpet (Doct. No. 102/85) on February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sri R. Kennappa Chettiar,  
18, Raghunayakulu Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri Vinendra Kumar Agarwal,  
121, Rasappa Chetty Street,  
Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 47, Venkatachala Mudali  
Street, Madras 3.  
S. R. O., Sowcarpet Doct. No. 102/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 000.

Madras, the 23rd August 1985

- (1) i. Smt. S. Kalavathi,  
W/o T. E. Sivaprakasam  
ii. Shri T. E. Sivaprakasam  
60, Ormes Road,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

- (2) Smt. Tahera Begam,  
W/o S. F. Hussain Sahib,  
No. 7, Dimmasamy Dargah I Street,  
Madras-82.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. No. 121/Feb/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, Prakash Avenue, Paper Mills Road, Sembiam, Madras-11. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam (Doc. No. 298/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
57—306GI/85

## THE SCHEDULE

Land and Building No. 4, Prakash Avenue, Paper Mills Road, Sembiam, Madras-11.  
(S. R. O., Sembiam—Doc. No. 298/85).

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date: 23-8-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Sri P. Kannappa Mudaliar,  
53, Pilliar Koul Street,  
Tondiarpet,  
Madras-81.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Subramaniam and  
Smt. S. Hamsavalli,  
No. 58, Coral Merchant Street,  
Madras-600 001.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 130/Feb./85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 58, Coral Merchant Street, situated at Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 422/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 58, Coral Merchant Street,  
Madras-1.

S. R. O., Madras North Doct. N. 422/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

- (1) P. S. Ratna Bai & 4 Others,  
No. 487, Pantheon Road,  
Egmore Madras-8.

(Transferee)

- (2) Harrington Hotels (P) Ltd.,  
Represented by Managing Director :  
Shri P. F. Mohan Raj,  
No. 23, Western Wing 1st Floor,  
Krishna Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. 131/Feb./85.—Whereas, 1.  
MRS M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Door No. 9, Kennet Lane, Egmore, situated at Madras-8  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at Madras North (Doct. No. 457/85) on February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 9, Kennet Lane, Egmore.  
Madras-8.  
S.R.O., Madras North Doct. No. 457/85

MRS M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/c)  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 134/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 112, Varadhamuthiappan Street, situated at Madras-1. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras North (Doct. No. 612/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Venkateswaralu & Others,  
No. 36, Govindappa Naicken St.,  
Madras-600 001.

(Transferor)

- (2) Sri Padamchand Jain & Other,  
11, Erulappan Street,  
Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and Building at D No 112, Varadhamuthiappan Street, Madras-1  
S.R.O., Madras North Doct. No. 612/85

MRS M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 137/Feb./85.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Flag Staff Road, Royapuram, Madras-600 013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Royapuram (Doct. No. 183/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Star Cold Storage Pvt Ltd.,  
No. 56, Subramaniam Street,  
Abhiramapuram, Madras-600 018.

(Transferee)

(2) M/s. Sanco Ware Housing Pvt. Ltd.,  
No. 90 Moore Street,  
Madras-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 2, Flat Staff Road Royapuram,  
Madras-600 013  
S.R.O., Royapuram Doct. No. 183/85

MRS M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS — — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 139/Feb./85.—Whereas, I,  
MRS M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 7, Cross Road, situated at New Washermanpet, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram (Doct. No. 299/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-parties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Lotur Industries Ltd.,  
By its Director Dr. S. Mohammed Johan,  
'Burma House', 97, Coral Merchant St.,  
Madras-600 001.

(Transferor)

(2) Mrs. R. Banumathi,  
Mrs. D. Manikkodi,  
Mrs. R. Valaramathi,  
96, G. A. Road,  
Madras-600 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 7, Cross Road, New Washermanpet, Madras-81.  
S.R.O. Royapuram Doct. No. 299/85.

MRS M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref No. 143/Feb./85.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 100, Harrington Road, Chetpet, situated at Madras-600031 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct No. 167/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act( I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Vijayalakshmi Marthanda & Mrs. Asha Kiron,  
F-71, Anna Nagar, Madras-600 020. (Transferee)

(2) Mr. Manickavasagan & Mr. Sundaramoorthy,  
17-B, Main Road, Tillai Nagar, Trichy-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at No. 100, Harrington Road, Chetpet, Madras-600 031  
S.R.O., Periamet Doct 167/85

MRS M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/c)  
Madras-600 006

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
2ND FLOOR,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 2nd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3847 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ind. Land + Shed at Jetpur S. No. 35 paiki Plot No. 9 + 10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Alik Dying & Printing Works  
Partners : Vinodkumar Shivbansrai Sandhai (HUF)  
Behind Ram Chambers-Jetpur  
Rajkot Dist.

(Transferor)

(2) M/s Kalplata Tax Print  
Partner : Kishorbhai Becharbhai Basmiya & Ors.  
Chandni Chowk - Jetpur -  
Dist : Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial land at Jetpur S. No. 35 paiki plot No. 9 & 10  
adm. 825 + 1089 sq. mtr. + Ind. Shed etc. outside Mun. limit  
Jetpur Junagarh High way R. o. 37/85 Dt. 4-2-85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 2-9-85

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
ACQUISITION RANGE-I/II,HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. oN. 3848 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I,  
G K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 -  
and bearing NoFlat No. 601 6th Floor Bldg. Crescent F. Adm. 1125 sq. ft.  
Rajkot(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer  
at 37EE filed on 4-2-85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

58—306GI/85

(1) M/s J S. Corporation,  
48 - Indra Narayan Road -  
Santacruz West - Bombay-54

(Transferor)

(2) Smt. Kumudben Jayvantbhai Udani  
21 - Prahlad Plot - Udani Niwas,  
Rajkot-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601 - 6th Floor Race Course, Crescent F Bldg.  
Adm. 1125 sq. ft. Rajkot 37EE filed on 4-2-85G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I/II, AhmedabadDate : 9-9-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I/II,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3849 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 201 2nd floor - 'Crescent B' Bldg. Race Course  
Adm. 1125 sq. yd. Rajkot,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at 37EE filed on 4-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269DL of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) M/s J. S. Corporation,  
48 Indra Narayan Road -  
Santa Cruz (West)  
Bombay-54.

(Transferor)

(2) Shri Maheshchandra Muljibhai Karia  
C/o Cash N. Carry Crescent B Bldg  
Race Course - Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor—Crescent B Bldg. Rajkot Race  
Course - Adm. 1125 sq. ft. 37EE filed on 4-2-85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM FINS---

(1) Asudomal Bhavandas & Ors.  
Kalyan Park - Race Course  
Rajkot.

(Transferor)

(2) Hasmukhlal Parshottam Kichadiya  
Himatlal Parshottam Kichadia  
Shankar Dying Wali Sheri S. No 123  
Bedi para Rajkot

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I/II,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3850 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Rajkot S. No. 123 Adm. 180 sq. yd Plot No 42 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 28-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

HP at Rajkot Shankar Dying Wali Sheri Plot No. 42 paiki S. No. 123 Adm. 180 sq. yd. Bedi para Rajkot R. No. 1455/85 Dt : 28-2-85

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I/II,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3851 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I,  
G K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
Property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
HP at Rajkot Plot No. 24-Govt Servant Coop. H. Socy, Land  
305 sq. yd. + Bldg.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Rajkot on 14-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Upendra Harshvantraï Dholakiya  
Flat No. A.1 Murcja Apartment  
Navrangpur - A'bad.9  
Sharadchandra Harshavantraï Dholakiya  
Panchavati Socy. Redi Bandar Road, Jamnagar,  
(Transferee)
- (2) Dilipkumar Umedlal Shah -  
Kaba Gnadhj Ni Sheri  
Gandhi Chowk - Rajkot.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

**THE SCHEDULE**

H.P. at Rajkot Govt Servant Co.op H. Socy, Race Course  
Plot No. 24 Land Adm. 305-7-0 sq. yd. + Bldg. 56 sq. mtr.  
67 sq. yd R No 1143/85 Dt : 14-2-85

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 3rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3852 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 5-6-7 on G. F. adm. 846 sq. ft. at Janak Chambers Opp : Girnar Cinema—Rajkot and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Feb 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Janak & Co.  
Partner Smt. Bhartiben Navinchandra Patel & Ors.  
Race Course Co. op. H. Socy.  
Opp : Race Course - Rajkot.  
(Transferor)
- (2) Kishorkumar Dahyalal Kotecha  
Bangadi Bazar, Rajkot  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5, 6, 7, G F. Adm 846 sq. ft. Janak Chambers -  
Opp : Girnar Cinema Rajkot - R. No. 530 Dt : Feb. 84

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad

Date : 3-9-1985

Seal :



## FORM 112B-

- (1) Shri Keshavlal Dalpatram Joshi & Ors.  
9-Parsi Bazar Street,  
Fort-Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Kishorsingh Amarsingh Jadeja  
Krishnagar Hill Drive  
Shant nagar Socy. Plot No. 2273/4 Bhavnagar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II,  
2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 17th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3853 Acq. 23/1/85-86.--Whereas,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 2283/B-2 at Talaja Road, Krishnagar Bhavnagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Rajkot on 28-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2283 B-2 at Haleja Road Krishnagar, Bhavnagar.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad

Date : 17-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Ajitbhai Premchand Shah,  
66-Lavanya Co-op. Hsg. Socy. Ltd.,  
New Vikas Grah Road,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kusumben Bhailal Shah.  
2. Shri Bhailal Harilal Shah,  
66-Lavanya Co. op. Hsg. Socy. Ltd.,  
New Vikas Gruh Road, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I/II,  
2nd FLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th September 1985

Ret. No. P. R. No. 3854 Acq 23/J/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
S. No. 260 Sub Plot No. 66-Lavanya Co. op. Hsg. Socy.  
Bungalow No. 66  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering Officer at  
Form No. 37-F/E on 16-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 66-Lavanya Co. op. Hsg. Socy. Ltd. New  
Vikas Gruh Road Ahmedabad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad-380 009.

Date : 20-9-1985

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3855 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

H. P. at Rajkot S. No. 443-444 Land Adm. 301 sq. yd.  
+ Bldg. Sp. No. 19B-Rajkot  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering Officer at  
Rajkot on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
persons, namely :—

(1) Smt. Meena A. Kalkarni,  
C/o. A. V. Rajadhyaksha,  
Usha Kiran Aptt.  
Dr. Yagnik Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri N. J. Kotak,  
19-B-2-Harihar Socy.  
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot S. No. 443-444 SP No. 19-Land Adm. 301  
sq. yd. Bldg. R. Bo.696 Dt. Feb. 85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad-380 009.

Date : 13-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I/II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3856 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Flat at Amin Aptt. Adm. 1725 sq. 1725 sq. ft. Rajkot.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajkot on Feb. 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

59—306GI/85

(1) M/s. Mahavir Construction Co.  
Vaibhav Apartment,  
Ramkrushna Nagar,  
Sheri No. 2, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Chatrabhuj Patel & Ors.  
Flat No. 6-Amin Apartment,  
Amin Marg, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of the notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat At Rajkot—Amin Apartment—Adm. 1725 sq. ft. Amin  
Marg—Rajkot R. No. 1034/85 Feb. 85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad-380 009.

Date : 23-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II,  
2nd FLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3857 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Rajkot New Jagnath Plot Sheri No. 25, Union Co.op. H. Socy. Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kusumdevi Prataprai Vora,  
4-Union Socy.  
25, New Jagnath Plot,  
Rajkot. (Transferor)
- (2) Dr. Smt. Rajjanben Dineshchandra  
25-New Jagnath Plot, Rajkoot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot—New Jagnath Plot Sheri No. 25—Union Socy. S. No. 626 Land adm. 250 sq. yds. + Bldg. R. No. 501/1985—Feb. 85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad

Seal :  
Date : 23-9-1985



FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I/II,  
2nd FLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3858 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Rajput para main Road Sheri No. 8 Adm. 500 sq. yd. + Bldg. Rajkot, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on 18-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |  |              |
|--|--------------|
| (1) Ramniklal Ambashankar Vyas & Ors.<br>Plot No. 315 Sector No. 22<br>Gandhinagar-22. | (Transferor) |
| (2) M/s. Lotus Corporation<br>Trade Centre<br>Sardar Nagar, Main Road<br>Rajkot.       | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. P. at Rajput Para—Main Road Sheri No. 8—Land Adm. 500 sq yd. + Bldg. R. No. 1199 Dt. 18-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad-380 009.

Seal :  
Date : 27-9-1985



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
2nd FLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3859 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land at Rajkot S. No. 429-436 Panchvati Socy. Adm. 433-3  
sq. yd. Plot No. 56-A  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering Officer at  
Rajkot on 8-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Rajeshkumar Vasantraai Sheth  
Pareshkumar Vasantraai Sheth  
C/o D. P. Jewellers  
Income-tax Advocates Opp. Town Hall  
Dhebar Chowk Rajkot-1.

(Transferor)

- (2) Smt. Manoramaben Vinodray Dhanak  
Co. D. P. Jewellers  
Manoj Chambers Soni Bazar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein —  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Adm. 433.3 sq. yd. Plot No. 56-A Panchvati Socy.  
Rajkot S. No. 429-436-656 plot No. 56: A-R. No. 963 Dt.  
8-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II  
Ahmedabad-380 009.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3860 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. HP at Rajkot on the way to mavdi S. No. 374/2 Land adm. 708 sq. yd. + Bldg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Kotak and Ahiyas  
Para Bazar, Rajkot 360 001.

(Transferor)

- (2) Khadi Gramodyug Sangh  
Mavdi Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

HP at Rajkot S. No. 374/2 paiki Land adm. 708 sq. yd. + Bldg. Rajkot S. No. 848/85 Dt. Feb. 85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad-380 009.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3863 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhopal S. No. 293-1-3 paiki block No. 378, 379, 380 Land adm. 10725 sq. mtrs.-12870 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad. on 15-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Ishwarbhai Chaturbhai Patel  
2. Smt. Babuben Wife of Ishwarbhai Chaturbhai Patel  
3. Shankerbhai Ishwarbhai as a Karta and Manager of Dharmendrarao Shankarbhai Patel L. R. of Prashant Shankerbhai Patel & 10 others (Transferor)
- (2) Shri Jayantilal Bhikhabhai Modh  
Chairman of the proposed sargam Co. op. Hsg. Socy. and 26 members Jodhpur Tekra, Sattelite Road, Ahmedabad. (Transferee)
- (3) Dr. Premkumar Gupta, Cashier  
Jodhpur Tekra, Sattelite Road, Ahmedabad. (Person in occupation of the property)
- (4) Dr. V. Ramanlal  
Jodhpur Tekra, Sattelite Road, Ahmedabad. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bopal S. No. 293-1-2-3 paiki block No. 378, 379, 380 land adm. 19725 sq. mtrs. 12870 sq. Yds.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad-380 009.

Date : 30-9-1985  
Ses:



FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3862 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 36, 151 & 152 in proposed bldg. 'Chinubhai Tower' opp. Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad. Form No. 37-EE filed

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at 37-EE Filed on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Avinash Estate owners Association through M/s. Hasnukh Shah Enterprise 1st floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad-9. (Transferor)
- (2) Cehtan Kunjkumar Gulati, Navnit Kunjkumar Gulati, Gaurant Anupkumar Gulati, Manav Anupkumar Gulati, C/o Gopaldas Gulati, Commerce College, Opp. Falgun Socy. Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 36, 151 & 152 in proposed Bldg. Chinubhai Tower Opp. Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad-380 009.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3861 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Immovable property F. P. No. 828 Part 2 TPS. 3 Adm. 736 sq. yds. in Kochrab, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Martandray Gangashankar Shastri and seven others Nr. Pritamnagar First Dhal, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Shri Babubhai Alibhai Shaikh and Smt. Fatmabibi Babubhai Shikh Opp. Gaikwad Haveli Delhiwala Block, Raikhad, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing FP No. 828 Part-2 TPS No. 3 adm. 736 sq. yds. in Kochrab Ahmedabad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad-380 009.

Date : 27-9-1985

Seal :



## FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3864 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Nos. 936-A, 936-B, 936-C 936-D, 936-E adm. 1852.55 sq. yds. at Bhavnagar Krishna Nagar aerodrome road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhavnagar on 22-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
60—306GI/85

- (1) M/s. Thakkar Construction Co.  
Partner Shri Pravinchandra Harjivandas Thakkar,  
Old Manekwadi Plot No. 136,  
Panchamrut, Bhavnagar. (Transferor)
- (2) Shri Jay Jalaram Co. op. Hsg. Socy. Ltd.  
Bhavnagar  
Chairman Shri Bharatkumar Jayantilal Thakkar  
720-Derl Road Bhavnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot Nos. 936A, 936B, 936C, 936-D, 936-E adm. 1852.55 sq. yds. at Bhavnagar Krishnagar, aerodrome road.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad-380 009.

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I

2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAMROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3865 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Tenament No. 19 in Tulsivan Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Jeevraj Park, Vejalpur Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 28-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kantilal Vithaldas Mistri  
1-Amrutbag Socy. Jeevrajpark Vejalpur Rd.  
Ahmedabad-51. (Transferor)
- (2) Manguben daughter of  
Vajaji Narsingji  
19-Tulsivan Co. op. Hsg. Socy. Ltd.  
Jeevraj Park, Vejalpur Road,  
Ahmedabad-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Tenament No. 19 Tulsivan Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Jeevraj Park Vejalpur Road, Ahmedabad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,  
Ahmedabad-380 009.

Date : 30-9-1985

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 1st October 1985

Ref.No. P.R. 3866 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and  
bearing No. S. No. 133/1 Land adm. 5160  
sq. mtr. = 6192 sq. yds. situated at Ghatlodia,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at A'bad  
in 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Bai Surajben Chhagaji etc.  
legal heirs of  
Chhagaji Ramsingji  
Ghatlodiya, Tal. City.  
Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ramdevprakash Co.op. Hsg. Socy. Ltd.  
Chairman—Arvindbhai Bhagwandas Patel,  
Nani Khadki, Rakhial  
Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 133/1 Land adm. 5160 sq. mtrs. = 6192 sq. yds.  
in Ghatlodia.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 1-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. 3867 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shekhpur Khanpur seem TPS. No. 3 SP No. 161/1/1 F.F. Office No. A adm. 1295 sq. ft. situated at A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dhanlaxmiben Laxmandas Patel  
Krishnanivas—Nr. Gujarat Vidyapith  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Nutan Nagrik Co.op. Bank Ltd.  
Opp: Victoria Jubilee Hospital  
Panch Kuwa—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shekhpur—Khanpur seem TPS. No. 3 SP No. 161/1/1 F.F. Office No. A adm. 1295 sq. ft.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Hazarimal Gannaji Shah  
Gita Nivas  
Opp: Water Tak Sabarmati—A'bad-5.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Pavankumar Rambilas Agrawal  
B-1—Navnit Aptt. Gulbai Tekra  
Ahmedabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. 3868 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing No. Raipur Hirpur Seem TPS. No. 2 F.P. No. 45 Shop No. 31 in Nutan Guj.—Co.op. Shops & Ware Housing Socy. Ltd. situated at A'bad. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 20-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Raipur-Hirpur seem TPS. No. 2 F.P. No. 45 Shop No. 31 in Nutan Guj. Co.op. Shops & Warehousing Socy. Ltd.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-1985

Seal :



## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. 3869 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and  
bearing No. S. No. 14-2 City Tal. Naroda TPS. 1 FP 704  
Tenament No. C B-1-60 adm. built up area 108 sq. yds.  
Indira Bag Socy. Naroda Prantij High way.  
situated at Ahmedabad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at A'bad  
on 5-2-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Suman Gandabhai Patel  
15—Pramanik Socy. Ranip  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Devkaran Kanaji Kavaiya  
Tenament No. CB 1-60  
Naroda Prantij High Way—  
Indira Bag Socy. Naroda—A'bad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 14-2 City Tal. Naroda TPS. 1 FP 704 Tenament  
No. CB 1-60 adm. built up area 108 sq. yds. in Indira Bag  
Soc. Naroda Prantij High Way.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3-10-1985  
Seal :



**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. 3870 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 141 on the Upper Plaza in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad, situated at Ahmedabad 37EE filed on (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad undersign on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Avinash Estate Owners Assn. through M/s Hasmukh Shah Enterprise 1st Floor—Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Kashiben Narayandas Patel C/o N. Rajaram Ratanpole Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 141 on the Upper Plaza in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3871 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 'C' 2nd Floor 'Shalin' Bldg. Ashram Road, A'bad. situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chimanlal Estate Owners Association  
through M/s Hasmukh Shah & Associates  
1st Floor, Chinubhai Centre,  
Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) Gujarat Colour Laboratories  
Q-14—T.V. Industrial Estate—  
Bombay.

('Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 'C' 2nd Floor 'Shalin' Bldg. Ashram Road  
Ahmedabad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3872 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 153 on First floor in Chinubhai Tower, Opp: Natraj Cinema—Ashram Road, A'bad. 37EF in the office of the undersigned on 13-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Hasmukh Shah Enterprise  
1st Floor, Chinubhai Centre,  
Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) Rachana Kunjkumar Gulati  
C/o Gopaldas Gulati Commerce College  
Opp: Flagun Socy.—A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 153 on 1st floor in Chinubhai Tower, Opp: Natraj Cinema Ashram Road, Ahmedabad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
61—306G1/85

Date: 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3873 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. J on 2nd floor of A-Tower in Chinubhai Tower Opp: Nairaj Cinema Ashram Road, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE Filed on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Hasmukh Shah Enterprise  
1st Floor, Chinubhai Centre,  
Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

- (2) Dujodwala Resing & Terpense Pvt. Ltd.  
212, Julsibhai Chambers, Nariman Point,  
Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. J. on 2nd Floor of 'A' Tower in Chinubhai Tower Opp: Nairaj Cinema Ashram Road, A'bad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3874 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 141 on the Upper Plaxa in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EF Filed on 14-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Avinash Estate Owners Association—through M/s Hasmukh Shah Enterprise 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, A'bad. (Transferor)
- (2) Kashiben Narayandas Patel C/o N. Rajaram Ratanpolc—Ahmedabadi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 141 on the Upper Plaxa in Chinubhai Tower, Opp. Natraj Cinema—Ashram Road A'bad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3875 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 39 on Lower Plaxa in Chinubhai Tower' Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed on in the office of the undersigned on 13-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Haasmukhlal Shah Enterprise,  
1st Floor—Chinubhai Centre,  
Ashram Road—Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Jaykumar Nemichand Jain  
2465—Manek Chowk  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 39 on Lower Plaxa in Chinubhai Tower, Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3876 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 83 in Lower Plaza in Chinubhai Tower & Opp: Natraj Cinema Ahmedabad Form No. 37EE filed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on 15-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Avinash Estate Owners Association  
Through M/s Hasmukh Shah Enterprise  
1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram  
Road, A'bad. (Transferor)
- (2) Puri Maganlal Hiralal  
Manek Chowk—Ahmedabad-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given by that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 83 in Lower Plaza in 'Chinubhai Tower' Opp: Natraj Cinema Ahmedabad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3877 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 63 on the Loer Plaxa in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad Form No. 37EE filed in the office of the undersigned on 13-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s Hasmukh Shah Enterprise  
Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema  
Ashram Road—Ahmedabad.

(Transferor)

(1) Vasant Gandhalal Soni—  
Pritamnagar—1st Slope,  
Ambalal Hirachand Chawl—Ahmedabad-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 63 on the Lower Plaxa in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985  
Seal :



## FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHIRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3878/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing  
1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtrs.  
out of land at TPS 3 extended FP No. 674/1 adm. 1017  
sq. yards(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 10-1-85/2-85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(1) Shri Dineshchandra Amablal Chokshi,  
C/o Century Bazar,  
Ambawadi Owners Co-operative Society (Proposed)  
2, Harisiddha Chambers,  
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Century Bazar  
Ambawadi Owners Co-operative Society,  
Promotor Harkishan Hemraj,  
2, Harisiddha Chambers,  
E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE,

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.05 sq.  
mtrs. out of land at TPS. 3 FP No. 674/1 adm. 1017 sq.  
yards.G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
AhmedabadDate : 4-10-1985  
Seal :



## FORM 17M2

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3879 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtrs. out of land at TPS 3 extended FP No. 674/1 adm. 1017 sq. yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-85/2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dineshchandra Ambalal Chokshi,  
C/o Happy Home,  
Ambawadi Owners Co-operative Society (Proposed)  
Belaview Compound,  
Opp. Gandhigram Rly Station,  
E.B., Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Happy Home,  
Ambawadi Owners Co-operative Society,  
Promotor—  
Bansidhar Purohit,  
Belaview Compound,  
Opp. Gandhigram Railway Station,  
E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.05 sq. mtrs. out of land at TPS: 3 FP No. 674/1 adm. 1017 sq. yards.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 4-10-1985  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3880 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtrs. out of land at TPS 3 extended FP No. 74/1 Adm. 1017 sq. yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-85/2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
62—306GI/85

(1) Shri Harendra Ambalal Chokshi,  
C/o Century Bazar,  
Ambawadi Owners Co-operative Society (Proposed)  
2, Harsiddha Chambers,  
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Century Bazar,  
Ambawadi Owners Co-operative Society,  
Promotor Harkishan Hemraj,  
2, Harsiddha Chambers,  
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtr. out of land at TPS 3 extended F.P. No. 674/1 adm. 1017 sq. yards.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 4-10-1985  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3881 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 undivided share in land  $\cong$  Building adm. 508.5 sq. mtrs. out of land at TPS 3 extended FP No. 674/1 Adm. 1017 sq. yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-85/2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Harendra Ambalal Chokshi,  
C/o Happy Home  
Ambawadi Owners Co-operative Society (Proposed),  
Belaview Compound,  
Opp. Gandhigram Railway Station,  
E.B. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Happy Home  
Ambawadi Owners Co-operative Society,  
Promotor—  
Pramod Bansidhar Purohit,  
Belaview Compound,  
Opp. Gandhigram Railway Station,  
E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtr. out of land at TPS 3 extended F.P. 3 674/1 adm. 1017 sq. yards.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 4-10-1985  
Seal :



## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3782 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. N.8 at Bombay Market  
Umarwada—Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 25-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hetram Hargovind  
'Krishna Kutir' 19/21 Juni,  
Hanuman Gali—Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shri Khandubhai Chhitubhai Patel,  
27, Shri Niketan Society,  
Sumul Dairy Road,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1850 dated 25-2-85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 10-9-1985  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1985

Ref. No. 3783 Acqq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. L3 a Bombay Market Umarwada—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1947 (27 of 1947);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Royal Silk Mills,  
Prop. : Iqbal Haji Ismail Godil,  
Gopipura—Momanvad,  
Surat,

(Transferor)

(2) Harish Textile,  
Amritlal Nanabhai & Ors.,  
at Salabatpura—Lalvadi,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1898 dated 26-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 10-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3784 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Shop No. 6 'H' Building Ground Floor  
India Textile Market,  
Ring Road—Surat  
and Form No. 37EE is submitted on 18-1-1985  
Surat on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society  
Ring Road,  
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ved Prakash,  
S/o P. D. Kumar,  
61, Krishna Cloth Market,  
Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-  
signed in January 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 6-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3785 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. J.408—Indiā Textile Market, Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and Form No. 37EE is submitted on 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society  
Ring Road,  
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Kamalkumar  
C/o Severa, Motihil,  
Muzaffarpur, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 6-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3786 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 703 'J' Building in India Textile Market, Ring Road—Surat and Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned on 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society Ltd., Near Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Raj Gopal Sitaram Chaudhary & Ors., C/o Chirangilal Sitaram, 201—B.M.G. Road, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 6-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985

Ref. No. P.R. 3787 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. J. 604 India Textile Market Ring Road—Near Kinnery Cinema—Surat and Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned on 31-1-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society Ltd., Near Kinnery Cinema, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Parshottam Khetan, Kavi Apartment No. 331, Worli Sen Foca, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 6-9-1985

Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society  
Ring Road,  
Surat.

(Transferee)

(2) Shri Biharilal Parasrampuria,  
17/18—'Raviraj'  
9th Wardha Road,  
Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3788 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
1,308—India Textile Market,  
Ring Road—Surat

and Form No. 37EE is submitted in the Office of the under-  
signed on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
herefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
is agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-  
signed in January 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

—306GI/85

Date : 9-9-1985

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3789 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

J,407—on 4th Floor—India Textile Market  
Ring Road—Surat

and Form No. 37EE is submitted in the Office of the under-  
signed on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society  
Ring Road,  
Surat.

(Transferor)

- (2) Smt. Gitadevi,  
C/o Savera Moti Hil,  
Muzaverpur, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-  
signed in January 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3790/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J.307, India Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the undersigned on 30-1-1985 and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 30-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sanjeev Premises Co.op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Bihārīlal Parasrampurīa,  
17/18, 'Ravi Raj', 9th Vardha Road,  
Nagpur-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3791/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 444 at Ajanta Shopping at Textile Arcade Ring Rd., Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shanti Builders,  
Ajanta Shopping & Textile Arcade,  
Ring Road, Surat.

(Transferee)

(2) Shri Shyamsundar Ladia,  
137, Dadi, Sheth Agiary Lane,  
1st floor, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.\*

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3792/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 638 at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Shanti Builders,  
Ring Road,  
Ajanta Shopping & Textile Arcade,  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. S. T. Gandhi & Co.,  
T. 1121, Ground Floor,  
Surat Textile Market,  
Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3793/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203 at River Queen Bldg., Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bombay Enterprises,  
402, Keshav Chambers, Lalgate,  
Surat.

(Transferor)

(2) Mr. Sanatbhai. A. Zaveri,  
54, Ashutosh Neapeansea Road,  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM 37NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3794/Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602 at River Queen, Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Enterprises,  
402, Keshav Chambers,  
Lalgate, Surat.

(Transferor)

(2) Mr. Dilip. B. Shah,  
7D, Nisha Aptt.,  
Kajinu Medan, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3795/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 1533 adm. 719 sq. mtr. with old structures of iron sheets at 222 sq. yds. at Fateganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Baroda on 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Carry Emermal D'cruz,  
14, Ranchho Ray Socy.,  
Harni Road,  
Baroda.

(Transferor)

- (1) Shri Sardarsinh Gurudit Singh Anand,  
'Anand Mahal' Opp. Rosary School,  
Pratapganj, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda bearing S.R. No. 1049/85 on 4-2-85 for A.C. of Rs. 3,84,850/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



FORM NO. ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Aalok Associates,  
1, Keval Aptt.,  
Subhanpura, Baroda.

(Transferor)

(2) Natubhai Patel Family Trust,  
1, Arunodaya Socy., Baroda-5.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3796/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 62, 63 on mezzanine floor of Anurag Cem. Centre R. C. Dutt Road, Baroda-5 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at S. R. Baroda on 19-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 19-2-85 for A.C. Rs. 4,15,950/- bearing Reg. No. 1540/85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

64—306GI/85

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3797/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property situated at Plot No. 7 Laxmi Co.op. Hsg. Socy. R.S. No. 113/ Jetalpur Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Baroda on 28-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moveable or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Shantaben Ravjibhai Patel,<br>Power of Attorney Holder,<br>Thakobhai Umeabhai,<br>Vadodara. | (Transferor) |
| (2) Ramaben Shrivankumar,<br>88, Sampatrao Colony,<br>Race Course,<br>Vadodara.                 | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 28-2-85 for A.C. Rs. 2,40,000/- bearing reg. No. 1782/85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AJHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3798/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. bearing tika no. 114 S. No. 101 municipal No. 1-23/1 to 1-23/19 at Panjapole, Mehsana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Mehsana on 6-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kantilal Tribhovandas Patel,  
Mehsana.

(Transferor.)

(2) M/s. Darshan Corporation,  
Panjapole,  
Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Mehsana on 6-2-85 bearing regd. No. 266 for A.C. Rs. 2,55,000/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1985  
Seal :



**FORM ITNS**

- (1) Shantilal Bhogilal Shah,  
P.A. Holder Vijayakumar Shantilal Shah,  
Tiupan Aptt., Patwa Estate, Vadodara. (Transferor)
- (2) Nitinkumar Ranchhodbhai Patel,  
A-2, Viayutnagar Socy.,  
June Paudara Road, Vadodara. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref No. P. R. No. 3799/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot adm. area of 242 sq. mtr. being R.S. No. 114 of Jetalpur situated at FP No. 427 Plot No. 45 of Shrinagar Socy., Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Baroda on 27-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 27-2-1985 bearing regd. No. 1771/85 for A.C. Rs. 71,850/1.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 9-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Shantilal Bhogilal Shah P.A. Holder,  
Vijaykumar Shantilal Shah,  
Tirupati Aptt, Patwa Estate, Baroda. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Anilkumar Jivanbhai Patel,  
91-Taganagar Socy.,  
Juna Padra Road, Vadodara. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 23rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3800 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot adm. area of 242 sq. mtr. bearing R.S. No. 114 of Jeajpu site No. 52 F. No. 427 Plot No. 45 of Shrinagar Socy, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 27-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 27-2-85 for A.C. Rs. 71,850/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-1985

Seal :



FORM ITNS—

(1) Hareshbhai Ishwa bhai Sheth,  
3-Kr. Mahakuj Race Course,  
Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kamalpark Ap't, Co-op Hsg. Socy.,  
President—Smt. Normala Himatlal Popat,  
5—Vthal Socy. 'Trushar' Nr. Jayratna Bldg.,  
Navapura—Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDESOOL HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 23rd September 1985

Ref. No. P.R. No. 3801 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Plot of land admt. 908 sq. mtr. with old construction  
bearing R.S. No. 533 C.S. No. 1591, 1992, 1993, 1994,  
1995 and Paikri 195/5 at Race Course S.G. Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer  
at Baroda on 7-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent on such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 7-2-1985 for  
A. C. Rs. 3,23,532/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 23-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sh. Harshadbhai Ishwarbhai Sheth,  
3-Krishna Kunj-Race Course,  
Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kamlapark Aptt. Co-op. Hsg. Socy.,  
President—Smt. Nirmala Himmalal Popat,  
5-Vihari Socy. 'Tushar' Nr. Jayarajna Bldg.,  
Navapura, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 23rd September 1985

Ref. No. P.R. No. 3802 Acq 83/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
No. Plot at Land with old construction adn. 581 sq. mtr.  
bearing C.S. No. 1995/5 1999/6 R.S. No. 533 R.C. Road,  
Sayaji Gani Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer  
at Baroda on 7-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by the more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereinafter  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 7-2-1985 for A.C.  
Rs. 2,06,481/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 23-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) B'pinchandra Prabhakar Gupta—HUF, at Itola Tal. Vadodara.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Paramdham Co-op. Hsg. Socy., at Itola, Tal. Vadodara.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 23rd September 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 3803 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. The plot of land adm. 10177 sq. mtr. at the village Itola Tal. Vadodara bearing R.S. No. 1271 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 27-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed for A.C. Rs. 2,02,340 was regd. by S.R. Baroda on 27-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-9-1985

Seal :



**FORM ITN****NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II\*  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 24th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3804 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. S. No. 215 paiki adm. area of 7283 with Industrial Shed  
of built up area of 463 sq. mtr. at Chikhodara Tal. Godhra  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer  
at Godhra on 23-1-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration,  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—  
65—306GT/85

(1) Sh. Suleman Haji Abdul Rehman Dadi & Ors.,  
Mohmadi Mohollo, Godhra.  
(Transferor)

(2) Modern Cement Co., Chikhodara,  
Tal. Godhra.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A sale deed was regd. at by S.R. Godhra on 23-1-85 for  
A.C Rs. 2,56,786/- form No. 37G is received on 8-4-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 24-9-1985

Seal:



FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3807, Acq 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
No. Ward No. 1 Nondh No. 1502 to 1503 Nanpura, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Surat on 15-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sima—Alias Shirin Jahangirji Vesuna, Bombay.  
C/o. Patel Corporation, Nanpura Duch House,  
Surat.

(Transferor)

(2) Patel Corporation, Nanpura Duch House, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1445, dt.  
18-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Ravi Enterprises,  
101—Rajeshwar Aptt.,  
Nanpura Athugar Street, Surat.  
(Transferor)
- (2) Shri Krishnakumar, S. Bajaj & N. G. Bajaj,  
C/o. Bajaj Synthetics, W. 3211, Surat Textile  
Market, Ring Road, Surat.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3808, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. Flat No. 4C—in Ravi Tej Aptt. Opp. Lourdes Convent  
School, Athwa Lines, Surat  
at Form No. 37EE is submitted  
at Undersigned on 10-1-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-  
signed in Jan., 85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3811 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land at Athwalines Ward Athwa C.S. No. 166B, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer at  
Surat on 27-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- a) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Praniathesh Jerambhai Desai,  
Athwa Lines, Nr. Lal Bunglow, Surat.  
(Transferor)
- (2) Tripan Co-op. Hsg. Socy.,  
C/o. Jayaben Prakashkumar Savani,  
Nisha Aptt., Kajinu medan,  
Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may  
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1919, dt.  
27-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 27-9-1985  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3808, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. Flat No. 4C—in Ravi Tej Aptt. Opp. Lourdes Convent  
School, Athwa Lines, Surat  
at Form No. 37EE is submitted  
at Undersigned on 10-1-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) M/s. Ravi Enterprises,  
101—Rajeshwar Aptt.,  
Nanpura Athugar Street, Surat. (Transferor)  
(2) Shri Krishnakumar, S. Bajaj & N. G. Bajaj,  
C/o. Bajaj Synthetics, W. 3211, Surat Textile  
Market, Ring Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-  
signed in Jan., 85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad

Date : 27-9-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3811 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land at Athwalines Ward Athwa C.S. No. 166B, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 27-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Pramathesh Jerambhai Desai,  
Athwa Lines, Nr. Lal Bunglow, Surat. (Transferor)
- (2) Tripan Co-op. Hsg. Socy.,  
C/o. Jayaben Prakashkumar Savani,  
Nisha Aptt., Kajinu medan,  
Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1919, dt. 27-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 27-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-320 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3812.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6 C in Ravi Chhaya Aptt. Opp. Lourdes Vonvent High School—Athwa Lines—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Ravi Enterprise  
1st Floor—Rajeshwar Aptt.  
Nanpura—Athugar Street—Surat. (Transferors)
- (2) Shri Mayankbhai —. Mehta & Ors.,  
904 Rajeshwar Aptt. Nanpura,  
Athugar Street—Surat. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
66—306GI/85

Date : 30-9-1985

Read : -



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3813, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Majura Ward, S. No. 478 TPS No. 9 FP. No. 54—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ranjit Singh Umrao Singh Thakor  
Gordhanwada—Nanpura—Surat (Transferees)
- (2) Himron Industrial Sramiks and  
Himron Techno Services Pvt.  
Director—  
Shri Panalal Hirani  
Lal Daraja—Gudi Sheri—Surat. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The documents are regd. at S. R. Surat vide No. 1330 & 1331 Dt: 15-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad.

Date : 30-9-1985

Seal :



FORM ITNS—

(1) Sri Ranjit Singh Umrao Singh Thakor  
Gordhanwada—Sanpura—Surat  
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Himson Techno Services Pvt.  
Director—Shri Panalal Hiralal,  
Lal Darwaja—Gudi, Sher—Surat.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDELOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 30th September 1985

Ref. No., P.R. No. 3814.Acq.23/II.85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Majura Ward S. No. 478 TPS. No. 9 Final Plot No. 54—situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter I of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 1331 dt. 12-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad.

Date: 30-9-1985  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Nitinkumar Thakorlal Chokshi  
Chokshi Bunglow Civil Line—  
Nr. K.F.O.—Bharuch.

(Transferors)

(2) United Construction Co.  
215—Commerce House,  
140—Medows Street—Bombay-400 023.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3815.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Nandeval S. No. 41/2 situated at Tal. Bharuch. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 11-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. o. 3816.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Shanti niketan Socy. Bungalow No. 111 situated at Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer  
at Surat on 11-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Mangubhai A'ias  
Mangubhai Akumar Ghelabhai & Others,  
b-side Majur Mahajan- Station Road,  
Navsari.

(Transferors)

(2) Gajendrakumar Gordhanbhai Patel,  
Shantiniketan Socy. Bungalow No. 11,  
Sumul airy oad—Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
it have the same meaning as given in  
Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1284 Dt.  
11-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



FORM 11 N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I & II  
2ND FLOOR, HANDECOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3817 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Bldg. No. 23 Nutan Co-op. Hsg. Socy. bearing taqa No.  
74 S. No. 4187 Mun. House No. 458 of Ward No. 1 and  
Garage of Mun. No. 459 of Ward No. 1  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer at  
at Navsari on 1-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Rajen Manubhai Desai & Ors.,  
Nutan Socy.,  
Manarshi Arvind Marg, Navsari. (Transferor)
- (2) Muganbhai V. Patel & Ors.,  
At Vaghra, Tal. Navsari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Navari on 1-2-1985 for  
A.C. Rs. 2,51,000/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

- (1) M/s. Vinod Builders,  
400-Dalambai House, 4th Floor,  
Jambhaji Bajaj Road, Nariman Point,  
Bombay-400 021. (Transferor)
- (2) Smt. Chandanben Chunilal Shah & Ors.,  
7 'A' Sahi Apartments,  
14, S.K. Barodawala Marg, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to be undersigned :—

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3818, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Flat No. A-6 3rd Floor of Kama'a Park at Vishwas  
Colony behind Krishnakunj Bungalo, R. C. Dutt Road,  
Baroda  
Form No. 37EE filed  
in the office of the undersigned on 27-3-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE was regd. by this on 27-2-85 for an A.C.  
of Rs. 3,31,000/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-830009

Ahmedabad the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3819, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 61 Haribhakti Extension Colony Old Padra Road,  
situated at Baroda  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at Baroda  
in February, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Dodsai Pvt. Ltd.,  
Bombay—Mataul House,  
Backbay Reclamation, Bombay.

(Transferor)

(2) Sm. Rundas Gupta,  
61—Haribhakti Colony,  
Old Padra Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda in Feb., '85 for A.C.  
Rs. 2,29,000/-.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3820, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 44 paiki Plot No. D. 7 & D 8 Athwa Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 27-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
67—306GI/85

(1) Sh. Kantilal Morarji Desai,  
Power of Attorney, Yogesh Champaklal, Bombay.  
(Transferor)

(2) Sh. Satish Dahyalal Chokshi,  
G. Deshmukh Marg, Bombay,  
(P. A. Pratap, L. Barot, Bombay).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The transactions are regd. at S.R. Surat vide No. 1944 & 1945, dt. 27-2-85.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-830009

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3821, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Plot No. 107, 108 at Silvasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at Silvasa on  
11-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) East man Crimpers Ltd.,  
254-B—Nirban House,  
Dr. Anne Besena Road, Worli, Bombay.  
(Transferor)
- (2) Binodkumar & Company,  
1105, Dalamal Tower,  
211, Nariman Point, Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The transaction was regd. at S.R. Silvasa vide No. 31  
dt. 11-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



**FORM ITN****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I & II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3822, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. R.S. No. 1973/K/1 paiki opp. L.B. Theatre Bharat Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 15-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Chandulal Motilal Khandwala,  
Shree Apt. Nanpura, Surat.  
(Transferor)
- (2) Shri Jayantilal Bechardas Shah,  
Chief Promotor of Akashganga Aptt. Co. Cosy. Ltd.  
Surat, 7-Kiran Aptt. Nanpura, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The document were ret'd. at S.R. Surat on 15-2-1985.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 30-9-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1985

Ref. No. C.A. 145/85-86/Sl. 1068/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 216, situated at Acharya Jagadish Ch. Bose Road,  
Calcutta-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)  
of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 145  
dated 26-2-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Asgar Ali Ganjgee, Hasan Ali Gangji & Sultan Ali  
Gangji  
(Transferor)
- (2) Choicest Construction Private Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

All that portions of premises No. 216, Acharya Jagadish  
Ch. Bose Road, Calcutta-17, Registered before the Competent  
Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial  
No. C.A. 145 dated 26-2-1985.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 23-9-1985  
Seal :



## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION  
May, 1986

New Delhi, the 2nd November, 1985

No. F. 7/4/85-E.I(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 15th May, 1986 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 77th Course commencing from January, 1987.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army 39 for Navy and 66 for the Air Force).

*N.D.*—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the orders of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION :—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 15th April, 1986, will not be entertained under any circumstances.

## 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :—

(a) *Nationality* :—A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii).

(iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) *Age limits, sex and marital status*.—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1968 and not later than 1st January, 1971 are only eligible.

NOTE—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) *Educational Qualifications*.—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised University or equivalent, Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or equivalent examination of the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and/or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110 022 by 26th December, 1986 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards [Universities have not yet issued certificates. Certified true copies] photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 1—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is



only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending the date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. **FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION**—Rs. 28/- (Rupees twenty eight). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected. Candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes are not required to pay any fee.

5. **REMISSION OF FEE**—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.

- (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

NOTE.—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that students of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

6. **HOW TO APPLY**—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, May, 1986 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011. Application forms and full particulars

of the examination can be had from the following sources.—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the Counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office Military Area/Sub-Area Headquarters/Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units and Naval Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3, etc.). Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

NOTE.—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their application will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.



7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 30th December, 1985 (13th January, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangri Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 30th December, 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh, Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangri Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence, to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangri Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 30th December, 1985.

NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of application should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

#### 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION :—

##### (A) By all candidates :—

- (1) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes are not required to pay any fee.

NOTE—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of the India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051. Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

##### (ii) Certificate of Age :—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copies of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY TWO ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

##### (iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification :—

A candidate must submit two attested/certified copies of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para



3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If attested/certified copies of such a certificate are not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

(iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

(v) Two identical copies of passport size (5 cms × 7 cms approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

(B) *By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—*

Attested/certified copy of a certificate in the form given at (a) in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Castes/Scheduled Tribes. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who has migrated from one State/Union Territory to another may submit in support of his claim an attested/certified copy of a Certificate in the form given at (b) in Appendix IV.

(C) *By candidates claiming remission of fee :—*

(i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in position to pay the prescribed fee.

(ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate :—

(a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan :—*

(i) Camp Commandant of the Transit Centre of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate incharge of refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his Charge.

OR

(v) Deputy/Refugee Rehabilitation Commissioner West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) *Repatriate from Sri Lanka :—*

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma :—*

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

(d) *Displaced person from erstwhile West Pakistan :—*

(i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

NOTE : Candidates are required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

9. REFUND OF FEE :—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in May 1985 or December, 1985 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations



provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1986 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 29th August, 1986.

#### 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION :—

Every application including late one received in the Commission Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not *ipso facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. **RESULT OF APPLICATION :—** If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application, one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. **ADMISSION TO THE EXAMINATION :—** The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. **ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT :—** Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination or,
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination or

- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

14. **ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF :—** Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6 (SP) (a), West Block III, K. A. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

15. **COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATION :—** ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DROLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. **CHANGE OF ADDRESS :—** A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.



CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'s BRANCH RTG. 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING I, RAMAKRISHNA PURAM NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

**17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION:—**Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch RTG. 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ A.G.'s Branch RTG. 6 (SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

**18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:—**The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidate who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidate shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) officer potentiality, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect. To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force.

The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Navy Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit upto the number of vacancies available from the order of merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

**N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.**

Candidates who have been given the pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

**19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—**Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

**20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY:—**Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.



21. The Union Public Service Commission have brought out a period publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN,  
Deputy Secy.

#### APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of examination)

##### A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

Subject	Duration	Max Marks
1. English . . . . .	2 hours	250
2. Mathematics— Paper I . . . . .	2 hours	125
Paper II . . . . .	2 hours	125
3. General Knowledge—		
(Paper I (Science) . . . . .	2 hours	200
Paper II (Social Studies, Geography and Current Events) . . . . .	2 hours	200
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix quantifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside examination hall.

69-306GI/85

##### B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman-like use of words. The syllabus covers various aspects like : Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

#### MATHEMATICS

##### PAPER I

##### Arithmetic

Number Systems.—Natural numbers, Integers, Rational and Real number, Fundamental operation—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory, Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors, Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

##### Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

##### Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when  $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ .

Value of  $\sin X$ ,  $\cos x$  and  $\tan x$  for  $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ , and  $90^\circ$ .

Simple trigonometric identities.  
Use of trigonometrical tables.  
Simple cases of heights and distances

##### PAPER II

##### Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangent and normals (ix) loci.



**Mensuration**

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Area of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

**Statistics**

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

**GENERAL KNOWLEDGE**

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

**PAPER I  
SCIENCE**

General knowledge Paper I will comprise the following—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet, Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating. Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraphs, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparations of substances like Soap, Glass Ink Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

(C) Difference between the living and nonliving.

Basic of Life-Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food, Balanced Diet.

The Solar System Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

**PAPER II**

**SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT  
EVENTS**

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Years Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State, Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Russian Revolution, Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the Present world.

(B) The Earth, its shape and size, Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, cyclones and Anti-cyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate. Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities.



Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of Important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE. Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry, 40%, 40% and 20% marks respectively.

### INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Test, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

### APPENDIX II

#### GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporary unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- There should be no evidence of weak constitution bodily defects of under-weight.
- The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms. for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable heights will be 5 cms. less. In

case of candidates from Iaccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

### HEIGHT-WEIGHT STANDARDS

Height in Centimetres (without shoes)	Weight in Kgs.		
	15—16 years	16—17 years	17—18 years
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43.0	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.5	60.0	63.0
183	61.0	62.5	65.0

A  $\pm 10\%$  ( $\pm 6$ Kgs. for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

Note 1 :—Height relaxation upto 2.5 cm. (5 cm for Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

Note 2 :—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

	Minimum	Maximum
Leg Length	99.00	120.00 cms
Thigh Length	—	64.00 cms
Sitting Height	81.50	95.00 cms

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA.

- Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenial defects which



are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

#### For Air Force

##### Spinal Conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties;

(i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.

(ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.

- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only. X-ray of lumbosacral vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.

- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.

- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examinee referred for specialist's advice.

- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force :

(i) Granulomatous disease of spine.

(ii) Arthritis/spondylosis.

(iii) Scoliosis more than 15 degree as measured by Cobb's Method.

(iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.

(v) Spondylosis/Spondyloysis.

(vi) Herniated nucleus pulposus.

(vii) Compression fracture of Vertebra.

(viii) Scheurman's Disease.

(ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.

(x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.

- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.

- (l) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

Audiometric test will be done for AP.

Audiometric loss should not exceed  $\pm 10$ db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.

- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal

- (n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.

- (o) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.

- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.

- (r) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

- (s) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6; 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

#### Vision standard for Naval candidates

Distant vision	6/6	6/9	Correctable to
		6/6	
Near vision	N-5	each eye	

#### Colour vision CPI by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

#### Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed

- |                 |                              |
|-----------------|------------------------------|
| (i) at 6 metres | Exophoria 8 prism diopters   |
|                 | Esophoria 8 prism diopters   |
|                 | Hyperphoria 1 prism diopters |
| (ii) at 30 cm   | Exophoria 1 prism diopter    |
|                 | Esophoria 6 prism diopter    |
|                 | Hyperphoria 1 prism diopter  |

#### For Air Force, the criteria are :—

Distant Vision	6/6	6/9	correctable to 6/6
Near Vision	N-5	each eye	
Colour Vision	CPI	(MLT)	
Manifest Hypermetropia	must not exceed	2.10	
Myopia	Nil		
Astigmatism	+0.75 D	Cyl	

#### Ocular Muscle Balance



**Heterophoria with the Maddox Rod must not exceed—**

- (i) at 6 metres . . . Exophoria 6 prism dioptres  
Esophoria 6 prism dioptres  
Hyper/Hypophoria 1 prism dioptre.
- (ii) at 33 cms. . . Exophoria 16 prism dioptres  
Esophoria 6 prism dioptres  
Hyper/Hypophoria 1 prism dioptre.
- (iii) Binocular Vision . . . Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth.
- (t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (u) Routine ECG and EEG for Air Force Candidates must be within normal limits.

**APPENDIX III***(Brief particulars of the Services etc.)*

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign:—

- (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parents or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month . . . . .	Rs. 375.00
(b) for items of clothing and equipment . . . . .	Rs. 650.00
(c) Incidental Expenditure during 1 Semester . . . . .	Rs. 150.00
Total . . . . .	Rs. 1175.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month . . . . .	Rs. 375.00
(b) For items of clothing and equipment approximately . . . . .	Rs. 475.00

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHI cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(3) KUAR SINGH MEMORIAL Scholarship.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Khadakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.

(4) ASSAM GOVERNMENT Scholarship.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.



(5) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) **KERALA GOVERNMENT Scholarships.**—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) **BIHARI LAL MANDAKINI Prize.**—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) **ORISSA GOVERNMENT Scholarships.**—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parents or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) **WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.**—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) **Category 1.**—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

(b) **Category 2.**—The scholarship of a lumpsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) **Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL scholarships.**—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt the Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) **HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Four scholarship will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

(12) **TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.**—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadets training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parents/guardians monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) **KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship.**—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480/- (rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School, Bijapur/RIM College, Dehra Dun have been awarded.

(14) **ALBERT EKKA Scholarship.**—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50/- per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarship are obtainable from the Commandant, National Defence Academy KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects.—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their Studies after the competitive examination.

#### Training

6. The selected candidate, for the three service viz., Army, Navy and Air Force, is given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.



7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadet to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as **Gentlemen** cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training **Gentlemen** Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

## TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

### II. ARMY OFFICERS

#### (i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel	1900 fixed (time scale)
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Major-General	2500—125½/2—2750
Major (Selection Grade)	1800—50—1900		
Lt. Colonel by selection	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.
Lt. Col. (Selection Grade Pay)	2000—50—2100	Lt. General (Army Commander)	3250 p.m.

#### (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualification are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/- 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

#### (iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances :-

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.

(b) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.

(c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.

(d) Separation allowance.—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

(e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.

(f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

#### (iv) POSTING

Army officers are liable to serve any where in India and abroad.

#### (v) PROMOTION

##### (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.

(i) By Time Scale	Minimum Service Limit
Lt.	2 years of Commissioned service
Captain	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. from Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service
(ii) By selection	
Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Major Gen.	25 years of commissioned service
Lt. Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction.

##### (b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :-

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6 1/2 years
Col.	8 1/2 years
Brigadier	12 years
Maj. General	20 years
Lt. General	25 years



## 12. NAVAL OFFICERS

## (i) PAY

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation and Submarine
	Rs.	Rs.
Midshipman . . . . .	560/-	560/-
Ag. Sub. Lieut. . . . .	750/-	825/-
Sub Lieut. . . . .	830—870	910—950
Lieut. . . . .	1100—1450	1200—1550
Lieut Cdr. . . . .	1450—1800	1450—1800
Lieut Cdr. (Selection Grade). . . . .	1800—1900	1800—1900
Cdr. . . . .	1750—1950	1750—1950
Cdr. (Time Scale) . . . . .	1900 (Fixed)	1900 (Fixed)
Cdr. (Selection Grade) . . . . .	2000—2100	2000—2100
Captain . . . . .	1950—2400	1950—2400
	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as Captain.	
Rear Admiral . . . . .	2500—125/2—2750	
Vice Admiral . . . . .	3000/- p. m.	
Vice Admiral (VCNS/FOC-in-C) . . . . .	3250/- p. m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them. Flying Navigator instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs. 100/- and Rs. 70/- p.m. respectively.

## (ii) ALLOWANCES

- Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75/- p.m.
- Expatriation Allowance when serving ashore ex-India or afloat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50/- p.m. to Rs. 250/- p.m. depending on ranks.
- Separation Allowance at the Rate of Rs. 140/- p.m. to married officers serving afloat during the period their ship is away from its base port.
- Outfit Allowance at Rs. 2400/- on first Commissioning and Renewal Outfit Allowance of Rs. 2100/- after every seven years of effective service.
- Free rations are provided upto the level of Commodore in the Navy.
- Encashment or unavailed Annual Leave @ of 30 days per year for a maximum of 180 days on superannuation.

Naval Aviation Officers are entitled to Flying Pay at monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers and Officers of Engineering and Electrical Branches are entitled to Technical Pay ranging from Rs. 75/- to 250/- p.m.

In addition to above, Naval Officers are also entitled to certain special concessions; like hardy money submarine allowance, submarine pay, diving pay and survey bounty on fulfilment of certain conditions attached to each.

## (iii) PROMOTIONS

## (a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

## By time Scale

Sub. Lt. . . . .	1 year
Lt. . . . .	3 years (subject to gain forfeiture of seniority)
Lt. Cdr. . . . .	8 years seniority as Lt.
Cdr. . . . .	24 years commissioned service (if not promoted by selection)

## By Selection

Cmdr. Executive Branch . . . . .	2—8 years of seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch . . . . .	2—10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch . . . . .	2—10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt. . . . .	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral . . . . .	No restriction
Vice Admiral . . . . .	No restriction

## (b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

## 13. AIR FORCE OFFICER

## (i) PAY

Rank	Pay Scale
	Rs.
Plt. Offr. . . . .	825—865
Fg. Offr. . . . .	910—1030
Flt. Lt. . . . .	1300—1550
Sqn. Ldr. . . . .	1650—1800
Wg. Cdr. (Selection) . . . . .	1750—1950
Wg. Cdr. (Time Scale) . . . . .	1900 (fixed)
Gp. Capt. . . . .	1950—2175
Air Cdr. . . . .	2200—2400
Air Vice-Marshal . . . . .	2500—2750
Air Marshal . . . . .	3000
Air Marshal (VCAS and AOSC-in-C) . . . . .	3250
Air Chief Marshal (CAS) . . . . .	4000



## (II) ALLOWANCES

- (a) *Flying Pay*—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rate :—

	Rs.
Flt. Offr. to Wg. Cdr. . . . .	750.00 p.m.
Gp. Capt. and Air Cdr. . . . .	666.00 p.m.
Air Vice Marshal & above . . . . .	600.00 p.m.

- (b) *Qualification Pay/Grant*—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualification at the rate given below —

Qualification Pay . . . . .	Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.
Qualification Grants . . . . .	Rs. 6000/- or Rs. 4500/- Rs. 2400/- or Rs. 1600/-

- (c) *Kit Maintenance Allowance* at the rate of Rs. 75/- p.m.

- (d) *Expatriation Allowance*—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

- (e) *Separation Allowance*—Married Officers of the rank of Air Vice Marshal and above posted to Units/Formations located at Non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

- (f) *Outfit Allowance*—Rs. 2100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess; Rs. 1800/- for renewal after every seven years.

- (g) Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

## (iii) PROMOTIONS

(a) *Substantive Promotion*

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.—

*By Time Scale*

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	5 years Commissioned service.
Sqn. Ldr.	1 year commissioned service
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service If not promoted by selection

*By Selection*

Wg. Cdr.	16 years reckonable total commissioned service.
Gp. Cpt.	22 years reckonable total commissioned service

Air Cmdr	24 years reckonable total commissioned service.
Air Vice-Marshal	26 years reckonable total commissioned service.
Air Marshal	28 years reckonable total commissioned service.

(b) *Acting Promotion*

The following are the minimum service limit required for acting promotion of officers—

Flt. Lt. . . . .	2 years
Sqn. Ldr. . . . .	5 years
Wg. Cdr. . . . .	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp. Captain . . . . .	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr. . . . .	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
Air Vice-Marshal . . . . .	15 years (After service of 5 years* in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal . . . . .	23 years

\*Inclusive of broken period.

## 14. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casually pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

## 15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

## APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*—  
son/daughter\* of— of village/  
town\*— in District/Division— of the  
State/Union Territory\*— belongs to the—  
Castes/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@  
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@  
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@  
the Constitution (Scheduled Tribes), (Union Territories) Order, 1951@

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@



the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@

2. Applicable in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/Union Territory Administration.

This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste/Scheduled Tribes certificate issued to Shri/Shrimati\* ..... Father/mother\* of Shri/Shrimati Kumari\* ..... of Village/town\* ..... in District/Division ..... of the State/Union Territory\* ..... who belong to the ..... Caste/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe, in the State/Union Territory\* ..... issued by the .....

dated .....

% 3. Shri/Shrimati/Kumari\* ..... and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* ..... of ..... District/Division\* of the State/Union Territory\* of .....

Signature .....

\*\*Designation .....

(with seal of office)

Place ..... State/Union Territory\*

Date .....

\*Please delete the words which are not applicable.

@Please quote Specific Presidential order.

%Delete the Paragraph which is not applicable.

NOTE.—The term “ordinarily reside(s)” used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, ‘Lakshadweep’.

## APPENDIX V

### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an ‘OBJECTIVE TEST’. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

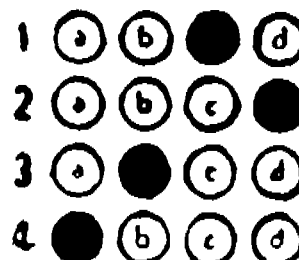
#### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ..... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d, your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See “sample items”) at the end. In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four ‘Parts’. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.



2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When, the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer Sheet at the end of the tests.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note : \*denotes the correct/best answer-option)

##### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

(a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.

\*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.

(c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls.

(d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

##### 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections

(a) exactly known

(b) only those registered

(c) very large

\*(d) largest so far

##### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below :—

\*(a) spraying with growth regulators

(b) planting wider apart

(c) planting to the correct season

(d) planting with close spacing

##### 4. (Chemistry)

The anhydride of  $H_3VO_4$  is

(a)  $VO_3$

(b)  $VO_4$

(c)  $V_2O_3$

\*(d)  $V_2O_5$

##### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

\*(a) wage is less than marginal revenue product

(a) both wage and marginal revenue product are equal

(c) wage is more than the marginal revenue product

(d) wage is equal to marginal physical product



## 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric or relative permittivity 9. If  $C$  denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a)  $3C$
- (b)  $C$
- \* (c)  $C/3$
- (d)  $C/9$

## 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \* (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

## 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a)  $y = ax + b$
- (b)  $y = ax$
- (c)  $y = ae + be$
- \* (d)  $y = ae$

## 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperature  $400^\circ \text{K}$  and  $300^\circ \text{K}$  its efficiency is

- (a)  $3/4$
- \* (b)  $(4-3)/4$
- (c)  $4/(3+4)$
- (d)  $3/(3+4)$

## 10. (Statistics)

The mean of binomial variation is 5. The variance can be

- (a) 4
- \* (b) 3
- (c)  $\alpha$
- (d)  $-5$

## 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \* (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

## 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism ?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- \* (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

## 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following :—

- (a) Buddhism, Nyāya Cārvaka, Mīmāṃsa
- (b) Nyāya Vaiśeṣika Jainism and Buddhism Cārvakya
- (c) Advaita, Vedānta, Sāṃkhya, Cārvaka Yoga
- \* (d) Buddhism, Sāṃkhya, Mīmāṃsa, Cārvaka

## 14. (Political Science)

Functional representation means

- \* (a) election of representatives of the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

## 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \* (b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

## 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following :—

- \* (a) formal representation of women and weaker section in village government
- (b) Untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

NOTE.—Candidate should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.